TSHAD MA RNAM HGREL GYI HGREL PA

(Tshad - Ma - Grub - Pai - Leui - Hgrel - Pa) Pramana - Vartikka - Virtti (part)

Sakyamati's own Commentary to the Second Chapter of His Pramana - Vartikka

By ACHARYA SAKYAMATI

Published By:

Gouncil of Cultural and Religious Affairs of
His Holiness the Dalai Lama
"Gangchen Kyishong"
Session Road,
DHARAMSALA, H. P.

Printed at:

Tibetan Cultural Printing Press, Kashmir House, DHARAMSALA (H.P.)

यरिषहण संस्था....1.68.0.0... प्रथालय. केन्द्रीय ज्ञा तिञ्चती शिषाः संस्थान, सारबाध, बाराणसी



त्रोल पर्व देव स्थान स्

্রা । বিশেষ ই বিশ্ব প্রে এ বির্বাহ্র মান্ত বিশেষ মানী বিশ্ব প্রায় বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব প্র मीर वर्षका तर्. मी. रंबर प्रा. प्रं दु. रंबेट. क्र्यंका वंका क्री में हीर. क्रु. वंबर तथा. · सदस मुंस मु : वक्ष्य व रेया के दिया है : दे दि दिने यह में मी के वर्मे दे चरे हिन्दित्वरुष व मिट में स्नाम संस्थान कर मानु चर्म के सामे स्नाम प्राप्त । र्दे . त.वीचाबाड़ा.कथ.मुकाड़ा.कंर.वीचाशायक्षेट.य.कंर.मी. यक्षेर.यतु.चाषशाक्ट. हुर. तरु वेश. धुर. त रेट. । ित. वटु. हुट्स. श्रे. मैज. वर्हे श्रेर. लट. चेश छ. वटु. র্ব্-শ্লীবের্ ব্-বর্ধ-রেমম-ট্র-মন্থ-বেল খন-মন্থ-মে লাবুলমান্ন-নেন্দ্রম वर क र्से ये पर्द सिने मिंद दु र रेस से द रेस वर्त के पर्द के पर्द के पर्द के पर्द र रेस के पर्द र रेस के पर्द भिष्यामुवाहे हो देवा कु मार प्रयम्भायवे प्याया नुस्यमा दर्जेर सुवाय दे क्मराम्बि हेकर् पुराने रदारी कु हा के से रायते विदार्कर त्यमा विदारमा त्र पर्वे द्वार्य वर्ष है क्रिं द्रा । रेन् नाविर मी में हार्येर वर्ष वेय तत्र हरे. रं. त्र्र में अर्थे. इभ श्रियाचे क्षा स्वाधर पहित्र पश्चर शाहित स्थित नाकेर मिरानी 'र्स्चिन'र्क्ष क्रम भावस्त्र वर्ष मान्याय क्रम क्रम क्रम वर्ष निर्मान नार १ वचेवशः हाई र मः प्री १।

स्त्र : देश : हमा : पर : निर्देश निर्देश निर्देश : प्रकार निरंदेश : प्रकार : प

| कर् सः क्स विमोत्य में) विमोत्य विवाद सः विवाद सः विवेदा सः Jac 1 म्यायान्दर्यात्र वस्त्र प्रते वर्षे র্ম্রবার্থির নীঝা নিঝান্তান নাম বিশ্বামান স্থ্রিমার। বিশেশাম বিশ্বামান ষ্ট্রবি বিবর্ধ কর্মান্ত্রী বাবার্কার বেরী বন্ধর বের্ডর করে মানার মার্মার বর্মার হ্রমার হ यत्राधर वलेराया के स्थारे हेर् यत्राधर मुन्य के न न्दः ये रं क्षा निका होता हो न्यमा थये अठन केन तमा पर माल्मा या सर्न केसा च व व वन्य वर्गा र्भे व द्वंद मोब कद सद सद सह केंद्र में पि वह र वहेंस मन्दरमते विश्व वा वा के क्षेत्रका वा वे वदेते वा व भव हो। वदे र ह्येंच द्येंब वे खुँन्रक्षा<u>ने ब्राट्स</u> स्थेश सर ५**२ँ**५ है। देवे प्रवृश पर्वेक प्रमृत्य स्वाप्त य १९ भेर यदे क्षेर दें। देवे परे में क्षेंच दवेंद मीदें। यह अवह सार मीस मदेव शुमाद्दा हैस शु द्वना वदी कर मामकेंव वर होता हो दे केद मने मक्त १९ में पहर पर्कारी कर सम्बन्ध पर्व पालेश मुनवर्ता हा हेनाश मुन टबा ८ कूथ. पुट का पुका दा तक ही न पद ही र देश परे के न मी दिया मी प प्रमुक्त वहूंसा हो। श्रीवाद्यार मी लाट दे लोडा मा कर सदी मा कर हैर मी वहूंसे नहूंस ग्रीट क्रिक्र वह लेहा न व के मिर वर में नहीं वहीं होंन रेवर में वर्ग पर है गाम क्षेत्र मार्ग्येन क्षेत्रणी क्षन्त्रमाने स्मान्त्र हैन जी नम्बर महिमाना क्षेत्र है। है तामा नाव्य নম'বৃষ্ণ'বন'ক্রামনী'মক্রাষ্ট্র শ্রী'নমুর্ণবর্তম''ॲর মরি শ্রী র্রৌব'র্বর্বর্বী ম্ म्मेबार्सा दे प्रमान नाकुम हो। देवे हर मी दे पा ने दार द्रमान प्रमान नाम्बानान्ता। शास्त्रेनाव हेन् के स्निन्द्राच्याम अस हिन्यरान् निन्न हैं। क्यायर चत्रपर पर्या देवे कु के हेरा खु ह्या वर्षा दे हर के हेर हैं

र्देव संस्थित या इसायर वितेद यदे सक्ता है दे उत्तर के यमदाया स्थित वे ॥ देवे WE हेस खु द्वना य हेद प्येद है इस वर हेन य दह वरस य हैद में खुर री। दे प्रमान प्रतम सु नुराय हेर गुँ सुरादे दे हैर दर वर्ष क्रायर प्रवास पर्यो। न्य दे ह्यून द्वेन सुन्य हो ह्यून देश हैं से हु देशन ये सक् क के देश हो या दे रा हे ब अर मुस पर दस पर र्यानक वस दस पर चलना प हे हे व हैं व अर पर क्र म क्रम त्म्रोय मी बेतु दर येर क्र म गाव सम चरुस म भेद व्य मत रदानी दें मी हेल सु द्वा ना मारे त्येतु हें द दव तार नाइन नादे ही दस देंव ही इस यर प्रति देश। रे.ज.इप. क्रि. दुर रेस य जरा मन्त्र मन्त्र सहर हरा छ। नदे हिन्यादरे त्या देवे कुर क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र व व क्षेत्र व क्षेत्र व क्षेत्र के नमुद्रावहेंस मार मी सुर में दूर मिसस दर ही अर्केंद सर्केंद्र यह ही दा में दे का सर्वा हैंद गुैं वहुर वहेंब सें। से वहुं व हुं ये के संपद दे से प्राप्त दे से सा मद्दे हैं गु वहूर पर्ट्स भट पेर प्रमान कर मद्दे हैं गु वहूर वह्म है। सम्म मुम मुन्न विम न वि देव हैं। देव विम न परे मु के कर सदे मक्ष के मु वहा पर स पर पदे मुदी। श्रेंच दर्भ मुं अदः ने प्रेर वा कर अदे अदं हैं दे मुं नहें नहें रा नित्र गरे मुं अदः ने प्रेर । यस द लेश नु य दे यस द दे पर्दे। दे ना ले ना हुंश शु.रवजा. इस श र्मन्न पर्देर पर हैर क्र मानु सम पर्म पर्म पर्दे रहनी दें में हैं ब हा दवना यदे खेतु के हैं में हा दवना यदें। 'दे'झ**द'**दु'म्पर'धी सिर हिंस सि देवना त कारहेब बंध पड्टा संब तर्था ही नमान में मार पार्ट स्व या भेदानी माल र सा हेमारा या द्वा मो दे सा भेद दे दिसा यह दाय (द्वार में।

े दे स्मर् पु न मन्द्र या दे देश या माल्य भेष विश्व हिसा सु द्वाना या दे प्यटा राटा ्ची र्वे.मी हिसाशु र्याना मदे त्येतुर क्ष्मायर स्वे या रे प्रसाव कर स्वास गुक व्यस मनुसा यदै रदः मी देव मी हेस्र सु द्यमा यदै योतु दे छैद हें दादा यद यद यद हो ह्री दस्र र्म. क्षेत्र पर चन्द्र ता हेद क्षेत्र वृत् क्षेत्र ते व क्षेत्र ते ते व क्षेत्र ते ते व क्षेत्र ते व क्षेत्र ते व या वै इंदासायक्षा से द वदा विशाया लेश नाया संग्रायाय संग्रा दे । या त्रे ग्रीय य सहर च यहना हैर गुै केनाश सु यहर चरे विमेल य सहर हैर । सर मुद्दाय वेश नि व दे दक्ष व स्वापा क्षेत्र स्वापा वेश नि व मुद्दा स्वापा क्षेत्र स्वापा क्षेत्र स्वापा क्षेत्र स्वापा स्वापा क्षेत्र स्वापा यते क्षे के त्रमुद्दस्य यते र्दे हो। र्द्धा अद्याप के का अदि स्थाप के स्थाप यहात्र हिन्सर मुर यद्यो दे हिन्द हिन से हिन पर हे ने पर पर स्याप पर व्।। भट्रे श्रुम ५८ हेश शु ५०मा य है कर में फ्रें य रे प्रश्न वा ख्र-'द'वर्डेम'ख्रद'यद्द्र'देदे 'रट'वलेद'उद'म'ओद'य'य'दे 'क्रद' 'वहेद'रे द'र्दर' मन्द्राचर कर्त्रम हे लेखानु व हिंदा है। वद्या स्टिन्स या उदा ध्येदा दें विद्या निया दें दें दें दें हों। माया दें हिं से यह हिं वहा स्टर्श मुक्य पर हैं **अ** से द'य द्रम यर अ दें ने य विद्वय य से द'य अ ने स की यदन के द' के द' के द ସର ଫ୍ରିକ ସହିନ୍ଦ ଅଟ୍ୟ ବ୍ୟକ୍ଷ ବି କହିଁ ବ୍ୟକ୍ଷ ଅ<mark>ପି ଅଟ ଅରି '</mark>କଳ ସମ୍ପିଶ ଓଡ଼ ୬ଟି 'ଟ୍ରିକ ଅ श्वायवुनामायाक्षेत्राधेकाक्षेत्राच के प्रमायका वा व्यवदेव रामा के लेगा मु ले व त्य दम्मिन्स्य वहेंद् यत क्षेर नें। विश्व नुष्य के माल्य दमा मी धीय कें। **बर्दे**र माम ने मर्डेस स्वाप्तर्स है है स्नर्नु प्राप्त प्राप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वा **भेन यादे स्ट्रां स्वाप्त मानावायां माणेन हिं।। हे पक्ष न महिन्दी है।**

कंद्रमम् द्वेर महित्य भेव वें लेश न च पर के में नम पर भेव वें। माञ्चा मेन उत विसादा विसादी य दे में श्चाय कर हैन नदा विसाद हैन सक्त नावि हिमा सा प्रमुक्त का कर् म हिर के मक्ष हर पर्टेर पर्टेश कर् म हिर दे पर पाया <u>ने श्रुदे अद्धार्क के दे त्रुद्ध प्रमाने श्रुप्त का का नाश्चार होता प्रमान विद्याप के साम</u> र्सेन्स'यस'दे'वहद् यर होद दें। हद्स ह्यु सेद उर लेस हा नरे उस ही नेस यन्त्रेशन्त्राचात्रवेत यर के त्युर है। सुन्नाता अहा के नहीं पर सिंदा यह के गु.बुर.स्या देव.बुर.जेब.म.श्रूब.च.चेब ब्या दे हेर.चहर.नह.बुर. में नह्यु यन्ते अद स्प्रेंट सा सु नक्द क्या यहना या लेश दी या से नास या ही से हैं। भै नह्यु न दे अद खुव के क्ष दि लेख नु न र दे दि हुर हो। नि में हें रैनास यर ढंद म नहैं स गुरे स प्रेंटस सु वरु । वर वर वर वर वह वर वर वर्षे । से देव सुम **बैं इस'यर'र्देण**'य'**सेद'य'हैद'गै**'क्षेर'देश'य'स'ऄब'सेद'गै'व्देन'गुटादेर'ड्राट''' वराश्चिखावारमा भेदावी। हेर्साक्षान्यना यादे देसाय हेरास भेदावी। **हे अहें के अप हें जा या अदायका कर्या अंग्राया यदेव या दरा हका या प्रायम यहेदा** यर से वस य हे न ही है र है है र ने क्या दें कि लिंद से से वहद वस द हुना है व महेंद्र थ महेंद्र श्रम मी देव क्व मी पहना या वे क्या या नार्रे का दे रहा थे है दिहा थी म्बिका मा उदावी। दाश म्बिका मा द्वार मार प्रदास दे ता विव दु में किका मा वस्यान करें मी कर्र देशिया हैसे ता देह है ता वह दे दे मी संदाय देश ता विद्या विते मु सर्द्ध श्रदेश या उद हैद गुर्का स्पर्टक श्रु वर्द्ध श्रु वर्द्ध श्रु वर्द्ध श्रु वर्द्ध । **- ਗੁੱਟ:ਧਹੰ:ਕੁੰਕ:ਕਰੂੰ**ਵ ਬਣ:ਵੇਕ:ਧ:ਸ਼ੁੰਟ:ਧਣ:ਤੁੱਟ:ਧਣ:ਕੁੰਟ ਨੇ:ਕ:ਸ਼ੁੰਕ:ਰੁ:ਕੁਰਜ਼ਾਪਨ:

डेन दें दें के के कार कार कार कार कार कार के कार के कार के कार के के के के के के कातहमा याकातकें साम सेनाय उदा भेदाय दे हिर देव ऑट सं सा पठन दस देस न् नहे केन मे तम्र पाम के के लिया में के के मालक प्रमाण कर है नालक प्रमाण कर है । मारेबायमायविषाय मार्थिक विष्या विषय मार्थिक विष्या मार्थिक मार निन द्री निक है हर् के क्रिक ही पर देश है साम प्राप्त है नि है हैं ले'बा रेटे'इस'चर सेंबर्ग राज्य सर्रे स्निर्नु प्राप्त स्वारं लेखाना र्से के के के कि के वसायहनायमावनुमायमे केरानेनाया होवानुमाने द्वारा अव वें। बुर-व-वहनाचर-विद-च-ता-द्व-ता-वे-क्रॅंश-च-च-द्द-द्व-देश-ध-द्द-कु-द्व-च-----माहेश भीत हों। वेंना या त्या भरा देंना से ता ता वा के हैं सा अ ता देंना मेर पर देश व हैर मिं द पद हैं। दे पार्ट में हैर गी मुंगहेश गैं हा ८ ह् ना' धर् 'व्याप्र' व' नाट' प्रेब 'घ'र्ट 'सुब 'व-१८ व' ना है स' हुँ स' स्नी 'घर 'द्रमी <u>'</u> य मार प्रेक या दे के देना या होक नु केंद्र या उक प्रेक यम विदेना देव द्रमा यहेंद्र दे । म्तानि देशाय हेर् गी हो बसायहमा पर निर्मार तमुराय दे सर्दर भे अ क्रिके क्रिया का अन्तिका मा क्रिया का अनिक्ष मा का प्रदिनी स्मा मुद्रा मा प्रवास मा ्वमुक्ताने देन्त्रम् त्रास्त्र वर्षे द्रस्य सद्दे त्र स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वतः कदाम ॲर्पायम योगानी में मह्यायाख्यानी केंच रेमकंग्नित र प्राम उद लिया के दाहे खुद पदेंद पते दें दे हे खुदे हें वे ते लेश मुख्य हूं सू है।

ंदुर:दें वें निट मीश रें वर् नाकेर निर्देश के तार से निर्देश की है हिस निर्देश पर है । न्द्रमार्चे व्यक्तमायाल्यान व व में मान्यते वर्षा वर्षे। हे द्रमायदे पायक दे लेका वार्षेक लाट लेका वास का है हमर वर्षेत्र सदी देव हैं। देवी दे सु सुदे हों में केदेदे दे दे वे केदादे में वार्ये मध्ये दें विकेद में विकेद के मान मालना मालना मालना है न्यूर प्यत्र ले की हैं के मी रहा ने बुका मानु न सक लेका न मालेका है। से या र्षेत्र वरे देश मी रदानी वृषा या वर्षेत्र वा दित वर्षेद्र या या र्षेत्र वा या स्त्री वा या र वुंशायाकेद्री दिवे मुवायाके देशाया हे देशादें दे दे सुवि दें वेंशाइशावरावही देश नु पदे देव हो । वृषापदे मुव या अदाद इस नु हें साव दर मी प्रमुख प्र अवेंद यदे हिरार्भे । त्रुक्षं तु हिंसाय उदास भेद यदे आट दे दे देवास उद हेट् भेद यस ब्रम्मुयायासेद्राय मेन्द्रायमारेसायमानुसाय मेन्द्राय । वेसाय मेंद्रास मह्यायान देश यामा है साही। दास दर्दे सामादि यर दर्दे यामाधिन याद्दे सहिन यर पर्र मानार के राज दे मिं कि वने राज दे वे विषान व वा वा वे विषय हैं बाहे देते विसं अन्ये देव भीते । ।दे सु चुर मुद्र य वेस उ पदे दे वे मार मीस र्न 35 मर नुस्र म हे देवे हें में लक्ष 3 मरे हें ५ हों। हे क्षर मानका सदे र्देशमुः रदानी हर्षे वेर स्परकाक्षामा यहदायदे । सुराविकानुः यावे रह्ये वे रहमायाया । । पहलाय केर की खेर दें। अर्दे वर पर पर दें पर के मार केर दें खेश ब्रायहनायो। . मे नह्यु न निराय र प्राप्त ख्रुप्त से के के के तारी

यर वर्देद यदे १८८ ख्रद यर छेद थ र वर्दे छैर हो। दें दें दें होना थ वर्ष स्वास पर्या देवे हेर च व क्षेत्र पर्या देवे मावस य वे हे नास य में मिमसं गु र्वे मूं कें नास य हैर गु सुर रें। दे दे कर संस स्ट्रिस सु श्रुम:दृष: हुंस: शु:द्यना:य:दृना: नीस: ऑट्स:शु: देस: स. यदे: दूर में : य: सन्मर पर्ये । **रक्ष.**पञ्चीय.तर.वि.पषु.र्षे.वेर.त.वु.पश्ची.त.र्रा.त.ष्ट्र्रे.त.ज.श्चीश.पर्जा । म्, पशुची, त.रेट. पे भूरे, त.ज. सूचीम. तपु, पेंस.त. बुंश.चे, त.बू. भु, दशम. दर् पश्ची, म.रेट.७९९.त.ज.श्चांश.नपु.वंश.त.भुर.त.त्.कंर.व.विर.तर.चांवट.च.लुव.हे... **दे** 'क्षे' चुर' मुर'य' केद' थ' के' यहना थ' अक्ष्यमा 'क्ष्द' धेव' केन् त.ज.स्चेश,तपु.लीज.वर् मी. लेश.चे.च.यु.ट्रॅ.चपू.म्चो.चपु.लीज.ज.जिश.मी.देशः सर क्रिंग रहे प्रत्या के द कर हो प्रह्मा सही। अंबाश सह स्थार हे से वा प्राप्त है मक्ट्रं न.ज.श्चिश्र.चलु.लीज.वर्.भूबा.ची:र्श्य.चर.पुर्श्व.च.पटिबा.न.बिट्ट.हूं। । तहनायादे दे दि द्वां **अर्द** दा श्रुक्ष मी के प्रसु पा क्षेत्र देश के प्रसु प्रस्ति के प्रसु प्रस्ति स् चह कु १६ व व व दे र में वहार के सरं तर वैश्वराष्ट्र हे अप देना वस दह्ना पर दिनी रहे थे. ড়ঀ৽ঀ৽ঀ৸৽ঀ৽ড়ৢঀ৽ড়ৢ৽ড়ৢ৽য়ঽ৽ঀয়ৢঀ৽য়৽৽ড়ৢ৽৽য়ৼ৽য়ৢ৽য়৽ঀয়ৣ৽ঀ৽ড়ঀ৽ৼ৽ঀয়ৢৼ৽৽ **,୶ୖଽ୕୴୲୷୕ୡ୕ୣଽ୴ୖୢ୬ୣ୵ୖ୴୶୳ୖଽ**ୄ୕ୡ୕୕ଽ୕୶୕ଌ୕ୣ**ଽ୷୴୷୶୲**୳ଽୣଽ୕୳୕ୣଌୖ୕ୣ୵୷ୖୢଌ୕ୣଌ୕୷୷୷ **୯୬**୯.୭୯ ଅଟ୍ଟ.ଖିକ.କ୍ରି.୯୫୬.୯.୫୭୯.୧୯.୯.ଜିକ.କ.୯୯. माध्येत्र'हे'वात्मर मोनामाडीदाय श्रीदायदे सुरार्द्या दे वर्षात्र सदासदी मर्द्य केर तरे भर विवासर वेराय संभाग सर त्युर हो। वया वेया वेया वे

خد

ਛੇਂ ਵੇ**ਕ** ਲੂ'ਰ੍ਧਜ਼ ਸਨੇ 'ਕੇਕ' ਤੁ'ਹ' ਜਨ੍ਹੇ ਕੇ ਸ਼ੇ 'ਭ' ਹਨ 'ਉਂਕ 'ਸੂੰ 'ਸ**਼ਿੱਕ**' ਸ਼ੁਸ਼ ਜੁੰ 'ਰ**਼ਜ਼** ਹ''' केन् हाँ सदे से नहीं न स लेन स्रेन् मी रूप गीर तना र लेन मी हैं है स स नवन न सुमान्तुराव उदावी पहनायापर द्राय दे मर्देश सुमानी में वसु वा भेदारे । माया हे नाट मी नादक अपका हेर यक पेका हे अर से हेर से हेर या लेक न न या इस्वास य द्वेंस य त। इस य सहित्स य ता स स्वास य वात विवा वोस वेस वि.च.धु.क्ष.च.भक्षटम.च.हो हे.लश.चलश वाचार्त्ता.भक्षटम.च.हेर.स्। स्मित्र सदी सुरा व दे दिए वड़ निर्देश की दिन स्मित्र मित्र भिक् विश्व मार मी कें अर्थे दाया श्वामा या से दाय दे ही र ति हुया यर ति मार स् विवितात्र में अक्षेत्र प्रस्था वर से व्यस्ता द्वर क्षेत्र में कर से प्रदेश प्रदेश यासेद्रायर देवे त्र्यस वर व्यार पर्वे दुर्ग स्क्रिंट व दे देस सर वस ब्रह्म वी कें से देश चर हिंद चर देवें कें हिंस खु द्यं के चर्दे तह मा ये दे दर ये दे मर्द्र श्रम मीस में प्रह्मा न प्रदर्श । देवे के मर्द्र श्रम द पहना पर होत याकृदासाध्येदानी तेर्वागुटाहेशासु द्वाना याकृदाध्येदावी। न्ने न ने मु अद्भव के दे दे साथ के अद्भार के अद्भार के दे से दे से दे ता प्रवास के प्राप्त के से दे हैं। ৢ৾৾ৢব'য়৻ঀৢয়৾য়'ঀৢ৾য়'ঀৢয়'ঀৢৢয়'ঀৢৼ৾ য়ৢ৾৾৽৸ दिसाया हैद सेद या साधिक दस्या दिन्द्र के दिन दे किया वर्षेत्र प्रसास्त्र वा नतः दश्यानदेः नद्भः सद्भा है वक्कि है दिन है वे स्थान है त स्थान है त स्थान है स्थान है से मद्रे मुं अंदर्शी ले व पद्र हीय प हे हेर वे व दे में स्था य ने सवाय ब्रुंच च छब मुी सद्दे शिक ए विका यद्रे में सिंद्र व छ र भी वर विचेर हो। 💎 हे

कर्ष कर मुन्द महिनास सु मुस्याम स्मित्र पाम देना दूर देने दस सर्द्ध स्मान मिंग्रसाय समादे विसं यस मर्वेदाय राम गुरेश द्वा यर प्रति । विः व्यक्ष क्षेत्र मद् नु मद् मिर मर मार क्षेत्र म र के द्व वर्षेर मक क्षेत्र मर वुका यःश्रुवःयर विशुरः मादः व। रे लिम रे केर वे साध्य हे सु सेर ध उद कर नु वियायदी हुर हो। दे न्दा वर्ष भारामा भेर हे मेदी र दावले वाम भेराया व्यक्षाञ्ची वाकादी वर्षा वाकादी विकास विका वाके दे वह वह विश्व विश्व की है वह वास प्रकार विश्व वास है वह वास नुहा के के दे दर दे का सेव प्रवेद के वे कव केद सेव दे दे का मा केद से दे हैं विमुर रेशि दें वश में प्रशासिक मुनद दुर वर्ष कर्ति । मुन्यर इस वर्तिर यसः ह्युयः यर मी वृद्धः यत्रा ह्युयः य प्येषः व वे द हे द मे प्येषः यर व मुर य दे हरः व विविधायां भिर्मा मान भेर हो। दे स्मर 5 भर मान मान पर ही वे सालका सर्वे बार्ड मानी हरू नुर्व ए खुमार सामा नाम ने वर्ता है वर्षे हैं वे से दे। । मद्भावित भेत्र करे हे से। देव हे हे से दे महामित्र सेवा हिन् दे व्यक्ष नु पा त्रम् । नु प्रवे मु प्रे प्रत्य विद्यमा ने प्राप्त प्रमाय दे नुस्ता रेता रे.चर् चर् सरामशा पर्टा करे के के सरामशा लिस यन्द्र के देश हिंद पर प्राप्त में स्था या यश देश वा प्रेय है है सद है वेर दिनविनास तथा म्यूनिम त्या हे रूचा नेश च हे स दवना पर । हिंद सुद् मिवराइससाया चहेर् सेर्।। न्यासा भारता भी वर प्राप्त केरा वेसर या भेष वें। है 'मूर सर्व 'सुम है भ गुः क्र म पहना पर छे र प है र छे ळॅद-स हेद'भेद'य-दे 'यहेद'र् हेस सुद्वाना याभा भेदाय दे 'यहाद सुवाया सेद् यदे हुर हें अ शु र्यमा य रमा वा देश य र्थेर य अर प्रें दें हें हो वा मुरामह्र शिम हुराजा बुंबा में याजा सूचीयाया सुर्या है रहा हु शहर शिमा मी हुर देवे देव ने प्रया खुवा के द माना वा किंद या दे वे देवे के देवे हेंब हों। र्देशमी र्देशमी परे खुवारक मी कंद मवी स्वी स्वी पर दे केद वी पर देने दें मुक्त दें ने दाये अया कर कर यह वसा देस न वे हित वर में वह वर्षे। दे किर के बिकानी याजा स्वास तका है आ की राजा या है स की प्रमान कर प्रमान कर की विद्यार प्रमान पर्वेष पत्रिया पर होत हैं। हेश हा तथना धर हा पा के देना ध के दाया श देवे दर वलेंब द्वास माराया वर्षे चारे के देवे दर वलेंब उब हे मुसाय केराया प्येव वे 'लेब न न' रहे दह हुर री। हे ह न नुर पर रहें वर ने मेर पर केर प लेब न म के र द प्रवेक नु मुर प दर। व्यास सुर मुर पर दिस में दर स्थानर लेश व नव दें दें। दे वश द है स खु न्यन व ने नद है द गु के कंद स केदानु इस धर यलकाय प्येक्य दे हैं र मुनाय सेदाय सामा प्रेक्ती न्नानु क लेखानु न के महें के शुक्रायार्थे। न्यांस्थाया सेन्य र सर्थेट च वहाया यर मेर यद मार्थ और यतर हो। देव हे हे हूं भ मेश ग्रेट नहिंग यह म्समाय अस गुर हिंद यर देस यर महिट व प्यूर दी सुम गु रहेर सद्, पहेंचे, त.ज. अट्र् श्रें शें लट. प्रज्ञेंश. त. श.लूब ब्रू. खेंश. ट्रं चीश. प्रतर. तर.

प्रदायर देना पर न प्राय प्रदान देनामा प्रथ है लेगा न। दे हैं दे दे दे हें पहनाचर होर य केर स प्येष हे प्याप्त य केर हो सहना वरे के पहना यसवा नदे है ज्ञा नाल हासे नह्यु न उद हिर है देश यदे देंद है जिस हैं। हे क्षेत्र गु सदेव श्वर भार वेस य व.ज. श्वास तम वीच य सुर यर हेवारा लेव हे हे सुर व महें व खुम हा म निर पर मेर्य थेव ले वा दर्श चॅला दहना यासाधित पर हो र्डेंश त याही है हुर सेदे नेश यादर र्ये से से पर अट पहन पर में हैं से म पर में में म पर में में मञ् -वेश-पा-भा के क्री-प्रश्न दिन्य न्या को को द्राय के की पान कि विकास के कि तर् नेश्नाता ही पात्र हे भेर त म देश मुन्दर ही के हे दे का भट म् यश्चा नालक्ष यञ्जूम पर द्वीर य दे या अट मालक्ष लेख प्राप्त के श्वमाय मेर यः व्यवन्त्री है है नेश्वन्य वन्न हैन से नह्या न न न है है नेश्वन्ति न न र्यद्धं अट. दे. मिंब च बेबर टे. प्रचीर हा। दे. श्रेट टे. अट. मेंबर वे श्रेश मीश है हिर्दर दिर दे भेस प हैन। दे से नहीं का नहेंस न निर्मा हो। कर से नहीं हेर गुरु गुरु गुरु गुरु गुरु गुरु से स्टूर्स न प्या निया ने माध्येद'हे 'बेश'मु'म 'अर्थेनास' या अद्देनस' यर 'मुदे या भा वाहे मा हेंस.च.च.चे हर डिट.च.रेट.चडीमा च.ल श्र्मेश.च.डेट च.रेच मा

य के दिरेश में मेद यात अटा पहना मेंदा गी पश्चेना यात सेनाश यह हूटा व के मे-दे हैं दे हो से द रा य लेख न र या सेन्स य क्रिंस सी वगुर रें। दे वैद्दिंश से वै देव का के प्रमाय में होर में विकास में विक्षा में महिना मान्य परित्र के दिन माल ख्रेंब्स मह रेर् होर यह खुल कह ही नेस म हो न हेवाँ। भ्र.पर्धि. न. च्र. ब. ११ व. न. न. हे. हे. के. वेर. चीर. तर्र. त्र वे. तर. केट. त. तथा कीट..... तिहमा नद्र हे हे देर भट्र पर पर्टेर नद्र हे से ही रायर विग्नेर पर हे है से हे है से स दे.क्रेट.क्र्ट.भ.लुब.मु.पविज्ञाताभालुब.यू.बुबा.मे.चर्. বন্ধু ব গুর অব হ। यः इदः प्रक्रेदः यः अः स्वीसः सप्तेः देवः मुः कुः देवः प्रवः यदेः सुदः स्रोः व्यदः प्रवः यः देः हेदः वर्ष्णेचो.रा.र्ट..वेशूरे.रा.जा.सूचोश.त.वेरे.ता.रेट.कि.चोट.जूब.से.इ.ड्रेर.सिंश.रेट.चबेट. च'व'र्स्निस'य हो ५'दे। रह्मात्त्वे द्व वेद धर व्यापते मळ्य क्रेर्क्षक्रमहोसुरार्सी मार्थाहे हैं त्यायाया अटाहे स्नर्नु चर्यर पर्ये देव व्यक्ति वर्षा दे व्यायदा द्रार्थ दे वा वे निहेदा स विनाधिये मन्या स्नवसार पटा द्रिंश र्च इस्राधर पत्र मा विष्य दे में जातर हैं। म्याने के वमानी नेसाय कर सर द्यार रे ले उपरेर्पा कर गी कीर मिं मायाने वित्व है सुर व कर्म मा स्वेद पर प्यत्र है व व विद्या पर स्वेद हैं है से पर . वसमःवसः म्। देत्रः द्वर नेदः वरः वृषः प्रते स्थापः वर् में। सर्वः समाने वस्ता सद् मु मड्य से द पर दे सुर डिर स्ट स है द गी वदन हे द न गुर व र र देने वस स्ट्रिस ख.चबर.च.लुब.बु! इ.डेर.लूट्श.श.चबर.च.चधर.टे.ट्.ज.एश.च हेर.तह. **डोद्'य:दे**'क्टर'ब्'रूट'के**द ग्रीम'ळद्'म'**श्रेद य'देवे'छेर'प्रुच'य:मेद य'म श्रेद

\$E'E & A'FE'& - \$E'E & A & E'WE'E AND A A'E A'S - EE B & B'ES सं-३२'ग्रेस'नाइट नु:३५ ग्रहाबन्निय पत्रे कुं'सळ्देरस्ट्रे पदे खेर हिसाव क्रेन् प्र वसाय सेराय दे प्रसाद। दे त्या सुका गु रूर्म पहना प्रसाद रूर्म हैर्नु इस यर प्रविना पारे हेर के मालक यका कर के अव के । हे अद मालक प्रकार केंद्र म्बाया वास्त्र में वादार हिरामका स्वेत हैं हुर है सूर वाय दाय हु सुर्ये। दे यश व पर सर्मा अर्थे रे रहार्ट माल्याया कर्रास ध्रेयाया है शासु र्यमा या वर्ष केर अर अर वे लेखा नु वर बद्ध हो। पाय ने सूर प्रहा पर दे सुर लंका इंचाया कें क्षित् हेना साहित्या यहेन न्या मियाया प्रेन हो। सप्रेन हे ब्रह्म तुः नामा स्वीका यहा यह यह यह वह स्वीत हो। यह स्वारा ना ना हें बार्स राये 'की क्षेट क्षेत्र राये 'क्षेट पहेंचा हेत हमा हें ते हम से माने मा है हिस सर हो ह कुट.रेप्ट्रे.इस.श्री.पर्येटस.वेस.ट्रे.डेर.क्स.तर.पेड्र्मी.त.लेब.ट्री क्रेट.कप्ट. इसायर वर्हेनाय के माक्षर उक्षित प्रकेश मेर प्रवेश से मेरे दिसाय मेरे पर प्रविद्यार में क्रम म मि से रिना नी रें र रम पर खिल शर्र पर जिस जार से हैं ह स्रर वर्ष र वर्षे ૹ૾ૢ૽_ૺ૾ૹૢઽ૽ઌ૽ૹ૽ૹૢૡૢૡૢ૽ૡ૽ૢ૽ૡ૽૽૱ૡૹૢૺૹ૽૽ૢ૿૽ૡૢૹઌ૿૽ઌ૽૽ૹ<u>ઌઌઌૻૡઌ</u>ૹ૽૽૱ઌઌ૽ૢ૽ૺ ਫ਼ੑੑੑ੶ਸ਼੶ਸ਼ੵ੶ਸ਼ਫ਼<u>ੵ੶</u>ਖ਼ੑਜ਼੶ਖ਼*ੑ*੶ਖ਼ਖ਼ੑ੶ਸ਼ਫ਼ੑ੶ਖ਼ੑੑਫ਼ੑ੶ਫ਼ੑਖ਼੶ਜ਼ੑ੶ਫ਼ੑ੶ਫ਼ੑੑ੶ਸ਼੶ਸ਼ੵ੶ਸ਼ਫ਼ੑ੶ਖ਼ੑਜ਼੶ਫ਼ੑ੶ਫ਼ੑ੶੶ भ. ब्रे. भर्. लेज. ज. में क्रेट. लुब. तह. ब्रेट. ह्या कि में मुट. तर. उर्च था. वे. स्ट्रेट छ. ् लार अ.श्र. के. के. केर केर हेर हैं सक पर हैं रही। हे लार लेंग हैं प व हर मा के मार्चे। देव एक एक हर भेर में व के मार्चे लिया वर् हुर लुब व् बुब हु पर पर पर महा प्रमान प्राप्त में है। यन्त्राक्ष.तपु. कुर. र्रो चाता. हे पूर्य ग्रीट कर था ही था प्रहिमी.तर मेरेट.तका.

ਫ਼ੑੑੑੑ੶ਸ਼੶ਸ਼ੑ੶ਸ਼੶ਫ਼੶ਫ਼ੑੑੑ੶ਸ਼੶ਖ਼ੑੑੑੑੑੑਜ਼੶ਖ਼ਫ਼ੑਜ਼੶ਖ਼ਫ਼ੑ੶ੑਫ਼ੑੑੑਸ਼੶ਲ਼ੑੑਫ਼ੑ੶ੑਫ਼ੑੑਫ਼ੑੑੑਫ਼ੑੑਜ਼੶ਖ਼ਫ਼ੑਜ਼ਜ਼੶ਖ਼ਫ਼ੑ੶ਜ਼੶ਖ਼ਫ਼ੑਜ਼ मेंद्र पर देवे हिं में नेद्र पर वुष प्रमा भेव वा। नार्वे वु म मेक्'मी'र्द्धर म'म्बस्थ रद्दर्गरा हैद्र'में क्षेत्र केद्र म'हेद्र' के क्ष' नहिर न प्रेत्र हैन व्याय सेन करे । जावन में मेंन पर से व्यास विसाह भार करा राहे रेवे. ब्रेर के यम ४ लेम ने या वरे श्रें मार में खेर कर मार्थ **ब**र्शे। **พร.พิล.พูะ.กะ.**จุะ.พ.ผู้.พร.ศิล.ษู.ซูะ.ก.รุ.นพ.ล.ซีะ.ปฐศ รู.นี่อ... र्च हेर् कर्म भेर हे रहेर् पर प्रेय वर्म में प्रेय वर्ष में प्रेय वर्ष में र्वे दे ने अप्ताया अदा अप्यापन हो दे अदा दिश र्वे दे खुल उदा है दाये हैं द र्रे दे खे स लेब ब दे दे दर्भ में से दे चते छ ता उब लेब व दे खे हार मुर ये " नेशायाञ्चे सर्वे मुद्द केदादु से प्रमुद्द द्वी दि केदा है दे स्मार्थ दे केदा है दे समार्थ दे केदा स **८६१'नर्रे छेर**्सा विषानु नार्झे अपने दे त्यस विषानु न प्राप्त दे केस म हैंद प्रसादी दिस्म दे ने सम्म न के दूर होत मह खुम कर मी ने सम्म म सदे मु ३८ भेर नरे हुर रे विश्व नरे रे रही। परेश वे वह अर पुर वेश प हैं रद मी कु द्वा थर हुर या व कद सर दि दि वह हैर दु है है वर विवार है। र्द्याम् वे क सेर्प कर हेर प्येक पार्रे हीर स्ति विक क्रिक . भक्षेत्राच्ये, ये देश च दश मेविशे ताश हूरे तर चेरा हुं , वश हूँ शे तर विधीर हो। **୷୶ୢୖଽୣ୵ୢ୷ୖ୷ୢଽ୕ୣ**୵ୠୖୢୣ୵ଽ୳ୡୄ୴୷ଌୡୄୠ୕୕ୡ୕ୣ୵୶ୢଌୖ୵୶ୖୢ୷ୢଌୄ୵୴ୡ୵୳୶୶୷ **ล.พ.ชุ่.พ.พู่ช.ฟ** ซู.ุ่ช.ปู่พ.จ.ุ่ช..ปู่ พูช.สะ.ฟี สรู.ซุ**..พ**รู. इम्मायर मल्याय है सुर भेर ले ना रेते.सेर.वाट.ची.से रूप.मे र्व. सेर.

दा. विश्व. चे च. पा. सूचीश्व. ता. ह्यूंश. ता. पा क्टे. अश्व. सूट्श. शे. चक्टे. तार्य. हूचे. में जी. पी बा. ୖୖଵୖ*ॱ*ଵୖୄଷॱପ୍ରଂ*ସ*ଂଶୖଂନଦଂସଂ ସୖଂ ଌ୕ମ୍ୟର୍ଷ ୩ୄଞ୍ଚଳ ଦ୍ୱିର ମହିନ୍ଦ୍ର ଅଟି । ଅଟି । उद र्दे र हो द र दे र हो र स द खुवा हो र वर विषु र र वा वार प्येद स द दे हैं र हर सम प्रेंट स ह्य चंडद चंडे दें की खुर प्येव वें। वदेर प्यट दुन चंडे वह व प्येव वें। दे.बु.क्ट.का.कु.क.वाट.लुब.त्य.इ.क्ट.का.कु.स ट्रे.चु. कुट लुब.तर.जुब.त.हा.... भद्रे.भ्र.चक्षा.च.भ्र.४.५.क्षे.४.५.स्मीच.च.भ्र.५५.स्मीच.च.भ्र.स्मी र्य. **५स**'सर'ः वे नह्यु'न'स' ने न्ना' छे 'अद'सेन'**र्न 'लेस'ने'न**' वे नाहे ' ना'स' अद'ईस'' यर वल ग्राया है देनास यस सहर नातुन्साय उद हैर प्रीद पदे सुर है। नाय કે. કું.કૂંશ.૮૮.ઝૂંચ.તાજુ. એશ.તા.જજા.પ્રે. જેવા. હુંવા. નું.જ્. જેવા.તા.કૂંય.જા.જુ. न्तु नर निचीर न लट शालेब बना दे नेश बेर लट क्रेर सर समाचर वनुरारें ले का के वहुं ने दिन हैं निर्मानु ना संन्था में हैं साथ देश व लेश व व के वहेंद्र यहे के दूर वह व व के हि के व के हैंदे म प्रेव मी विव मुद्द विव में विव में कि कि कि के कि के विव के में कि में कि में कि कि मे देश'नु:च'प्रेद'वं। शेंटर्डिंस'पार्सेन्स'प्रे नेस'पापस'दे'से परेदें'य दूर' भदःख्रायः धेका वें विश्वास्त्रामी अप्तर्दे याद्राख्य वाकेदां के चं न'वर के'वरे वे देश था भेद यर वर्त हैं इस यस। नाय है है से खरी मीयः यह अधर श्रियह त्त्रीय हो। प्रत्य प्रमालेश विषय प्रत्य कर्म मान्य प्रमालेश प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्रमालेश प्रत्य प्रत् यते देव प्येव या के श्र हो। दे ख़ क प्यार हुँ के प्ये दे हा ले ले ब्रिस्ति च लूर्य तार्व लाः बुंशायितामः शूर्वासामा श्रीशापे। वस्त्रास्ति य

म्मास.वेर.चर्.की.सर.४.७४.वे.च.च्ट्रस्स.रवैट.ट.। वि.क्ट्स.वी जुस याता स्वीसार देवाता के नोबारा हेरा पड़ी मुं सेरायर अट सराया सेरार् ॥ नाम ने पर्देर यदे देव पर खराय के प्रह्मा या भेव लेट ने भार हरा का ने प्रकार वें न ने ने दे दे दे मायस शर्र पा कर्ष माने प्रेन प्रेन प्रेन प्रमानिक माने वमश्चित्य दे भेंद्र यामाध्येव यादे मुक्ताव इस यर माल्या य विवास सेद् या कर थें के के ले के दे हैं के स्वर यर वुष्णं या कर मा हेर ये के मी लेख म मार्झें मारे। र लट.ज.जर.उट्टे.च.३८.ज.म्.चर्से.चर्डे.पचन.चेत्र.स् १४ पेस.चर.उचीर.बुर. ल.जम.ट्रेंच.भक्ष हेट.ग्रेम.विव.चस.स्र्री किंट.मु चर्षी.व.क्ट.स हेट टे. मन्द्रम् भवत्। देवे वुषाम वेषानु मानवद्म हे सुर वात्र नदे हेस भा सेद है व दे हैं हैं के या दे हैं दा व दे म नहीं न लेब.चर.बुंब.चे.च.झूंब. ट्रे.म्.चर्थी.चर्ड.चैं.हेट.लुब चर्ड होर.म्.चर्थी.च.लुब चर नहेंद्रात्री द्रान्त के द्वर दर्देव केद वस्तर नवस्य के से नहीं कर्ण है विसामन् छे दासे पहुं पर नेता पर रे रोस पर दे रोस पर के समार के कि के राम हो से सार हो रहे राम है देर मिं वें उना नेश हर पन् पर साम ने वें। है रें य ही दें व ता है वें अर देश पर प्रस वस वाय है लेख मु न य संवाध पर क्रेंस च वा है दर ने लेख कु न ने में नहुन ने हु अथ कुर न अ व्यन्त न म के रेन के रेन के रेन न देशे निर्मा केर के साधिक हे रह मी हैं के बार्य के केर हैं। दे वास कुट ्व'अद'अ'भेत'ने'र्नेव'सेन्'यर'अद'अदि'यरे'क्षेर'र्ने। वर्नेन्'यर'दे'वन्यूर' न इसायमा द्वारा न कर्मा हिता कर कर के प्राप्त के निष्त । वर्षे प्राप्त के मान्य के प्राप्त के प्राप

लक्ष मुद्द क कर्न का नालन त्ये हे हेम श रचना पर में हैं रहें। ल्र्न क मिन्न प्रमान मिन्न प्रमान प्रमान मिन्न प्रमान मिन्न प्रमान मिन्न प्रमान मिन्न प्रमान मिन्न प्रमान मिन् मार देव के हेर के प्रति खेर हैं। का कर के वह रहीं हिन म सेर्पार दे दे सा भेदार् वे लेक नु नाम संग्रास महा मह दरे दे साम है दे दि नस द निर्देश के नहेंद्र यह नदेंद्र यह होते हुस के कि का के हि हुन न नदिं। नावा ने प्रतिकाता प्रमानीवर वहूर् तर प्रेर्ने वस्त्री नावर वहूर् तर हुर वर प्रविद् इन क अर दे पर दे नहें दे पर पर्दे पार का क्षेत्र पर के किया पर की किया का किया का किया का हिन्द्रित्व विश्वा दे प्यट देव मी भ्रम्य स्था में मार्थ देव साम देव साम प्रमान व्येत या देश यहेंद्र यर वहेंद्र यदे विदायर द्रा विदायर देश या मेहाय के देश यहेंद्र यर प्रदेश में देश हैं है से सु द्रम्म प्रदेश में र र्ह्ना यह वेश व तथा लेश च पह चुम पत वेश प द मा पह के पा प का पर के प य'यस नेस'यममायर्ग। महन हैर विविध राजी के के बिध में में के हिर म ह्यु मेर उन भीस या लेस न पते हुते सकत हर है के वहियाय भेर है हैंना वा इट वरुषाय में विषाय में मुन्य रहे कि दार कर कर कर विष से सिंह के यदि हैं र्रे । दिन्दर व मालक भार से विमुर रें। बदेनस य लेस मुख्य संस्थित श्रम देखव मान्द्र देसामा है याया सेनामाया नाहित्या वहेंद्र ये हैं से नियाम हर से हैर स प्रियादी मुंदी हो। है हर ही वो में इस बर प्रेम व नारक तर किर तर मिर तर में अब तर मिर देवी पर क्षेत्रक राज है किर क नीबिट निया देश प हैन ता विश्व प हिंदी निया देश वर्ष कर हैं ने पर विश्व पक्षेतर विश्वर में विश्वर प्रदेश के विश्वर के

त्र प्रदेशके दे के साम नियम के प्रदेश साम नियम नियम में दे के प्रदेश साम नियम त.व.चेहुन. १ स.च. न. न. चूं नस.चलिव. र भू नास. त.व. चहुस. ले स.चे. न. ज. **श्रेनास । गन्दः खेदः नी खनास ग्रे : क**.ल. वहेत्र दस क्षेत्रस खे**र न**टेंस : व्यं नीडटः व :ल..... वर्तेनामः व वेमः वहर् प्रमः भ्रेष्टार वित्रुर हो। र विषा व विमाय पर्टा व्यर् नाकुर्ता स्वास माने अला वर में निस ना वसस कर महिटान वहिर नदे सुर क्ष्मामामानुन्त्रा वर्षमानुन्त्रा क्ष्मानुन्त्रा क्ष्मानुन्त्रा वेषा ਜ਼**ਰੇ ਅ.ਰ. ਸ.ਪ**ਟ੍ਰੇਟ੍ਰੇ. ਕੁਰ. ਅਰ. ਲੋਂ ਦਿ ਜ਼ਰ ਹਨ ਹੈ ਦੇ ਜ਼ਰ ਕੁਰ. ਅ. ਅਰ. ਭ੍ਰੇਟ ਲ. ਜ਼ਰ ਕੁਰ ਲ. ... प्रदेशमा देशमा देशमा देशमा देशमा देशमा देशमा देशमा के दे खेद्राय द में नह्यु न इद मार खेद स दे दे केंद्र म खेद दा विस महद केंद्र दू हुस न्ते के न प्रम के अप म व्यर्ग भाग भाग के विश्व न प्रम के विश्व न मुर्देश्चेशता व्रकासि वर्षः मञ्चरे क्षेर्राला जैसावा श्चेंशाचा स्थाना वारा त्रियाचा रेगा ला अक्ष के हैं है है है है लास संस्था अंगाय देश यह मुख्य से है । यह मुख्य से हैं श्रिका खते देव हें का मुनवरे केट नाट वा अर्च मारे का ने का मुद्रा के केर मा क्षा प लेक मा दर दूर निर्म कर हैर कर प्रेर केंग्र केंग्र केंग्र केंग्र मेर पा लेक मु न दुर्भिटाक्रेर के इस कार बी जिसान कर की की निविध की साथ है। कर का कर है। रेतूर व माल्या अ दिनास माल्य अर्थे। ने अपा अर्थ पर उद्यालक प्रहित्ते अर्थे - बेंक्क वर प्रमुद्ध व वे छन् वर प्येब वा ने सार्बेन प्ये छेर छन वर वि । वर् कः अर्द्रक्षाम् क्रिक्षे व वर मान्य गुरु निकायर व्याप्तर है। क्रिक्षा यस व वर दर्गाया

र्दो । दिः त्यार्केद् यते व्यवस्य व वेसायस्य ह्या वर्षः विद्यार्थः विद्यार्थः विद्यार्थः विद्यार्थः विद्यार्थः र्श्रेन्स पते क्षेत्र के देव दर वद्न रहा के दार के दार दे दन के दिस के कि दे 'ऑर 'य' रक्ष मुरेश (वेश मु 'व' दे दवट 'ये 'व' संमास 'य ऑर 'य' रक्ष 'य' दे के ' यदे खुवा उद मी देवाया यहा। दे प्रश्ना दे प्र नु'यर 'दर्बोद्ध र्ह्मा है'दूर 'रेनास'य 'यहें द 'हें स्प्रान यहें सुद 'यह 'सुद 'यह 'सु इट दें र वर वु वर्देर वद्। चश्रम्भ च वे वदे दि दि वदे पुदे हुम दे से स यवीं निया से वासाया यसमाया हो अपने पान दे कर के कि हमाय के म ध्येव विश दे निया व दि निया व विश्व व व स्चिश्रासाय साम्प्रेय स्था वश्रमाय प्रमाय प्रमाय स्थाय स्था नु न्युर थ छन् अ दे भारत भावत या दे दे से देश सका मुद्दार व उक्ती अस मते सूर्य या या भी ता ३५ में खेर हैं। दे तम दे वे दि हो दे दि दे दि दि है यदै पद पन मा से पेद हैं।। हर सम सर्वे निय दे देव हैं एता हद दे दे हैं देवे सुन्न उद द्वा भेद वी। देव मा देव में ह्वा में ह्वा में मामा १६ मारामाध्ये प्रते छैर दराय दे विश्वाय दे १३५ हर माध्ये देव प्रह्मा सर छेर पर प्रमा केर पर केर से हें से हें न से केर से खेर से हैं हिराना देश वार्ति वे लेश न न तार्य क्षार्य तारे लेश न वे हा खें बर्दे पर मं हैन ही। पर के खूर में दि ज़ेश मं धीन वापदि के के र में दे का कि खेर

चनना केन च नन मा सेन नु केन गुष्टा देश न न के क्रम्स सु छ्या न दे का ना केन नु । मुक्तिका मुक्तु जालिक देटान र न र न हो । जस्म न विष र मिर्ट र न महिर न मालिक हो । द्वारा तु ११ विषा न व ३ सिया हे बाका चर्या है । हे । स्रेर् व अद स्वाद विवा वी विश्व के दे हैं । प्रिया है निका में निका के दे या मेर या दे दे । क्रेर ज्यंबर जाराईस मा अर्थ का क्या त्येता संट त्ये च . ५८ त्येश खे. दश पर . चलेया .. सही है अध्ये हो। यह पत्रियते लेखा न या श्वास यस हुँ दे या यते जा न **अ.र्वामा नावमा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा गर्म । वर्षा गर्म । वर्षा वर्षा** मी खेता वर्षे स्त्रमा के क ब्रिक के क क क्रमा भारत के मार्थ होना पर हिन दे वालक अश ही पर्या देशना देश द्वामर मुस्य पर्मा मुन्नु न वे मार्व पर वे मार्व पर नियं मुख्या भी विश्व वि हैं बार प्राप्त कर है। जाल र केश कर स्था के र दा भार कर सा है र धेव माध्यक्षेत्रका व्यक्तिक्र त्या त्या क्षेत्रका क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्रका व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति अस.रविटायक विश्वा दे.ज.चाला हेर्ड खेना बीचा वर्ड सी स्ट्राइट विराय निक्षेत्रे देशस्य वर्षेत्राचर देशस्य प्रतान प्राप्त नामा स्थाने वर्षेत्र ୄୠୖ୶ୢୣୣୣୣୢଵୄୣୄ୕୷୷ଽୖଽ୷ୡ୕୷୷ୡ୲ଌୣୄ୵୷୳ୖୢଌୄ୵୴ୡ୕ୡୣ୕୕ଵୣଽ୲୷ୄ୕ଽ୕୷୶ୖୄଌଽୡ୴

चत्रमा क्षेत्र वहर् चर छत् क्ष्रमा न्यामा चत्रा हे त्या नता हे क्ष मुव पः भे वर्ते वह र भ लेव य रेते कें कर सदे मु मावव सम भे व हार य लेव ... हैं। वर्ष हैर के रहा वेश हैं वे हैर तथा कर सामे वर वहेंर वर के नेश व क्षेश पर कर सद पर्व कर निष्य कर निष्य केर निष्य केर विषय केर स प्रवित व देव पर्व पर्व हो हो । रे वित हो कर स प्रवित हो देश मार्थ स्वास त श्रिंश हे श्रिक त रात्र मा श्रिक च ले स छ पत्र ना नक स्रवस द्वा त ले स छ . य वै वर्ष प्रते केंग महेश भर्ते। अर अर र र र केंद्र वर्ष केंद्र र नुसान हिन पर देश पर विहास से दे लेख है न के मेंसस स हे रा लेस है. • यर वेश पर वर्षे दे अर रे पहर पर्देश ग्रेट लेश वे व वे श्रुं र व पश श्री [पर्वतः पड्सा वे सिंद्रा पापत्तिं पाये देव प्रति मी। रहा तामा सर् मानेदा हेश्र-पान कर सह खाय उन में सेंह्र पार्येर पाने सामेन ने । रह हैर गुःनहर्ना लमान्तर्भात्रिक्ता विमानुनि के मान्तर्भात्रा सर्व केर में द्वा देश कर सम्मास केर से मान केर से से से केर से स र्हेन ने सक्त ने ने ने ने प्राप्त के लेश न पर दे नि हिन्दी ने ने ने उ व वे दे हिन मिन सेव य क नाव र तथा वद कर हैंगा यर श्रा वद हैं र हैं। ल्या पत्र देव उर हैर भी में भर तर गार वस नहें पत्र विश में पत्र सम्ब मत् दें का केर की की के परर कनाम रहा ले हिट वे मेन माने हो।

न्ना सेन पर गुर दस नहूर हिर पर्सा ने क्षर नु र्यं व केन कुर कु हिराय . हो । भुक्तानु प्राचा का क्रिका धर्म । भुक्षानु का स्वर्ग दिया है । स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर क्ष हेर रु नसमायर निय धेष हो। रेना नेर हे सानुसान केषा ।रेदे क्षेर पर दे. ये. ये. प्रें मार्के:माः सून पर दे के की दास भेक के लि के दें कि के मालक दु से प्रवर्ध हिंदा गुरिक क्र म हिर भेर हे हिर छना नी नाल र दु में प्रश्र ध भार र्वे ही स में पर भेर यते कुर मालक त्यम क्षर मा केर प्राकृत प्रावस प्रमुख रही रही यह वर्षेत्र यर त्युर व र्श्वेर याय रह रेना या यह से वर्रे हों। रेप व वह हार व केर वै भीवः सर् गु लेस छ न वै सर् मा हैर दे। विसाय समित या हैर या हैर गु हैर रदः देना धर द्वीर व व । वस्य उद्गी वद्य १ १८ दे विष्ट व व ध व स प्येव वे॥ दे नमान्दे भामदेव श्रमके कर माहित्स भेर हे ॥ क्रेंबर् केर्य विदाय करे के एका मीराय मेरिया हैर महर् व सिमा वे माउटा पर देश संद्रना व्यक्त मार्रेद क्षित्रे देशी देन गुर नहार नदी देन थादन वालेश हा न्य.स्न्य राज्य दे केर् स्र्रायका माय दे नहार पर सहरकार प्रकार निवाद हिना ता देश यदे के लाद है हिना कर है नि महिंद या ता हिन सर है न कर कुरे.ह् ।। नामम न दे.लट.रेट.लट.रे.मह्ट.नज्। श्रेनम.हे.नेदम.

भ्रवस स्त्रा स्वास वरे सुर दे दे त्युवा य से दे दे त्या वर है दे ता वर है व दू देर पर्सि परि सुभ दर दुस भार्यन्य राम्तुर री। प्राह्म गुरेस दे कर् म.३८। पहेचा व.जम.कॅर. बुरा.चे.वर.हेच्या.वर वेप्। लर.रच यत लेश पते हे पर अर्के पर प्रेर पर मुक्त पति कें हा मूर्य पते केंद्र पते अर्क हे दे उ म् वर्षेत्र वर्ष्य प्रमा लेशाम वाका प्राप्त प्रमानदे हे वर मह्यू पर में यम वित्य स्वरे क्ष मार के यारे खेंद्र सबै सक्द हैं र है दें है है निष् वर्डेशःवादाः अर्द वालेशानु वर क्षेत्रा वरासुर रो अदावरायना यह नेम यह हे वर महें र यर हेर यर पार द्वा या कुर हे मार्गेना यह रूस दे हैं क' पर्दा इन स दे हा स दम पड़ियाँ। हिन स र व दु माना स य किन निम्म स् व व व के किन्स य व के अन ना किन के निम्म निम्म स हे नुसाय के रच मानास का विदास के सकत है दाय मदाय थी। विमेसि दार्या दे.भू. जेश श्. लेश हीश हो। भ. जेश देरे की तशक हेर किर च च ता समास च ता । माल्य महंत हैन माहिस या लेस च च ते हैन हैने मु नहेर् पर नुर परा पर् के नाहेमा भेदाय। दर के माल्य हरा या नाहें या य भेद वे लेख न प्रत्य केंद्र य भेद व ।। भट द न न व द से द य लेख न न प्रदेश मियाय हेर स्वर्ति। मालन सक्त हेर महिस या प्रति या मा र्भे के विकास कर में के का कि विकास कर के के कि का कर के कि का कि वसुर र्रो। वर हैर मुस हर मानहिस व मिन य हैर में स हिर र्रो। दे अत् पर् है है है सकत हैर महैस म भी दें लेस पहन पर प्रमुद्द है। मेकायने र्निम्स लक्षान परे क्षायर प्रमेलाय के द्रिम से दे दे मि क हैद

क्रीर्देश हैं दिर दे लेख द्वान के के में अभावते दें जासवा वर दें दान सकत हैं द क्रम्मी द्रा मा केर र्रा माया देशी के सम्मास्य मास्य पर होर या लेखा हा वा दे रहा क्रिक्नाम् दिन के स्थान के लिया निष्य के निया निष्य । दिन होंग माने लेश निया होंग होंग मैं विश्वास दे विश्वास के अन्य मानेश माना श्रीमा माने ॥ दें देव माणेश माने क्षेर देश वे चातार्द्ध के द्रेश वेर प्रमान क्षेत्र वा क्षेत्र क्षाया क्षेत्र का वा क्षेत्र का क्षेत्र का क्षेत्र यात्रञ्जयायम् नु नवे र्देश नुर्यामान्येश रहें। ह्रिन् यवे खुला उर हेर डेश नु वर्षे मेर्'वद्'खुत्र'क्रियं दर्भेत्रप्रमाण्डलेश नु'वस देश्मे प्रेर पर्दे देशनी **भेर्-च-दर-सेर्-च-१-५-ज्-मास्राम्य-च-छ-द-प-र-स्र-मा** से सेस्याय रेक्नास्य . यर छेर सदे सूर्व परे महर्व पर पर्दे च प्रके वा लेखा छ न पर परे वहन पर सर्द शुम नुस मानुदान १५५ गु हु लेस नु न है हु च रूर् वसुर रें।। म्रेस्स त. प्रविचा वस हस शु ह्रीर पर्वा रे दिर दे तथ स्वा पर्व वेस च व वद्भा है हैने देनाम उदास सीदाय ममस उदा के लेना या हेद हैं। हे हिन्दर ऑटश श्चा अर्ह्स् कर विदायर मी स्थित दर हेर वेश नि.च.द. श्रम मीश हे हर म्रेंद्रम् श्राचकर् निर्म महामी मर्द्र १ रे में खु बाउद १ रे रे रे नुद्रापद्री हैं द्रा । पद्रमा के के द्रा की है सद दें के मान पद हो। हैं निका विद्यात्मा ग्रीट. स ट्रेंगला ता लेश ने . च ल स्था मा में हु या . च लेश. के बे देना मा हैत हे साम बाता पर भर ने दे लेगा से क्षेत्र कर सहवे सम में हें नास ... बर न न के के न हैं भे के लेक र नहीं के मुन पदे नारे के ने का सा स्मार हैं। दे कर के मुंदी कर बढ़े के पक्ष म कर पासे दे पादे की हमा या है दे गुप्त महित्य प्रेय र् के में ने सम्बंध में। हिमाना मानामा मा हिमाना मद्री सेना माना में के से प्रहिना मन्दर दे के हक है है या ला सेवास माना हर है। सर महक है के हैं लेस है व के लेख हर रें वे मालक रोक व रहीं है मवे अवस सुर्वे। माल है रह मी মর্কর গ্রীবামার্ক্র মাধ্য বৌরাধাণাদামের মারীর্ক্তর মহারের্বি, বারি ইটা वैदायर में वसाय मेदाय नार में दाय खाया कर में में देशेनासाय दे के संदर्भा हिन्द्रा स्वेद पर प्रयापर प्रयाप है। बेन परि खुवा उद हिन स्वेद र मी सर्व केंद्र स दें नहा च दें नहा च हो द स केंद्र च केंद्र में खेर हैं। WE देश मु:न का केंगिका नहां वह तह वहां पर में ने हें दि के केंद्र हैं दे के केंद्र हैं के का च वर्ते द्वा वर्ते अक्ष कर्ता में अक्ष कर्ते के दाया में वर्ते के वास वर्ष हैं वास म ही दिसे निका कुर दें ता की प्रेक्ष ध दें के मुं खुवा उद है द प्रेक दें। रह मी सर्द्र कृताम् वास्तान्य कृतान् विसान् वायायायायायान् कृताम्ययायम् नेतान्। नुस् य'य'र्सेन्स च र्देर होद्र'चर'दुस'च'द्वानायर द्वाच सेद् च हेद्दु हेन्स चलेः र्देश्यमः पर से दसेनास या अटा र मी सक्ष केर केर के दे के दे कर हैर <u>ध</u>र। चर्त्रे 'क्षेर' दर्भ हे ' सेदा चर्च खाया उत्र हिदा वहुत हों। कुँ न्या पर्मेन्स प र्शेन्स पर्नाना धर नु द दे स द्वद हि नु य दर्गि दे दे सु अ दर्द है हुँ नृषः यः श्रेन्षः पर्वे । देशः द्वे । यदै हे वे स्नुष्रः वः यः स्नुष्रः यः र्मानः यर मु च देश दवेश थरे हैं वेर हैं। अब दुन्तर पर दे ने मार्थाय में दूर रहा नी'मळव'हेर'गुँ 'धुत्य' उद्गहेर अदःब ॥ - 11

अ। ।इर.भ.१४भ.४मी ज.मी.४मी.४मी.४५। यथ.म्.य.५४१. मंद्रेश मा नाट.रे.रेस अमियाल सूर्यास ता दशानर माहर सार हिसान स्थान स्यास.तरु.स्रिस.चर्या.त.स्यास.व.रम.चर्य.त चित्र.त चित्र.हू.। वस.सिह्र. मैं स. हेंट् त बुंध वे.व.बुं! वंशायह, रहूं स. स्. मीर. पड़ मी. रह. वंत. वर्श देते **इस** यर देना यरे हैं हेर हेस चु य दे दस सम्य से दर्द लक्ष दस सम्य ता **५मेंनास प**दे क्रायर हेंनास हो नार भेका भारे के र हे का भेक हे के र्रे म ही रहें हा चॅ ते कुं हर संभेर परे हेर हेर दे पहुन चर नु च हेर धेर परे हुर र्रो र् दर्स यं. त्रा है स.वे र र्वे प स्तित वर वे य बेस वे प वे प वे प वे से प संस्वाकेराहा। में वरावरायरावेशावायक की मेरायावारी की स्वराया वर्षाता र्ट नुसार्ट रूट में में है देश या से दिट में दे हैं रार्टी मूट में सा सुन पर है द **बेस**.चु.च.म स्रें म.म.म.इस.दे.चे.चे.च.म पर्ची म.टे.चेस.चे.च.चा माम स्रेट.य. खेस.चे. चर चर मर मेर्से कर मा हैर में हुन चर मेर चर मेर चर मेर के मार्सेन मा चर्डे मा से ब **८८मः**मटःमीस्यत्रः८४:८.वे.व.टे.क.टे.स्रटः इस.वेर्से व्हरः मःकेटः ग्रेःस्वा वुद्धायायावक्ष्यावस्य विष्याचारा द्वी । स्टायबेरा गुरामात्र्यां क्ष्यां विष्याचारा है। देषु अंतर केराय वर्ष १५१५ केराय देश के व्यापर के व्यापर के अवस्था के हीर उदां**याहेबासु द्यानायरानु ना केदा**यीदायदी क्षेत्रायदी कीरायानि की प्रमाणनिहरी की ना **พร.५.३८.५.३८.**१.इ.इ.स.स.स.च.५.इ.इ.स. इ.स.र.५.ची. इ.स.र.५.ची. नर्देश होर। दिने १ र निषेत प्रतान नर्दि हेश नन्दा प्रता हो। य**र्केश स् र प्रम्य गुदार्क्त सा हैन हैं सु**वायर हेन या क्षेत्र के सार्थे ग्रायर विक्रुत है

सद्द या छत् ' भेता वें दिया निया वर्षे स्वाप्त प्रतापत वर्षे प्रतापत वर्षे प्रतापत वर्षे प्रतापत वर्षे प्रतापत वर्षे हुल,तर.चेर.तच,क्र.क.जुर.तच,द्भैर.चंरेक.कू.क.जु.कू.च.च.च.क मीव.व.. लेव.ब्रा श्रीव.तर.वुर.त वंब.२४.२.वुर.त.श्रीर.त.व.ब.चाट.लुंब.त.र.वु. त्रस्युः वेदाया अदा श्रीदाया लक्षा अत्यरा श्रेष्ट्रा या प्रदेश के के लेवा के कुषा गार् ૹ૾ૺૹ૽**ઽ૽ઽ૽**૾૱ઽ૾૱ઌઽ૽ૹ૽ૢૺૹ૽૽૽ૢ૽૱૽ૺૹ૽૽ઌૹ૽૽૽૽ૹ૽ઽ૽ૹ૽૽૾ૢ૽૱૿૽ૢ૽ૺ૾ૢ૽ૹૣૢ૽ૺઌ૽૱ઌ૽૽૱૱૱ૢૼ૽ वैदाय बदेद या के सामी। विकाय हो से क्षा प्राप्त हो दाय है यामानद् या उन भी कदा सार्भेदाया सार्भेदार्थी देव भी सार्भेदार्थी ह्मुवायर विश्वाखेशके अवस्वाया वर्षात्र प्राप्त करा हिन व नार भेराया दे । क्षेत्र मिं में क्षा मी। वर्षे अध्यय वर्ष प्येष में विष् रे केंद्र में वर्षेद्र वा के केंद्र सर नुर पा देन पा विषय हुँव। । यू वा विषय प्राप्त पा विष् दक्षा दश लेश नु न दि भेद वि। माल्य दन दे मार मीश दर में सुदः र्वे दिरा | मिमस दरा ही सकेद या संनीस पर्ये दिर्देश र्वे वसस उद ग्री रहा उन्दर्भ ने दे दर विषयं व सेद व स्वेद वर सहद वर सेंद्र व व दे दे दे व कर स'हैर ग्रे ह्यु वायर वेराय वराहवातु सदिराय द्वारा खरा श्रुर ग्रे हेर्द पर । ইম স্তা ব্যলা লী । মার্টর্ প্রাশ্ন বু মামার্টর্ যেম ক্রম যারম্ম তব করি মা न्दा से वमायाय मेंत या से होन में लेख हास सी। है सन ने निर्मा के प्राप्त है से मान हुश.शि.पंचर.पंच.थुं। हु.व्य बुचा.यु.टूर्चम.तर.वेस बुंश.चन्दे त.लुव.खा। हिस्तर्भुः स्टेश्टर इत्हेत् हे के स्वाधित वता । दे देवर संवेर संवेर साम स

लुबा बिब्र. पकर. चर. प्रमीर. त्रा वश भाषत ज. सूचेश च. पिय चर. नुदायाक्षदायादी वर्षेदानु विकानु विकानु विकानु विना वादानुना नीका वका साम्य विनायर नेराय केरा के साम निर्मा निर्म त् अह्ट पत्र लेग लट ल्ट्र पास लेश हे . लेश न पर हिर रू । रेश नट न् दें ले के न्देश से दें से कर देन सन्दर्भ के लिया कर सेन सदे नाइस स्नाय गी लेश-वु-व-श्रेंश-दे। द्रिंश-चे-लेश-वु-वर्श-श्र-वर-क्रिन्त्रका स्रवस-द्र-। बिनान्यामेर पद्भान्यामे विषानु पद्भान्या मेर सर्वेद या मेर वुर्वे विश्वानु निविद्या दे अर्थेट निविद्या निवि मुन्यर नु य रदः भूतायर नुर्वायर हेरा स्राप्त स्राप्त वि प्रते प्रत रदः चलेदः मी मार्द केंग्रा से 'लेस मु च वा भेस ध से हमा या हैद के से हमा यदे । लील हेट. श्यामी में १०४ हेट लाया ना में होट हो। विष्या नर होट मर तिमें य विश्व व व वे दे स्थाय विश्व वेदायर प्रमुद्ध परियो। दे वेदे दि स्थाय हेदा विश्व व्यायादे के लेश वाय के यह पहला पर विदाय के न पर्या दे दिए के यह व स्वर्ता व स्वर १९-दे. खुंश वि.च. श्रीश हे. त्रवं चारचाश नर वि.चयु. क्र्यार्ट अव. च. हेर वि.च. मासुस व परे हैं हे हु सुर सुर सर्व है द ता हुर व प्येव वि । पालव प्राय ब्नायम्बर्वेनाद्रावेमान्यावे नावे द्यारा क्षा वाह नाद्रा स्वाया मार्थे वाहा सुर्वे रे दि स्वर् य हेर ने सक्षर ने ने पर रे नाय यह है ता यह नारनाय पर ने न रहा स्थापर्त्वाका सरामिता प्राप्त है । देश विचाया क्षेत्र के के विचाया क्षेत्र विचाया क्षेत्र विचाया क्षेत्र विचाय

मर हिर्य में रमेन्स्य प्रमास प्रमास करें। परे में वर्ष में पर में कर में पर मामा भेराधका वार्कत् स सेदाया उर्वा हो। देवे दिस्य ये विकास सेदाया ठक केंद्र दें। र्थे क्या या दें केंद्र गुरु मुन या से कर विक मुस्से मुन मन् स्ट्रास्त्रीक विकार पार्ल्य पारे सार स्रित् के सामित्री मासुस्र दिने दे स्ट होत स्ट स्ट स्ट से मालक के मास से ह्रॅन्'वस'यहमा'यय सुर र्।। सुक्ष वे'के सक वव'के एक र्वा मावस' ह्य म हे के न ने द्व है क्या मा है सामर विशास है में मार के प्राप्त हैं में सुभ-नु-व-द-व्यन्पदे ह्ये उदामु हो स्तुर्वा । अस-न-विद्याय सैनिस च नाद दना था दे । होंद द सेंद च स्पेर स दे था दे अप के स सुदें। होंदी होंदी है । लहार्या लेका है । असार्य से निकार के निकार है । असार्य निकार है । ्च नारे तानकेंश वश पहुचा हे बामी खेश च न चैना ना लेश वृं। स्राप्त है ्रताबकान्दरानुन्यान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान शु पुराय है द प्रदेश देश देश देश देश है तु से से मार मी साथ मार मी साथ में साथ से साथ साथ से ्रयेर त्मुर वि व मार व वें व यर हेंना य अर य रामा या अव वें वेंबा में ये क्रेंबा ्रां । १९ : इत् प्रमम कर हिनाम श्रु प्रमाय के मा भेव हो। देव गुर ्र क्षेत्र ने वृत्य न्दर कर कर के कि क्षेत्र कर के कि कि के कि के कि कि कि कि के कि च केन नावन मुका का निवास पाने हिन खुनक हा मुका पा प्रेत का र्सन्साम निन्ता हे क्षेत्र न्याय पर पर हिन पर हिन पर हिन के हिन के हिन के

दे.र्ना.स्नेच्याः श्व.वेश व.३.भ.५३ ४.७४.स्वर्शा दे.र्ना.सैंच.चर.नेर.च. निवर्रान्न हेश न व देन्दार सुनि ह्युंद सर ने देन हो। नार हेश मेर्यारे के मुक्त नुरम् में र्या स्कृत प्र मिर्ट व उर्य भेव है। हुंदु य स्वासाम वृद्। यस दृष्टा या स्वासाम अट सेहर नःभुरे. बुंधाने व.इ.स.वे.ण.स्तंशावडु.स्॥ ४६८.त.चीक्रववधः **बेश**-मु-वदे-भर्दे वदे-च-पद-च बे-मुच-च-ल श्लुच च-बेश-मु-च-फ्रेब-ब्रॉ। मी कें देनाम हेरावासेंनामायदे विराधरावा वहेंसाय सेर या हीसावार सामीसा हुक्**. मुक्तः** मह्मवस्य सः ह्य्यं दुः स्र्रेटः वः कदः हुदः वङ्गवः सरः व वः प्रवः सः देवेः क्रें मावः . य'माञ्चुर'य'भेद'द्गी। दे'हेद'दे'रदेंश'सम'कुद'यस'देस'मु'र'य'संनिस'य ฐัพร์ : ผิมพ.ชร์ เมษพ.ชะ . ฏิ. ๒ํพ. วิ. น.ฐ. เลิพ. ๔ะ. ปิงพ. น. น. ฐ.ปพ. त.रेबे.मु ७ थ.ये.व.ज.चर्ड्स.त.रेट.श्रमभं तत्रु.विर.तर. म.चर्ड्स.यंश.पंग्रुज.... ्य**३.२व.त.**भूष.ब्र्या अस.८ट.वषस.८ट.पुर.त.प.स्वास.त.८वा.चु. बुंशायी.च.पर्दे.लट.भट्र.चर.पर्वीच.चर्.क्रीर.खंश.यी.चर्.क्रूची.जा.चर्त्रशायश... श्रमश्च १, १ सम्रात्मी, निष्तः नेट. चो ४ स. नेट. चो ट. नोट. छु थे. न्याय प्येक मा বার রমধার গ্রমধারর রমধারর বিশ্বরুদাবর রমধারর বিশ্বরামান .सर्देश्यर'द्याच यये धुर'रे विश्वानु वये दे विश्वान श्रमश.रेशश.पिर.तर. हुः भुः चुः चुना हेः वा दूर्या समा वेस चुः चः वा वा स्मारा चा र्र्यू साही मी कें स्वर द्वापदम् में किन नु केंद्र मा सेदायाया यहे वादशायहमा यादे के केंद्रशा र्ट.क्ट्र.त.६८.ज.वहेब त.बु.वर्केट.तश्रश्रा श्रेभश्र.त.खु. वु.भक्र. **ৢৢ৴৽৴৸**৽ড়৽৽৽৽য়৽য়৽৽য়৽৸ৼ৾৴৸য়৾য়ড়ৼঢ়৽য়য়য়৽য়ৼঀৢ৽য়ড়৾ৼ৽

मर्कर हैर कर क्षेत्र की। रवद सुवा नुः सदेव वर परेंद्र या दे पर मालव दार्द्रायर वर्षेत्रास्य र हिरायर या वर्षेत्राया सेरायवे । नु वुद्धाय हैर नु पुर सेर पा हैर की खैर हमा या हैर राष्ट्रिम मी लेख नु न पर स म्याम् माल्य वा प्रमेश पा से पा से प्रमेश माल्य हे म्याम सामालय वा पर्ने सा या मेर्-या क्रेश तु द्वाप्यदे हिंश तु गतिश महनशाया हेर् द्रार्शेट या उर हैर यहू या तु य्ये अ विश्व विश्व विश्व दे । दे । स्यो सम्बद्ध विश्व विष्य विश्व यर मु रक्ष हूं दे व के का मु व के कपद य प्येक हों। दे हु सुर मुर प्ये लेश व व व संस्नाश वह दे हे दस्य वर प्रवेद वर वेदर्ग। दे सु वर मीर तह सीश विश विश वि च कु वह वीश तर हीर ताम चर्छेश त मेर नाम श्रवास त्रक्ष की पहिना या महिंद पते किर दें। देश दे नाद ह्रेंद दश पहिना य लेशानु नवे क्षेर व देवे द्ये नामा के व दे तामा व क्षुवा वरा नु नव क्षेर या है वरुर्दा दे विकर्तन्त्रिया स्थानिय सार्श्वासाय मुवाया दे दे सुन्दर मुर्यदे हुं स तुस हुद मुस मह्त्वस मदे न्वर मेस स भेद दे देस न वर हुर र्भे भिर्मेश के हिर्देश नामा अवे प्रेचे वहुन वर मुन्यस हिर्देश के प्राचनित्र ही । ्ट्रे.के.टेर.चैर.तर्.क्षेश.वेश.देश.देश.चक्र.चर्याताल स्वोशाचा.बेश.वे.च.वट्ट.क्र. พट'स'भीद'र्दे' बिश तु'तर'श्चर'र्मा प्रदेश दे श्चेर'न'मसुस'धदे 'द्वे न श्चेत धर मु वस सूट य कि न पर द्या है सुर रे लिम हुस मु मालक मी सक पर्याश राज्य राज्येश या सेन या क्षेस पुर्वे क्षेत्र पुर्वे व वर्त हैर गुर्म प्राप्त म मीन न नहूर देल। ह. दे श्रील से मेशूना मी विराधर मी हैं रहें रहें हूर न

र्सन्मराध मर्जा हे प्रशाद क्षेत्र दु महिम ने क्षेत्र मुर्केट म ठव हेन्स के खे के स सुर् अ के नर हुँ र न के र प्रेक र न जा न म्युव:य:प्येव:ब्रा सःबार्डे ना दे नार्ड विं हेर भेद हे रहे हेर दबद सुन रुप्त मुर वर पहेंदर्श। के पर हींर प.रेम.ज.लट. खुल चे.च. हीं कारी। पादश श्रेवश मिवश हां व. मानोनामानु नर से कुमाया कर विमास कर के मार्के र्या के राधिक प्यति है । हेर्नम्बर्यानर-मुन्नदे सुर प्रसम् कर्र हे या हे नर ह्यूर न क व सार्चनमः चार्श्चरात्री व्यवसायात्रीयात्रम वात्रम् क्षेत्र हे तरार्श्वर वात्रादे याहे नर हिंर न क्या रे हे हे सुदे क्या प कर मे ही स स हे हे र मे स देश स त है दिया से मान्य स्था। है सेर दे दिया सिर हिंद देश सिश स स्वीरा म.पंटियो.सर. मेरे रेप्ट्रा श्र्याका तर में मेर के मेरे राप्ट्रा विका ल्ट्रा ही. मंबद्दर्। ट्रे.के.वेट्र.क्स.त.वर श्रेश.वे.वोवर.ग्रेश.वेद्र.ग्रेश.वर्ष्यतश.त. **बेस:मु:च:के:र:गुँद:गुँस स:देस:य:औ**द:बॅ|| के:बे:दे:य:अद:ुँद:मुँस: **ଌୂଁଦ୍ୟ'ଘ'ଫ୍'ଦ୍ର୍ଟ୍'ବ୍'**ଶ୍ୱିଶ**'ଶି**ଷ'ଛୁଁଦ୍ୟ'ଘ'ଫ୍'ଘ'ଟ୍ୟ'ଘ'ଟ୍ୟ'ଅ'ଟ୍ର 'ଧ'ୟ'୬୮୮ टे.ज.लट.वेर.ग्रेश.क्र्य.त.त्.त्नेवर् हिश.जुर् र वेब.त.शर.तर व ग.वर र वीर. र्रो भेरे कर रे लेग क्रिं क्ष प्र तहना यह छैर रे लेख नु यह जन्म केनस माटेसाचाकेन नुपानन नमानेन नेन पर नुसावन प्रेम विश्वीर विश्वान परी साटेसाचा हुर लुर र ज़ुरा चहेरात क्षेर बीचाता शर राष्ट्र सिंद वा क्षेर की की रा दे. के विद्राप्त कर में श्रिशायका देश में में प्राप्त के पर है पर प्राप्त में मा र्रें में ने ने नेर्पा के मा अव के लेखा नायह नारक हैनाका वह । अहा ...

रद:केद: गुरु: स देश: य स: प्रेद: हों। परे: वे हेंद् : दस: पहना यर : हेद: यः क्रेट्जिट्स. लुक् . बुक्त चि.च. क्रांचेस व कर्त्यट क्रिया वर है . इया निवस्ता व हैन स्पेब वें। दे यस करे व नात्व केंनास यह ना सं है द स्पेर स स लेर् यदे क्षेत्र नार नोश र म देश मालेर हुंश र नश्म मार्थे। रेदे पर्यकाची समका करे. जा बिका ची याजा मुझ यबुका दी ही राता कर हुर मा करे तर किया प्रवे प्राव ना हुना छ र वर्ष स्त्र स्त मुक्त मुद्दाकेट लुब ब लटा हे खेर वचीर बे ब केश या नावर पट्टेर वचीर ही। रट पबुब अभन्न नहीं हीर रू बिम चि प वे समम उद् दें ही दे पा निम में में ने दे र्ट्स में दे क्रमश्रासर प्रचीर हो। मिल्य लट लेश में में पार्श्वसाय ता ह्रेंद्र-५८ व ह्व राजा ह्रांबारा सदी नाइन ह्याया स बादारा क्रांत्र ह्या हिन यः श्रेन् प्रदे क्षेत्र मारेश व केन् गुराणेश के बिह्म व के बहुत रहा व वहा हुन पर मेर माल विव मासेरामदे सुमास देश माले र लें। इम मा १९ में नि नेस के क्या या प्रमम कर नु मारेस यर यह के नि । के मार के के के नि म् । देय निर्म सामर्थित निर्मे रे. हेर. व. भ अहर व. लट. हूं।। बटा जब रू. ज शून मान रेचा जारे के वेड इस'य' रुष मी प्रीयका व्यद् या मायोब या देवे हिर सामुव या के प्रवेश के दे अर् रे. हूर क्ष.प्रहिमा माजा स्कार म देन जाला यहूरे तर नेपू . जुरा में या है. के पर पर हिंदा दश पहना य पर देव हो दार दुश य ही हैंव दु से पा कर के **८**५.न.ने ५५.च १५.चाय १.पिश.रेट. पुरेताता का सूर्याता तारेवा का सूर्याता है. हेर वर्गुर है। मार सर सेर य से बेरें। है वर्ग वर्ग या

बुर्स.चे.च. बु.चर्ग्रेट.त.ज. श्र्मंश.च. बुर्स.चे.च वक्टर.तर.पचीर.च.रट.सैर.रू.॥ र्वेत्रमण् विरायरात्रास्त्रीसायावावाद्राद्रायात्रात्रावे स्त्रीम् याते स्त्रीसावाक्ष्री दश प्रहेना च र्ट हुंद नेट तर वेश च वेबिट हुं।। हश हूर च वे वे विट तर. वे.रे.वर्गा चार.चि.र.झ.णश.झे.वड्.क्र्.ट.ज.चावर.रट.वेर.स्ट.भ क्रूर. मस विव न मेरे पर पर पर निर निर कर कर का देश म केर गुट पर भे के ते लेख म निर यंनि लुब्स् दे अहम् वर्षेट्रक्ष हेर्र्स है अहम् वर्षि वर्षेत्र वर्षेत्र है अहम् वर्षि वर्षेत्र वरत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र व म्स.भ.मीव.च.कुर.चलेब हूं॥ रविषय.मी.विर.चर.ट्.कुर.व्रस.चे.च.हु.चर. चन्द्रश्र.ज. स्मूचास.च.झेस.चेस.च.३५.२.चोचास.च.चाट.लुस.चर्णा वस्तिवित्त वास्तिमासद् वित्तर हेतु वास्ति वात्ति म्लास्त्रिकार्यः प्रमाण्याः प्रद्र यासाय्येव क्लिमानु नरासुरार्थे देशः 24. 64.3.4.45.4.42.4. 4. E. Nha. BN. 34.42. 5. 64.3.4. 74.4.1 मात हे ही मार्थ क्रमां शे निश्चात ता मिर दार मांब हे हुना श राष्ट्र हीर हे हे व नश केर् मार्व केन्य भेर वरे के सु व प्र माय प्र माय प्र में निवर में केर मावर वा सेर यत देर र्रो श्रेमानव केनाम प्येव वे लेख न न वे न ने न ने न न वा संनाम था डम्रायद वर्ते। एत पर माइव केम्रायद व व मानुव व व व मानुव व व ਗ੍ਰੈ.ਬਿਟ.ਰਣ.ਬੂ.ਵਕ ਗ੍ਰੈ.ਬੇ.ਬੁਰ.ਗ੍ਰੇ । ਨੂਜਕ.ਗ੍ਰੈ.ਬੂ.ਰਊਟ.ਰਫ਼ ਕੂਣ.ਰਕ.ਬੋ.ਰ.ਕ. मुन्या सार्ट द्रि चेर रेट लेस ये वाया स्वास वर्षा वाया केर के खेर हैं वा यद नी अंदे वहर यर नु व केर ही केर री। दे प्रमस कर ही स के मानुव ध केर दरमारेकाराकेरानु लेकानु यांके मिरायर मात्र केंत्र प्येक का मुवास दर हैं प्रेक वं अरोस राकेर रेप्री श्रेर सिया स्रेंट में लेस नियद स्रेंट राष्ट्र सेंस के तिया राष्ट्र वाहिट हिं। श्रेमस सेट् श्रेन लेश मु वदे स्रेन यदे सुस है यदे याय सेन्स ः याबै बटामो केदासाये स्पर्ध स्पर्ध स्थित है स्वास महिताली हिंदित है सामा র্মবারা নের উর্থানের রী নী দ্বা না দি**দ মে র্মবারা না**র্ম নাস্থ্র উবারা **নাম নাম না** मेर्'य'य'स्वास'यरे'वसूव यर वु'वदे'र्यु'य'भेर दें' लेस'वु'यर'सुर रें। द्येर ह्यें द्रायदे वायासँगक्षाया है सी द्वा था केंद्र गुँ। क्षे<mark>र द्रा</mark> रट स्वराय हेर में किर अभारा भर रायर हार में हिर सा प्रवर्त ना हमारा या स्वास य'यविदार्जे। अट'मी भ्रु'दे रेस'य'मविदार् भ्रुड रे विद्याताय में देनां यास र्श्वारा मुर्रेर अट विंश मु मार्दे हैं अट में सूर्रे रेश मान्वा मुर्रे सूर्र मार्दे से स्रार रटा जब रा.लटा लेश वि.च.पर रटा श्रेर हा। विश्व सेचा श्र श्र श्र विश्व वर्डे वर्ड नार्क केषा मा में होर लेश नि न वर्ड तम के के कि सम समा में कि सम समा में वर्ड न्त्रुत यर नु न निर भेव य र अह र नु र भेव के लेख नु न के हमा न रेव हैं। ८दे हर अटश मुका व सन्तर या लेश मुन्द है। दे 'दन' नेश मानद दुः पहेना य क्य.मीश वहना या विश सदस्य य हेर गी सेर र्रा रहार निवर मीश महें व पर वर्देर वर्षे के ह्मा पर दें विकास नामा रहानीक कर्षे पर वर्देर मंदी भे देना मंद्र हें के माद्र कर मी कुन मार्थ यर पर्दे न के अद्यास सुर पर्व निर्व द देना सर्दे । विकास देन

च व.व.रट. चेश्राभट्य. तर्र. वर्ष. वर्ष. भू. देव. वर्ष. ह्य. वर्ष. वर्ष. वर्ष. वर्ष. वर्ष. वर्ष. वर्ष. वर्ष. वर्ष. मुव य भेद दें। मल्द में साम साम प्राप्त कर वर्ष निर्मा हिन्स वर्ष वर्ष हैं वासम्बुवावाधिक हैं। से हैंनाचव हैं। महक हैंनाह ही मह वा वा कें किया वा में वंबाल,विदे,चर टे.ह्बा.र.हु.र्जा. कूट्र.टे.ववीर.रू...खे.व। वंश्वश.वे.टेट.भथेटश. यदे लेश नु प व सम्माश य श्रीश स्मा श्री है र स माय पर है र दे लेश नु प दे नाय हे मुद्दा उद मोश गुद हु पहनाय य हैंद ग्री से हना य हैंद ग्री हिंद पर दूर। श्राद्या मुक्षा प्रकार् मुक्त ने देव में हैन महिना मुन प्रकार मुक्त प्रकार में देव हैं के म्राया प्रते ने तम् में सं में दम् प्रति गु नित् पर में हैं सर महिला पर्ये पर पर्वे स हैन उन में हैं मूर्य पर प्रमुद्द है। दिर ने हैं रूट मुक्ष प अट मुक्ष प अन व दे देना ने नुसाय हेद ही महब हैना स शु व नुर व स न हो। माराया न हैर सामुन पर छिर माट यहा देहे हैं कर में ही मान पर वर्गीर। दे: भूद कर म दम पर देश के प्रश्निक पर में पर है वहा व क्रम् सम्प्राचर देश व महा विंद र क्रिंचर वुर्व विश्व वु वर हों स र्शा. मुन् सेन्द्रायम्बर्धायका रक्टेम् देर लेखायम् प्रामाट क्रिया सारे क्रा सामा त. थे. थे. थे. प्रश्ना त. ब्रा. त. क्रा. त. हीश. हे। वि. १ मश्चा प. ब्रा. मु न म सम्बादा नाट द्वाना यदे महत्र हैर उन मु दहे मं है सम्मुन य भेर हैं। मुत्र के अर सेम्बर या अट मून यर कुर वसून यर केर य रें नाम दे प्रमुक्तस य डम केर प्रके च राम वर्षेत्र यर पर्दे य प्रमे या दे प्राप्त केर स्मर मार्यद्वाप्यंत्र व लेव नके चर्च स्व लेव सु व मार्था मार्था व सूर्व सी। જી. वहना व भट लेंब नु न वे भ भ न स्निध न म भ म न लेंब नु न में

लेश निक ज़रे नार् नहूर् ना पर् ज़रे जो ने जे के लाट नाट लेगा न क्षेत्र रा नि क्षाचारी ता अभ्यक्षार्त्याया लेकाया वाद्रीयाचा मुवाया मार्थित है विविद्याय ता " मर्बेर्न्य उत्तु अद्भार्य यदे हुन्य विकास मुका देश निया के के कि प्रे निया पा केर रामा दें हो निया पर है निया पर है राम हो निया है निया पर्टर या. लुका खेरा विशा वका समिते । लूका निय क्षेत्र विशा स्वीका या विका सु । या से स्वीका सु । या से सु । या बु.स्ट्र्य.स्ट्र.मीर.ततु.क्रंय.त.स्ट क्यातर.खु.च.स्च.च्या.मीक.क्रेस.त.केर.ज. स्त्रीका यःमीबिटः ह्रा। विश्वास्मिषः स्त्रीयः वेदः कृषः विः पदः स्मिषः यः स्त्रीयः पशः वेदः र्वेनास याद्रायवसाय केदाल स्वासाय नीडा हो।। त्रेते अटा**लेस** यादा बे है ख्वा सदे दं। देश हर के देश च न न के अ हे खें न स दर यह न दर दुंश र्टा वसा भावत लेश ने व हे वशस वर ने वर्ते वर्ता । साम स्नाम में वससारुद्दानु वासायित प्रति। देवे ह्या ने देवे ना ने देवे खरा दर लेर हो। यम द्वेर सर्दर पर दर्देर पर खरा खरा या लेश हार हो। हेना वु-८८-६८-७ है-८ूर्-० स.चीय-त.बु-भ.लुर-बू- बुश-वे-नर-श्रीर-हूर्। उदानी मुद्दे देव रे मा निवे अद्यव केर उदान हेर पर तरे दे मा निर भेव मारे अम्मून यासाधिकाने महिनायमायने नामिना हैन हैन के मार्क विस्त मा य.ज. श्र्याश त श्र्या प्रांज र्या नि. व. श्रुवा वर . वेर.व. वेर जूर ब्रू. वेश वर . रेवे च चर्किर क्षा सिर हो। जनान रूपे चर्सेच चर वे च कर्सेच चर्मे विच चर्णे। ल प्रसितात दशामीश सैंगर में भेर में भेर दे किया मार्ग के में में में वस्तरमुद्धाः मादायाः भटात्रे विष्याचा उदा भेदे हे स - उदाध्येदाले दा द्वाराद लेखा तुःचाता स्वामा सार्झेस है। हिस्से र

कर् हैर र व मुन पर है नद्यात्र र दे दे मुरे हिर पर ल र कर रे लेश है. मर भूर रा मिर्दि केनाम प्रेव कें। मार्द केनाम पर मार्द केनाम रे. पूर्वे पर होर रम हेश ने प्र.म. म्याश म होंश हा। न जर में हैं जा स्वास तरु वहर् तर व न. हेर मैमिश्न व वहर्त तर वर्ट् व म लेश व व व व. ह. देवाबाशर्र्पायरके वर्द्यमा प्रति यद्द्रमा के मानाब म हेर गु दहेवस गु विर तर. श्रेश.विर.तर रे.वेश.तपु.इश ज.च.णर ज.श्चेश तपु.से.पहेच तर. यर वर्द्र य भेद द वे देव के दिव के दिव के दिव के से भेद दें। य वा सिट की देवा स सम लेख न न के देना स पर पर दे हैं पर मालु मोर र केर न पर दें। देर महेर् पर पर्रे में प्रें व वे र्वे प्रमाय सर् पर प्रांची र है। लन्म् नामानमा प्रमान देश माने दे हैं विश्व न वि माने दे मान हैं न वार है र र माने दे हैं केर के में रन नेश वर्ने न रट लन यर्द वर्षे मान वर्षे वर वर्षे या है है न ला मेंबास तस रेश.चर वेश.च हेर. में. होर.वम्,च.रट जब.च.रट वर्षेण.च. वर्डाः वर्षाः व वादः नि विदः ते . केदे से वा पहना च व प्यादिते . देनास ५ मायाः र्ट मिट त. कुट हमाशाम विविधान शामिव हा। वर्मी नशास न पट लेश. नि.चर् वहूरे.च.ज.लट.रच.रे.चीवास.स.३८ क्री.च.लट ज.च.लट.ची में वार्श चर्. क्रेर्स्या देन्वलेब नु मूद्राय के दे मू अदः व्या दिस वे मू न्यात्र्यायासेरायाकरायम् र्यो। नहेर्न्यराय्रेर्न्यतेर्न्न्थराष्ट्रेश्य

है'दर्मो'च'द्रा सम्बन्ध द्रा देवे सम्बन्ध स्टब्स् के कार्य स्टब्स् के कार्य सम्बन्ध सम्बन्ध सम्बन्ध सम्बन्ध सम न्माताः स्टा वहना चते खेर हो। देव दे प्र वह देव दे प्र वह दे वास्त्रीयाता वर्ते च.वा.स्वासायतः हुन वहूर् वर्षे प्रमान वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे लट.बुस.चे.च.चु। नावाने.चीवस.तस.हस.त.केट.कु.खुर.झ.उविकास.सूट्र या उदा धोदा या दे दे दे प्राप्ता दे त्या हु के पानुद के प्राप्ता साधी दे वि व हैं अद ले व र्ने केर हैं दें पूर्व पर त्या य रूट वर्षेया वरे मळव केर हन ब्रं १ दे लट विषय च लेब है। के मधुक चर्दे सुन्मा त लाम दिन् यद सुर हा। इ.सर् यत क्षान से व जार हेर न स्वशासरी हैं: त्र न्ते लेशनु नर्दे दर्मे व ता श्रेन्साय दे र्दे वहर पर पर्दे पासदे । नामः ने न अर दर ब्राट ये देवे क्षे दमा अ न अर दर ब्राट ये दे मार दमा में वर्षों न दर लम्यान्दर्भ द्रोत्यानते हिन्यम क्षान्नात्य म्ह्रायाने ते के भ्रान्य तर् ने है विवित्य या सेन् पदी क्षेत्र में वर नेन् पदे मान्य केना स केन या है है त्वर्ते व दत्तायमा ध दताविषाच समामान्य हमामा भेवाब देवे ही देवे हुसानु सा लट ल्र्स्,त.क्रेट.क्रि.हिर । प्रट.च्री.च्री.सक्ष्य.क्रीश्राप्त.दे.हिंस.चर्य.ही क्रे.हीस.च्या लालट विकायर दिवीर व दे किर व से लट प्रविकास के व व व व दे हैं मेर वर्दर्भवर विश्व मुन्य र्श्वन्थ या श्रुम हो वर्मो मार्थ मार्थ मार्थ श्रु हैर चिन देन हैन नु हिन यर वर्षेत्र के छन पर के मा भन की। मत्र्द्रिम् है हैत्र मळव हेर् हो साम्रामा ऑदाय ध्येद दे ॥ लट मी मुन्द ह्याद वें के के के विकार व मार्थन है।

र्व वर् कुंब नु तान वर वर्षक्ष यते ने तर्दे य यह म येव है। य यह ता र्श्वास परि खिके हैं ता तमें व ता स्वार परि ही वर्षेत्र परि होर है। व्यविक्र देवे कु उन के देवे व्यापहना या व्यविष्य व्याप्त वा के के देवे विकास त्मुरलेव। देवल्यम् चायाः र्यम्यान क्षेत्रके देश म्राटिस दे स नगरी वर्त्ता व तार्श्यम् यदे हुँवे मु महद उट व म भेर मेर् गु द्रमिट्रश्चरायं दे हैं त्यामिक मामेर्यते खेर रे मेर रे हर्रे। ही य क् इन्हें अर् ने वहर्ष करामाया का स्वीस पर हैं देरे हर् पर ने दार मानास वर द्युर व संस्थित व । देवे खेर क्षेत्र य प्रावत मालत या क्षेत्र य हिंश सु प्रमू विप्राम हो वि देवे हिंश सु प्रमूट न से द प्रमू हिंद प्रमूच पर से द पर हिंद खें हैं। दे अर् निवास साम है दें निवास मा है है र रच ं नु ह्यूर-नु जेव गुट ह्युदे न्वट वेस श्रमक उन् ता तहना चर वृद्धा व साथे । या दे हर्षा अदिव्यामकेर्यम्भविद्यक्तराम् वर्त्यविद्वर्यक्ति चार में हैं किया प्रमृत पर विषुर हैं। वार में हैं दवर खुना हेर पार्रेर वर्दे वा सामार्वेद वादी किन मान वस्त्राया दे वे मुन प्रदर्ग व लेखा मु न वे नाट मी क्रिके याची भाषेत्र वेत गुम केर याचेर भारत यर तर्रेर या यर ॥ जिन क्र-वेन्त्वक्रिन्तिम्यायाल्यानु वर्ते विन्य र्योग्याये निवस भवसायसः मिन्दर कर्म हैन जैसालिय करेने जिसे दें। हेन्द्रवंड वर् नेर्पार्य हैन संयोग वर प्रचुर र्।। जन वर नेपार विकासर मेर्पय दे वर्षे मार क्रियम क्रियम है है व विकासर मेर्पय में देशेना सा

नमात्रा पहिंची के के हैं के बाबा धर महिंदा राउउ मी दिहास हे दा की सार सह नर्ववर्ता कराविकनु वृद्धाये स्थानु वृद्धात के वर्त्वसाम् से स्वर् पर्गा अर्ध्वापालेशानुवान ने सहरावान ने सेर वास्ता कु सेर ना के क्नि पा रा भेर है। दे अह देना या केर है कि दिन हिन विद्यामाध्येषाचाचे क्ष्मा क्ष्मा क्षा वा सेन्या वा हैन विद्या में विद्या के विद्या के विद्या के विद्या के विद्य हिसासु दर्गो च राम हिर प्यसं मु न्दर वहार वुटे न्दर्भ वर्र वित्र वित्र नि न्द्राचे त लेश न न त त र्मा हा न हो । दे ता न्द्र म न न न न न वनाने य दे हिर का वे केंबा दे त्या है ति विर विष्य विषय है है वार विषय है । हे वे द्व गुष्ट वेश नु च भारा ना वा श्री का ने । द्वेर व दास नुर सटें व यर वर्दर् यरे दु या वा स्मार या वर्दे के से दूर कि वा सम्मार के हैं या पर के.व.व.लूर.स.लूर.वर.पवीर.व.रंटा। श्रद्ध.श्रंथाकी रधुतास्पर्यः तवीर.डूं॥ लार लिया तथा रेश रे हेराया क्रिंग या रे वसा निविधास स्थानार ला स्टार्स या यश्रमानान् वस्त्राचादे स्त्रमान् विद्यास्य देश साम्प्रदार हुन स्रेर्व हे नम्म का वा नाट प्रिक्य या दे होत् क स्रेर्य यर तिश्वर या है देने विश्व वा स्रेव व विकार्त्त्राक्षात्म वर्षा माना दे हैं से प्रवाद बार्स है नहान वाद रहे क्षेर कु केर केर पर त्युर विकेश कर केर हैं दे का कि में दिह दःवा संबंधान्ते दूर्या स्ट्रिया सेद क अहादे सेत हैं किया के स्ट्रिया अवस्थ अर्थेटसं राजीवं क्री के वे दे दे अर्थे के निय है ब्राट में दि है तो असीका राक्ष्रेस्ट्रश्रास् अद्भावता हे.मर्.तर.वर्वेद्भाः व क्रुवेश्वास क्ष्याची, टी.च जा सूर्यास्य वात्मार कुर्बेचित्राच्यां क्यीं सहे। इत्यासी हार्जा हिन्दी सीटालू. रेटा क्रिका

र्श्वमाय न्यं मेर् पर केर में। जुरा प्रमाय विष्य प्रमाय विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य नेन्यदे हिसा खुद्र में न न्द स्मायि हिस खु नेन्य मुन न में न लेस न न ने मुं दर वर्ष वर् दर्श र्वे दे भ्रुव वर हेद व अर दे खेद व है सा खु वर्षे र्म्नाय क्षेत्र यस लेश ने य हो। हिर यर हो यह यह । हैं रिट देश विके द्रांस द्रां ते का क्षेत्र की स्तुव वर विद्राय अट विदेर कु दि तत्वस विदे द्रांस स्व. भैव तर वेर वर वर्षं र्। डे. के. म लूब र वश्चेव तर वे. व रं. भूव धर छेद पदन प्र देद ये सेद यर देनु र रें। नाय हे साथ सेंन्साय र्ना वृद्य नु में केर प्रदे नार्य स्मानस यांचा लेखा नु न ता से न्या या है। हेन् अकृदास प्रेन्यर देस दर मुस इस निवास हिर नहना वर हिर्म प्रेन् हैं। र्श्वेर नाम मारेसामा के दे वे साम मार है। जार हैना वहसाम मार मी मिर वर क्रेर्य व दे में क्रेर्य पर नावम भवश प्रश्न विद्यार उद की रह विद्रार विद वर्षे नु वर्षे सुमानु नुदान पर्य वामा प्रवाद के देरे ने ने मार्च मा प्रवाद है के निक्त मंत्र वस हुँर क्तर वर्ष वार भेतर वर के कार के वर के वर्ष वर के मुद्रित्रे न्यं व्या स्रेत्य त्या स्राम्य मा म्यून्य च विद्राचर वव मी रहा विवेश दह विभ व שׁמְיקֹ אַ שַבי פֿר מִי מֹ יֹפָּבְי מִ מִּי בְּאַ מִבּי פֿרִ מִ יִּפְּבִי מִבְּאַ מַבּי פֿרִ מִּבְּאַ מַבּי בּוֹן क्षेत्रे दे त्वस्य प्रयाम स्वास प्रमान्न त्रेन स. हिन ता पहेन तर तर पर पर चेंद्रदेश वायाने साथा संवास प्राप्ताय दुया दु गुद्र या सुसाव सर्वेद पर विवार व लिसान् न दे रिक्रेट पड़ सक्त हैंदे ग्रेट ग्रेट ग्रेट ग्रेट ग्रेट ग्रेट ग्रेट हैंदर लेस ने नर पसमस .पर्। श.ज.श्वम.त. रे.ज्येथ. वेश.वे. वेश.वे.च.ज. ज्येष व.चा विर.

चर.श्चेर.व.लट.पट.च.च(व्य.रट.च(व्य.श्चे.चश्च.पचित्र,चप्च. श्चेर.ट्रश.तर.घ वेश. याल्येव मारे वसान वास मुद्रे क्षे वसाहेश शु रहां ना प्येव हें विस मु मारे दे हैं। यहा वदे दें ब ले दें। हे क्र लेश मु मारा संनास प्रस आर स देश पर र्नास यावसुन के हे लेस निवादि है है सूर अह साथ सेना का या निर्दे प्रकाद है ला भूची.ज.मूचीश.त. जुचीश.तर विश.च.१.६ंभ चर.पुंश.चर्. विर.वर अस्ट.. मति क्षेत्र दे द्वदाश हेन के राम दे हैं न अया रेग्स मान्य महेंद्र मर वायरे हैंद्र के चर दर्मार पर केर देश दे है दे हैं र से से से से दे सम है द सम लेश न पर स र्सिन्सामाञ्चिसामाध्येक्ति। व्यक्षामाञ्चेतामामाञ्चेतामाञ्चेतामाञ्चेतामाञ्चेतामाञ्चेतामाञ्चेतामाञ्येतामाञ्चेताम ल्बन्दर्भा वसामार्यद्वायमाध्य हेरी क्षेत्र हीत वर से हेन हेस छाता यु. मू. हे.दे. तायु. वोवसा श्रेयसा व लट. जंदा ता. वृतु. हुर हुर हुरे । तर में हुरी हिर् हे क्षेत्रचर समा लेका नु न के स्वाय क्षेत्र पर्दा। हे क्ष्र के नहे नहे नहे समाने समा क्षेत्र च.रेट.चेट.लट.१८८.चप्र.जश्र.जश्र.जश्र.चर.पर्हेट.ह्या करें.च. मुद्दे त्य मुद्दे त्या दे कि दे के दे के दे के के ति के स्वाय के मान के मान के मान के मान के मान के मान के साम विश्वाताला लाम के के विश्वास के ता है ते । के स्वर् के वा पास के इस विदेशन श्रेयस के.लाट.जम दुपु. क्रुंट को.चुंटा वीम.टे.जम.प्रे.चैं.जदाशतामां स्थासादा देवे के सेन प्रवे हिर रे ले जा देवे कु लेश उपाय से हाय हो साही वसादेवे म् वे नार प्रेव राय स्राप्त पर्यो। वस्त्र धर मेर पर विषय हैं य में मिर सर में वस्यानु वयद्याया लेका नु वार्योका नु मु हिर यम माट मी मवदामी सा होट दिए हैं . ह्यें में श्री पर्यों पर विचीर हो। र्शनाश राज हों से वे प्यत हें या वा हो बी से वि सिविद्राह्मी स्थाने हरा दे द्रवा केदायरा गु मुख्यन पाया स्वास सिक्रास

मुँ के विष्या है । विषय है दे । के दे । रवट विग स्थारा स अव प्रिन पर सेह होता य अर्थेटश य जेन में क्रुन्यःचर्, नाद्यः श्रेवरादः अट. व. ५५ . त. ये ८ . च. दे . र ट. र विशेष्ट्र कड़े। विषे रुक्त कर कर ता है र के र हैं र के र हैं विष्ठ हैं । यन्द्रवायकाय्र्वेत्वायदेशस्त्रक्षत्रकृत्त्वत्रक्षात्रः मिद्भानादं विना केंनामाया कार्या विवास विवास विकास विकास विकास विवास विव द्दिसर्दि 'मे द्रमामकु'प्रेर दे लेखायम्द्राय दे प्रशान होंग परे महर हैर उन्। देवह बैंके ले स्वेश तय अधित अधित सर ले लह हो। पर हेर **द्धाने न में मुक्य पर ने न पर में न प्रतास की में लेख न पर में प्रतास पर में में** महाल दे महादालाय उद्गुर्गा विच पर हिराय प्राप्त या द मेनास पर्ट लेस अवह देर हुन बर छेर व वक दिन के ने के ने के ने के ने के ने ढ़ॕढ़ॱॻॖऀऒख़ॖॿॱॿॱढ़ॖॸॱॻॖऀॱऄॗॸॱॸॖ॓ॱॸॣॸॱढ़ॸऻऒॱॻॱॿॗॗॻॱॻ॔ॸॱऄॗड़ॱॻॱऄड़ॱॻॱढ़ढ़ॸॎढ़ऄढ़ॱॱॱ वक्षेत्रेर हो। बेड्रेन.ज.चन्नायान दः क्षेत्र कुन निष्धानर विकान कुन्नाय न मुक्त बद्ध अरुक हुन क बो में न मेनास य प्रमध उर का न हुन। य न न वर्द य उर मी क्रीकालीय संस्थानी विद्या विद् इंट्र इंदर नहीं हुर र संस्कृति १ १ १ हु वर्ष १ १ १ हु । हु । स्वयं कर हु । से संदूर स्वयं वर्ष । मुर हर मा के द कर न कर कर के मान है के मान पर कर मान र के मान है के मान दिन्द्रन्त्रमः वश्चर यात्रमञ्जाया वर्ते । वर्ते । वर्ते । यात्रमें । यात्रमें । वर्ते । वर्ते । वर्ते । वर्ते । कार्या क्रिया विश्व के दे विश्व हो हो दे विश्व हो से साम प्राप्त के ति साम हो विश्व का

मान्त्र द्वारा सामुवायर वस्त्रायर वर्तेर यहा देश वत्र हेश वा वा ता 'स्वायाना स्थाया स्वायाना स्थायानी स्यायानी स्थायानी स्थायानी स्थायानी स्थायानी स्थायानी स्थायानी स्था यवैवेश देशहिक्य उक्षेत्र वास्त्र विकास या वक्षेत्र वास्त्र विकास या उर्दे भ्रेस तुस स्वा नाल र में लेस तु य दे भ्रद य दे स दे हिंदे दे दे द मेर्-च-वेश-शम्भः वेश-वेश-वेश-रे-सूत्र-चर्ने वेश-च-के-चेर-रा क्युं के दिवेनका सर्वे हिंदा वाच के मारामी का सम्बन्ध कर का कु के दिवा में के **દેરું.લેખ.૧૧ છે**.તેશ.વ.જૂખ.વર.વે.વ.**ટે**.ખ.વે.કુર.જુશ્તવનું કુર.સ્ટ્રા मुं से नस्मारा ना प्रस्था हर ता अदा वर्षा नु मुं हेर ना हर हैर नु प्रयान ने नहींन नायानिक्राना करा में प्राप्त कर में प्राप्त करा में प्राप्त कर मे प्राप्त कर में प्राप्त कर में प्राप्त कर में प्राप्त कर में प्रा पर्वतः कु वदे वद्यः दृ हे या शु अधु व या भू र पर्वे । या भू र पर्वे पर्वे । या भू र प्राव । या हेश-चु-पन्दे प्रकर् पार्यामार त्यसार्था। देवे खुला क्र मुँग पेश हेस. चे.च.बु. श्रेच.चर्राच व्रवध श्र.चीर.तर् लेल.वर ब्रा ट्रे.लट.ल्ट्र याद्भारी तद्यातर ति व रूपे भी। भीषा विश्व स्थर हु भारा है भारा है। य'त्रेत'णुक्ष'माल्क'त्यानु'हुकेथ'स्त्रे'त्या'य'त्य द्वापायाक'क त्या'त'त्रेत्'त्या लेबान निर्देश द्रशान वसायर हेत् प्रथा वह सायव प्राप्त । ्चर्भरम्भु नह्युवासर नु न तक्दा व दे स भेर है। दे हे हे ह्यूवासर नु न से ୢୢୣ୕ଽୡ୳୶ୖ୶ୡୄ୳**ୢ୕୵ୡ୕ୣ୵**୳ୡୖ**ୄଌଽ**ୖଽ୲୲<mark>ୣ୷ୣୠୣ୷ୠ୕ଽୢୄ୕</mark>ୠୄ୵୳ୡୖ୰୷ୖ୶ୡ୶ୣଽଌୢୢଽୄ चुदै लेड न्तुः व दि र दि र दि र प्रायक्य पर प्रदे दे हो। स्त्रुव पर प्राय प्राय प्राय क्ष्याम्य प्रमा प्रमा विद्याम्य प्रमा विद्याम्य प्रमा प्रमा विद्याम्य प्रमा प्रमा विद्याम्य प्रमा विद्याम विद्याम्य प्रमा विद्याम विद्

क परे रमान पर नु न ने रमा नहत न महिलाय प्रेश या प्रेश त परे र ने प्रमेश या महरामका वयावरावनुरावनेरावन्याक्षेत्रा रेख्र बार्ने श्रीकामारका के प्राप्त का मित्रा मा लेका मा निकान कर निकास न नहिमान र विश हिंदा हो। दे हिन गुँ हुँ र न्मान हन न नहिमान हिन । . तर हिंद्र च.वाट हुना हिंदा चहना चांट नुश हुश वि.च त रू वाश व हिंदा होंगे. यह्म दे रच र वे वर्ष वर्ष क्रियं मानि व विषय हो ले र वे का वर्ष का वर र वे व र ले व हो. लिसान न दे नम्भून पर नु न निहमानी दे ला है नर स्मिन उदासाधिक यते भे नेश वे स भे द दे विश्व मु य वे महिश याते। र य विद मी गहन क्रेन्स स् 'लेस मु न है। देरे ले नरे प्रचस सु मुर बरे प्ये प्रेस कें या न क्रेन देने दे हैं में महाया मिका मान्य या द मान्य वहा या वहा क्रेन क्रेन कर् र्रें। विश्व हे पर अमि व हर्म येव पर रे ये येव वे पहरा पर मु च सा ह्य ब्रिक नु न के न सूच पर नु न न निकेश मा ह्ये हैं हो त्या न हें श का ने दे हैं ख़िया करा 'मु भे' ने भ' न र्कें भ' न र 'मे न र मे न में न र मे न में न र मे न में न में न मे च भीताय। दे दर वन्यायाया अर हे चर अर्थे व उठतास भीत या हे दा भीता व ্ৰিষা মুন্ন বি দ্বি বাৰ মাট্ বাৰ ৰাম ৰাম কৰি কাৰে মান্ত্ৰী সুষ্ধা বাষ্থ্য বাৰু ৰাম ৰাম কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি কৰি न्यूनः विश्व य विश्व मु न व्या र्रेन मु न हैन हैन हैन सम्बद्ध साबिश मु न देश स्नापस्य में परेश मानेश पार्ट । 💮 वयशहर परसाप हैना ं यर महर् य लेख ग्राय प्रेस है गुर प्रयुद्ध में यरेदा या वेसाय यस्तर ही। म्बन्धर्दर र्हेर न्द्रमा वर्षे वर्षा वर्षे नेत्र न्द्रा वर्षे

तर वेश त है। वर्ष वर मुर तर विद्यार में वर्ष है के सून वर्ष में दरे के वर्ष ने हैं द कुर मुर य के गुक प्र चुर मी परेक पर्देश मार्ग महें से र के हो द या पार्क प्रवृत्तनी परे व पर नाश्चरका कें। दे प्रवित तु हार पर प्रवृत्त में व केंद्र देना पर अहर पा लेका मु पा दर्भा ने वर्षेषा परे परे का देस या पश्व है॥ त्मीना यदे यदे व पा भद र देंद कन व या सेना व यदे हें व सेंद्र या श्रुद्र यदें। यवशान्दावरुषायायम् माद्राया विश्वानायम् मह्याया विश्वानायम् । नक्र हो। अस मी नर्र नय प्राया अदा मुंबर पर केंब्र अस माना या दे स चेद'चवे'च्ये वेस'क्षा देवे स्रुच चर होद'च'चेद'नु'है गुंद लेस'हे न'दे'हैं ल्ना न्या प्रमुद्र पर मुल्री महिंद प उन छ बद मद गुट लेंद प म भी द ने लेंब मु न न दे दयर संभाव वर्षायाय मार्दे या उदा से दे र रे । यर नु वरे केन देश नु वर के ह्या वर नु वर केन प्रके कें। 55 वर्ग के र्मम्भास्त्राम्याम् वाल्यान् वाल्यान् वाल्यान् वाल्याम्या ्रमाश्रमा रेटाचेर अर्थेट यद्या वेंस वर्षे। विष्या वेंप्या केंप्या केंप्य केंप केंप्य केंप्य केंप्य केंप्य केंप केंप केंप केंप केंप केंप केंप क र्श्यम् यादान्य वाल्यानु वादी है हि स्र मुनाया सु कुर मार्च के सामी विसर ल् मुंद पर महर पते हेंद्रा स्वार पते सुरा दे में रा हे वारा या स्वार मा द्वा यर तह ने भर सह ने प्र द्वा अवी अवी सुनास हें साम्मा के लेवा प्र वे न क्षं वत्रा मार पत्रा वस्य मार मी भाष्या परेदे रूर

स्त्रीश पर मुख न म्या माना पर दिए ध र्चिन या दे प्यक यह मुक्त यह स्थल हो। नक्षेत्रनगुर त्यः स्वाधाः स नाह्यः हो।। दे व प्रमुख य से द पदे सुर व दे भ्रद्रा चे अस्य उद्ग मी द्रा प्रे प्रवेद पाय प्रवेद पाय प्रवेद प् लेश मु नदे दें दें।। अहं न ने नि न ने नि न ने नि के हि अह अवस्था सन्दर्भिक मिन्नी मान्या निम्ना निम्ना निम्ना निर्मा नि 'उद्'वस्थ' उद्'त्य हुँ स्थ पर्वे। प्रेश दे 'धु म हे द' वे द' हे द' वस्य पर्वे। सुर मुनास हे केद च न न द्रा । द्रा पर र र न हे र वह र पर र सुर . चुद्र दे बुद्र चे.च. ज. श्र्म श.च. श्रुंस है। हे.लट. भ्रु. भ्रुं. चर्ड १ क्रूं १ क्रूं १ क्रूं यदे हुर ने ब नु हुन वहाय न द्या न नि स्थ र ने दिर्दे प्रे दे व र ले हिर ं <mark>बेर्'य:दे':ब'दे':श्रद्र'केस</mark>'मुद्रा है'हेर-दे'कैर'म्बिस'य'की बि ्रव माळन्यायायस समालेस लेस नु नाय संग्रा नार्झ्स है। प्रेंब रुष क्रियाद्राम्यक्रम्य विमुद्देशि क्रिया हित्य प्रमान्य विभाग विष्य प्रमान्य ্ট্রাল,ব্র্থিরা,ন্দ্রবেশীর,হ্যা প্রথম প্রথমী বিব্রহ্যসাগ্রেপ নী,ব্রু,হ্র ग्राम्मालक मी स्मा वर्षा पर प्रमुद्द र्शा पर्देश वे मुद्देश प्रमुद्द र्शा ।। मुक्तमुः र्ष्ट्र नरा है नावक विश्व प्राप्त मार्स्य हा र्स्ट्र स है। है म्ब्रिक्ष पा कर मी मिटा हिया क्षेत्रका द्वाद प्रमानीका मेंद्र पा है हैं है त्या है का यह । ब्रिंग् पर्देश के दे प्रश्लेष या सम्मानिस हिसा मुग्त है है दिना मौस हे सा सम्मान

हीं र पार्ट, हे ये लार चार्वयर ही ट्र्य लाय हैया मध्य देश हा हेया गंयश हो हुन हो। वै दे दम मेश मेर या दस महोदाय यह माध्येद मेर ही। विदे गुर यदम हिन्दे हिन्दे पर्देर यं भेर बें। येर्द हर या कनार या यश लेश साम या यह पश्चित्यम् वे स्र्रे हे । यहेर् यम् वु हे। रेम वे स्र न्द क्षेत्र दे लेश वेश दश वहनाय क्षेत्र का वरेर दे वर्ष सु क वहें स या सेदायादेते द्वार द्वार हेदा के सादे हि तदेंदा या येदा दें। कुदी दमस ग्रीका हीताहे म्सिकातर प्रिक्ष वका पी वक्ष ग्रीटाट्री अवर ख्रीवात व विवेश पदि मधर द्विष पर्ता। माम हे ह्वे 'वै श्वरू हे बे देहेर! हे साम स्मिन्स यस. ५ हेना हे ब कि दायर तय हेर्ना साथ मार्थ त्या है साथ है र्ह्व त्युद्र च त्यक्ष देव पालक द्रमा के देव मालक स्थ पर दर्दे दें। देख यत्म। द्र्नाविक मार्भक यदे स्वित्र या अप त्रुद्दाय के के स्वित्त के के रद मु खुरा के प्राप्त के दिन के दिन के दिन के दिन के दिन के कि के कि के कि कि के कि कि के कि कि के कि कि कि कि क्रिन्द से नि हुट विश्व मुन्द में हो मिं के हेंद पी क मीस। दे द्वा यस सेमस वे स्वार परे तुषा प पति वे विश स्वीं। पातुर पासुस र्घ रे हे हैं के खिराणी भेरिन्त भेरिता निम्हर व लेशनान मा स्वानस मसान्यन परानेन हो। ह्य वे प्यव निक्ष व के प्रवास के प्राप्त के प्रवास के प्राप्त के प र्म मन्द्रित नुभित्र न्द्र मिल्या द्रमा विश्व नुभा निमा स्त्री सर महिन्द्र होत्य भेर ने। हिं दे मळर हेत् चर ही केरा सम देस हा कर दे परिन्द ने।

ने अर'र वहूर्य लेख नुप्त के न्यारे हां के युक्त हे र दीरा विक्रा या न्या या सेर लेखारे अर नुःवहर् यदे दहेना देव कुटा यह पर्वा नते दुस क अदः व तुदः च क्सरा मान् र वस विना स स्व ती क्षुरा पकर स से पर्देर र्ने नुरःषरःह्य वदे सुरः ५८ वि वदे सुरा से रसेनारा यरा प्रयापर विनु रावरे """ मुर्दे देता लदामुर य ल्यून व दर्भन कर्म इम्म घर्टी मेर्टी से वस्य वर विश्व देश के विश्व के ब्रिन्यु न व स्वास व स्थित व व व व व व व से समा नव व कर के न के स व व व के सिंद दर महात्र पर्दे सेस्सर य उद १५८ दें। प्रमाय पर्दे के प्रसः वेस न प्रमाय पर्दे के प्रसः वेस न प्रमाय पर्दे के प नुना न्दरमळे बेरळ भारे बेर्सा सभी भारती है। सदे सर म्स्या नास धेव **पत्रे : खेन्नस्य : उ**त्र केस : तु : व : के : व स्य : व दे : से स्य : प : उत्र : के दे दि तर्के नते मान्या भ्रम्या त्र**या द्रम**ायामालका नुः नुष्टा या दे तिके नते प्राप्ता हुन् नु नर्गा लट.मुर्ड, इ.व. चढर रे. जुंश ने.च. म. स्वासामा दे.चर्सा नेस मी. कुर कुर के किर में कर पर हिंद पर छेद हो। कुर हे हि स प विदर्भ देश चु'न वै **रोमस'ना**ट मीस हे**स**'सु'समुद्र'यर'सर यदे 'मुद्र'नाट फेद'नदें। रव.री.सर.तपु.मुंब.र्.त्या.स.चाहस.री मैं रट.मी.स.लूर.सपु.सप्. मोनास हैर यं सेर्प कर की वृक्ष य कर वें। इ नदे क्रेंद्र खब्द'द्रद'। श्रेमक चाड्य लेखा नु चा यहै । यह देव स्थाय विष्य है। वह देव । स्था नु वहे **ଋୖ୶୴ୖ୬**ୣ୕୵**୕୕ୣ୷ୢୠ**ଽ୕ଵଽ୕ୣ୕୷ୣୢୠୄ୕ଽ୕ୠ୕ଽୠୄଽ୷ୣୖୠ୷୷ୡ୕ୣ୷ निटर्ना भारता निर्देश्येष्ठ अर्थ हेन् अर्द्ध नुमुद्द पर्देश माले भारता विष्य है निहेश सर्वे।

য়ৢ৾৾ॱঀ৾৾৻৾৽য়য়৽৾য়ৣ৾৽ৼৢ৾৾ঀ৾৽৸ৡ৾য়৽ঀয়৾৽য়৽য়ৼ৸ৠৢ৽য়ৄঢ়৽য়ৼ৾ঀ म्साराक्ष्रिकार्त्राक्षात्राचीरातार्याचीराव्यक्षाची वर्षः विरामीरात्राचा वर्षः वर् ระเฐาพา**พ**ัสพาสารศาเพาชาสุราชาตัพพาสราชิพาสพาสราชิพาสพาสราชิ মম বেল মার নাম বিলাম বিল र्टा मुं ल र्याया पर्याय विषाय रे हिया सु पर्या पर्या परि र्या परि र्याया न.रेट.भरे.न.रेब.ची.४रेस.चेश.नपु.हंस.शि.४र्जे च.भु.कैट वर.लुशे च.हे वेस्। विराधर रे. बुंश वि.च. वु पक्र चयु रेश वर्षा हे हर बुंश वि.च वु. स्मेंशश य.भूर.तर्ह्या रे.चढ्रु.रे चढ्रि स लट.ढुश.चे.च.ब्र.शटश.चेश.स.ल.लट. ह्मं मं पर्ने प्रमान निष्य हो स्थान निष्य त्रा ति विषय विषय विषय हो विषय विषय हो विषय विषय हो विषय विषय हो विषय नुसामालक नुःसेससान्दा सेससा स्थान्य निष्य मुद्दा सुद्दा स्थाने स्थान स्थान क्यापर्वेर मुं विराधर के पर्ने के अर्थ पर्ने पर्वे अंश्रेश शासर पहिना पर्वे। रे प न्यं नम्बर् यदे 'कुर । वेनाश 'पर माकेन 'वेनाय' त्र शंनाश 'यदे नार्श 'श्रीयस ' के.येत् . बुका.ये.य.श्रेशःश्री

|र्झर् स**.र्स.त**र्जेस.म्री.तयोज.च.चंटी चस.म्.पडे.सङ.स. - SO | माशुम्राया दे सु मा प्रेकाय के हा हे लिया है या है हो स्नार है है सि स्नार है मदे भक्ष र १९८५ मुम्बुर 'स'म्बुर'च'र्ना'य के'२२ँ५'क्षे । र्दे र कुर स्थर ଵୖୄ୕ୣ୶୳ୣୖ୵ୄଞ୕ୖୄଽୢ୕ୣୠ୕୕ୖ୕ୡ୕୵ୠ୕ଽୄ୕ୢ୵ୡ୕ୖୄ୶୳୰ୖୢୠୄ୰ୢୖୢୠ୴ୢଈ୕୵ୖୠଽୄଊଊଊୖ୶୳ଽ୕୶୷ୡୄୢ୴ଽ୕ୄ र्भा हेब दर्भागाय के दर्भावसा रक्ष प्रमाय स्था र्भा अंतर हन दर्भा विश्वसानु नृष्यं न्याच निर्मायस सुनियामासुरा रस्त्रायायस सुनिय माराया हेता । वर्षेनाय वर्षे वर्षा वर कि ने वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे के वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे र्सेन्स'य द्वेंस'हे। वशुः च'द्व'क्टेन'के'सेसस केर हो। हे'वस'व ध **५५ मा सेराम्य भेड़ा महेबाद्या महेबा मरी ५ दें में हैं न साम ऑरामा स्पेता हों।** दे वै: बेमस केराम दे मेराय वेस न मार्चे भारे। क्रान्य यहे द्रां में के कर्त्या मान्द्र या कर के द्रायि हिरासे। दे प्रकार े देश चर्याची तात हैं से असे हो ने अपने हैं देश हैं के प्रति हैं के हैं के लिए हैं के हैं है के हैं के है हैं के ह ्राःम्बद्धाः सुरु दिन्द्राः स्ट त्युरः देशः स्ट देशः स्ट हे निरु त्याः सुर वर्तुक च वर्ते स प्येक के लेस वर्ष चर वर्ता माइक वर वर वर त्ना हे स न न के नद्ना के द मास कर गुरू स्था । वित्य मदी नद्ना के द कर मु समायमा लेस च न दे। सम है र व दुर न दे । समा है र व दूर न दे । न द न है । वमका उदादे मिं इ केद मालेदे यदमा केद उद केदा भेदा यदे क्षेर रें। मुदे यदमा क्षेद्राख्या नु चुदाय केद्राब्य या भेदा दे विद्या यह मावदा भार ब्रेस नु न ता सम्बद्ध न हों से दे दे ते ते स ने स पर परेंद्र या ता लेश च.व है। क्र्य पर चिश्वरश व दर पश क्रुर सहें सर दर्दे सदे

क्र कर है से क्र है में लूर दे लह वर्ष ये वर्षीय कर भी वेश वे वर्षीय वेश । वुसामारे हैं। व नहासे वास देवे छिन यह नाल र श्विदाय वन में हैं। वे दस विस्पान र **९२ॅ**५-व.पर्जा रे.केर.वर्ष.चेश्व. वेर.वर.चेथ.चेर.वर.चे क्र मुक्ताय मन्द्र हुम पर्यो दे अट मुन्द त्रम प्रति रहें में रहें शुर्पर नुद् लेशन न वे हे प्रमुद्द न्त्र के प्रम् त्रेष पर दे दे वे के क्षेत्र के वे प्रमु क्यु भेर दशा दें रे पर्या में र म में स लेश न न भेर है। के चर लेब चर्दे दें चेंबा साम्भेब पारे खर के त्वा बबा हेब पर विमुर हो। हिसा म है। इ रूप सेर्प मार्चेन महैं कर में म इर रु में मनुरारे देश तश्र श्रिश पर्ता देश पर लिश निय पर स्वाध प्रश्न विश्व पर्यो क्षेत्र विर्म वहत्र वित्र देश वित्र देश वहत्य महास्थित य हे सामक प्रतासके के । त्रिके तुस पालेश स सामा स्मान पार्सिक है। **५** के युःमुः नक्किर नदे र ८ वर्षक मार्थाय पर ने **र पर्वे र प्रेर विश्व मार्थाय** मु नक्किर पर विराधके र प्रवेश के दे भेर मी नावर में के सार् के दे विष प्रवेश यदे खेर न्या दे हे द्वाया यर हा यदे खेरा है खर दरे हैं पूरेंदे वुसायाध्येत के लिस हाँ साहे। हे हिन्दा सार्य निर्देश वुसाया परे ध्येत ही नालत में के संस्थित के लिस प्रेस पर प्रमुद्द हो। हे भूत नु सु नु सु ने पर होते पर ्रा नविक स्पूर्वा तथा होते पद्यार प्राचीत स्पूर्य विद्यार नविक स्पूर्य प्राचिक होते विका का बेंबा चर् हैं के क्या नहूर ता लुब बुटा। बा चूर ही हैं का किर चर निवित्र में सूर्त न कर मिर नर वंशवा कर वट दे दे निवेश नव विवास र क्रिंस कर

महर्मा प्रेराया करें उमा मुका कार्का उक् दिर केंब उक् मु सा क्रायर देने व भ्रेका दश शर्रा भन्ने हेर उर्ज मी इसायर र्जे माजुरा माफीर के लिस वहरायर " पनुरर्सा रेनासासपुर नदे मुर्भेर हेना सन्धासस महासाम देश पर्देश पर्देश पर्देश पर्देश पर्देश पर्देश पर्देश पर्देश **न्युट.व.५८।** ्रुव.व.५८.५वट.त्र.५८.झॅ.५७.च् न्युट.६व.४.५८वास. रिवृद्दः व रदा विद्या विश्व विश्व विश्व व व श्र क्षेत्र या वे सुक प्रविद वर्षे। वैराव हैरानु वहेर् वाहेर् वाहेर् की खैर विदुर वाहेर् वित्राया वरे विर चर वभम वर जास दिन्य च रटा। अर विषय अर्थ पर चीट मी के नाल रामस मेर पर चेर य देशे के। विंद नु कर यर चुरी मार नीस हैं नास वा वा से 'से वा दे हिंदि व हैंद व दिया दिया कि सामित य देवे के खुद व चुद य पर पहण या मालद के वा े ते के सर ते वि पते की रहीं दे तर से से की हैं के तर ति मुर हों। देर के द केर.चर्.के.वे.बेश.वे.व.कु.रवियामा.रवैट.व.रट.देव.व.ज.स्याश.व.वीक्.... प्रदेश मा में में में हैं हैं से से से हैं विषय में मा स्वास साम दे से से प्रदेश ८८ दिया वर् की स्वा कनास इसरा में रहानी रेनास या राम खराया हैन नहात दहा यम्बर् वर्ड्स् महर् प्राम् र देना मामा प्रश्नापते सुन्म पर्म पर्मे न में वासर नेत्रायम्ब हेटा देशे म्यायदे हेराया अतिह सामा में नामाया मार्ये मेट । श्रेट अळ अभ श्रेंट लेश नि.च. म श्रेंचेश ता श्रेंश श्री बाट भेट. डेबानुन्न ने सुबानु व्यवस्य उदार्थेद्र या थेर है। वके ने ने ने ने ने कार्यान्य द्र. च्रा रक्ष संस्था त्रा के दे की खेर हो। पक्ष न ता दे का है के ले का अपने के खें दिए

न्वट र्च ता स्वास वद अद रेवा स मान कर के वके न ये व य है यस नुस सुस है स" दिदेश यदे भ्री करे भ्रद हैन अदेश दिन दिन से विकास के नदन हैंद ग्री टॅ चॅ त' अपट विश्व नु न दे न केंद्र हुं न या अपट स्न द हेवा अप श्रम् नक्षाय न्तुन्य त्तु ह्व न्दान्य द्वा न्दा न्दा ह्व द्वा साव के साव द्वा हो नया । वर्ष्य यह देवेबारा पर्वेट देव. ज. स्वास. तह. मैं. लाई स्वास. वर्वेट्टिय.ज.श्र्वमात.ट्र.ट्रेच.गु. व.म.ल्ट्रेच्चाट जम.च्रेच्ट्रेच्य.च.ल्या वर्षात्राज्ञाक्षाः क्षेत्राचाराष्ट्राच्यायका विवादाः स्पेत्राचा ने दे दराविवादाः लट संग्राच त्राहे व दे हिन व विव चर हो दे तार माया व दे भेना मार हो। वसुर वर वे वर्द् व नाय हे वर् वते दु व व द्वन स व दु दु व य स्वास य हेर मुव'यर द्युर य'रे'वस'द। पक्रे'वते 'रुश'ये स'र्वार पं मुन्याम मुक्ता कराय सेन्य र विचार वि १९ गुट देवे के 'बेर्' या भेदायादे प्राप्त दान्ति के के नाम मानु नाम के लिखा देते कुर समुवायायामा भवादे लेखानु या क्षेत्र है। असा भव नारावा त्रशक्ति व त्रेशक क्षेत्र स्वर् क्षेत्र स्वर् क्षेत्र स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर मास भव दे प्रथा पर प्रमुद्द पर दे हैं र र्रो। दे प्रथा व रे प्रथा व बैं हे 'यर' येव' य' है द ग्री क्षें वहा रेग के 'स मुद्द सर्वे मुं 'येव' यं वे माइव' के हैते हुर। अन् हेना स म सदे द्वार ये त सेन्य पदे रेनास समुद्र पदे र्श्यस्य द्वार वे स्थानिया सं क्षेत्र या के दा प्रे प्र दे । व के प्र दे भारत अवस्य व द्वार विश्व विश्व व स्थित य केंद्र य केंद्र युव य स्थित विश्व वि वर मानेदासद्यम हिरानि पुराना निरानिया ना भेता पर वे प्रथम पर के निर्मान

मादनींश र्स्टर है नाम अधुन या होने वह रहेन हो हो अ के का भेन या अ भेने हो। <u>୭,ଶୂଧ୍ୟଧ୍ୟା ହିଂହାଶ, ମ.୪.୧.୩.ଅ୬.୯.୪.୪.୯.୯.୩୯.୯୩.୬୯.୩୧୩୩ ଅଟି ଅଟ୍ଲେମ୍ଲ୍ୟ</u> वृश्याच द्राया च भीता दे । यह व्या तथा कुषा चर वह दायर विषुर है। मोडिट चर ये च ते मोट हुर हिंच च लेश ये च लेश विहास ये ये च लेश बश्च दे.चिट्ट प.ही जयाताचिट चर प्री.च. अस वन र खुना का मीनिश ही। पबेश तामशालेशायीत दुःश्रेशायबेशायातशास्त्री ट्रांशादी प्रवेशाये दे द्रेमा.तर्गा हे.ज. देश.वेश.वे.च. दे शह. विश्व ता विश्व ता वर्गा ह्रेम. क्षाम न्दः श्रेंना क्ष्मां म योव पति सन्मा हेन कर मी श न्द रा हेन हेस न त व है है कर् हे. जम्म वर्षेत्र व नर्ता जम मह मिमम वाहर मी र ट. पहुर मी है म स र त. रतानु भारत स्थान कर भारत है दिया मिलक सम्मान सम्मान सम्मान हेर वर किर मुन्दर मा वर मार्ट पर राज्य मार्ट होर हो। सिमान्द्रेर्द्र मिर्ने के निक्र मेटाया प्यूर्म के हा से हा है है। हे.जश्. विर.तर. भरे.त. हो। वश्यः वर . संचेशः श्री. चीर. तहु. रट. पर्वेशः लुवे. मदे हैं र हाँ। दे हे है म भेद हे है स भेद है है स न स स स स स है नु न परे नुक्तरम् रेक्ट्रेन्स्य पार्स्त्वस मानामार्थित् मान्वनिक्रेन्स्य नाने वाहे ।।। भर दुस विभी दे वे स से ब हे र म में व दे ता से न स पा सि र पर . अर्थतपु क्षेत्र विश्व पु नवते स्माना प्रवेश वे सुन केमा हेद्राय हिंदा सह सेह्या माइद्राद्धी दे हे दे दे रहे रहे रहे रहे वह वार्य देश हिश से सार्थ नाम सार ह्न पर छेर हैं। देखर दर च या स्माराय है साम या स्माराय है

द्यानु देवे श्रेट वे क हैन या देवे कु प्येन पाम प्येन हो। वे जुट प्रमम् वराताश्चर्याक्षत्राक्ष्याक्षात्री कुंदेरार्ह्या क्षेत्र होति वाताने हे सर हेर्च शासर रे.जब.कुर प्रवीर खे.वे श्रुमायाया विरासरामेर मालेमानु प्रति रामकी माले सामा स्मामा मही। क्षेत्रास्त्रकृष्ट्रानाम् ह्यून् क्रमस्त्रम् कृत्रम् कृत्रम् वर्ते। सुर ल.ज.५.सूचा.कवास.लूर् वर्ष क्षेत्र.सूचा कवास.रट. क्षेत्र.वर्षा हे चर.वर्णेर. मामकुम्बामामाभुनामानु द्वेसाम्बे राष्ट्रीयाम्बे राष्ट्री हेनामकुम्सामा हेर् यहै। टट ख्रिय ब्रु के खें खें या लेश मु न्यू त्र न्यू श मु न्यू राट ख्रिय ब्रु के वि क्रावादिर श्रेंबाधाद्दा श्रेंबायदे वुषायादि प्रेंब वे वेखावादि प्रेंच यास्त्र हैं। शेसका हेर ला भेट ट्र लेश पहेर पड़े हैर शंसका है लेश या न व सन्धान हुस है। हे हर सेमस हैर है तहस ह कर हर है। श्रेश्वरा दे त्य वुदा यते वदना हेद खर हेद कर विदाय हैंदर हो। विद्वर यह विदाय सेदर म.ज.ल.मी.रेट.पंत्रस.येड्र.रेट्स.म्.मु.सर.पंत्र.ब्रेट.स्. मु त्रमानु उद्यान्य मुद्दा मान्य कर बर कर कर स्थार स्थार से वार्ता । बर् र र के र के र वरे हैं र र्गा है. के क्षेत्र सार्ट १५ जर १ जर्म वर्ष वर्ष १८० के निष्ठ में सेसब १८ में साम सेनाय " सके तिविद्या में निर्मा में निर्मा के में प्राप्त के में प्रमान के में प्रम में प्रमान के में प्रमान

मु. बुंस. ये. यं जा सूर्यांस. ता अभास. में. वेंसा ता बुंस हुं हुं , महूर् मी दूर मिर अभास. हैंद वुकारा प्येत या दे प्याद वर्षुट या क्रम ही प्येत हों। देशे के वर्षुट या दना माने बेश यी याता स्थेर सामा व मीय मानु सम्बद्ध यह हो। ह्या मावर ह्यूट. पर्यु ह्यू देश. खेश. चे . च . डे. श. चेश. त. हेर. प्रश्न देश. तर्र . च देश. ह्यू देश ह्यू । है ने मान के सुने मान विकासी के सिंह व दूर महा प्रविद्या मर मु न केर प्रेर पर सेर होर रे लेश मु न है। दिर सेस म केर हे रह नी मुद्दानी रहारे ना यश यदे याया स्निमायदे ही वैदान वहायर मुद्दार प्रेम लेटा। सामासन्मरा १९ वे सा व १९ वा संग्राय वे दे वे न्तुन ग्लव नु से सामें श्चिम नु हो नु हो। हे हिर व त हु द न न हो है न न हो है न न है ୖ୵୲ୄ୷ୖୣଽୣୡ**ଽୣ୶ୖଵୄ୶**୲ୠ୳୶ୢୡୖୄୢୠ୕ୡୢ୵୷୶୲୴ୢୄଌଽ୳୷ୄୠ୷ୢଌ୵୴ୡ୳୳ୡୖୄୠ୕୵ ब्राच्याय प्रवास्त्र व्याप प्राम्य प्रवास म्याप्त द्वारा प्रवास दे म भे क है। दे वे घ दूर य से द य र च व व च के द गी खेर र गी व द दे यर नम् है द हैं लेश मु पा है। अंदर्श है द ला दे भेंद्र पा स भे द दे लेश मु प वै द्वाना चर पुदे विश्व शूर चन्द्र च के दे गु के र दें। व्यक्त विश्व श्वर विश्व श्व श्वर विश्व श्वर श्वर श्वर विश्व श्वर श्वर विश्व श्वर श्वर श्व श्व श्व श्वर श्वर श्व श्व श्वर तर् हू च्.लूरे रे.बुश चे.च.ज सूचेश तर् सेंश दे.वंश वेर् हू. च्. लूटे जे. स्. चबटार्ट्रा महायायार्श्वम् रायुराद्राचेराकेरामळमसार्श्वराचादाद्राचेरा मदे भुर रें। दे अद र प्रमायमा भुर पर्टर कप्र द्वार क्राय इट वके व के भी न दशका भी देश के मार्च दर वर्डेड के सम्बद्ध मार्च दर वर्डेड के सम्बद्ध मार्च के सम्बद्ध के समार्थ के सम्बद्ध के समार्थ के समार्य के समार्य के समार्थ के समार्थ के समार्थ के समार्थ के समार्थ के समार्य के समार्य

स्निस्यर द्यार व द रेंद्र हिर हर इस पर हिन्दर हिं ही व है न लेब द्री। भ्रेम त्रामार्द्र या व लेखा माना व्यास मालव मी द्रामा या श्रेयाचर नेत्रह्या दे प्या सुन्या सन्या या द्वा से साम स्वा स्व से साम स्व से साम स्व से साम से साम से साम से स तानार्य्रतान भारा लेखा न न के खिता में इं क्षा गुटा ने खानि सक्य हैन क्या में म् विश्व दिश्व शुं करि गुं में विश्व राज्य करिया में विश्व राज्य में विश्व राज्य में विश्व राज्य में विश्व राज्य राज्य में विश्व राज्य राज्य राज्य में विश्व राज्य र मार्ट्राचात्मार्थेनास्यायदे सक्षत्र कृद्राच्या प्रति स्वर् मार्ट्र यर. पर्ट्र. य. भूष. खूरा वेष. यहेश. यर. जवीर. रू. । हे. हेर. व. हेर. दवट व दे क्षायर केषाय हेर त्यूर व ही लेट। हेश वर्तुर पश का पर हॅना'य'केद'म्द्राय'य'र्थनार्थ्यार्थ्य'यदी'स्रद्धत हेद'खद'प्येद'र्बि हे दि द्वाप्येद' यत्रै त्वीर प्रमाल्दे ग्री ह्वा श्रमाय हेव पर रेवायाया माले देव हो। ह्वा वाया लट विषायर विश्वीर विषे हीर हैं। हेश यर हैं गाय है इस पर हैं ना या है पश्यातर, क्षातर, चेशातर्। त्रियश में क्षा सूट, य. प्रशायशा हिशा नु न के के नर महें द या भेक की। दे हर द दे हैं - प द हा हुन नर नु यते देश हिंदा यर नुषा दशार्थी। माद इ ना तनुरा नवे हिसा हु है ने नुर्पार है के इन्याय हेन्यास व्यक्ति । द्वेर न्येमामी इस यर विश्वाय हे स्र यर हेन् पते वे सारा प्यर इत्य त्र्या र तरे हेश सु हे र या स प्येर हे लेश सु या व श्चिम्य वहूर् पर मुन्। हे क्रूर द्वार प्रिं व प्रिं पर पर पर है व व व - वे विश्व न वे है क्षर न्वर से न्दर प्रक्ष प ठव मी ख्रा के न वा भेद मी हों से प्र न प्रेम् मी। द्रमद में में द य उद मी भ्र दर सेद में य से स य य से में दि ।

<u>दे.केर.जूर.लूर.क.लूर.तपु.८८.क्ष</u>ण.कर.कुर.कीट.खेश.चे.च.ची लक्ष.चेस. याद्रा वहसाया केद ताद्वराय देशसाय्यद की वेसायाद्रा वाया वाया देशसायीद १५'वे'नवर'र्ने 'ॲर्'पदे'रर' द्वाय ठक्'हेर्'वशय वदे 'हुँर। नाःनीयास्यान्यात्र त्रम्तीःस्यान्यात्र त्रीःस्यान्यात्र त्रम्यान्यात्र त्रम्यान्यात्र त्रम्यान्यात्र ति चीयात्र में या है। भीवा ता संचीया पर अयहा चर् की नी है। हिं निवस्तानपुरमेर लेश वित्त वे मिरासे भर्द में मार्थ मार्थ वर्षा द्वार स्त्रम् कर् सेन् मस लेखानु न सार्थिक मारी है की मिल साम महिका करा कहना या . भेव वा। केंद्र य मेद्र य व संग्राय यदे दुस व भार द्वर ये ह भेद्र व भार व्येत्र की स्वेत्र या क्षेत्र के लेखा कर्त् देशा वर्ते का मार्वेद्र पति हैसा हु हिन य लेख द्या य के दे त्या र य के सम पर व्यार य है दे दिन के दे ते हैं दे हैं दे मुवायं बादे वर्जिन प्रदाम्बायः पर्वाप् र्रो। देश्वास्प्रेवाव के के वर लेष.च.रेट.चेण वस.चे.वपु.जिश.ज.धॅ.श है.च.पथा इ.धूच ज.स्चांश. य मेर यदे हिर लेश हे केंग अवर वनुर री। दे हैं दे हे से मेर दे ल्ना-तु-त्रन गुद्द-लेश-तु च व्यक्तन्य-य-क्क्रींश की। दे-वे-देन-भेन-लेश-तु-लेश-तु-न वे भेर गुर्म पर नेसपारे वे रचट वे दससा गु हेर भेर वे वेस मु पर हुन ्रिन्तु अदः लेश मु न दे न्या से सेन्य उद्गु सुरा समा मन्य न्तर युना भ स्निमान है। में देश प्रति के प्रति हैं से भ र्सन्स या स हो हो र पदे हिर दर है हमा प है र दे नामा पदे है र रे।। दे सुर त्युदान क्रम्ब वे क्वें व दे क मार्थ हो। द्यार में दूर नक्स माद्दर

्रवह सं सेर प द्व.मी. नवस श्रेपका माड़े. ना रवा ग्रेट से हट वर हिर हो। वह खिना नार नी के दें दु विश्व र वा का प्रवित्व दे दे दे दे हैं है है । वर विवाद के दिन हैं को सी दें द पर चेर्था अधिक है। र्वेर के सेना के इन्वेर इस यर विश्व या कु चुर्वे। हैं ंभर **नु'यन्नर मदे हमायमाद्यंदाया इसका** गुटांधिर गुँग ह्वे दे हे दानुं दर्श्वादाया र्भक के लिस नु म के सियायर ने हैं पार प्रमाश में मूर्य प्रमाश स्वर्गी कि स्वर्ग नियम स्वर् 'अट' स' भेर' य' वेस' मु 'म वे चु सेर' य' ढ र' है। कु सेर' य' ढर हैं र' भेर' वा देना नु प्पेर्नायस्मा सेर्नायस्मित्। हेन्यस्मेर्नायस्मित्रस्मानु ह्मियासप्पेदाव लेखानुपार वे मुखायर दिना वद्या ह्मूया पर दिनु राह्या देवे सुर ह्वे किर ह्वे वे के पर येक प ं ह्वॅं दे नुव पर दवुर वेश उप पर श्रॅन्**शयः ह्वेंश** दे। 🎽 देश के हिंदिनुवे पर ्वुसायदे सक्द हैन पन कम्बानाना ता भेर पर्टा । हेदे हें से हे स्ट निवेदार्से स्थानादायाय्येदायादीयादी स्थानीया क्षेत्र ना वे विकानु ना म.श्र्माम.ता ह्रींर.व.रेट.त्.वे.क्ष्र.वर्यची मी.ल्ये.जा वीर्वेश्व. य.ल.च.च.च.च.ल.च्या वेशन्य वे विन्यं मा के मार्गे वेशन ं चुं म ते त्र है मने पुरावर्षे। यह दुंद हेश हा चुंद मारह प्रेम के लेस मुन ल.श्रम्थ.तश्रची वर्तः के.रेचट.त्र.चं चं चवश्रत्यं जिस्टा वं भारार. चेस्राया हे नाहेस है त्यत्र हिंत सार्च र उत्तर है । हेश हैं सार्च र या यस नाहित्या नदः क्रिस्या। देवसः क्रिक्यं हेव हेन अव च प्रांति । हेश सुन्यम्य प्रमृद्यामा प्रमृद्या प्रमृद्या महित्य प्रमुद्र पर हो। ्रा-व्यायायर व्यार री। वयायाय रमा हिर्मित् यर द्वा ग्री है

भःभुष्यः देनदाः त् ते स्रूचि**म गुँ**भः विनामः तत्रः हुमः शुः द्वानाः तातः है सुरादः शुः हाः मीशामार्द्रियर त्यार हो। दे पश्च मार्क्र मेर द्र द्रमाया करा ख्रसाया हेर सदे 'ख्राय द्वामीस लेख नु न के द्वार में द्वार स्क्रेस स्क्रे ख्राय स इस नर मा इस पते है न्दर है न्दर है ना मु वा संनास द्वार में स न्नामीस लेश च न दे मार्देर य हेर् पर्ना भीश हो। न्दर व दिर देश स्माधिस . कुंस. च.रेट. चक्स. च.क्य. ची. पिस. मी. पिश. पुंस चे. चर ख़िर. ह्या अ.पर्ट्र. य. बुंश. ये. यं कुं में श्रेश पर्यं मुं त्या र्श्या मार्या हे. हे. श्रे. श्रेश व मुं मेर्या रुदार्पुष्य पति द्विर देशानु प द कुर्मे में रिमामेर्याय रहताय द्वार्या न _ଽଖ.८८ ଈ୕ଌ**.୩.୯ସି**ଂ. **୭.**ୟିଡୁ.୭ୂଖ.ଭି.୮୮୯.ଛି.୨ୃଥ.୩.୩.๗୬.୯୯.ୟିଂ.୯ଅ୬.ଅ ହି. मेर यास्त्राकृतातु वर्षुरारी कु मेरायास्त्र केराधिकात्रातार्याः केरातु वर्षुर यर क्षेर अस सम्बाधिक पर वालक ला भार क्षा पर केश य भार पर पर पर पर पर वितुर र्गा नाट अट हन ते वित्र वित्र के नित्र स्वास स दन नित्रीस रुषायार्या स्वाकार्ये निष्या मार्गे रिकाम विकार होत प्रदेश प्रदेश प्रदेश -तर्सान तर् कर कर के लिया मालु हारे प्या के मास दा का प्येन है। कर कर कर नह वनायाय हैन के स्त्री वर्षे स्त्री वर्षे स्त्री स्ति स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री हैं मैं ब'नु:द्रम्य प भेष वॅ 'लेस' पड़्य पर प्रमुर में। अस प्रम रेस पलेय ୖଵୄ୶୳ୠ୕୳୕ୡୄ୷ୠ୶୷୶୶୵୷୳ଵୣଌ୕ୢ୵ୢୖୠୄ*ୠ*୵ଽ୕୵ୣ୷ୄୢ୷ଽ୶୲୲ **ୖ୶**୶ୄୠ୕୳ୠ୵ र्ने र्ह्या अस्य विस्त मुद्द विष्त विदेश विदेश विदेश विदेश वि रव नु क्के व वहूर य हैर अब यदी छैर रो। क्के वर कर्रे पर के केवा अ के लेख

वि.च.वू. मुं ह्यू हु. रेवट हू हु. हू वीश की हु। वि.च.वू. हु.च.वू. हु.च.वू.च.व.व. म् द्रार्थितात् व क्षेत्रमाह दमायात् क्रियते निवशास्त्रयसाय कृष्टि पु न्यव्हिता यमस उन् नु विश्व तु न न के श्रेष्ठ गण्ड विश्व तु न य स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय कर् पर्ते विषय में प्राची माने प्रकेष पर्व विषय निषय प्रविषय में विषय में प्रविषय क्षेत्र य दे के खेल गुट क्षेत्र के लिया मु न व के लिया के दी देय द्विर केट अद्धमस हिर्दे पर 'अट बुब य' अब हे विश्व द्वा य' हो हो। हर अद्यक्ष हिर पर विश्व पानि द्वार माने न हे क्वुं छेद अव व नाय हे हे सुराण्य ल्यूर माओव व हे दे सुर के व्याप्त माया हे हेट सर्भारा ह्यें र पर वुरा पा हेर हे हर था १ वि वा क्ट.च. श्रेर. तट्र. हुंस.च. च. श्रुंश.हे। सुंश ग्रुट. श्रुं म. श्रुं मांस.च.चर्चा. **য়৾৾৲ য়৾ৡ৾৲ য়ৣ৾৾৾ঽ**৽য়৾৾ৢঽ৽য়ৢৢ৾ঽ৽য়য়ঽ৽য়ৣ৽ঀঽ৾৽য়৻ঀয়৽য়৽য়ৣ৾৽য়ঌ৾য়৽য়য়৽য়ৢ৾ঽ৽ मदै लेख मु म व अंग्राम व व व दे पर मेर मेर पर्यो। **श**.पूर्श्न-राष्ट्र.धुं.ज. र्स्सन्य पते र्हेन्य दे होत् य ध्येत था रे के दासक् सम्बद्धित यासेन या है प्रहे न्दे सेमस गुरे स वना पुरक्षे न सेद पर्यो वनाय न द्रमेनास म हर पर्वेस त्य'तनात्र'व'सेर्'तु बेक्'ग्रुद्दा भन्यत्र'व'हेर्'त्र हेर्'स्ये हेर् ี่ยฝืนเละ นิ.น.ใะ มีน.นะ เป็นเละนเลหเดิงเนิงาง ขายีนานะ นิ น.ศาสพ. .चालक. बट. केट भक्षभभ हैं हुर व.रेट.। स्थित वर वेर वर वर्ष संभाव ୬ଟ୍.ଜାର୍ମା ଛାଅଶ.କାର୍ବ.ଲ:୬୯.ଅହ୍ୟକ:୬ୁଁଟ.ସ.ଅଟ.ସ.ଟ୍.ଜାର୍ବ

मु पश्चित प्र मिन्य भारते वस्ता हिर सर्वस्य हिर पर्वे स रेव वे लेवा र्श्वे पर सेन ने सेन ने लिया मुन्यते स्था बने सम्बन्धान या मान केन केन केन परि । । । बुर। नम्बून पर व न पश्च है। व बुन पर दि दन्न । व दन्न नेश ्रह्र्याच् केराञ्चयायाकेराण्ये चर्षाञ्चरार्थाः अहावाञ्चरा क्यायायायायाविह्रं दश्य महीया सरामुः परे वाह्य द्राप्त प्रमान प्रमान क्या प्रमान क्या माने जो WE' ऐस मु: न'दे झुक्' हे**न**' से मान्स मदे संदर्भ हैं न'हर निम्। श्रम् १ निवस प्रकृत अद्भ के का मार प्रमा दे अदः लेश र्यु प्राप्त है पर्यु सेश्वस स्था सहस्र स्थित स्थित है पर्यु प्राप्त है पर्यु पर्यु स्थान भद्रेन् सामु साम्या अक्षया र्श्वेर पाने स्वर्धस्य हेरिया स्मेद्र स्ट्रा वद्ना त्य क्वास य द्र स्व या । सिसस उद नावद मीस यग्ने स्रेक्षा । । परे सूना रूर पर्ह्य पर्हेर पस न। । । । प्रमाय परे मानस ने प्रस्स । श्रुम्बा । विश्वापकर सर त्युर यदे द्वार मुश्र श्रेर यामावद र हिरा . अक्षेत्राः ह्यूर पंक्षाया प्रशास्त्र वा केत् प्रशास वा केत् पर वा केत् पर विकास हो। न्नम् लाक्ष्मायाने अदान्या वर्षेकाय वार्यन् वाक्षायके वाने हुरान्कु से """ ्रमेन्स्य य प्र्राय १९८० वर्षा प्रमान वर्षा १७ कन्या या या सेन्स्य या स्ट्राय भटा कुश सेंग्रस प्रति केंद्र सामस मुचाया स भी क क्सा है। यह के कि स मून द विक हैते क्षेर नहेंद्र हेर्दा कर दर् क्ष्म नुमाव र में कर हिटका हरका प स भेदाया विन मु हैदा महम सं हैं र वर है। द गुर प मुव प प्रेन नि दे पर द मालह मुक्र किंग में मिर्ग मिर्ग मिर्ग मिर्ग मिर्ग मिर्ग प्रांच हुरे त. लुचे चर रे तूर्म स्रां

ससःसः मुदः देवं उवः मुः देशः दः यः यः व्यवः यः भ्रवः वा माववः मुः बिश मु न के न्यू न के मान साधिक न न ने से सक्ष मु अद हैं। दे से द के द के द य.रे.बु.रचंश.चे भ.लुब.त.कुर.ग्रेश वित त.लुब.जा ट्रेट्ट.प्नाय.च.बु. हेर्द्र तत्र्य सातुः हेर्र प्येत चार्रे ख्रम्य । विचायमानु र्मात्र प्यायान्य र्मेनासायाः क्षेत्र हों। नार दे हैं ले का मिन दे में दिर मिन नार हों। यमका हर ला हिर यर सेर पालेश मुन्दा है। र्मा वहूंस पत्र पर्दे संसंस्ट्र प्रमान प्रमान हैते. য়ৢয়৾৽ঀৢঽ৾৽ঀ৾৾য়৾৽য়য়য়য়ড়ঢ়ৢৼ৽য়ৼ৾৽য়৾ৼ৽য়ৢয়৽য়৽ড়ৢৼ৽ৼৢ৾য়ৣয়৽য়ৼ৽**ঢ়ৢৼ৽**৾ ୬ଟ.๗୶. ଘଟ୍ଡ.ଞ୍ଜିଟ.୯୯.ଫି.୯୯.ଅ୯.ଅ.୬୯.ଫି.ଫ୍ଡି.ସ.୯୯.ଅ୯.ଅ୯.ଅ୯.ଅ୯.୯୯ त.र्.रचा.च्रा रवेबाश.एवैंट च.रट.दै व.च.ल.चर्ड्श.चट्र.लूर.कु.च्रे.एवंश. वि केर दे अप वी वात वा हे रेट विया वहा की रेट विया वारे केर है रहे रहे रहे रहे हैं य.ज.श्र्मम.व.श्रूश.श्र्म हे में चढ़ी हिंश व य व देवट सू त देश तर चेश यायिवेदार्थे। वनुरायादे इस याम्बद्धार् नुस्यायादे नुस्यायादे न ଜିମ୍ୟର୍ମା ବ୍ୟୁଟ୍ୟମ୍ୟ । ଜିଶ୍ୟ ଅଂସଂଦ୍ଧି ଅଧୀ सशःगुट देश भेद। दे लेख 3 च के द्वार में के कें न्या गुद स्वर सें। मुंच सेर वह में के पकर वर किया है। वेश में रेज्य वा शर्र हैर लेबानु याहे दरावना है या है दार्ग मा मा मा यह । रेबा या यले इ ब्रुर पर व व के प्र के पर के यदे द्रं भरे हे जिट ने स्र हे लिख है पाय संग्रास स्र मार प्रेंस य भरे हो। वर्षे न'सेर'न'स्र सु मु'स' स्न्रास म्लेर वे 'लेश'न न'है। र्नेर'द'म्नुद

न या द्वा इव हेना हेन्या हेन्या हिन्या हिन्या महिन्या महिन्य महिन्य महिन्य महिन्य महिन्य महिन्य महिन्य महिन्य ल्रेन म.लुबेन न.रेट. भूचे वा.स्चेन भारतीय कटा स्टान ३ समाय के प्राय मेरे या है। र्टायद्वा वेशक्किन्यमयम्द्रिमः वेशन्यन्यन्ति भूजा मी र्वारास्त्र्वाञ्च वाकातार्भेषाका काष्ट्रवामी विकास प्राप्ति कारा मी राज्य मी रा हैर र र मारा ही स वार्यम्य या वार्यम्यामा या उदानी द्रमाया केस या सेरायर व्याय केन के साम्ये १ वें। देन बैक्न न स्वाय संवादा या स्टार नी स्थाय वर् में नेश प में देश पर देश पर देश पर देश पर के व्या वर्ष प्रे में देश पर किर पर की र्बर देश सातरे हिर के साम द्वार में इसस दास हैर दें मा चार है भर के समी इस चर ेवेशय हेना'म'न्ट'मडस'म हॅद बसस'डर'ग्रे खुम'डद र्'न्स ह्राम्मास स'सेद हाँ। रेवट, मू. जम्म सेट्स शि. भै. च. लु १. व. च्री त्र त्र समस १९८. ज. चीश ज . च . ही हा न उन के पर मुंदा महिना य दे खुर वा द्वर य निवह केंना य देव से द पर प्रमुर कें। दे हेंद वैरे अर दुनाय हे देश वाचाया संग्रास यह स्रि रूप विर हैं। विश्वाञ्ची व केन मेन मेन मेन का किया किया में महिना मान ही ने वास स्थाय यमस उर् गु लेस न न म स्वास प रे हेरे हिर पहेर् हे त। परे हिस रू गुर्भसाक्षेत अरामका सरायर गुक्री में द र भर ही नर से विगुर द सर्वेट हें विश्व दिश हो। माल द देसर दे मेर्पा भेर दें लेख न व दे हैना ने इस पर वेस पाय संग्र पदे। WJ.

मी देश तर पेश तर्रेचारत दे तर पर केश तर्रेचारत है लिट चट मी है हुन मी पी रेचट से हैं दश हो च देवे कें। महिनाया में ध्राय कर दर । इ प्रते द्वर से वे ्र सुर्थ भे प्राप्त सुर्थ सुर्थ स्थाप कर प्राप्त के प्राप्त के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स् क्षे या अपने प्रताहिक सम्बद्ध वर्ष राष्ट्री दे प्रताह में प्रताह के प्रताह क मुरायर लेंद्राया साथि व दे हुसार केंद्रसार कें ् चे.च.बु.रेचट.च्.चु.सू.रेट.पर.चर.सू। र.चश.व.चश्रप्रत्य. कैट.च.ळुब. यरे क्रिक्स वर ह्वा यहरावरमाय क्रिक्स य धीर वे लेख न व र्वोद्स सा म केंद्र नदे खुय दृ स्था है न हिर नदे खुय द नद्य ग्युय न देश नदेश नदेश सदै : सुब दै स र्द्रा य से द पाय से ग्रंथ य य यह र रिं।। पेद ग्री द्वार पर स्विस वाया वहाँ या सेन् या भेर ने। रूर् या या स्विस या पर्न कापार ही नते सुर-हाँ। भर्गुं, इमानर नेश वर्ष हे र हेर कर ला श्रमस दर वरस व १९११ मिन यापीन वादे वा अटादे वटा दम्य वदी सेसस सेन्या हेन की वादे सूर वाष्ट्रिय यम वेताय वाया प्रमान में निवास या प्रमान के स्रामा निवास स्रोमा के स्रामा निवास स्रोमा स्र मत् हे नर सेन्यरे द्रार्य । या वर पहुँ नाया वर्षे पा उर मी केर सा केर ह्र्रायर वर्षीर हा। भूट रट मंडियंश ग्री बुंश ये व जा भूट के शंभन्न देट श्रेमस्यायम् पुरानद्री। वाह्यन्य वे नवर द्रान्दावरस वर्ष स्था हिसा याउन्माधिनायालेसानु वाने द्वारायाँ इत्सायन हुन्या हिराया हो दारी हुर स्त्री

મુ: દેશ વાળે કે કે સે સાધુ કારણે સુંત્ર હાય વદ્યા વાસે કારણે સુર રો देश भागेर माल्य से से से माल्य से मालय से माल्य य वै.अश.रट.रेवट.स्.रेवी.ज.लट.ट्र.। ४८.जश.वीडवीश.रट.वेज.व.जश. म्बन्य सेर पर्षे म्बन्य सेर पर् प्रमान केर नार रच दे ने नाय पर्णे देर मीवियासाग्री तर्द्र क्वासाद्दा स्यापर ही पर त्यार हो। दे तसाद मावियासा ୢ୵ୡ୕ୡ୕୵୳ଽୖୢୠୣ୵୳ୖଋ୕୵୴ଈ୕୵ୖ୶ୣୖୠ୕୵ୄୠ<mark>୕୶୕୵</mark>ଽ୕୵ୣ୵୵ଽୖଡ଼୕୷ୖ୶୵୕୳୵୕୴୕୵୷୷୷୷୷୷୷ इमायर वेसाय प्रिंप प्रें पार्थित वी। विनायी के मालक दे हा सुर मुर मर्रे मिस्सर हेर् त्य सम्मूच व लिस हेर त्। हेर् हुर द्ये माल्य के हे माध्ये दे वेसा नु न दे देसा य द्र द्वा क्ष क्षा मात्र प्रे वेसा नु न व्या प्रे वे या गा मान्द्रक्रेम्बासाम्युवायाधीरार्दे ब्रेसानुःवासावदीःसूराद्वारायी **८**९९ व्या न'भेर में। रूम'य'हे हिन 'अट रहा व दे स' अर दें। नवट से 'व गुर १९८ दे पर मि वे स्वा नीस देश नु न था सेना साम होस सें। हे हो **इस सामाय लेगा गोया दे त्युदा यदी कु हिदार गाउँ माउदार पर दिर्देश किया।** देवे वुरु पर पर पर प्रमास माने हैं । या लेखा वा ना स्थान माने हैं । या स्थान हैं । त्रसः भ्रेस प्रदे प्रदे दे दे सं प्रदे त्रा प्रदे प्रदेश की प्रदेश की विश्व का स्व तर्रा। में तमा है स व में च में तर्रा। परेश है स व में निर है में

ऑर १३८ सन पर्ने निस होर हेस हा नदे केनास हा नवर महे क दिस हो। दे हैं तर्र मुक्त प्रमान्त्र प्रदेश स्थान क्राय हे प्रस्कृत हैन 'बर्जुः च रहत देश । नार सुध प्रजुष प्रजुष च विष्य है 'स सुदे 'स व कुरी अर रेवा सह सार्केर या अर है ना अर नहेंस पर पर पर व हैर दु प्रन है पर नाद्यायके सक्ष्य हेन् उस्ते। इसायर हेना या वर्षेरा सुराया हे त्या रे विमान्दर्से नम् के यस्त्र दर्देश सर्दि य हिन गुरा महाया पर मासुरस है। कु जन्न र्ह्म न्यू न तात्वा के दे दिए हिंद हुन ति पुर दिए न स्टिंद की कि स्टिंद की कि स्टिंद की कि स्टिंद की कि स विकासिक व्या विकासिक क्षा स्थापर हैं न या नर सन्यायदात्रस्य सुन्तुः सेद यास्त्र १६ दुन्तवुद्दि। अद्भारति सन्तिस् सर.पर्वेट.च.२४.३८.लूर.२। ब्रेचा.च.लस.श्रु.चर.वज.चर.पर्वे. बुर र्रा दे वहाद वर्षका वर्षेत्र वा वर्ष होता वर्ष रे है के पिट मिं क्**रा सेंद हमा** सर्ट में या की लूट ता है र लेका पा मी है सारा मा गा प्रस् तु प्रदेश रे केर गुर कुर कुर किया या स्था प्रस्था त हु वा प्यदा है। अर केनास दर में अनु अलिना या है ही छैर में। देखर व कु व्यर्ग या हैं बर्ग र्शेट च छत्। त्वस वृते 'र्थेन् 'च 'र्थेन चन 'त्युर है। न्येर न लेवा न्या सेन् याश्चर हैना मानाहेश या था इसायर वहेंना या व अदासेर या हें वर् र वर्ष मा ध्येत्र मा स विभी हे के दार्थ दे के प्येश ले वा कु स्पेर म के दा न्यकालेकाचीत जासूचिकाचार्ह्यत्तराचेदार्गा विकास मान्याराह्य हेना. मुन्दान्त्रे द्रा द्रश्य दर्भ मी ऑर् च हेर् है वर्चश न हेर् ल्र्रा स स स सा हेर्

इ वर् अवश्राद्वा श्रुरार्वे। मुवास के त्यस व कि स स के स्वर् हिरार्वे। बिस नु न ने मु वसाहर वनुराव उन ने हर मेरिया हैरानु मुवापानर। इन र्वनायवुद्धात वर्षाया कु न्दा दुशासक्र पृ मुनाम के बाही मुन मान ब्रम् हिन गुमा निर्मास के देशी श्राप्त मा के निर्मास के न्ना वे लेखानु नाया है सरायेव स्पर्ध क्षु वे शन्न पासे नु स्वि कु हो। क्रमा मुन्या विषय प्राप्त मुन्या मुन्या विषय प्राप्त मान्या प्राप्त स्था विषय स्था विष चि.च बु.कु.चर.छुब.च.भ.लुब.चर.च्चीर.चडू.चीरा.चब्र.चीरचीश.तर.ची च.लट.खेश. चुं नके दें कें की अक्षेत्र की महुत्र माहिर या लेखा मुग्न के पर श्रेष्ट्र वा पर पातुरा हर् लेखान वर वर्ष वर वर कर कर कर हरे हैं है दर्में में नर्वेशन पार्यी सक्रे मी मर्वेश पर चहेर् ता लुरे ही। हे पारा हैस. नदु. नेश. नदु. मैं रू. कि. नश. लेश. चे. न. १ . ने. में . नश. नरे . में व् लेश नहें १ त पर लर्गा दे तक लेक ये चयु झे किर मह्रे न पक के न में त्रे में हे क्षेत्र'मा देशमु द्वित्राणेद्र'मः हेर दुःमध्याणेदार्थे। सुमानु डिमा त्युरं यं छत् हेर सं पर स्पर्न पर्न देखानु मदी मु सहत्र मी मर्त यर " मळ्व केर दे दे क्या पर नहेंना चर होर परे हिर पर मेर पर मेर परि होर हो। नस्य दिन पर्दे विदेश ते विदेश ते वह हिंदि नियम के नियम विवृद्ध व भीव व विश्व व निर्म दे दे दे दि दि दे दे व स्व नदेश्चर नुं देश नु न ता स्वां सामा र् स्वां सामा रे हर दे ति सुर द

ह्न हेन प्रवृत्य हैन गुरु गुरु मु नि प्रवश्त है हैं जि स्वर्ग यासेन्यरामु न्यास्त्रसानुनै दिस्यासेन्यरामु **इटावन्नर्थानुवैद्देशर्थे वर्देर्**च १९८५ हो द्येर् सेस्सा<u>द्द</u>े श्रमशायस विदायाया स्वाधाया से वित्रा विश्व प्रदेश पर विषय देव विदा भालेश नु: नाया र्स्ना श्राया श्रेश है। माटा सिंद्र शंहे ना है नु भेदा स दे हैं है मुंश वर्ष सं देश हैं हिस ने पर हिर हैं। की सर्व वर वर देश तर.चलवा.तपु की.रट.ठ संस वी रचा.वे.की.चावुचा.चोंबा.क्या.तर.चलवा.त.पचावाः...े यरे हैं रें। इस स वर्षे वर्षे वरे देश वरे दिया वरे वर्षे वरमे वर्षे वर्ष हा हीर पर्वेदायपु भक्ष हुर वर स्वार्ष्ट्रा वर पर ज लेश ने य हु पहुंचा हेर्या र्या वा द्वा पर र्या पायते। माय हे तर्या अपवा सम्बाधकः र्जर अंश. पंचर हुना देश नामा हुश देश त्राम त्यम हुन र में र में नामा यादेवे के वदेवे हेश शु वर्षों व देश यर वर्षु र व म्बेन है। विममः उद्देन नद्या हैद सेद यह हैर ही। रूट हैद ही सह स्नियाकी वित्यावसारमुर लेटारे ता सह वरे इस या बसका उर् पुरस्का प्रेबं धारे हिमावाना नीका हिना चामर्थे । यह प्रमुद्धार हिना है है हिम खबारे हैं भ'लेख'नु'न वे'न्व (मि)'ने'नरे'सुष'भरेति । रूप हेर लेख'नु'न वे मालकः કે. તે. વડુ. તુરા છે. ત્રાવ**શ** સ્ત્રાવશ સ્ત્રા લાગ લાગ કેવામ . જેવા તરે . કેરે માન્ય તરે . કેરે માન્ય સામે છે. . य के वहर्ष पर्देश ये कहें विर सुर यस हे र स भेर निय केर लेस हैं ने पर वर्गा इंडम हैर ग्रे के बेस वाय के लेख हैं के जिर वर करेर म हैर हैं श्चायाया श्वायाया मा के केर अंदाय है सेर हो। नार हिया नार में व्यवस्त

लेंब.त.बेंब.चे.च.च.स्यंथ तर् हेंद्र.च.ल। अ मीव.म.बेंब.चे.च हे.वाट. विनानिम्मित्र्यानु विद्यारे वे दे द्याद्युटा या साधिव है। निवास प्रविद्य व नदा। निवास नि त. खुंश.चे.च.प. श्चेश त. प. चील रे. चीट खुंचे. छुंश.चे.च है. पर्चेश चे हुंचे. तर्ज् । निर्भागरा में कुं र्भेर् मालेश च प्रति श्रम् व स्त्री स्त्री है के भन्न स्त्री क्युं सेर्प्य सास्त्र तार् प्रत्व र र लेश निय दे वसुव यर मुन्य महिवा वी मोबर्शाताब क्रिंम वराश्चाय है। विश्वानु व विश्वानु क्रिंस व विश्वानु व विश्वानु व विश्वानु व विश्वानु व विश्वानु यात्मान्यस्यान् मुर्देशस्य्रेत्यात्मा स्वेनायास्त्रेत्यान्यस्या खॅर्न्यान व्यर्गाय मान्या वात्र व्याचा मेर्न्या वात्र खेराया वे व्याचा विष्याचा वात्र खेराय मान्या विष्याचा वात्र खेराय मान्या विष्याचा वात्र खेराय चार्या विष्याचा वात्र खेराय चार्या विष्याचा वात्र खेराय चार्या विष्याचा वात्र खेराय विषयाचा वात्र खेराय विषयाचा वात्र खेराय विषयाचा वात्र खेराय विषयाचा विषयाचा विषयाचा वात्र खेराय विषयाचा विषयाच विषयाच विषयाचा विषयाच विषयाच विषयाचा विषयाच विषया पश्चित तर व न न के श्वाच व क्षित का विव चर चुर या तनाया व रश्चेम सर्वा। हुंस.चे.च.दू.परंश.चे.क्ंच.च ल.ची क्ंच च.ल.ची क्ंच.चस.विच.तर्हो। हेर प्याप्त के मुं स स्वा पर्या। वात्र है वाहा हा स है विहा मु न पर से वह पर स मिलिर में निसंस मार दिन्दिन या नहीं न लेश हैं मिरिश क्रिन शाहि सा है मिरि हिमा मिर में हैं। मुं हैंग्रेस य स्व भेद य दे हैं दे हैं हैं में पर प्याप में लेख छ । यार्स्निमायर्गे। दर् हे म्युवायायास्त्रुवायाध्येदार्वे हिसानुपारदे दराह्युरः र्दी भग्ना है है हर भेद लेदा महिंद परे खुस दे लेस मुप्ता स्वास व र्स्स स्वा नाइन हैं नास दे हैं द की से हैं र लेस हैं न है। इंडिंग

मारेशाच पार बेश मु यार्वे नाट बैना नाट मी कें मु केंन्य या उन प्येन यादे ने देशे इ.स्र तर कर हे लेश वे व ज स्वेश रही। रेवेबेश एवेंट हैं व.मे. त्रम्भातु विश्वानु पारे वाष्ट्रहिशा शु वर्त्तो व द्रा विवाय हे शाया विद्या सामिव र्वे। । वन्नाकृत्णी सर्वे समायदेन स्यो त्यारास्यालेखानानी प्रमेनानेवा मुद्दायम्य विदेशयद् वर्षेत् या भेत् गुरे र यस स्था हो। देखर वर्षेत्वा . ल्र्स्य वर्षे हेरास्य हैरास्य हैरा स्त्रीता स्त्रीय द्वारा करीय द्वारा स्त्रीय स्त् वे श्रीस्थाणी कु हिन्दु एका ब्रह्म व प्यत्या निष्य मुहासेस्थ हैन कु ন্তিব অব ক্রাম বন ব্যান ব্যা । বি ন্ত্রীব প্রাম্থির বুম বছর के सनार न न न ने स सनार पर मि सुर री। न न ने नुसार पर्से पार न न न लेब.चर.चेरे.च.टे.हेर.श्रमश.मी.रचर.मेश वहमी.च.लब मीश विभानत. रदः निदे विकासीकाती दे हैं के दर से क्या हास हास सामाना सुकारा कुर मु द्वी यक्कीयाय नहासी रहा हो र सारे हे र मुहार वन हिंसा सहा त्वार य दे बुर द नार तथ स देश य हेद र में हिं ये मार भेर मारे वे श्रेमश ग्री र्वार मेश पहुना वास भेर पारे खराता रेपा मःसःभेद द्वा । द्वानावर नु नु र पदे नु न से पर्दे न स्न र हेना सर **ब्रायदः** शब्**राक्षः नर्नायमः वर्षः मन्त्रः ।** त्युः न वर्षः न वर्षः न स्त्रः । भुषायम। ट्रे. भटा प्यर हिला समाप्तमार या भूषाया हे हिन व मुम मदे रहा में हो हो तर महिंदा अस सामित। महा मीसा न रहा में हो हो हो हो है रहा

मी है यर लेब सदे मी रायश लेश यहें रहे द। युम यदे रहा मी हैं ये तम् तामा स्निका पर मानका स्राय हा त विद्यात है विद्य हिंदा तका विष्य देश े दे हैं दे वरे दे है। वर्षे वरते वर्षे वर पर इ.रेर.त. भुर.तर हीर.हा। इ.स.ची.ह्. ख्र.चे.वे.के.चर.जु वह. क्रीव सम्भाविषा सन्तर समा विषय सन्तर है। युमा समे वृष् शमम उर पर्मी व त्र वेदः च वत्तुव धर हिर यदे वयदः हेंब है श है द स स सेव है। दे सस ลีน.พะ.นิล.นรู.ไทูฟลางรู.ผู้นาร์ไ ไปฟพ.ชอีน.น.ไต รีบ ณ.พะ. स्रमान्द्रियासार् स्वमायाया स्वा दे ने द्वाप्याय कुरायाद्वा द्वापा **५न** में बिश मु न ता से निश पा होंस या भीत हों। पर्दे पा से दा पा ते बिश मु न ଵୢୖ*ୣ*ଽୠଵୗ୶ **୰ୖ**ଌ୕୕୕୕୰ଽଽୖୡ୕ୣ୷୷ଽଵ୲୕ୢୠ୶୕୷ୡ୕୶ୡୄୖଈ୕୕୕୷୷ୡୣୖ୵ଽ୷ୠୣ୵୷୶୷୶୷୷ **७म** मेश के क्रिम य केर पर पेड़िर है। प्रमाद लिया में के प्रह्में या केर या रे **ब्लिश क्षात्र के लिखा नु नरे दें के हैं।** दे हैं के की खेर रहा में हैं वह लिखा मी दें वे बहुना या दूर हिंना या दें हैं हिंबा दु यदे हुँदा यह हिंदा है हैं र ही। र्श्वेन या के प्रह्मा न प्रेक्ष है है है है न पर्वे खुर हैं। बुश्र-व. न. व. चील हे. लूर् नर . रच. रे. चीचश्र च. व. रे. चीश्र चोश्र व क्ये केर् रेते.क्.रंटाकालास्त्र्यकातरार्वियकाल**व**रात्रार्दिकातालकाक्षरास्त्रम् प्रमाय मिश्र के दार प्रदेश प्रमाय के प्राप्त हर विश्व परि

पहेचा.त.के.वेज्। टे.चश.वे.ल्ट्.च.केट.टे.चिश.वेटश.चर.वेज.चर.वेजीट. है। व्यन्ति व हैन है है अन् न वर्ष वर्ष वह न वर्षे राम विकाल कर तप्रकृतः ह्या हे.कंर.ब.रवेबका पर्वेत.व.रत. देव.त.सु. वर .तर.सुसस. ३५:**ऍर्**:यर १२**म**:येर प्र.प:५: । वी.चरी.सिम.स.२५नमार वीट.च.५८:दैच.स. मार्थाय वर हिर्म द्वा सेर् पर सिर्म सेस्य पर जित्र वे लेखा प्यत्र प नाः भेक्षाय दे न्या सामा ना भेक्षा मा भारत स्वाद्य ना से हिमा लेका मा य'वे'क्य यम हेंना'य माहेक य'त्रहर'य'धेव'हे। दे'त्रामात्र हे'दे'ह्ना'मोठ्य बोमशः लेश नु न ता हैनाश पश होते । नश्च रा भी र लें। विने न है में नर्जे। हे.रेच.र्यात्रमाच्यीर अर्थेटश के.ला. खेश.ये व. के.चे.यह.पीश.प.टेवेचीश.पयी: य. ब्रिकास भूत सामार प्रेक्षा सार्गा भी सम्मे सुक्ष सार्गु मुक्ता मुक्ता महास्त्री मान्नागुराहेदे सुरा सेर्पया स्वर वसायन्य केरावन्ताय सहित्साय स्वर ।। ই 'শুर'-দী'বন্' দার্থ'শ্লবধ'শূ)'Ğথ'ন্ত' ব'ম ঐল্প'বথ', 'গুর', বর্র বং'নুর র্যা हुस सि.पटिय तर हिरान हुर की पि व श्रम ती सेर लग मार्च मार्च मर्जा त्येशयर वेद च वेश वः मातर्ते क्ष दर त्रे तार वे। त्ये का पर वेद य लेखानु पार्थ रेडी दे श्रान नु स्तान र ने नि प्राय के प ี่ มีรา**นชาตุมตลาม**ี มีราชาสีสานชาติ**2 สรานซู**พา**นสาน**ะ วิชา<u>ราชี</u>น สีสา हे.देह.क्षेत्र.कुमा.सुभन चोदश त.कूत ब्रा विश. पर्वेष. तर प्रमीर ट्रा चील. हे हिंदा व व र्ये च्लेश के या हुन पर रोह पर है दिया व रोह या हुन पर स'मार्स्यास मारे मु म्पे म पारे नि यह तर तर तर तर तर के मार से मार में किस न पर हैं हैं।

माय हे हिंदा वाया स्वारा य द्राम द्रारस दि स्वार है के लिया हें र छे वा मी. मु. मूर् मूर् चु. भारत्याचा परे . लेश. चे. च क्रूंश हो। भी नव हे मान हो साम हो हा है। भप्तिमाना सार्थना सार्वा त्रीया स्थान सेराय सेरायर मिराविमानार . क् र्रेन्स य उर भेदाय देश यु याया सेन्स प्रते हुँ र याया समूयाया भेदायर " . पर्देर या ले भामु वाके मार लेगा गर मी के मुंकिंग्स या उत्राधित वादे हैं है है है हैं " तनाय लेना ने कें मु मा सदा ना भेदाया हर ही ह्यु मा तमुदान हर . मुर्दे **. बेश** में मा कर्ने शासकार येरा मा मा क्षेत्र में मा का मा मा मा मा है . चरु. अस. त. ३स. च. ३मस. वर्चेर. ह्री हेस. चे. च. च. च. च. म. स. स. स. स. च. च. च. हेस. च. मार नेश ह्यें न कनाश के न द दे रहा है द ह्यें न चर तनुर हैट। है स द ह्यें न . य प्यट'स्र अपायर'व्या राय प्रेम में। हेस या यहिना यह हैं है के में ने सेर म.ब.लाट.बुंश.चे.च.चुं। व्यटाल श्रृतंश नाय हेशन इसश.विवास ना से द मु द र देश र प्रवेश न प्र प्र प्र प्र विश्व न पर हिना देश दे । है'न'र्स माल रना लुका पका वहना चाउका हैन वा नेमाम हेन वा मेन करा कर रहा रहा " विनामाध्येत्राने दे न्दात्नायाना वे स्वेतामाध्येत्राचा ने स्वास विन सरा हेता भावनायानान्मेनामानाया क्रिक्षा क्रिक्षाने स्थानाना क्रिक्षानाना केर् विन्यमेर् हेश मुन्यरे दें हों। अन्विन्य हे हें मान की हें मान की हों बे.मॅट.रे.स्ट.बेब.प्र्ये.कुब.चे.च.के.चेड्री ४८४.थ.धये.चप्र.चे२४.कुबंध. मामसायाकृत्रत्र्वसायाचाका से हे याद्यसायाममास्यस्य यहनासाउद् क्षेर दरा नार र केनास में सर्वेश राज हिंगास या प्रह्मा रहे हिर हो। पर्के

वदे वादशः भ्रवश व प्यरः रेशशः या स्वीशः यदे वा स्वायः विदः यर स्वीरः वदे ।। हिट अन् केना या के हिट वर्वे। ने क्षेत्र मुंच के केन् केन केने केन केने केन लेमानादासेद वाभाद से त्वाराय दे दिरावा विदायर द्वायह सामेदे माहता वर्गीर र्रे। लर.पर्वेर वश वर्गीर.व. १ स्थ.व. १ रे.ज.व. वर्ग्य.व. १ रे.चीर. बःकुरःग्रे विवायःभिक्षात्रे। दे दिनावन्यावः नार्कोवनः विवाके क्षाप्ता ने ख्रिनः बाह्यकारामा हिन्दा प्रवास निम्मान स्ट्री। स्टान्दा सहीसान दे पुना के प्रवास ल्राच हेर दुकाल्या हे इ प्येक्ष के नदे हे का न सहसादमुर हो। हीर पर भ्रे य यदन १ तनुरा विश्व मु नदे के श्राय परे नाइस य के द प्येव वे । । नावव नु नुर य द लेख नु व दे नाद नी कें को हे द द में व हे द वले द नु र प दे तथ नुस्रम्नाल्बरनुः श्रुम् कनास्रमाल्बर् हेरानु मुराया बर्गे । हिरायर सेरायदे हुरा र्रे विश्व मुन्द के नाव राम्नद हेना साम्याय प्राया भ्राया भ्रेत ग्री खेरा प्रमुदान इम्रथःन्वा १ नु मुर यात्रा अटाष्ट्रित्यर व्येत्या अव्येतः वे।।

।ढंद्:स:इस:दन्नेय:मु:दन्नेय:व.प**र।** | **ସ**କ୍ଷ'ସ୍.ସଡ଼ିଂ 20 यकः स. चर्षे. च । पर्वैट. चर्षु . चटः चर्षु यः यशः लटः पर्वैटः चर्षु . टटः प्र्रीयः য়ৢয়য়৾৾৽ঀ৾ঢ়৾৾৽য়৾৻য়৾৻ঢ়৾৽ঀৢ৾৽৻ঀঢ়ৣঢ়৽ঢ়ঽ৾৽ৼঢ়৻৽ঢ়ঀৢ৽৻ৼঢ়৽৽৽৽ दें हैंद गुी कें दिस न दें दी नदे सिक गुी नाइस क्षम संदे क्ष्याचर न्। १५ गु के विकास यह देन हैं। दमदः ह्वेना मी के अट म फेंद वें।। वेश नु न दे नु र प नव्य प पर प नु र न स प ने र ने नु र प ने र ने नु भु. तथर. त ु पविदः यतु, यर्वा हेर. में बुंश वे. य ज श्वीश. य. श्रेंश. हे। विदः चत्रे.चन्नाः कृत्रः क्रीः रदाः चले वः सक्षः सः दर्वक्षः चत्रे । तत्रः चत्रः चत्रः चत्रः चत्रः चत्रः चत्रः चत्रः दे दे से दि त्ये हीर रे लेस मु प्ये दें दें हो। शु स से र र प्ये दे सम त्यकः याः सेदः याः प्याः निष्यः देन्। केसः याः देः त्यतः विनाः इस्रम् स्वांश राष्ट्र विवीर वर्ष की विश्व हो । विश्व कुर हो त हो नंदःहेशःशुः स्रधुनः यदेः माकृतः यो यधेनः यानुसः याने दे हे केंद्रान । पार्शि मुः सेन्य स सेन् है। यह सर प्रसास से सबुद या माल्य से १० दें दाये हैं दाये। क्षे रूज मी दूर्य म् इन्या मिट हिया मित्र है या साम स्वीय प्राप्त समय मिट हो।। पहुनीश.च.त.स.शूचीश.तश.मैं कर श.यचत.च.ण सूचीश.च.भथ्दश.च.रेच जा.भट. **इ.१. १९५७.श्र्याच्चर, पक्ष त.जम.भिरा, क्षेत्र, च.च.च.५८५.** म.पाश. खुंश. चे. प वु. चैंची. पषु. दर्शें. प र्रा. हु हुंर. शुंश. चुरे. त. चीश्र्ये. त हे. ब्रुन्द्र-तिकाल, देवान्त्रका विवासमाय विमाल। विभाव क्षान्त्रका विवासमाय विभाव क्षान्त्रका विवासमाय विभाव क्षान कुर-२-२म द्युर-ऍन-वश्च-मादश्व-पर-१न्युर-२ विश्व-य-व वे-८श्व-प्रोत-व्या ଽୖ୵ୢଽ ୡୖୄଊୡ୳୴ୄୣଞଵ୕୳ଽୖୢଌ୕ୣଽ୕୰ଵୖୄ୕ୣୣ୶ୢୠ୕୷୷୷ୡ୕୕ୣ୵ୡ୕୳ୡ୕ୠ୕ୣଽ୕ୗ୲

र देर निवर लाट दुश में न दे रेश स लेश नर निवट न लट हें।। नीवट.च.चक्ट.न.पमा माक्षेत्र.त्या स्नामा माव स्त्रीर चायशामाटा दुस सा पवटा पादे इ.शिर.लट.पष्ट्र.भु.पचीर। चिट व.डुच.केट.डुझ.चे व.डु.चट.जुझ.ष्ट्र. बर्धः उत्राह्मी नेशः नालवः रुष्ट्रेस् वते खेरः लेखः वुः वाही नाटः मीखः <u>ছু. বৈশ প্র. এউচ. বর্ত্ত প্রশাব শ্বপথ গ.জ. ধূর্মাপ বেখ শ্রী হ. ন. রূব, বাং পূর্মা, ছনাপ্র, </u> ग्री.विर.वर.पविट टर पवीर र्गा वाषारु.पञ्च.वार्षु.पथी.पवीर.वारावार्स्याता ৵ঀঀৢ৻ড়য়৾ঀ৾৽ঀ৻ড়৻ঀ৾য়৻য়৻৸ঀ৻৸ৼ৾৸ঀৼ৻৸ঀৼ৸ঀ৾য়৻৸ঀ৾য়৻৸ঀ৾য়৸ঀঢ়৻৸ৼ৻ৼ৾ৼঀ৻ त. लुब. थ । विश्व श्री. चडिर च. बु चर्चे ग च हेर ग्री. मीर च च विष्य जा. चिश्व च. लट. लुके कुं। इ. पथा व. श्र. शहूट व जा पहुँ श. म. भुटे. ता बंश श मिट. ही व दरको हो वर प्रचुर रें 'ले' बा अ धेव हे 'दे है द वे चुर प से दिर पर्दे होर र्रे 'बेश वर्षर 'बेर'र्रे। वेश व्याप वे स्वाप वे प्रवाप वे प्राप्त वे प्रवाप विकास व लम्भः त्र्यः परः मुरः पदे विद्ःयर दे से उदायदे सुरः रे लेम् स्राय्य विदाय र्हों । १ क्रूब.४५.जब. १ क्रूब.३.५८.१५५.६५५ स. ७४ वे.५.७५५ स. १ क्रूब.५५५५ स. **५८** ५६ म् पर प्रमुद यहै केंस दे केंस उद्यक्ष प्रदेश प्रमा भारत्ये तर प्रमीर मीट व। नाम ने स रेट वर जाये स हे हे हे ने प्रमा भ्रवस उदाकृदानु केंसाउदाधेद य दे स्यादारे किया केंसाउदानुराय दे साधी देशी कुर्स्न कि.स.क्स न.सभस.कट. ?. कुंचा.न.स्ट. कुं.स पविट. न.लुक्.त ट्रे.केर.व.चीट... लश्च.चीर.च.लूरी चीट.लश.८८.म.हेट.री.चीट.चडु.चट.चडुर.चाडुचा.इंश. ब्रि.पहचा त रेटा। चार्या श्रेयका शार्या न विश्वीर यर देशातर.

पहुंचा या त्रुवा ही। इस वया यशा द्रह्मा द्वा वर प्या क्रिया वर प्या वर्षा द्वा वर प्या वर्षा वर वर्षा महिनानी हेश शु वहनाय व्यन्य यात्र यात्र प्रीकृति। दे दना वे केंश वक महना यो पदना हे.लट.ब.२२.च.लु.च.ट्.हेर.४.२८च.३५ टे.चीर. घटु. 32.00d.01 रदःचल्चिं,चारुच,चुक्राक्षां,उद्या,चार्याक्षां,याः वचारं,लुचां चुक्राक्षाः,रवः नु निह्नाय दिए स्नि । धर मुराय दे के साम है साम निर्माधर प्रस्ता सके स् हैंद'गुँर'गुँर'म्'अर्हेट'मदे 'यस'य'दह्रम्'य'स'येद'य'दे 'यस'द। दे'दर्' ସ'दे'वे'मानस'य'इसरा'गुै'सेद'चवे'ध'द्र'गुै'खुवाकृद र्यव वी। ळॅशचन्द्रयामेद्रयापेद्रयादे वृद्यद्यप्याळेखाठदाविकावीसर्द्या विदेशायसः तहना'म'न्दा व्यंन पर'तन्तुर'न'न्न'श'न्द्र'य'सेद'यते' क्षेर'क्रें रहें अ म.लुरे.वं.त.लट.भ.लुरे.ट्री लूट्स.से चैर.त.इ.ट्रेर.क्स देशस.वे.वं.रेटे. याश्चर्दायामेद्राया द्वाकी केटायते क्षेत्रास्त्रा विद्वार प्रमुख्या विद्यार प्रमुख्या विद्यार प्रमुख्या विद्यार ष्मैब'ब'दै'दे'मिं'ब'छेद'नालब'छेद'दु'वयाच'द्रद्रा। व'द्र्य'छेद'स'छेद'द्र्ये कव'द्र'य,इस्स्रस'ग्रह'इर' सर से 'द्या है न हे न है न है न है सर से 'है ' नदे र्ने रेने । रे हिर ग्री के लेस मान है दर रना नेस मुस पदे से समुदायदे नीवंश्वःश्वेतवावं त्राः चीरः तार्टः बोशायः यः त्रावं हे . लेशायः यः या चीरः य. थु.चे वैट. **१ भश्र. शुभश्र. भटू थे. तर. वीश्र**ण. च. रट. हुझ.श्रे. भवेष. तर. ठचीर. रू । माश्राय-व-दे-श्रोश्रशः हुँ। वर्षे। विन्यमः स्रोन् वर्षे । विद्यमः स्रोन् वर्षे । विद्यमः स्रोन् वर्षे । विद्यम मुर प्राम्विक प्राप्त के के प्राप्त विकास के प्राप्त के

त्याक्षं नाल र हिन्द ही चारे प्रकार प्रमुद्दा चार समस्य नुरूप हिन्द स्वर्ग किन क हैर ह्म न पर व मुर है। क्या व दर य मस येव यरे हिर ही। दे मिं ब हैद नालक दु वया व अद हा है। दे हर ब अद र लेग कें अद द र देय पर्वे क्रिंश उद्गानु स्थार प्रेक्ष पर विश्व राज्य अद्याप र विश्व हीर-ट्रे.देद्य.पत्रचुम व बुश-चे.च.झ्श.स.प्ता ट्रे.देट बुश-चे.च.चू शूल.वर्श रटाह् ।। वर्षेटाचालमाक्याञ्चीत्राभारते हे विदेशार वराभारते राजन नदे सर्व हैन कर मुंदिन्नेया नाम स्व दी। देते निर्मा हैन गुप्त मास्य हैने व'न्द्रपर्रे क्षेत्र में। के कि कि वार में वार के वी कि वार में के वार में वार में वार में वार में वार में वार त्युर:वशःष्ट्रिय:य:फोर्जःय। दे:वश्वुर:व सेर्यय:य:देर:दह्नेवाश:य:दे:ह्रेर: 👙 व विवासर वेदास त्वास न र मेनास यह । वद है व साव ह्या व स्ता मारा हे खुक्ष हे वर वेदायर वर्देद या देवे के खुका वर्षु राया केद या राक्ष का वर्षु र कृता का भ्रातिवीर भी विकास दे तथा व अभि है पर एवं राज्य भी हैं। बेहा दी पा है। चर्च्चिन,तत्। टु.लट.कुश वक्ट्यन प्रमें हु। वर्चेर च.कु. वट्ट वी नमाना र्रेन मेरे नियम् नामाना नामाना नामाना मेरे दे हैं र ह्मिन संग्राया प्राप्त प्राप्त विद्युष वि व ह्मिन हो। स्पाप चर् ह्मिन हो सबु रिए स्पर् तस्य द्वेद नुस्य वस्य मा अ स्विधाया नाहर हो। हे हर है विषय वाया स्विह सामा कि.ज.स्वास नदी, पचीर न है पस्ता, न.र. पचीन सप्। चार हिना नार

में स है वर वो इत्याधिक यर वियुद्धाय से दिया राम दे वियुद्धाय राम में इ के र लेश हुँर व निवर्धन रह्मु गयर नु न वर्षे व मारेशन स्राम स्राम स्राम स्राम मोट मोर मोर में र के या र्ये या देवा मिट है वर यो वर र मीर मेर में से में में में स्रि रह्न प्रचीर वह भी भारत्र रस। वाजा हे बाद बुचा प्रचीर वस बाद बुचा वसीर. यश रुष्. हे. यर ज़ब्र त. भूब रू. बुंब मी. यह मी. यह या यह मार में यह है हैं हैं के ल श्चेशन दे हे चर चर्णेर तथा श्वाह शामर विचुर है। वर् हु श न दे हु वर ले इ वर द्युर व सेर वर है वर ले इ य क द मी द्युर व अर व से अ त्र मिद्द भेरान्त्र पर्यं पर्यं पर्यं प्रमान्त्र प्रमान्त्र प्रमान्त्र प्रमान्त्र प्रमान्त्र प्रमान्त्र प्रमान्त त्नुर नम् नः लेग त्नुर न रे के रे दे हे नर हो । च रे के लेश रम नहसाय ष्पेदःवी मर्दिक्षः च चरः हे 'चरः ह्येदः पादः। हे 'चरः ह्येदः या ७४.८ म. मा. प्रमीर.प. पर्ट्र. पश्चातात्र विष्य प्रमीर.प. हुन्य प्रमीर.प. हुन्य प्रमीर.प. हुन्य प्रमीर.प. हुन्य नर लेक स भे के लेख रमानकन नर हिर्देश देश के हैं या क्षेत्र इं क्षेत्रा र रेज्य हा हिंग्य के ता ख्री साम क्षेत्र होता हैराय है था है। वायार्सेनास धासाहेसाधास्त्रेय वर होराही। ल्लासासु १ मसाधा दे बरायारे। वर्षीर वसावर्थातुरे कुरार्भे व दर अदायदे सक्र केद वर्षीर वर वर्षी व दे. बु. देंद्र के वर अर वा भर रें लेश ने न दे कर वर्षेत्र वर वे न लेब के दे के อี้ . เมิ้ . เม่น . รมิ๊ ะ เม ซิ . ห. ซุปพ . น . วิพ ก . พะ พ . นิ.พ. ซุปพ . น . พ. พับ मामाभवापादे नहा वासादेश यासाभव वे लेशामह्वायरात्नार ही। मभः हे नदः विवा त्रचुर यशः त्रम् त्वेन विवा वी क्रुंब कर या दे हे यह । येव या प्रेव व

हु सि.च.चूं। श्र.वच.छ.च.लश.सं.लि त श्र्वशातर में राष्ट्र त.हर. त्रुदाया में हैं दे दवा की हे बर वोदायामा प्रेशवा दे सूर दामा देसाया है दार्य दे दें दें । हेरे हिर'मे'वार्स्याम धर्मा नेस है लेस नु रायार्स्याम हिंस राया है रायाया है लेक या है त्रहें स्थायर हिदाय दे हिराका है त्यस है तर लेक या र तुर मंत्रे ही बेबार्,रचात्वर्था वे मैंश्वर्यातर, वेरावालव में रहूबाखाकुरसालव के लेखा प्रस्थ **सुःगः लेगायगुरः यारे से रे** है जर योदायायो हो लेखा <u> हिस हिस पर नु न अ</u>दे दें। दे नस द स हे स म अदि हों। मः भ्रेंश मशः दें नादः हेना नाद हो। हे वर प्रेश मास्य भाषा रे पर दे रे परे वहें पर है। य. बुंबा ये. वुंबा ये. वुंबा प्रत्य पर्येता है. के दे वुंबा ये. वुंबा ये. वंबा ये. स्थित त.श्र्याना नाटापायचीर च.श्रीर नपूर वेशाव लूर वालेश ने च.थू. पर्वे. श्राम्त्रा इ.इ.पर्रं हे.चर उवालप्र में क्या भवा . खुका में च बुद्धानीत्वा भर्षा नहीं के सराम रामप्री की मोटाजालर ना कुंधानहरू लट पर्या পट. मू विष्।
रे. मैं १४. ७ श वे च. १ और । पा अस हे पूर्व में लूर । व बे स वि यर.**ष्ट्रत्य.१४** सर.हीर.हाँ। ह.७२.१.१.तिल.ग्री.मी.१४५.७४१.२.२४.४४८.वंर. में हेर हो। हे मु दर में उन्हर में में राम के लेख मान मही समुरा मही मही तिश्र ग्रे.मैं क्य में त्यंश्वर से हैं य.चे ट.कार व.टे. भट.चे ट.बे.या वेर वेर स् त्यः र्श्वन्यः प्रदे : १८ : ७३ मी : लेक : में अप हो च के प्रत्य के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स भ्रेर.सू.रेट.। यर.यर त्र.रा भर्टर.ए सेंट.र.वीर.टेट.। यट.प्राया.प्रीया. न.ज. बुंझ.चे.च. ज. सूचीश. चर्. जीश भ्रे.चोषश. श्रेंचश का. वें र. वें र. त्. ज. सूचीश. चर्. म्रमः नम्भ हो। वस्य व भ्रेरः च ब ब मान्यः व स्व मान्यः व स्व

मुन्यंत्रम् भेवरा द्वीसप्रमाय्यं १०८ वर्षानी प्रमाय द्वीर तालेश निर्धा हे स्मेर यद्राचेशाचा वर्ष स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स र्स संर देश यदे हिर हाई है में नाइस प भेड़ मा। लेश नध्र पर प्राचुर र्दा भिन्दा बदबा मही लु हैर छेषा नु न है बुषा दने नहीं। बदबाक्षानु व केरारा संपुदान का सुन्ना केना चेराया भेना यत्री खेरारी हो राज्या सुन દેગ'ના ૧મ'ર્વ'એ, ૪'મે) 'કે 'વર'ભે ૬'વાસ એક' વલે 'મુર' કે સ'એક' વાર્' વહેક' ૪'સસ इट सेसंस द्वा गुट लेश नु वदे दर्व हों। अस दट सेसस द्वा अट दे सूर हु लेस नु न के अक के मानाका पर देश न से देशी सर न पर के हैं लेश नु न सुर-रॅ 'बेश-न न'व्य-स्वास-प्रस-प्रश्न-नेत्र-प: १**८-प्रो** सुर-र्गा इटाङ्की वार्सिंग्यामालेसामुग्य के प्यांकात्र इटाङ्की इटारे द्वार्द्द सेंदानुसायान्या संदे सूर्य है प्यम पहर हो। व्यक्त मेर्न मेर्न सेर सुर हे लेश द्वाय है होर यं न्राक्ष वरे हुर वाका होन्य व के नुवाय के रहे। जिन्य निर्मा करिया दन के निक्र में देव भेद पते स्ट्रैस र लेख म पते देव देव हो। दे के प्रदे पाय अ ें बेस च न मार्चेर प्र**स प्रहर पर छेर र्गे।** हेर केर मार्चेर पास्त्र पास्त्र प्राची व ने न व के न के व विवास के माने विवास के माने व विवास के निया याने व्यत वित्य वर्षेत्य वन्यायान्येग्रायवी सेन्यवै देशसा निर्दे लिसानु न ने माल र ने दिर्देश में मूच यदे मालेर अहें दार दर्दे या हैन दु दर्दे या ध्यें राषा रेविंदा में दाद्वा पर्या प्रदेश में दाया प्रदान है राष्ट्र प्रयुक्त है। 🔭 🗸 महा

ने विं व है स्र व कु श क्षर दु हैन है व। दे अद र में कु वस है र अद मुंखियानु रार्झियाने। स्रीत्यर नेत्याकृत्यं यते स्रीर देशमुक्तियं व लेस नहें र जे। हैर के र देस के अ के र हे र के र य हैर के विश्व नरे दर्दे । हेर नवर हेर नु नु र याया महेर मार्के पार्टे न गुरे विवायाध्येत्राय दे दर वन्याया व दे स्वेदाय हैदाध्येत्र यादे स्वरादा विवासर नुराचादमाय वार्मिनायाचार्य। प्राप्त हारी हेबायाः ह्वाराचार्याता ह्वाना य साध्येद वस । दे है । स्र द दे १ हे द र सेंद् च है द है ह हि च यर द हु र ले'वा यरेव हे'तेव'गुट'मल ४'हेव'६८ यहेव'यते'ह सं दे हीं वस! पाड़े' न्दःमिले छत्र मी दर्दश्च संक्षित्र होना यम मुस्य न्ना वर्दे यहे से होने वहा सामा स रे भर र पहेर र्या माय हे मा के दे र पर या । मानस परे कु ने किराने । विधानु वा परिकानी नवर नी वसमा वरे र्नेन्याया व यु वर्षे ॥ हेते हेर दुर सहें दे पर वहें दे पर लेश म न वार सेन् वार हे दे हों। हा स भ मीय य कुर हुर बुंश ये व व चार बुंग चार ल खर बर मीर से हैर य बुंश ... निय क स्मिश्च यश्च मित्र क्षेत्र स्मित्र प्रति । स्मिश्च हिंस नु न देना र सेन साने हेर सेन सर रे हिंब र तनात हैना हेर नुं नुर सामाधिक है। ଜ୍ୟ 3.၁. ଞୂଁ - .ସ.ଖୁଁ ଅନ୍ୟ.ଅ.ଅଟେ.୯୮ ପ୍ରିମ.୯. ଜ୍ୟ.ସି.ସ.ଧୃ.ଖୁ**୯.**ପଟ୍ଟ. हेन स्थाम ब्राट्स यते कुराने विश्वाचन देन हो। हेन वे माफेन हे वेस नु न भ सम्बर्ध पार्वे मु व पर्वे सवद् ह्या न स्वर्ध पार्थे न द्वा ଵୖୢ**ଽ**ॱଌୖଷ ୠ'୰ୡୖ୲୴ୣଽଷ୲୰୲ୖ୕୷ୖ୷୕ଽ୕୲୰ୡୢୖଽ୲ଵ୕ୢଽ୲ଵ୕ୣଽ୲୷ୡୡ୲୰୲୴ୣଽ୕ୡ୕୕୲ୡ୕ୡ୲ୠ୲୰୕ୣ୵ୢ୕ଽୄ नि भूषानुन् मध्यालेखानुन के सर्वे प्येत या देवी कानुन या के

मादेशायाची संशोगहरा पार्ट्या प्राप्त पार्ट्या प्राप्त प्राप्त के प माल र दु मुक्त च भावर दु न न वर दु न न वर न न न मेर दें। देने पने या सर मी लेखान न के हेव सद्देश्यर वर्देश्यस वहेत्र वाया नावस य व दरायस नेस य मार धीवायारे देशमहेवायान्या स्ट्रेशम व वदाधिक मा देशम महितान्य देशम वानी मास्यानेदायवे धिरार्गा देशदास्य पर वर्षे यहे देखर वर्षे यह वित्रयाकेत्रहेनास यास्यादेवास यास ध्येत्रहे। नात्रश्रायर वेत यत्रायर मान्यायारम् मी मान्यायते हेन हेन सम्मायायते कुरारे विषानु वाला प्रवेरा व नंद्रभायर मुद्रायदे नाद्रभायर मुद्रायर महिंद्रायर दिंद्रायदे है राष्ट्रामायाया मा भेदाने यदायहँ या सेन् परे हीराया ने पले रान्या साम साम साम साम यते हेर हिरामु गया मा धेर है। नार्षाय हर मीका नारका यन मुन देश मुदानार्थ याद्धर अर्गुरानुसामासेर्दो दे ते नार्सामर नेराम हेरा महासुसामा केर् भुकारा वा भर महिकार दर नियम है विया निकार मारा में साद है हार् देशहों विद्या नसार दे दि ति वेश न दे ना रसा च सा प्येत हो। हे हे ना दशाय हर ही शाना रश या खट विषा गुर हो दाया अप्योत गुर विष्या मान्या या हो दा गुर विषय दे दे नाय वा स्ट हा नं भेदान दे दश्य । दे रे त्रेयाय उद्गान्य यह त्रे दे दे लेखा वाय हे निवस पर नुसर्व अस लेख नु न मार्से र महिना में से हो। नहेना वि ने विद्युद्धान देशका गुँगिर्द्राय राष्ट्राच प्येद दारे के हमा नु हो म हिन् प्येद हें। प्रमुद्ध वाइम्म र केंद्र की खेद दी। माय हे दे महस्रायद होद माध्येतं माने मकावा अस्य मान्यं मार्येतं सहित् समाद्रितं समाद्रितं

सेन्'यर'वनुर'रें।। दे वे'नव्य'यर'नेन्'यावनुद्यात वुद्यात व्याप र्श्नाशास क्षेत्रभाषात्रामानुशासर हितास देशास समित विकास स्तित हैता म हेर हे नावस पर रे नवर में नुस्ता य भव हो। हे निया म लह लिस है न है तुमायामार्थे ग्रामाये इसाबे केवानी देशाले प्रमान सुने पर पर देर दें। र्या क्रिन्य हिं वस्तर ही नाम हे देशे वस याना सा यर नुर्य भीर वर् यक्ष स्वा व सेर यर वनुर सी रे वहर हैं वहर न'सम्भेत नरें र्षेर्' ५१ हैं मां ही सरे 'तुष'य पहें ममायर हो न पर 'द्वार' ही। ने इस दे वरे वे. माइकाम हिन पुर्दे ना यर हिन या दें दे दे हैं इस स्वायर ब्यून हैं।। पहुंचश चर हुर चर वेश राजा श ला है। पहुंचा राष्ट्र में वचा है च उन न्द्र में नह गामर मिसालेंग यर छेर हो। ने यस पहुना यर क्रिंग कर ले थ मुं य है। रिह्मा य दे मुं यस दहेगा य दे मुं उदा है। माल र मुं पिस हिम्स क्साने अर र रे वहर ही। रे ह तुर सुर म रे प्रहेन परे किस रे र हून हुन यर प्रह्मा यर मुं सन्दर्भ वनना हैन यह में प्रमुख वन हुन বালব্য দেই ল্রুমান্ট ল্রিল দ্রান্ট্রান্টরামন মান্তরার্ম। ক্রান্ট্রাম্মান্ট্রান্তরা बु.चेबब.चर.चे.चंदु.चंचु.जब.स्र्री विश्व दे.झूट रे बश.चे.च.चु.पहुंचे.चंदु. मु हैर म दूरम यह रेश शर्मा वहना तर रेह्र म हु हु छुम हैर छुम ने न बु कुरं जन बुरा वे.व.कं स ट्राझिर वर वेड्रा ्ड्राचीस स्ट्रामी ड्रामिस स्ट्रामी ड्रामिस स्ट्रामी ड्रामिस प्राप्त कु दराख्र कु वरा नुवाब करा या प्यर यर पर्दे रा या देवे के कि हे गार के नहीं के ये के " क्स. हेर ह्य. चर. वर्चेर. हो। डे. हे. हेर. जुंश. बुश वि.च प. श्वेमश. पश वक्रायर चेरार्ते। वर्षे या गर्बर्ग या सेराय ख्रा क्रिया च वे मान्स सदी

कुंशमिर्देर्पर मुन्तर से बुंशम हैर के खेर री। इस यान वन हेर या व **ঀ৾য়:য়ৢ'য়৾ঀ৾৻ঀ৾য়ঀ৾৸য়৾৾৾৴ৼৼ৾য়ঀ৾ঀ৽য়য়৽ৼৼ৽য়৾ঀয়৽য়৻ঀৡ৾য়ৢঢ়ৼয়৽য়ঀৗ৾৾৻৴য়য়৾৾য়৾** विसामु व के प्रहेगा या से द प्रदेश के कि हैं के हिन्दूर व विश्व मु म के प्रहेगा याष्ट्रस्य रेवि । न्या ने नहना यारे राय वेत वता के ते क्य या नवत के तातु नाह्या यर मुद्देर यदे प्रेक्ट के दार विक्र अस माल ह के दास प्रे हा अप लिस मु व वा **श्र्माश्र.त.श्रॅश.श्रा** क्षित्र.चाउरे रेट.चाउर टे.वचैट.चट .क्ष ४४.मीश बुश. रदःमी के तर से र नवे 'खुस' यह खुस मुलर नु प नुः नवे केंहा ସ୍ ସଂଶ୍ୱି। उन दैश दे लेश मु नदे दें हों। दरेर नहुर यरे दें र दे ह य से र य दें र दें हैर **এ** বেট্র বঠ ছুখ এব ছুঁখ ল প্রথম বড় প্রিল ২৮ বর্ষ বর্ষ বর্ষ বর্ষ ১৯ ১ এ এ नुरामा हैदार् मुरायस दार्स् राया संदर्भायस हेदानी वास्त्र विया यर विमुदारी। म्बिराल्बराज्याम्बर्धम् याद्याः याद्याः याद्याः यद्याः यद् यः हैर ग्रे खैरार्रे। शक्ते प्राचार मुचायार ना व र ने र सेरायर मुचायां। देव दरायहे व यदे दर्शिय दे रे सक्तर हेर उर दर्षे र य दर्ग पर लेक न य दे हैशद्रावहेन यदे वद्न हैद कर मिंद दर्बेद य द्रुप सेवर्जी। दे हर द पर् वे पर्ने मूं वे कुर पर्ने र ने । मलक पर्या सुर पर्ने पर र भूग प्रध्या ता श्रेन्थायरे तर्से चातर् वावर मी कुं वर्ग व स्न्थाय प्रेर्वर तर्रे ही। न अर.ची.च्र.च क्रेट.लार.ची.दे.लार्स्यामा.त.व.म.लार रू लेम.ची व.व. इ. इ.चाम ... इसः पर मल्या प १९८ में १ व्या विकास विकास विकास विकास विकास मान्य प्रति । विकास विका **७.**च.बे.झेम.वे.ज.२.मेर.त्. ७ंब.वे.च.ज.स्.संचीश.चर्]। वर्वेट.च.जस.चीर. राष्ट्र बाविमाल हु. चाविमाल है. संस्टर हैं जिस्से स्वार ते हैं। प्रवेद संस्था प्रश्न ही न इसस गु वर्ट् य हैर प्रमुख का वर्ष हो। प्रमुख के प् है। पहेन यं सेर् यर व्याप रें। न्या प्रे देने परे मैं लब नर्र हम में न ल ख्रा म वस कर म पर हर में केर में खेर हा। वरे. שישביקבאים באאיבי בי פֶּק־יַחָאי תְבַּחִים אַק־יִשׁקּיקּק־יִשׁקּיקּבּין בּיַ पहुन, नपुंची, पन्य , खुना, नुझ पहुना, नर , पेनी र , नप्या। ह्, मुं हेर मुझ. पहना नते दर द्वा कर हे ह्वा न नाहेश शे प्रमुद्द न दे दे द व दे दे सा वर " हेनाय है। नाय है नालह यस दूर सान हैन व लेख न मान सेन्य माहिसा र्शे । भ्रम पर हेना य नाहेश यदे द्वा दु सर्व यहा दूर सहा दूर सं दे जान र श्रेद्र.तर.पहुंच.य.ला. हुंश.चे.च.ज. ख्र्यश.च.श्रेंश.च.जा दे चिवर.श्रेद वर. पहुंच, वे पक्र, तर विर तत्वे रहुंच, तर में बेश वे व ज ज सूर्यस तर्गा हिन पहिंग यदे चन्ना है र उद भेद चरे खेरा पहिना चरे में बन हे न उद सेर 리도·MC·스트리·리도·스텔도·호·영화·집·리즈·월도·호[] 학·영도·학·미지화 다리 회 इमस कुरा केर 'येद लेस ज प रे 'वेडर पर जेर प दे रे मानस पर मु परे हीर... लक्ष नु न या श्रीक्ष मर्गा मलगु न्य वे र ह केर प्रहेमा धरे नदम केर उद प्रेय यन्भ लेश मु न रे सु न न रे ने र र ने र र ने र र में र र में य में य में र में र में र में मी मु कर पर अमर दे र मुना व नेने व ने में त्वें दे में में दें हों। दे रम्म में उर् मान्या स्व पर वर्षे पा लेख न न पक्र पर वर्षे न पर हैं न कर लह लेक ला मुद्द लेक न विकास के के मुक्त महुद वर्षे। मह दन्दिन

लिस मुन्द दे माहनसाम स्थानसाम दे दें। से दुना म हेर दे र प्रेश र लेस मुन्द कुनिकान क सूने कार हो। डेरे लिंदा बाब र देह लार नावर लेक न वें का ने न बैं दे विना सुमान दे भाग कर मुद्रा मर्दे मुद्रा है दे र भेद विदेश है दना में พदः रदः केदः कुँ रहा वा किदा वा किदा रहा केदा है से साम मान्य पान्य पान हरका प्रकामना कर हुन महिका ही नर दुर्दे दे दे प्रदाह माझ र न दना प्रते यर दु दे द भेद वा दे प्रशाद रे खिन हु य महिशाय दे दना दु ना क्सा या भेद केरा रेते. <u>स्</u>रेवस ग्रीस देस वससस य रटा। विसाय जा स्रेत यदे अस अना बर वी स्वर मुनायरे पर नुर्ते। न्दं सं यं पनार क्ना नार धेर पा लेस नु न ता द्दं परे हैर हर प्रम्रामा स्पेर क्रा वर्दे हे हे मावर स्राप्त है नास मा प्रेर कर। EE. ब्रिया कर मी प्रदेश में स्था के मा भेर लेख में ये ये हम ये यह है। महेर् म प्रदेश लेख मु न के हिर् पर हो। अस है स्या मुद प्रमेश म विस.च न वा ता सा होंस न वे अस है। व्यक्त न र रों न रे वा राजना र वा है। र र मर्केर्न्य भेर ने नियम दे हैं है प्रेप प्रमान प्रम प्रमान येर है व्य 74. व्याप्त प्रमान विक्रम् स्थान विक्रम् स्थान विक्रम् स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स मीस लेस स नदे देव दें। विश्व मा के नदे न दे मा मीर है ग हैस मदे म द्रा स्व पर पर्दे पर्दा के कि है है वे सुस क्व परे सुना वसूत म त्रमा स्पर्ने तर मुद्र केना के सा सून नरूव पर प्रदे पर्ना अस मी **डेर्-**पर्दे छ्र-पर-मे द्वेष-न-र्दा द्वीव-च त्य नहेंब च से द्वापट केर्

ैत हिन यर है। नक्क वर्शे है है है है के कि वर्ष है से स्वाय के कि स्वाय है है है है के कि वर्ष के कि कि कि कि स्ता. रे वैट च दर्। वर्जेच स अभव श्रि.श्र.च. बुम व च र हीर हो। हुन. नार भेर या परे के सर सेवे वर्ष वासंग्रहा र्स्या संग्रहा इम्बु मु य अंग परायाब्द हैं॥ देख वर्ड्स य मेर य रेदें र के लेश है व व र्श्वामाय के क्षेत्र सरे हो नामाय कें साम सर वर्षे व से र वर्षे व से र वर्षे व से र वर्षे व से र वर्षे व से स्निमान्तर् है। रेपे गुरे प्रे हिमास स्वाद न कर के मा लेक हैं हिम गु यते हुंब हुं। इंस.च.खेब.च व जा सूर्याया जानाम खेना छेर तार छिर.तर. म्री. पत्रुजा चार्ट प्रमुचायारमा मोशासुक रृ. हुः चार्टा। प्रमुचाया १ स्रह्म श्रे हिट्र न विश्व न नर हिन्द हो। असमा श्रे हिट्र न हिन्दर हे हे विन हे न नर्सि स.भर.स. क्या.च.च.च र्यायाचा र्यूबारी वाट लेना चेर पर होते. नर मुक्षादिये न राट वर्षी न न विकासि न विकासि माना में हीर नहीं कर में की । त्रकात्रते सुभार् कुरावाद्यादम्येव याक्षा हे त्यावर्द्ध्यायासेन् वर्दे हिन्यराम्बेस्य विषयान निष्या में देश माराय के देश र विदेश मार्थ के देश हैं देश विर्यम् मुक्षायस्य वर्षम् व.चट.च्.टुरेच. मार्चकूरात.रट.चवस व.रट.चट.ग्र.वुरे व.चकूरा.व.छरे.रू. ब्रान्न व वहामायर द्वा अद्वा देव ने न्या देव व व व व व व व व व व व बु.चट.फ.देज.रे.चैं..व.टेट चर्चेव राष्ट्र मैं.हो। के.रर.फ्न बडू.मैं.लूर्ट.. य.हे.वे.बे.ब.चे.च.क्र्य.क्ष्य यर.बेर.र्.। वहे.वे.च्यूच.चर.चे.च.क्रेमः क्षेत्र विश

मुक्तिस्य ने विद्यात मह विभीय सदी कु ने असमिति से है। माद महेंश या से दें म बु.सिल.रे.वैट चर्टापचीय म अवश शि.श्.रं च.लार.रे.ट्. खु.डे.च्र.पूर्व स्पूर् ... मुख्यानु में क्या कार्य के कार्य के किया की कार्य के कार कार्य के रद्रमञ्जून मुन्द्रकेषा अत्र हो। द्राह्म कुन्द्र हैंद विश्व दर्वे प्राप्त देवीय वारमध्येश सेम् रे जिंदान रदा वेचीय र अधार शि. शिंद व क्षा रदा है श्रा वेचे में मा बर् हेर् प्रेक परे हिरा वरे हेर वर मेर मा कर हैर नु कर पर महर्प पा प्रेक ही मञ्जून हर नु: व माहेश व मा वर्षे करा द्वाया वर्ष हिन य द्रीया व वर्ष करा करा व विसान म ने। दे के पर प्रेन म स्वाके एक रामित मार्टी है के कर प्रेन प्रेन के भेदाय के दनाय न भेद बैदा। देखें हिन या है दे है दे त या विद्धे या है दे मर खुम न नुष्य व वर्षे व वर्षे व वर्षे व वर्षे व वर्षे पर्वायानर नुराय केरा में का लेया में पर हो । वारा मिर्मार निर्मार निर्मा विरायक्षक के विकार को देश कर में निर्मा के विद्या के विद्य के विद्या के विद् ैं **धर्मीतरः जुंसाच विदायर दे ज़िर्** शुर है जस मिर ज़ेस रह क्रु शून है जिसे विदे . . यम् प्रमुख्या मान क्षेत्र क्षेत्र संदेश य भेर वे लेख न वे वे न क्षेत्र वर न मा विकास के मान्त हैं नाया नाट क्षेत्र या ने दे । ने व व व व व व व व व व कर्म भिर्मेन नहीं हैं निस मिर वर्षे स्वास तसेयान नर प्रमेन में र विच्या है सद्भु मुख प'दर्द हन्य व क्रिय परे खिल है पर केर में परे में दर्द हैं। रमास धर देस मुन्द के मुस्य प्रस्त पर्दे कित प्रमेश दिए मार्ट देवस है हिए प्रवेयः पर प्रमुद्द देश अर्थे अर्थे पर्वे प्रमुख्य के प्रदेश कर्ये व प्रवेश कर्ये में प्रमुख्य के प्रम नर अव पाय में न पर हो पर के स र व के हिंद पर में कि समार के से स

बु.रेट.तत्र ह्रेंदश.पवंद हू.।। चाट चु.ष्ट्र.सुंश.च.त्र.श्चेश.च.त्र.व्.खंश.चे. मयामानात्र्यामुरानु क्षाचरायमुरान् लेखात्राक्ष्य नु चुेन्द लेखानु नर्रे " ्र्र रहीं। अध्यक्ष केर की हेश सु यद पर्रेन्थ य पर्र पर्रे पर्रे पर्ने पर्ने प दे दना के फीर वरे व रदः केर के वने वर्गा वरे व रदः खूना व धूका व लेखा मु ल्रा १८५.चस. तस. च. चरे. चरे चंत्र च क. क्रेर.चरे.च. रंट. रंच च हेक हो. खुशन्तर्दश्यः व दे प्येर् से वरे व हु वर व्यूर स्था के दे वहार वर्षे वर्ष ह्ना वहाय में क्षे देश दे दना हो वर विद्यार हैं। हेना नुरे मुर्पर हैंना वर डेर्'य वेंस'रेग'डिदे'इंग'चर'लेस'य ल'लेस डि'च दे'म्⊏'केरेग'डिद'यर'' बहेर पर नेर वर अषाके दमायर वे यावामार या देय नु वरे र्वे ही। धेर मालुदसः परे छे दः परे दृहसः मदः मे सः प्येद मा दृहसः मदः छे दः पर्ये। यह दः ग्रीसः त्ये**, रट.**त्युर.चाबुटश.चर.हे**र.**च.खेश.चे.च.डे.चट्री त्ये. त्यां प्रश्नां प्रश्नां विश मु प के र ना दुवे मुद्द प र अक की दिया व के के कि मु के दिया व के के कि महेर लगाहे गले सहरामा है सर मेन सार्यास सामाना कर पर्वे सामान्द मार्देर् यानुराय न्या एक रेवे इयाधराने कायावक स्थापर्मनिकायार्दामार्वेद " मर हेर्यर प्रमुद्द वेश न मरे रेव हो। देवे व्यय प्रायव प्रदेशिय मान्द मार्चे यर नुर्यं भव मार्गे वेश में वार्मे वा याद्यान्य्रेतायान्ते पर्वास्त्रेत्याक्ष्री द्रायान्य देशास्त्रे देशस्य देशस्य देशस्य बु.भु.भवेष मधु.कु. मात्राच हे ब.मा.भुर. राष्ट्रा कुर.भ.हुस य.भ.लुरे बु॥ देवर. र्याभार देवे द्रमायर व्यायवे हे अ भेष पर नहार है। रदर र नार भेष

खुंश स देव देश सर विश्व सर्व में हुर रे वडिट हा। बट हूं विर तर पश हैं स. यत। । रद्भी देव द्वार से त्या क्षेत्र त देव देव देव पुर देव मु व र्श्वेश है। हैव के द्वार व व व देश के कर मी देश मुरूष महिंग में अपन व वूट क्रां अकाराय क्षेत्रक या मेर्निक प्राय क्षेत्र र मुद्रा यह मेर्निय है हैर र्हे। स्वा है मारक माबर व्या स्वा केट.रट सिवा प्रसास व प्राप्त में अंतर में वर्षा सहूट व रट है हूं स्वा प्रसः लेश न न मेना ह्रा माना माना महिता यह लेश ने देश न ने देश न ने देश न श्चरः र्रो । दे न्ववित पुरा पर दिया विश पर कु ता पर विश पर पर पर पर पर कि यर वेदर्र वें के देवे हेम खुम्मे वेद यदे खुर के हिमान व दे दर्ब खुर दें दे दे प्रचीर प्रपृ इंश श्रे. भे. पेर प्रज्ञेर । में रूज में . रूव में . पर ज़ेर पर ज़ेर हैं . बुंब न वर हिर हो। है दर हेब ही हैन पास लेव बेव । देवे हैं है हेब सर बुस ने न व स्वाक र हिंस है। देन में व मीर में ने र मीर म व रेस दाताः स्वांकारा दे सह ११% ५ वदः प्येदः यादे। दिकायर हिल सु यहनाया स्याध्यादिके क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र के हिके हिका क्षाक्ष के कार्य के किं। · ରିଂ . ଞ୍. . କି.ମ କ ନି.ମ ଜ ଓଡ଼ ପି.ସ ଧୁ. ହ୍ୟ ହ ଅଧି ୬.୯ ଟୁ. ୧ ଗୁଟ୍ଲା ୧୯.୩ . ମି. · **झर्राहेना नेरायदी मु**न्द्रसासायदार्थे । लेश चुः र हुर र्गा र्ट्सा हुन्द्रा डिन निर्मु स स्वर् ने हेन गुरा हे है ने मुंहर स्वर्ध म दी देशाय ્રેસ.**વર્ટ્સ.વસ**.વર્ટ્સ.ભદ.હુંશ વે.વ યુ.લેશ.વર્ટ્સ.વે.ત વર્ટ્ડ.ભદ હુંશ્.વે.ટ્રેસ. हैं। निर्देश शुन्द्रव हैन हैन ने निर्मा न अर देश पर नहरू मुदे हैं थ ख नेर पर प्रमुर र्गा रे हैर है रियर द हेश न न म संग्राय हूँ स या प

. लेंग में हिंस शि.पहेंचे च बेंश.चे.च.चें। लेंग में रेट्श शि.रेचर. चूं पूरे चेंश क्री हैं ब हिना हैने म स्पेर सा दिन में से से महिना म प्रेन है। हे नास्य न हैर है है सा हु होर पर है हैर हैं। माय है दें विकेष्टरायेरायाद्यासून हेन होदाय रे हिदायरा न्याया स्वरं हेव। ल्मा दशायकर रूप मुक्त हो। इस्य हा हे जन से हा से हे दिया है हो से से हिस से हिस से हिस से हिस से हिस से हिस से बै'वन्य न' भेब'या। देश बै'देने हेश हु भे वह्न न' याया हिन या दे हुन व' दनाभानकाष्ट्रवाद द्वेन्यायाच्ये रहें। रहें सा सुद्ध सुद्द हेन हेन प्यते कु क्रुबे. दे. बुंश चे. चंट्र, चर्झेंच तर. चे.च. चंड्रेश.च. व. चर्डेश.वंश. मेट. वंचायायश. विच सम्बद्धनम् स्त्री देश देश स्तर मिन स्तरिये हैं। ्यर तेष पते कु के**र** १८। देने १० बा सु १ हेना के १ एके प्र ्र विवास भेराया दे 'दर' प्रम्याम वै 'द्रे हे बर प्रेव' स हैद स प्रेर' प्राप्त प्राप्त दि । हेरे इंद हेन हुर परे केर हिर हर मारेद या दे हर न हिरायर हिर पारनायाया रभूयोश तर्। विश्व चे कुबा में कु शुश्रमा ज हुमा तर भाय बैहा च ब्रिया ने त ्यो नाहेर त्न य रारा व मुभावं या संग्रस ते नाइस झवस कुँ देवी। बरुस ् **चस**.त.में ८.इ.जे.च.चलु १ टे सट्ट्र तर.पश्रत्राचर. उचीर ट्र्ड्लिश.चे.च.जा में १. है हु च व वे ४ तु वे बे व वे वाद वेचा नाद सर घर वे र ६ के ४ ते । मांबर, म हूरे, न प शूर्या म. पर्या १ ८ रें म वेश त. भट्रे, तर प्रांथण व.रू. वश्यात क्षेत्र हेश श्रु मध्य भर्दे सही वर नाम मानहीं वर्ष प्राप्त ना ने हुर जल बेश व व बु. हुस. व मार्श्वास नदी रेस नहीं स चंट रन दे सर नहीं चना. ळन्याणी निर्न्यर त्यस लेखा उपये दें व है। प्रवाहन सहिंदा यर नास्त्या यालेखा उ भ्याकः क्षेत्रास्य प्रदेश कीत्रामालुद श्रायात्मा स्वास्यायाञ्चे यो श्राद्य यासेदायवे क्षित्रे श्रुर:र्रो। विश्वामु:वादी श्रुश्यादा श्रुश्यादा श्रुश्यादा श्रुर श्रुश्यादा श्रुश्याद्या श्रुश्या श्रुश्याद्या श्रुश्याद्या श्रुश्याद्या श्रुश्याद्या श्रुश्याद्या श्रुश्याद्या श्रुश्याद्या श्रुश्याद्या श्रुश्याद्या श्रुश्या श्रूश्या श्रुश्या श्रुश्या श्रूश्या श्रुश्या श्रूश्य श्रूश्य श्रूश्य श्रूश्य श्रूश्य श्रूश्य श्रुश्य श्रूश्य श देते.रदःच**वरःहेर.ज.रे.प**ेश.वेश.वर चैर च हेर.क्रेश.विव.व.लराजा वर्डरः दे भेदायादे द्वारा का प्राया प्राया में प्राया का स्वाया स्वया स्वाया स् गु.परेश.वश.त. लूर्ना हुर.चेरेश. कुर.चेरेश. कुराश.धीय.त. हुरालुश । भाषीयातात्रात्रात्र भूथानु । लेशाचि यात्राश्च्यां या श्चिंशातालाङ्गेदाया हेरात्रशां हेशा चि.च.दे.पिस.ग्रे.ल्य्.२४.८भ्रचास.स.इ.सक्.र.३८.ग्रेस.चीर.त.३८.जस.स्। वाजा **दे. व्रस्थाना जार्स्य मार्थ पर्या चिका चिका जी लाल प्रस्था चिका चार्य प्रस्था चिका चार्य प्रस्था चिका चार्य चार चार्य चार चार्य चार चार्य चार चार्य चार चार्य चार्य चार्य चार्य चार्य चार्य चार चार्य चार्य चार्य चार्य** हे.लट.रेश्वेष्ट तर प्रचीर थी 💎 ह्रस्.त.ज.स्चेश तथ ररेस वेश व.चेर.पर्व. क्रें दर सर्वे पर प्रथम दवे दुर्व व अर में दर्माय है। पर्य में द्रव पहे मा.ज.लट अंग.ज.वि. तर मुर.तर क्रिर.र्।। वना भूर तर बुश वि व क्र वर्षा सेन्'यस हॅम'य' उद्गेरी सेमार्ट देन न्यान्य सामार्थ देन सामार्थ विषय हैं बुंश-वे.त.को भू.चंद्र-.चर्.चंश्रंथ रेट.चंलट शर्वे.चंश्रंश हे.चेश रेवे.चर्या रे निस द'न्सर भरी निदस दे अदिस सु पोद द अद नि नरे नि न्दर सुन निस् र्बेन मान्द्रार्नेर यर परेंद्राया सेन यादे 'इसाव साहेसायाकेरानु विद्यारा हैं 'बेर न े**रे'नर्ना केर'नरेरे'स**'र्दा लेख नु च'ला सँन्।य स्थल सर्वरे वसार र हेर् र्ह्या हे म्रम्भावानामार्थितः यम् कस्रामाराश्चित्रं नुष्यम् यात्रे म्रम्भावत् । व्यवस्थान्यम् श्रामुब्राम बुक्राच न मिर्नायर न्यायवसाय र मिर्म क्रूमका से सर्वेद पार्ट से महासाय. प्रह्मा पासे देश स्त्रा व स्टूचा प्रत्य स्त्राय के देश के प्रत्य प्रत्य के प्रत्य के स्त्राय के देश विष्य के स र्श्वन क्रम्ब स्रेमस उर्मन्त्र मी वर्मी वर ने द्वार के दिल्ला करमा वर्

स्टिन्डर्नीर्स्निक्र सदयानी नारसायेर्न निस्तिनि ने हेर्से ना नासायेर्ने स्था मार्थाः भवसः पर्ते के रदाः विवेषः ग्रीयायभ्रयां या केतः प्रवेशः यदे । सुर ही हो वसः वः मान्द्राक्षेत्राय्तरे वे शे कें सामायरे सम्मुव पर त्युर हो। वरे सुर द्रम्द यरे माद्रा प्रेट्स सु प्रेंद्रायामार प्रेदाया दे हैं रे हिना प्रमुद्रा या हैस है पर प्रेद्राया हैन ल्याः वानाः वद्रे सुर दरः । दर्मनः धरे व्युद्धः व के र कु सुर। द्युदः व दशःमुरः यदे अद्व हेर्डिं क्रिके हैं अप्येव यर र्वेटिश हो। हे यर प्रेव पर सेर्टिंग र्देश र्यं दशका क्रे पर से वर्षार र्या विश हें द पर वर्षार र्या माल्य की र्यट. मीश्राग्राट. रसवे. तये. मोबंश श्री. वर्जे. य. स. क्षेत्र. है। र्यट. ख्री में स. स्रेट य. यामा. मानेत्यो सुरार्गा सुम्मेत्य वर्षायदासायरहे। खुयाद्रात्र दरानारसा श्रेवसः देशः वः सेर् वरः वरः वरः वर्षः वरः वर्षः वरः देशः । अतः दसरः वाहेरः लॅन मासुद न महेरानु प्यदाद में नाम प्रेरिन चुर्स्ना न्दर न्यते दुयानु वर्षे य.लुरे.व हुस.सर.भटम.म.<u>स्रे. तर्य</u>.चोवस.लुट्श.श्री जुरे.सर.श्रु श्रीट. वर्षु.स्रेर. र्दी भग्दासुभाभावरामे वार्सिन्धायान्ने परावनुदारी दे पश्चादार्रा मी है 'नर 'मेंब' प हिंब नु बेंद्र व 'कर ही हीं है देश नर दसव पर प्रकार के रायर ड्रेन्'य'ने द्वर द'ने देश पर पुर देश वेश प्रेन्य प्रेन् र्जी। देश प्र हेन् नु र्सेट म उद् नमद मदे मद्र भेद पायर मुद्र है स्निमि ह्रिस तयर सदे सदे पर कन्रसाया सेर्पय साधीकाया रे द्वराका हो हैं साम यह सामुवाया हैरा साधीकार्वे ।। হলাৰ মন্ত্ৰৰ দহ'ন্ট' দ : 'ঐৰ' থ' ম' হলা' প্ৰেৰ্ষ' দ' ট্ট্ৰ-' শ্ৰী' ক্ৰি' অচ' **বেলা' ব্ৰৰ**' ট্ৰুৰ ঘ**হ'** नु'रा'र्भव'रा'व'रे' विना'दर्र प्रवा मार्'ने हुर'र्मर'पदे नाद्धाया

शहूर तर क्यांश त. व. बुंश में .च.ज. श्रूचांश चंडाती शहूर तर क्यांश तर में केर.सुर.तप्.सुर। के.चर.चर्चाश.वश श्रेचा.चर्जात्रं चर्.सुं प्.भर्व केर. डव १९८ ने खेब डि लॉना पर के महेंद्र सम्बंध महेंद्र सम्बंध सामेंद्र ही। यह यह सहि हैंद्र है भट्रे. तर. कवाश त. भ कार हो। में बे. वर्षा म वर् वर्ष में प्रे रह वर्ष रे १८ वे हैंचा नहाय में नार्थ य सुब है स स्वा पर्ट हैं लेब हैं। लुब. बु. खुक. चे च.बु. भटता. चे. चेबब. दे. कुट. ब्र. चटे. च. लुब. दे. खे. चे दे . ब्रेश. दे . यर पहना य प्येत वाँ। हेरे कु ठर प्येत वें लेश न य खेत है लेंग ने स हिं दे हें। त्रिया मुक्षालित वर्ष वर्षेरा वषु स्त्रेर क्षेत्रा वर्षेत्रा वर्षेत्र स्त्रेत्रा वर्षेत्र स्त्रेत्र स्त्रे व्यायते सक्षा के न जिल्ला के निया है निया है निया निया निया निया र्वेन यदे रूट नहिन ने सेन्य म प्येश हो। सेन्य में नम हेम नम निमान परिन र्ट. श्रेंब. वर्ष वर्ष्य. त. रेट. र्ट्ट वर्ष. श्रेंद. वर्ष. श्रेंब्र वर्ष वर्ष. वे. क्षेंब्र वर्षा. वे. क्षेंब्र **८४८४'च'ॐ५'धेर'ने। दे'ङे**५'चर'खुय'व'ब्रेद'च'से५'चदे ब्रेर'रों। र्डेन कर के गार वर्षेट मी वर्षे या कार के लिखा खटा लखा निश्च कर यहे हैं रहीं। हिर है जिन पर के के मार के मारेन पार नक्ष या है न मा के के वि तर बुंश में व. व. वे स. प्रस्थ पत्र ही. वर हा। के हो मोबर नेवा मुंश मिट स सहरू न ने लुर न मान्य के नाम गी ने व ने हैं दे के नाम मान मान मान में है ले स न न के नाम म द्वा मोस सः सर्वेट लेस नु न दे नाल र मी टे यर कुस य स स्पेव के ॥ प्याद " विना नीस सर्वेट च केर पु न चु र र लेस च च व के। इस त व व केर साम र्श्वास

यशःस् ॥ देव वर्तेः वर्तः खेर वर्तः समार्येषाः समानस्याः वर्षाः र्भ भूष्यं माने श्र क्षुन् वाका हेश हा न्यम या प्यान वित् हेर हे लेश छ न ्रे । अंशस.यु.स्वार.भवं राष्ट्र के. चर.जार.वा.जा.सचा.जीस त.लुश चे. ्वते कें न ने स वर्ष सुर्वना य वत् के र हैं।। है तर्दे त्ये र विद स्पेर प्रमुद्र दा । विश्व ग्राट दे द्राय द प्रमुद्र । । प्रमेष विद्र । द्यीर हे.में स. १८८ म.मेर तरे. हीर बिस.मे. व पार्श्वशत वहेंब तहारमें . च ्याहेशासुर्वनायरावत्रकेषात्। र्यराज्यामार्टाचे केषासुर्वे॥ ंबेश मु:व है नाळ 'वर नुर वदे'टें 'व 'नार फेब व हेदे र व वहेब है दें 'व नाओं' नसः विवासः भेदायः वर्षेत्रायः दे सेदायारे हिरादा वर्षेत्र व से द्रीयादा य रे'निहर्नुनिहर्नियाथाध्यासूरानरानुर्देश। श्रथानरे निहर्केन्सास म्यून हैट लेश मु न दे लेग मिट अश म दि न स्था मेर न स्था मेर न स्था मेर न स्था मेर स्था मेर स्था मेर स्था मेर स श्रॅं न्या वत्र व्यान्य प्रमार प्रमार प्रमार वामार मुवःयः धेदः दें। मैदःयः वः श्रेन् शःयः वदः हुंदः घः ददः यः शेदः सदेः क्षेदः र्दे। माट लेन नाट नाक्र न दे के नाक्ष न लेक नु न त क्रिन न क्रिन क्रिन क्रिन क्रिन न क्रिन क्र चर्षेय.त.लुब.हा जना.त.र्टर.म्ट.त.ज.स्चाश.त.व.रट. नर जिस हुरे तटु. क्षेर हैं। शन्त यर मुन य देखा यात्र पा वर है दें।। शन्त मोट.बुचो.चोट.लश्च.कंश.त.१४.मी ली म.स ८८.त.१४.खेश ची.च.पा.४श.भिटि.बु ... स्वाय उव वि । देवे ख्रिया वे स्वाय उव मिर स्वाय उव

मु सिमान निर्मा अपनि । विष्य निर्मा क्षेत्र । विषय समिति । भ पश्चित्रा. य.लट.चस्चेयश.च.हेर.लेर.स्। ७४.चे.च.चे.च.चे.च्ट.चेर. ्र मा**डमा भ र प्रश्रेद अदि । विका** स्थान न के इ. केर . तथ . प्रचा था. पश्ची पथा ता अहू र. प. प्रे. केर . खें योथा . योथा . यश्ची पथा . श्चित्र गुर सर्वेद नर विगुर है। र्युना मार्वे ना नौस नहीं नस सु है न गुर **ब्रिंट. ग्री. मिलेट. चुंश. लथ. लचा. १३ था. पश्चेट सा. पश्चेट सा.** उन्नादायाः अन्यनाः वहन् । यदे । वदसः सर्वेदः यः दे । अन् । केशः पुर्वे । दे । **पश्चेत्राः त'त्वेशः नु च ते अत्रायमा पश्चेत्राः प द्रा।** अत्यम् उत्राच्या उन् मर्वेद न श्रेन न स न लेश मु न त माय ने अन यमा वस्र स उन् सर्वेद नर . . . **৾ঀয়ৢ৴৾য়৾৾ৢঀ৾৾৾য়৾৾৾য়ঀঀ৾৾ঀ৾ঀ৾ঀ৾ঀ৾৸৾য়৾৾৾৵৸**ঀ৾৾৾৾ড়ঀ৾৾৽ড়৾ৼয়৾ৼয়৾ৼয়ৼয়৾৽ঀয়ৢ৴৽ र्रो । १९:५वनास-६८:१ स्पर्-नाहेना ठर-१८हें ४:४१८:कुर-र्रो। अब सना उद्भार्मेट्र यम् अद्भाविक योद् या दे यहा है। अद्भाविक अद्भाविक स्थानिक न.ब्य.ट्रे.क्रेट्रीमम.श्रद्धाः नट्ट्री ट्रे.ब्रेट.य.स्रुत्यंश्चःयोद्धयः पश्चापटः म.पीश.च.भक्ट.चर.पचीर.हा। चाल.टे.र्जा.चाहेश.वेश.वेश.च.त.त श्चाश. ্ব'ল্ৰাঝম'ন্ম'ন্ত্ৰীৰ'ন'ম'ৰ্ম্বাশ্ব'ন্ত্ৰীল্ম'ছ্'মন্'ৰ্ব্লম'ন'ন্ধ্ৰ'ন্ৰ্ৰা ছং' चलेब. विर. तर अरे. चरे. कुर. है। रवह च लक्ष. वर्ष. हिमा स हेर स धीव पर हिं परम्बा प्राप्त देश पर हैं सर् प्राप्त हैं से प्राप्त हैं से हैं।

मान्द्रके मुक्सामान्द्रेश पार्थित विशेष क्रिया व्यास्य व्यामाराधित दे द्रा है द्रा है खूर ब्र-र्वायस्य राजी रताविष्णेष यारे सर क्रियास्य विष्णास्य केराणेष ब्रुंबेश.चे.चर.सैर.र्जा चारेब.क्रुंबोश.र्.क्रेट.ग्रे क्रैर.रेचर.त्र्य.परंश.परंश. य हेर प्रेक् कें। में हैं गहा लेश नु व है अर्दे प्रेक् कें। प्रेक व प्रेक व प्र प्यात्र भ्रुया.योश.योट. खेश. ये. प्र. यं. श्रुयंश. प्रयं श्रुयं श्रुयं स्ट्रा स्ट्रा कुर.जश.ठ**.ज्ञ. त.**शुर्य.त.खुश.चे.त.बु.र्ड्डर.चुे चेषश.श्रेटस.श्रे.ठचुर.च.ठवे.मु. वेशाता के किंदा में एत सार द्वार अपे ता वोदाया लूर वा लेशा वे तर कूरी देश तर हिर हा कि मा निर्म के मा नि चते. द्व. ह्या संस्वाव अत् वेवा माने प्राप्त खेर हर व्या या से ह त. झेब. कु च. चुेर. तर अेंग्रेरट स्तर ताल माना माना स्तर से व है . वे सेट च. मेंग्रेर चाल र केर भेर है। देस के नाउर हैं नास दूर में साज्ञ न म प्राप्त हैं। वुसाम है नान्वन्द्रेत्र्भेद्राने विषानु नाप्ते वा वे साधार हो॥ त्यासार नाप्ता म् तकातरेशाता बुंश में चाका क्यांश चंशाचीरेश क्रु चीमा चीरेशात से मैं या वरं ... पर्देश्री। हुँव.वुरं.वु.शर्वूट्.वंट्र.वंचरा.ज.वहीयश्व.चोल्वाश.चवर्ग्वेशंचर. नु न्डर्म हैर्द्री। व्याषाया है रूट ने खुया नु ना वह पर ने ना ना कर हैर यह । दे देर हेर य लेश य य व यश्चेयश य य स्वाश य हेर यह। दे क्र-द-निश्र-द्र-द्रिय-क्रि-ह्य-इर-द-द्रम्म-द्र-। हुय स्र क्र-ह्य क्र्याय द्वेरारे होता हराय समस प्रते भागा स्थानी इस उहेन पर प्राप्त त्रां नाह्य-दित्रक्षित्रक्ष्याह्य न अव वना उव नवित्र हुस सर हिट त लट संस्थित है। देनारा से समुद्राया हमरा है हिंसा या में है दारा है दारा है दे से स्थान र्राः । दिन्द्रेद्देद्धायसः रेषासः स्वारास्य समुद्रायः विसानुः वः व्यास्य स्वाराः स्वराः स्वाराः स्वराः स्वाराः स्वाराः स्वराः स स्य. व्यंत्राचेश्वरमः मीर मा लेश्वरम्य व्यंत्र व्यंत्र व्यंत्र स्थायर वर्षे शासर मीर सप्री टे कर दावरायाक्चेर दालटावेस दान रे घटानवेर रे खेसाग्रट दुसायासेरायाः दे-वस्र'द'इम्म'यर'मेस'यदे हे स्ट्रर'द'तेद'य'र्य'पेद'वेस'तु'व' ध्येत्र'वा वै अवास्त्रों। स्र पे केंबास महारा वै क्या के कि के प्राप्त के कि कि के प्राप्त के कि कि के कि कि कि कि कि कि यादे हैदागुदा देवदाय साम्देवायादे सुरावादे देवायार्थे से विवाद है। य चॅर अदादर्तिया देवस दास्तर् या होताया लेस वाया था संग्रास या देवस या ... हार्केर.ये.स्.चिविधायाण श्र्चाकाता.कंयाता.खंबाता.वे.व.वु.पंचापा व्यव वी चिव्यक्ष.चवट.स् रेट.टु.खेश स्. क्ष.खेश. वैना वर्द व वेश ये दिया श्र**क्षर,रे.वेर.त.जश.च**ेर.च.इ.रं.चे≌चेश.ज.सूचेश.च.रेट.केश.च.वे संबात. ता. सूर्यामा तर् त्यां विष्टा ता. सूर्यामा सूर्यामा त रूपामा क्षा भाषा वि त. पट्टेश. त. प्रश्न. में . प्रश्न. में . प्रश्न प्रता व के ची त. व. के चीश श्रू. श्रविष. त क्षार ... गिट.पर्यंश.विद्य हम् बु. क्ष्र्यं नार्य होर। चर्टित विश्व वि.चर्य त्या ब्दाल्ट्राचामाल्ये मी। द्वाचारा मेवान्त्राचान्त्राचा मान्त्राचा मान्त्राचा स्वताचा स्वताच स्वताचा स्वताच स्व वर्द व भेर मा स्रामा अर के न मी द्र भेर के न ्रे ना हुन्य था से नासार प्रमाणा र देश । अर्थ १४ दस्य साथा अर्थ १४ से से स्थान तर्तर्तरत्रे हर्षा वर्षा वर्षे द्राम्बन्धाः वर्षे स्थापते स्थाप लुक् तर स्था वचुर रें। वर्षा वा विवास वा स्वास वा साम हिन वा वह के दश.र.वु.चर्देट.च.ज.चिडिचेश.ज.स्चोस.च.रेश्रुचोश.च.रंशश.चेविश.ची.चिविट.चीस. भु.पहूर्य.च.कुर.र.पर्वर.तदु.सुर। रेज.संश.क्षम.म.मी.चीयाय.ज.स्चाम.त. लेस.च.न.ज.स्यम् म झूर्यामाने। दे.क्रेर.य.चे.चे.माडमायातादे दमानदूद न-दर्भाव कर सामित है। व्यव हत समका व स्व हर सेदाय हैर की है की है **૽૽.૪ૹ.ઌ.ૹૣઌૹ.ઌ.૮**ઌૺ.ઌૢૺૹ.ઌ૮.ૹ.ઌૢૡ.ટ્રો रे.रच.मी.कंष.च.धुना.नश. रे.ज.र्माश.भृ.भवीष.व.रेट.४र्म.नट्रं म.सं. **८६मा ४ १९७ मु छेर र्सा** रव'ना बन्ध'व'स्वं म्य'व'स्वं च'न्य'द'षे व'च'दे दन्। ख्रिस'यर'व गुर हो। ह्यः स्र-द्र-द्र-द्रन् न्त्रीस्र-द्रव्यः वुः ह्रस्य पायदः स्र येष्ट्रा वादः त्र कुरः निर्देशस्य द्रदे दे[.] केंद्र वे. देनाम में प्रदानम केंद्र प्रदेश केंद्र प्रदेश केंद्र प्र यर'वगुर'री। त. १४. म. १५ त. वेश. चे. व. हें श. हो। हुं श. में त. दें गीर वेश ने व मिन्निम्स'त्र' श्रॅम्स' पदे चार्य 'स्रेनस'द्र'मिन्नि 'च 'भेद' दें ' ले' द्रा नन्न केर जुर द्वर वे विश्व वर्ष य प्येत लेश नु व र्र्स्स है। म्बन्साथार्सन्साय पहेर्दायासाय देते। देवे हेदान्त मुर्लिन मुर्लिन मुर्लिन D'B-1

क्र्याक्ष मात्र में प्रमेश में प्रमेश मात्र में प्रमेश में मात्र में में मात्र मात्र में मात्र मात्र मात्र में मात्र म

य'र्थर्'र्'रु'कुष्'र्'प्राः लेश नु'परे'र्रेर्'र्ने। क्रूर्यः म'रे'लेश नु'म'र्थः क्षेत्रायः त्य न्द्रिंश न्दर के वर वन्निकाय के केंस मिडे मानार यहा और वारी वारी के न्द्रिंस न्दर के सर महमास में देवे केंस कर में। विस्त सम्मार से महिला प्रेस पहेंत यदे कु महन पर्दे पर्दे के देहे कु महन कर हो। देहे कु महन कर पर दे लुब.पा वेश.त.घथेंदरश.त.लट.लुब.ब्..बुश.कूच.ध्यातर.श्रेर.रू। रेह. A'द्रिंश'म'भेद'व'द्रा'हे वर वर्षात्रम्थाय'म'भेद'य'देवे केंस'उद'भेद'ये हैद'ये <u> ମ</u>ିସଂସଂ**ଭିଶଂଭ**ଂଟିଂଟ୍ଟଂୟମ୍ବଭଂସଂଷ୍ଟଂଟ୍ରିଆନ୍ଟଂଶ୍ରିମ୍ୟଂଶ୍ରିସ୍ଟିର୍ଲ୍ଷ୍ୟ भेरायादे हरा दाष्ट्रियायर केरायाय वायायाय देवेनास पर्वे । दे दे वर्षा हेर **ॲव :**५व :केद :खेद : दारे :दार :दा दे : मुह्ल :दा :ख्य : या व्य व्य दा :५व : केद :दु : मिर्स : व्येष: पद्रे खुरार्से। याद व य प्राप्त करिये। प्राराय कें मु रे रे वा न्दर्यर मुर्र यदी देर वे हैं ने व्यर्ध यास की रहीं। यह ने पर प्राप्त विश्व बुश.चे.च.रु.चॅरश.ण सूर्याश च.यहूरे.तर.चेरे.तरु.झॅ.लश.स्र्रा व.२२. **น.พู่ร.กษพ.ผู่พ.นิ.น.**ชู.ฟื้น.สชู.ธุ. ฐ ชู.ฟู.ชพ. ฉฟื้น.สะ.นิ.น.**ะ**..... नश्चन यर मु:व:द्रां भ:वहेंशक्शक्ष है। नहन् महन् महन् में प्रतिन हैंद्र भेद

े ब्रें द्वार माद्र से त्युर लेट लेख न द के ब्रह्म र व्द माहिन्दा व स्ट्रीया चर् अतः दर् हिर के र चरे के र चरे के र च के स्वार च वे के च च के स्वार च वे के च ् स्त्रायाः स्थितः यस है : सु वड़ाटाटा। सु वारा लेखा पु : व हे : दटा से है : हैंगा मारेशायर्गा र्द्य मं मार्रेश स्थाप्त विषानु नाया वार्र पारे म्बर्स्य वर्षे प्रत्ये दर्भेत् गुरम्बर् सन्दर्भ स्थान सार्थेनसायः थिव है! इत या वे दिर्देश ये दिर्देश ये विवास विकार दिया । दे विवास ह्मां पारी के व दीया पर मारका स्रायका हो। हे स्था मी खा वर ही मेर प मिट्टेन' प्रदेश स्त्रे प्रदेश में यह क्रिन स्त्रे में प्रदेश में प यर तियुद्ध यते दिहें के ये वा यह व वका खर निय का यह हैं न या कर ही। यहेब दु माल इ दिया मा मिट हेर् यर बुद्र'यशःस्त्रा दं सुरः गुरु दुः देना र दे । ले स मुन्य दं व हेना स स्नाय धन पर हेना महर्ते। देव लेश नुःम हे मान्नमधाः अर्थमधा महर्ते। धार्म ५ भर्भ ५ ५ ४ नु नन्दार न लेखानु न के व्यव न में केर कर की रह हैन की बहर के विर.तर.वर्धाः रहवे त माचीटका जास्वीकातावीटा चीका विर.तर रे.वेशाचारे व विर्चर क्षेत्र वें। नाय है चर्राचर विराधर कर्र यारे सारे क्षर हेश वुर्ग मिं के हेर्द्र देश वस वहनाय विश्वाय निष्य पानि वा प्रेर् या हे त्या वर्षेत्र या सेर् यस पहुनामा उन वें। दे 'वर 'वर 'वर 'वर वह नामा मा से के हे लेश मुन्य के माहरा ल स्वासायर महिनाय मार लेक्य रे तर व के नर वहना व नर हैं ... त्याः है। वेश नु नरे हेंब हैं। येब न क्र क्र के क्र के क्र के

न्हेन् वार्सेन्स या वर्देस या सेन् यस वहनाया हर होन केन यदे ही राने । दे हेर्दे ना त्रुगस ना हैना दि लेश न या या या नाय या क्रींस सी। र्श्रेन्स.त.व रर.च.र्हे। वर्ष्ट्रिंग.यपु क्र्यारट.र्व्हें.त.र्रंट्र.त.र्ल्ट्र.त.र् म्राम्य वास्त्रीयायदे वा न्द्राय के क्रान्ता स्वराया उर्जा मीद्री। MEN. নী শালসু ধু বীম বালা স্থ্ৰাগ বা বা বীৰা পালা স্থ্ৰাপ না সু বা বো টু বা প্ৰ গুলি र्देशन्डिन्।नी'सुय ठर्ग्येर्गय्रमः लेखानु नार्देशन्र र हिन्धान् हेन् म् वाद्र प्रते मुं मळव रव दि से न्युर रें वेश मुन के माहेश प्रते। देना ं इत्रयदे खुश्र रुद्र शास्त्र है लेख दु न दे माहे थाय हो। न सुत्र यह दु न दर या या वर्षेश दश रदा वही । मी मा द कें मा प्राप्त र से सस है। म्बादसासु **द**्याचर विवास दे हैं रहें निरुष्ण सर्वे खुवा रह हैं द्रां से खुवा रह हैं । खुवा रह हैं । खुवा रह हैं । **३९.लय.न.५.ब्रे**ट.ह्या वस्त्रेय.चर.चे.च.च३श्व.त ज.चर्ड्स.वर्श.विच.चर ह्रेट. त.भु.रभुचाम.त.त्रुव.स्. लुझ.चे.च.वु र्य.च.रर. वर्य.त्रीत्राच द्य.रे.मंश. तर. र लेचा. ন্দ্ৰ ব্ৰাষ্ট্ৰ নত্ত্ৰ ক্ৰু মৰ্কৰ কৰা ক্ৰী চিবাৰা প্ৰৰাশ। रे.पर्.ज.भूर.त. े दे दिर्देशकी वर निर्वाच है । ् न्नान् प्रते **स्त**्रिक्ष स्त्रूर परे खेर र्रो। र्द्र नहेन परे खाय उर फेर लेख 9. สร. ซึ่ง ส. ส. ส. ส. ซึ่ง ส. พีง ร. เพ. ธ. ส. เติด ส. ร. ฮิง. เพ. ธ. ส. เติด ส. ร. เติด ส. ร. เติด ส. ร. เติด เลา ร. เติด เ या में द्रमेनामा य प्रे हुन्। वनायाय द्रमेनामाया प्रे नयर है नमाहे। हुन ୕୴ୢଌ୕**୶୕୳**୰ୢ୵ଊୖ୶ଽଵୢ୵**ଽ**୵ୖୢୣ୵ୡ୕ଌ୵ଽ୵୷ୡୄ୵ଊୢ୷୕ଌ୶୵ଵୄ୷ୡ୕ୣ୶୷୳ୡୄୖଌଽୖଽ୕୵ୖୄୡ୕ୡ୲

हे'हुर श्चेर'य'य**्**वेर प्रस्ताय हे कुर सूर्त कर्म या अस्ति हो। **ਹਯ.**ਹ. ५८ वर्ज्जिन्यते वयायालेबानुःवाले । स्वयानाहेनायाहर हेर् रे केरास्यास्य यात्र हर् हेर स्मेर पर होर। वर्तेचा रहे विकास कार मार मेर से स्मेर हो। य <u> २८.९४.चे.वपु. भट्र.लुर.श्रा</u> वर्षुप्र.चन्तर.च.३८.वर.वर. हैर हेश न प्रे र्वेश सर्देश इंदर यह दर यह है न हेर हैं विशन यरे र्रेन र्रो। ना द्वार् द्वायहेवा नीक स्थाप कर स्थेत सदस विक सु या या स्यांश तथायाय वरायाचार क्षेत्र या है तथा साम्याय वर्षेत्र से वर्षेत्र स्था वर्षेत्र स्था वर्षेत्र स्था वर्षेत्र र्सिन्स परे सु इस स है र्दे निहेन परे पुत्र उद है र स मुन परे हुर रे र लेश.वु:चरे क्विंग भरे वय याना कि राया दे वे मुवायाया वाक्विय याके वादी क्विंग त्रक रर तथानेश्वीक श्वीशावद स्था देशसार्द्र वार्तावद सिकार रेशे हैं मैं अ. तर् कें स्था कर्म वर्ष क्षा वर्ष वर्ष के अवि र जी वर के मिट वर्ष केंद्र स. भूर.त. ज. सूर्याका नर पृथ्वी पा विका चिरका नः भूर हो। हे नका र सूर्या नर है र्झे दसारे न्ना दस यर चल्ना यर उत्। प्रेसा है लेश मु न है पर सामा क्षेत्र यात्मार्श्रम् याक्ने वर न्वेद्रायश्चार्थं। श्रामुवावायात्मार्श्वाशायाद्वार चे.च.ज.शून्।स.चटु.स्रंश वृ.चींच.च.ज.संस्त्रैंच.च.चींबेट हू.।। अ.चींच.चर.लट. वयान हिन्दर व के द र में व में प्रेश ग्रेट म.पीय. त फ. श्योश. तपु. चिंदि. पर्ये वेश र. लु १ . ७ . थे. ग. र. स.

्रन् सर् केर व रन् सर् रें र कर हेर ग्रे लेख ने न कें केर है। क्षेत्रचाताःस्वासाचर् सुःव्वाचाव ददाचरे दुराव दरावरी। द्वावरा भेता लेक वाक स्वास वर्ष स्वारं के नहिना वर्ष खेता उर लेहे के लाद इस मुद्दार से के यर'वर्देर'डेट'। इस'म्बट्स'र्छेर'इ अट'र्देर'छ'र्दर'र्छ'र छ'र उर्रे ने मूर व स देश य केर गुट थी शक्त कर मल र इस यर महिंद यर हेर मां लीक के लिया न व के केंबा उर दे ता क्या चर नाव या रावे केंबा क्या हों वर चुेदायाध्येदार्दे लेबाचुावदे द्र्याहा। देख्यावाच्यावये ख्रायालेबाचावा पर्. कंत्र. तपु स्त्रम. विभावातातात्त्र. तपु. वी. वा. हुर . या. स्वामा वा. सिं दश दश स्था... द्रश्रायर लेश नु न दे दे । मिंद के दे । द्रिश के द्रश्या के का न न के न दे न के के का न न के न के के के के के मिर.तर.चिर.सूट.व.र.। श्र.सूट.व.रच.चुम श्र्मा स्र.वर्.पह्स. यद्र.क्ष्यकायाकायाव्याकायाव्याकाताकाया यर न न व दे हुर न वहर न मार प्रेम हो। यम अना कम हो मार प्रेम प्रेम प्रेम दे बैं ह्र- विमान है। य हैं दे हो। अं रूर देश य बैं दिन प्रमान है। इस पर वेशन ने निर्मा व स्थान स्थान के निर्मा स्थान है ने स्थान के निर्मा पर वेशन निर्मा यर वृषाय भेतर्स्। दे वलेत् नु नालक न्ना मीषा भर ररा मी क्षा यर पेषा नरःर्गा दे.पचंत्राभक्षांचालेशाचीयात्राक्ष्येकाचान्त्री चेथानदूर **८च्चैतश.७१.**चिषश.ज.श्र्याश.**९.८च.चूं.७५श.**चे.भथ्दश.त.चार.ला४ ८७.चूं... भुष.त.हो रुंट.ज.सूर्यमा.तपु.रचुंतश.६१.मुं.यांडेयाश.ज.सूर्यमा.त.ट्र.मेशश. मार्डेर्यामाराधीरायादेश्य प्रह्मायरायह्मायरायमुरारी। देहेर् देहरा नु'स'लेस'नु'न'म'र्स्वार्थानशानशानकद्रचर हेद'र्दा। हस्र नु'स'र्र्भ रूद् ब'यदः कें मी विमेश रेट. हैं. ज. श्रम् श. च हैं हिस . लूरे . बे. लट. हूं।। चाज. हे . विसे च. ज. स्वासामा मुंद्री स्वासामा महितामा मुद्रामा की राया दे । यस दा दु । स्वी राया दे । स्वी राया दे । स्वी राया दे । लुब.तर्. ब्रैस. थूबा.चा दुवा.तर. थ्रा.पवीर. स्. ब्रे.वी वाञ्चेचाका.ज. र्य्यंश ता <u>बुंश,नै,न ज.शूर्यकारा श्रूंश है।</u> चिंड्यंश,ज.शूर्यकाराजु टर्या.हेर.नीज. रे.वैट.च हेरे लुब.चपु क्षेत्र वाडियश.ज.श्र्यश चार्.पट च हेर छवा मी.वेश. मायमार् म हैन सायोशयारे हराता मार्च महिला है न म.क्बं.लुश ब्रु. खेश वि.कुचे.ट्रॉर्ट.स्र्रा चेश.चंट्र.श्रेश उचेश वे भूच ज. स्वाकात्तव विकासर प्रेशांचा हैर सर्वासक्षा हैरा छर्। हा स्ट्रासर्वे र्या र्श्वर व नार त्येश व ने वहूर वरे दर देव विषय नार व लेंद्र व दे दव के देव होंदे व लेंद्र इन हैना सुमायदे सु नाले मधुन या मेरायदे हुँ र रें। रेनामा स्नामा देनामा नहेंद्र पर के कुर के नाम नहेंद्र पर के द पा के मा प्येत के कि प्रदान के किरा पर चुदायाचा स्वासाया येदासा भेदा समावस्यावसा नार्वेद्राया संस्थाय राजा हेद्रा य प्रेन पर हो स्ट्रां देन हिन पर में हिंद पर में हिंद पर हैं है।

मी'विदःचरःवेदःवाधावाक्ष्यंभाषाध्याक्षाक्षात्रहेरःचामेद्राचराही। देवस रु.पुट.मु.मु.र्रे.ल्ट्ब.शे.म मिट्य.त.चट लुय.त.टु.ज मुट.च.त.च में ह्र्रतर. नुर्याक्षेत्र यदे सुराक्षेत्र केटा क्षा केटा केता के लेखानु या निवास मुद्रा पर विद्या न्द्रेन्य द्राप्त द्रिन् विद्राप्त व गुः झु दे रदः ने १९५ तरः से खेंदाय प्येया। र्हेन्याय दे सु वे सेंदाय प्येय वि विभावत् सि.लटाविभावत् विथावराजा वर्षेश्वावशास्त्रवाश ह्र्यावराहे्यायाः भाषा ले.बा देवे.बुर रेनाश.र्ट.क्र्यांश.व. यहूर.वुर.वव. लेश.व.व वा র্যুন্ধ'ব'শ্লুম'দ্রী भेद मी र्देनश पर ने प्रदाय ता नहें साम के अपने दे लेश मु न के रेंद्र <u>दे.७ूर.मु.द्वैर.चा9्चेशल.सूर्यास.तटु.कू</u>र्यास.यटु.सू.७ूर.टट.चार्च.सर्वेर. यर हर न्यत्र हेर लेश नहर पदे हुर देश लेश नु न या सन्स या हूँ स सी **ब ५५'च'म'वर्डेक'दस गुटारेनकाहॅर्न'चर'वर्रे५'च** हैर'नु'वर्रेर'र्ने के दा । सुसा चतु.चो**रक्,श्रेचक्,क्ये,ची,**चोडिचोहा,ज,क्यूर्काता,चीका,चपु, देश,तर,चोरंहा,चपु हैं नास सदे हिरासर रे व्यावर्षेस दस तुस या वहें (या प्येर रे) मानुमायामाओकापरादमायरायवदायाक्ष्रियाभे हुरास्त्री देश्वीमायभे **पिर.तर.क्षक.भु.सूर.तक.**७४.वे.च.च.च.ह्येबल.ह्र्.चर.वेर.चर.चेर.चर.चेर.चर.चे चुद्रायाम्बरायसानुसामा व्यास्तिम्साया दे दिन्द्रम् द्रात्र हिन् निवि अस्तर पाहेद क्र्यास.चन्नु.सै.वश्वस.वर.क्र्यास.चन् विर.चन ४.चर्ड्स.वरा. **ব**'বশুব'র্না

रैनार्यां के स्वार राष्ट्री वित्र हैं मार्थ के ले के के नार्य पर्दे से सामा मार्डेश.टे. ब्रेश चे.च. म. स्योग च. श्रुंश. स्रा 📗 ४८. ची. प्रू व्यंश च. वर्ष पा. च र्रेश.वर्श. **बेस.चे.**च.बु.माड्यम्ब.ट..टु.ट्ट.च्य.स्यास्याच.च.च.चर्स.दस.स्या होत. ट्रेस.दु. केन'स'र्भेर'यरे हस त'तहनाय केन'य नाय पर्येन परित्र केन'स'र्भेर हाँ। प्रमाय ुन,नो,ुंस,चे,च,रुं,चेश,च,ज,सूच्या,चरु स्रेट्श लेय.मी,पिट,तर.ज.चर्स्स. वसाबिशामु ना वे रहा मी र्हेन्सा ना उदाया नहीं सावसा हैन्सा सरी सुरी ही ने दें है কুনাধানতু, ষ.২২.জ. বর্জ প্র জুনারানতত, শ্লী,২৮. জুনারানত, ব.২২.জ. জুরা.... ब्रार्मिश मुं भू प्येत क्रिं। याके मारे हिं के देनाश दह केंन्श कहें देनर नुर्यंत्रे स्रास्ता वडियायाया स्यायाय र रे र्या मी स्रास्त्रा सर् वृक्ष चन दि पर के त्र्र के त्र के त्र के त्र के पर के का पर के का पर के का विषय के ति व **୯**୭୭ - ୧୯୭ - ୧୯୭୭ - ୧୯୭୭ - ୧୯୭ - ୧୯୭ - ୧୯୭୭ - ୧୯୭୭ - ୧୯୭୭ - ୧୯୭୭ - ୧୯୭୭ - ୧୯୭୭ - ୧୯୭୭ - ୧୯୭୭ - ୧୯୭୭ - ୧୯୭୭ - ୧୯୭୭ - ୧୯୭୭ - ୧୯୭୭ - ୧୯୭୭ - ୧୯୭୭ - ୧୯୭୭ - ୧୯୭୭ - ୧୯୭ - ୧୯୭୭ है: **श्रे९'९' म**डिया**स**'ल' स्र्योश'य के लाय हैं इंगर 'बेंस'यर हैं इंगर हैं चि.चपु.क्रुर.स्री विभाताजास्योगनाव बुकाचि.वाजाजास्य संस्थाने या चित्रः **त. श्र्मेश. तर्, यर्**च केरे. चीट. ज. श्रमे. ची. देश चर. पुंश च. ज श्र्मेश. तर् प्रचेश . वु क् क्रिटेक प प्रें पादे भारे क्रिं हुर्यो है न महे प्रत्म केर कर

्रे-्न्ना'यस'नाहेना'सेर'५'वयुट'य'यस'नु'सदे'त्युरू'यु यदे देव दें। प्यदायः केत् गुरेश विवादा प्यदाया दे दिए वनाया वा दे सा खुरा परे व स्था हुः कुरालुबाचराविद्यालुबाचानु क्षेत्राचा चिताचराचेताचा प्रवास विताचराचेताचा स्थित यव्। देवे अप्ते भेदे अदाय द्वाया अदा लेखा द्वाया या खेवा अवाया या देश देश भैना में स इंग चर ने स दाया सं न साया सेन या सेन या हैन न एस यो र परे ही र ने । नम्बन्दर्भानुस्य साध्येदायर दे लेखानाय है सुकाय मुद्दाय उदानी देशायर प्रेस **ก.ผู้)** โชนิ๊ะ.น ¥พ๙.ห.ผู้๙.ปะ.ช2.ปะ.ลีะ.กะ.วิ.ปัป.หู2.ป.ผู้ป.ญ. मुरार्चा वनुरावा वे वर्षे १ वर निवेद न्'वियुद्दान्'ठदानी सुद्दार्डना'नेन्'यानाद्याः स्नन्य नाव्दाया नार्वेद्धाद्या रहेना म्**मैं इस यर भेस्र य में रेर्ड ले** बा देरे मुरेर रे स्रायल राष्ट्र या उन्ने नार्याञ्चयसः माल्राप्ताणादः लेखानुः मः क्रिके हे। देखानुधाः साधीयः वेर्ताबुशायी.वर्ष्ट्रीयार्थे वर्षास्त्रीयस्य भवस्य स्थायस्य स्थायः क्षेत्र'यते: क्षेत्र: र्ह्या विकास विद्यार प्राप्त माण्या मेत्र का केत् दि स हुर बुर बुरा व यादार विवास । व वुरा या र वा स्वा मा वा विवास है या स्रम् दुः सदे नद् मा हेद कर भेर वी। कर दिहा य या स्वास य रे हुँ र में देश मु:न'दे'तिहुन'य'द्र 'द्रमुद्र'यर'रेस श्रेस ग्रेस ऑस्य नहेंद्र यरे 'सुर नहेंन'य' इसस.ग्रेश.पहरे.तर.इचाश.तअ.भूथ.र्।। स्प्राश तर सीश.पु स्प्राश पडीचश. माय स्मार मात्र मात्र मात्र मात्र मात्र सम्मार मात्र सम्मार मात्र सम्मार मात्र सम्मार मात्र सम्मार मात्र सम्मार स तार्थभात्तरः चेश्वात्तात्वेश्वनाताः वेशायाः लूर्यः ताः लूर्यः चे विश्वायः याः सूर्यः श्वायः याः सूर्यः प'नशु'च'ल'लाक्'चन्न' केक्'च'क्र'क्रमा चरेक्'ने क्रम के'वर्त्रेल'च'डिन यदे क्षेत्रकार् के मह् मह् पहुत्रका क्षेत्र हैं लेख हैं के हित वर हैं। विका भ्रम्य द्वीस्त्रीत्व वर मोर नु वर कुष व से द व कर वार प्रेर्व दे है तरेर ... द्ये केट्र अट्वे पर दर्दे प भेव वा रे अ मे प्रे द्वार प में रे अ कि मी मुं कुर मुक्त वियाय प्रति । दे द्वाप्य या अदारी मा अव परी मु च.टे.केर.व.विय.तर.ट्रेट.च.टब्यंत्र.च.ट्रंच्यंत्र.चर्या चैर.चर्त्र.चर्यः भ्रवस्त्री मिर्वर्यर र्टा भेर् मि दस्य यर मेश स्याय स्रित्य वेस न व दे स्थार्ने श्र्वास.तर्.स्रां १.भूचा.ज.म्यां स.तरं.वं स.चर.त्स.च.चडिट.ट्र. बुद्रामुद्राचर केत् वर विद्रावर मेत्रवर विद्रावर हेत् वर विद्रावर विद्रावर हेत् वर विद्रावर रदःचलेषादे त्यसः विदायरामेदायात्रवृदायये वद्य केदारेशानु वदा भूरार्से । देवे प्रवस्त व के देश है । यह के प्रवस्त व के देश है । यह के प्रवस्त के देश है । यह के देश है । यह के देश है । बर व विच चर चेर च भे रसे नस चरें।। हे बर नहेना ने मुं सर्द्व हैं मु मक्ष र्। हे भर रे चतर पर में स्मिर किस ने व हो। হ**र.१स.**घर.पुंबात.भट.त्र्रा.पचैट.चठु.धुँग.मुंब.ट्री 2नेबास.पचैट.च. निहन केर भेर पर हेन के क्रिंग पर हैं न पर हैं न प्राप्त कर हैं। न प्राप्त केर प्राप्त कर कर कर केन । मदः व कि मु मु मदः हेन' म किदः वा देश हैं। देश हैं रतुन्य र व तुरः व वर्गः कृर्नाकुनातानावर्राचार्यर्पाचार्वे सामित्राची। व्यविग्राचारेस महोत्राचार् स्तर के लिस है म्नद र नमद सम्मेद ला भद के न मार केद से केद क मार देन द विनानो केंद्रनुनास प्रमुद्दान सद सं ही नर प्रमुद्द रें। दे खुर र हेन ह रहें यर मेश्राय सदार्य विद्युदा यर प्रसूर विष्ठुर प्रोक्ष के विष्ठुर प्रदार है?

मेन' नवे देश हन देह नेश मु न क्रिंश है। रहा में रेना रा में देश ता सामालन मार्वे रहारे मुझा से दार्थी महासार्थे दाय दे स्म दे स्मर् छेरा नुर्थे। दे दे मादामी कें लेश मु पाय कें निका पका पक्ष प्रता प्रता होता है निका समुद्राय प्रता लहा ल्र.म.भ.लु ४.७४ में २.च.१ में २.च.१ च.ज.ज.च.५ ५ ५ ३ च.ज. ४ वें र.च.क. भ. - र्येन् यामा प्येन हो। वहेना हेन या र्ये प्राप्त सामिन स्थेन स्थेन स्थेन स्था होन वायान्य विनादेवासार्याम् वारामेवायाचे स्वराद वहन या होन्या याह्य वा न्ना पते न्वन्य प्रतुष्टा व प्यट ने वे के पर हो व पते के साल के ने विषय Mरमा अस या के मुरादर प्रमेश निर्देश निर्देश के प्रमा से का में है है से दिए निर्देश में प्रमा **रे.के.स.लुश्च.च.रवे५** पर्वेट.व.रे.ब्र.रे.लब चिषयात्तात्तास कारचालस तप् रवे५. त्तुद्रायान्द्रायत् वदेष्यासर्भाकुन्यान्त्रमायस्यायकेनानु वित्राने। केपरा त्ये अपदे कु नहेन हेर प्रे अपदे स्ट्री पर के दे दे ने का रहीं रार प्रमुर नश्र-दे. बुना नेबना न् वि: र्न. नः लीका कश्र होर हे. बुश ने न हे. पर हेर अर हुन भानाद्यता.ज.स.र.त.त्यराचेश्वराच.रचेयास.पर्वेटा.च भक्त्र सर.हेराक्री.चाहुन द्यं में दिवेशका पर्वेट च रचा है सेर हुना क च हुने ज कर केर त करे हुने हुने हुने हुने ज हेर्नाश्चर र त्युर हो। दे हे खुय घर्त र लेख छ व य सेन्स य स्र्मेश संस् महिन् सक्टा के स्ता विश्व तर की त्यार की त्यार हैं लेखा मुन्त के महिना मी ਫ਼੶ਫ਼੶য়ৢ৴৴ঀ৸য়৻৺ঀঀ৾ৼ৻৸৻ঽ৸৻৸ৼ৻৸য়৻৸ড়ৢ৻ড়৻য়৻য়৻৴৻য়ৢ৴৴৻য়য়য়৻৽৴৻ঢ়ৣ৻৻ कें प्येत यादे खरादेश यादे या हिंद वदे प्येत यर वह यर मुर्वे। दरेर वा मिं व्याच्येत्ता के विष् विषावान के अभव शिक्षः नह नहन के ने वर्गा हैने वर्गा । लीका

मु दम पा ७४ हेर ता स्वाहा पर वा पर पर पर पर पर हेर में हैर ही रहा में हिर ব্রমানহামী দ্রন্তুহারী ইাদমান্ত্রীত্রাই স্থ্রিহারাই বাহার্বাদ্রমী দ্রন্ত্রী হার্বাদ্রমী দ্রন্ত্রী হার্বাদ্রমী चिरा.वेरा। त्रव.क्ष्ये.क्र्या.चप्र.जिरा क्ष्यं.येशस.ग्री.चिरे तर.ग्रीशःयेशःतर.चर्चया त. तें ब मुद्द के प्रमास्त्र के कि प्रमास के प्रमास के प्रमास के कि प्रम वे.मैं. टे अ.पशायवैदायर मौरायां में दुशाविश यपुर रदायं वर्. टे. देशायर योग्या ंगः**डकः र्फे**क् र्क्ता हिते **सुँ**र देते कुंग्डक्ष संध्येक्ष प्रदेश्व स्थान्न प्रश्चेन प्रदेशसः चुंश.तर.चैंर.तरभा विव्यक्ष.व्य जरमे.जश.त.र्पु.भू ह हेर.भूमे. मी अर हुवा स विहेश त सूचा व स मिश है। उर जिल या छ र वसा व विद्यारा मी माने खेरा क्षा पर प्रेश या ने प्यार के प्रमुख के हें ने स्वार पर ने प्रमुख के प्रमुख क तनुरार्ने॥ दे**'नस'द'वर्दर'**ष्येतु'याद्वेतु'याष्ट्राकेर हुँसावाधेदादा **लेस:हॅनेस:मर:वर्शे** भारती:खैर है ग'यस:देस:मरे खुय:हर्न है र:५८% लीतात्रक चीक्रकात्व द्वार्थ द्वार हेर्चक र हेर्चक र हेर्च कर हर्च कर हर ेवेश'यते'भेर' व्याप्ति सार्व सावारम् । तस्य हेर्न्य स्वरं पर्मा हेर्न्य स्वरं पर्मा हेर्न्य स्वरं । रत्यब्रिंग्ड्य ही यदेवे छैर। व्याप्त माइनास द्वास हो यस

ग्रद्भावश्चेत्रयाधीर्भावर हिन्स धर न्तु न की च दे खर हा . दे दि दे व्यश खूना यमार प्रेम स्वादि दिए परि केर के वर हिरावरे मिरावर प्रेम हे विषानु विपरि भेजा। मायाने क्रिंचाया देवका नर्देका या हेन क्षेत्र या प्रेत्र माने क्षेत्र है । हे एक ता न न करा न हुन लुब खे.वे। क्र्मातर क्षातर हुनात है क्षातर जेशातक वडा ने न जंसक चुःभेदःलेसःसुःलेनाःसुःददःगुदःकुःदुःसःससःसुरुःदे सु चुरःगुरःयदेःददःनीः..... मर्जन केन् राजन महिल्ला के निर्माण के किन के निर्माण के किन के श्चिमायाध्येतायादे स्टार् हे हिर्द्यस्य द्वास्य द्वा पर्दे त्या वहूदे त्वासा दुर्द् म्र्रे. में . देश किं . तेश किं . तेश किं . तेश तह हिश शि. नेरे ता सेर त <u> लेश.व.च.व. हुस.श.चेर.व दु.भ्र.चश्चात्र प्रचीर हु॥ ट्र.केर.व.क्स.तर.चेश.</u> त. भू. चांसका चरू, के भार्षे पर भूसावा हिंदा रे चांसका चाड़ी , देश वर जुलावा मार्ग मि.च.धु.इंभ.तर.पुल त.वेंश.व.रेट.चेल.च.ट्र.लल.सुंश.में इस.तर.पुल.तस् । बुँबा गुँ देशायर के बादा रेट हुंबा बी अधिशत है तब्दे हैं रे चीर व बुंबा में हर **ब्रुन्न्रा सःसद्धितः**श्चासत्तुत्रः यःभरः ख्रुषः ग्रुह्मः यनः विश्वः य**ः नद्धि** सत्तुतः मर्जा देवेदेवे कुर्द न्यस्य स्था है लेय स्व न है। माद लेन हैस सुम्मसुर त.रंटा इंश्री भु.भवीष ताइल श्री.पुर.ता.दे.धु.मी.क्षेत्र की चीट.चुम इस.श्री.रेश. मंद्रायमान व हुं ररामे त्वुर हिर । अप्रभावश हुं पर द्वुर व धेव व्या श्राचेंश्रवाश्चर्यारा चेश्राचु प्येश्वराय हे चुक्र लेश्राचु ना वेश्राचु प्रचान **নম-ব্ৰ-ল-প্ৰেন্**ৰ বিশ্বেষ্ট্ৰ লিখন বিশ্বন श.जूबे.ज.

প্ৰাথান ব্ৰথা প্ৰ'মাৰ্' ব্ৰহ্ম ক্ৰিণ বছুই 'বাধা ইৰ্' দ্ৰী' ধা ব্ৰণমাৰ্শ্লৰা বা বা ক্ৰু' গ্ৰহ नु च निर्मा प्रमेत देश ही ने पर में भेद च प्रमा में कर में बर **ୢୖ**୰୕୵**୕୵୶ୖଵୣଽ୴**୵ଐୡ୕୵୰ୖୄ୵୴ୡ୲ୄୄୠୣ୕୵୰ଽୖ୶ୣ୵୷ଊୖୡୖୢ୶ୖ୕ୢ୕୕୕ୖୠ୕ୡ୳ୠ୕୵ୠୖ୳୲ଢ଼ୖ୵୶ୢୢୡୢୡ୕ यत श्रुद्ध त्रक् में मिर्म पर्दे वर्षे पर्द्या वारा हे खिल है सेसल में लेख है । र्सिन्स प्रसानिक में प्रदेर पर रेन्स प्रमानिक प्रमानिक मान के प्रमानिक में याताः स्वीताः महात्महात्र प्रदेशसाय हिन्दी वर्षः सेमहा सुर्धाना वर्षः लना ने ट्रा सिंग संस्था सामासिश ही महे मु त्री में हैं लेश नहें सा निन् र् । भरे प्रशाद द्वारा या में हे मा त्या प्राट न्या म्या प्रति दें महा पा रहा ना प्रोति है। देवे अर वना नम् केर के स मुन्य के ब्रिक्ष र में नवें। दे केर से से र से सकर केर उसामा वा के में र मेर पदे मर्का केर केर हो। दे हर दारे लेगा पर वा दायाया वा मेर दे लेख नु न दे म मदे तु स नाल्य भेर् म त्ना म न मेर म भेर है। नायर मारुष्रामी कर्मा सेराचरे किरासी स्रुवायर मिराया पर में लिया वस्त्रापरे मुरा दर्भामा मार्थे में मकेर हि मु १ त्य वेन १ र र वें मार्थे र त श्रुंबर्देश्वया लेखाये वा के प्रवाया वा खेर वा पर्दे वदे प्रवाय लेवा यहा ही। रदानिषेद्राचं प्राप्तान्य मदान्य विषानु न देश्य के विष्य के प्राप्त के प्राप् मान्द्र सुंभित् भी मकेन हिमां हेन किन के कि मान निकार के कि क्षां इत्र स मुवाया भेतात् लेखानु या है। हुं सकेन स्नार हेणा साहा साहि क्षा ૱૱ઌૢ૱ૡૄઽૢૺૺ૾ૹ૿ૢ૽ૹૹૢ૱ૻૼ૽ઌૡ૾૽૱૽૽૱ૢ૱ૺઌૢ૱૱૱ૢ૽ૢૼ૽ૹૹૺ૽૱ૡ૽ઌઌ૱*૱*ૺૺૺૺૺ पते क्लिंब्स र्क्स विकास मिल्या मिल्य

स्रेर दें। वार्य नावर नुंदर् नर्ने नाय नाय गुर वेश मु न के नि के नि दः विद्रा हर्षा द्वारा द्वारा देवा वरा देवा वर्षा व दे वासं मिल्यामा के द्वार में वास अद् केन मामा के वाम महिंदा मार दिर्गाय । मुर मुंबार वावरार रेवारा पासर मंच विराधेर पर है हैर। सर् सर्र पर बु.पर्टर.पट्य प्रेम स नाविष कुर वर्ष्मितशासर ये.व.ण। पर्वीर.च.भक्ट खुर. बुस.चे.च.चैं.चहेर त.रू.स.हूंस.त.हो। टे.रूभ.बुच.चहेर.ची.चेश.चर.दु.स. यहर दश दर्दे पर चेद दी पर मेह मेह हिर रहा यह र दश र पाल के हिर है। यते देव हों। मानुसायार्थे या १५ दर्गया सेन् यते हीर १८ विवेशनु मुक्ताय केन् वार्स्स्रियं लेखानु वर क्रिया क्रिया वर हुर रिं। वार्य हे खरा वर हे हु व लेसानु व षा. श्रृष्ट. तथा. रेत वस्त्रीय. तरा वी. तथ हीं ए ता है रे. रेष्ट्र. ता वशी. व. प्रशेषी ही अहरे. ' র্রিড, শ্বর-এর রাজ্য প্রস্কু, প্রস্কু, প্রস্কুর্থ, জর্মপ্রম্ভূর্য ব প্রস্কুর্য নী । ୕୳ୡୢ୷ଊ୶୕ୣ୶୲୵୷୶୷୵୷୵୷୵୷୵୷୵୷୷୷ୢଌ୕୷ୠୄଢ଼ଽ୷ୠ୕୷ୠ୕୷ୠ୷ୠୄ୷ୠୢ୷ୠୢ୷ୠ ्रदर से दे से दे हैं से वा से नासा नाई नासा नासद ये दे खास द्वार ये दे ्यर्गा केर खन केर प्रमुख्य व केर भेर प्रये खेर सी माय ने में मुना हु ह्य प्रये मिल्दांयस:न्यद:सं यस:रेगानुरे:यन्य:कुन:ठक्नी:श्वयः मलक्रार्यद्रायासायीकः

नः अः १८ अरे भे ला अर्चा श्राम अरसा पते । स्र अर्थ पर सा अरे रे लेखा प्रति यर मुर्देश न्यर वे त्यक्ष भ द्वार या सेदाय प्रेका का दे त्या सुझ है कु प्रेका मी। न्नर में न्ना दे अ प्येद दे विश्व नु न न्नर प्यश्च प्रदे न न्य दे तु मुद्द सेद ने दे हैं म् त र्न्याम नपु महर्रे हेरं देवर त्र वर म लेव ता में लेव वर प्री तर प्री इसायर हेनायायहीयाष्ट्र सावहेदानुष्यायरायणुरालेसान वाद सर्थिद वी । रेते हेंस सुरत्यत्स दसर्योषायाधारत्री भ्रत्र र्वातार्यात् साहिना सर वया বম বেলুম মি জিল ব্ৰ বম মি মেলি ছামাবলী গাবু লি লাব্ৰ ব লী লী স্থম মিলি रेमामेर्यायात्रवात्रमायरायेमायाक्षीत्र होत्राया हेना हरामायी निव्हा यर प्रचीर बुंश हर यथेर य रट पर पर प्रशासशास्त्र र पर ही पर से यर विद्युर हो। दे यस व हमा उर द्यार हो दु सा विद्युर पर विद्युर हो विस नु व दे দ্বানী ব্ৰাপ্তৰাৰী ক্ৰাপ্তমান্ত্ৰ ব্ৰুদানী ৰাজ্য প্ৰান্ত বৰ্মী মানামেকা নুদানালা **ष्येक यादे के दिन द**ाहेश सुर राष्ट्र वादे प्रत्ये प् ୕୴ୢୢୢୣ୶**୕୵ୖ୳**ୢୠ୕୕୴୕ୢୠ୕୷୳ଽୄୠ୕୷ୖ୵ୖୣ୵ୖୡ୲୕୷୕୷ୖ୷ଽୄ୕ଽୡ୷ଌ୕ୡ୕୷୷ୄୖ୶ଽ୳୷୷ୖଽ स्थान्तर्रे, भर्ते तु. यतः कुष चर मिरातः १। वि चर् प्रिश्रः तः श्र्वशायः तः ्रवर व राष्ट्रायम् त्रमुमः वर्षे क्षेत्रम् स्वाय विकार् क्षेत्रम् विकार के स्वासः भद्र'यन्।'ठद'मे हस'न्।हेन्।'छेन्।'भेद'दमा हे-इयाझ'रन'दम'नर'से म्प्रदान<mark>्ते लेना नहेन</mark> है साधिक है हो नामा बिका स्टी ख़ुर स्ति ु नु सि हैन समाहे । ने ने के प्रमा वर्ष है कि मान प्रमान के मान में मान में

इत् मेद् यास्त्रानुःश्वाद्यरावनुरार्ह्य। विक्रियायायायायायस्यान्तरा लट.१८ म.भ.१८ थे.लट.रेवट.स्. श्री.चर.भु.८मीर (बुट.। के.चर.श्रीर. ସ୍ତ୍ରୟ: ପ୍ରମ୍ବର୍ଣ୍ ଅଷ୍ଟ ଅନ୍ୟୁ ଅନ୍ୟ ଅନ୍ୟୁ च.च.मा अस.मी.चरचा.३२. १४.मी.७वैट.च.चट.लूब.च.टे.३२.मी.लूब. भा देन्द्राञ्च अपने खुर लेश नु न के प्रमानी देव हो। से से दे ही ने चुर प स्तुन ने र स्वा स्वर भेर पर लेश न पर दे रम र र्गिया गुट है स्वा स्वर " खेद'लेस'नु'न'ख'र्स्न्।स'स'ने 'झेन 'ख'न्द' खद न'न'न प्रत्य (वेन) नु'स' बद मु। देलसः समाम्य म्यूराय १६ स्या समास्य साम्य द्वा देव'मालक'र् अद्वास्य पर्दे सदे सुका वा मानका स्व है लेक सु पाकी हिंद सी भ्रित्र समान्य या वदा मुद्धा समान्य मान्य पा वदा भी या 'दर्दे तुमायान्त्र कार्य मी सेमसाद दि ।। दे हिर व स दि साम दे । क्षुंचाय मध्या दस क्षेच पर्वेश पान्य पार हर भी सेमस वे प्रदेश हेव मालक र मर्दे पर वर्ते पदे त्यक ता निवंश प उद मी सेम्स हे म वर्द्य पदे ही वदे अञ्चलमावन द्राक्षेत्रमा र्श्वर या प्रकृति । अञ्चल स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत नित्र वे विशान पर्वे। निर्देश वर्षा पर्देश संस्थान है कि संस्थान के स्थान के स्था के स्थान के चाल वर्षा नार माले रायदेश प्राप्त करा में भारत स्थानी भारत स्थान में रायस . सुरे मी र्द्र तिराकी संस्थान स्थापन केर केर केर कर था केर न्द्रःवरे सम्मान्य पाउदा वे क्रियासस्य सुर्दे वर विवार वास स्वरी ।

रेतर.थ.रच.राष्ट्र.जिम.ज चर्मात.व.२४.नेम.ताप्र.जम.चारमारम.त १४.ने. हामस.. न्दा केदाबळब्रका ब्रेंदाचा बेदाया ब्राइगा वर्दे पर के प्रमुद्धा निर्दे पर के प्रमुद्धा निर्म निर्म निर्व पर के प्रमुद्धा निर्दे पर के प्रमुद्धा निर्म निर्दे पर के प्रमुद्धा निर्दे पर के प्रमुद्धा निर्दे पर के प्रमुद्धा निर्दे पर मालकः मी श्रिकात्मानका या उका केदाना क्या का स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्व दें अदः संमुच दः अदः दें लेसः चुः दः क्षेंसः दे। स्रोग्रसः उदः नहिन में क्षें प्रदेः प्ति, तर लट क्रिट्र प्रविध केट्र मा चीवा तप्तु क्रिट्र हा। ट्रा क्रिट्र क्रुट्र क्रुट्र क्रि. वार्ष्यस क्रिट्र य वेशन व.प. श्चेष त. श्रुष श्रुष वेश वेश वेश प्राप्त वेश प्राप्त वेश वेश वेश विश्व य.बु.मै.रं.भ ज.भु.पंहेंचा.तपु.सुर.स्र्रा अश.ज.चथंश.च.च्याचा.तपु.सुर. लेखानु न वे त्युष यक्षा **सेस** या मात्रका या माटा प्येव या दे ह्यूरा नामा यह ही ही । खिश्च दर् य ता नावस्य यदे हुँ र लेश तु वदे नावत के नाय दर मानु र प्रे बुर बुरा मि. चरार मेरिका ह्या विकास मार्थ है दे हैं है मेर सिका मार्थ मार्थ है मेर सिका मार्थ मार्थ मार्थ है मेर सिका मार्थ मार्थ है मेर सिका मार्थ मा बार्याबाह बरादवदार्व दे क्षायर प्रेमायादवदार्व मायहेव वस क्षेत्र वह । र्वट चे लक्ष वहेत्रक्ष क्षेत्र वे स्वयं वा वहेत्र क्षेत्र मुन्य हिराय विकास वा हिरायीता हैं। असाने देवे वदना हेद उन भेन वरे छैर हैं। दे इर न सुन्न भानान स य केर के ब. ब. ब. ब. च. च. च. प. कें मार चेश य बेश में के मार यार्झ्सानि। नाल्यां वे पन्याम हिन् ग्री क्री वसायुसामा सेमसामानसा समाप्ति । रें। रे.के.बेर.वीर.पर्यं अध्यात.लटाच्याय.लाध्याल्येशकी ट्रं.ल बहुच दशकी. वादी सामीदाय दे अन्त विक्रिंग प्रदेश सामीद विश्व है । से मानेद्वाय केते गुराकी क्टांब्रिस लिजा के भू स्वरंश नाई हीर हूं बेश ये व श्रिस स्वा व स्वीर हा थू. **२५५** न नहेन य हेन झें न्या श्रया वा से स्था मन्या या है सा प्रमान हो। विन ग्राम ्राया वहेब दश्युं व केरायो १ वी। हे क्ष्या मान् के के स्थान मानु कर के स्थान मानु

लेना देवे भुरदे समा भुमाया भाराना इसाया धेवाव लेखा नुपा हो साही नामा हे. तिश्र जम्म श्रीम त हेर ज. श्रमम . में विश्व चर तर्रे र तर् दे हें . में . चर . इस्यायाक्वानी नाव्याया वे असास्य याद्रानी सामाया राज्या सामाया राज्या है है चीर.व.जम.चेयबद्ध व.सुभश.स्रेश.व.(ब्रिध्यो.व.दू.जिश.ज.च.स्य.तर.प्रचीर .. लेट। दे.ज.चेबश.चद्र,शं**भश.**चंबेब.ज.हेट.भक्षश.हिंद.चर्र.केट.हे। ४८. मु.मेर.ज.वेट.भश्यकाश्चर.चढा.देर.भ.एक.चर.एमीर.र्.।। लेज.ज. नर्यः न्यं मार्थः त्राप्तः विद्यारः नुः नुः । नायः ने द्यारः विद्यारः व दःलेश-व वःषःश्र्वासःवःश्रूर्स्।। व्यापः त्रुस्य यः म्रवःवः कृद्वगानाः वः मुन वर नेर्यं हेर्मार प्रेव मार प्रेव मार लेख। मुन वर नेर्यं नेर्यं प्रेर नेर्यं के न्द्रमार्च वे नहिं ने कि प्रकेशयर सुराहेन कि प्रकार सम्मान साम सम्मान बिश नं न महिन ने । देन दमश हे हे मा निर्दे द विश न ने मा सिन्स दारा महेब नस्यान न मेर् हैब हो। निर्देश सु कर मु देश निर्देश निर्दे ्रम्थमान्य वेश नम्बूर्तित वर् रे.मीर त.लुर हु।। हुर् म्टरा त.लूर. ेगु : प्रव : १९ : गहर केंग्र : प्रव : बेटा । केंब्र : व : मारेश : मारेश : व : मारेश : व : मारेश : व : मारेश : मार व्यद्भावन्यम् छत्रपुर्वजुरावाकेर्यम् विश्वानु विश्वान्यम् देशा त. बुंश.चे. च. चु. चेट. चेंच श. जश वंध १ टे. चेंट. चेंचश. चंधुश टेट. संशिष्ट प्र. स्वंश. र्मर्दे। देन्त्रन्तुंन्न्त्रंन्न्त्रंन्न्त्रंन्त्रंन्त्रंन्त्रंन्त्रंन्त्रं

लटा । मिटानीबारानमेर हु सकूट मु.वेश ॥ ् बुंश झॅंश.त.लुव हूं।। <u>ৼঀৼ৽ঀৼৼ৽ড়ঀয়৻৸য়৾ঀয়৽৸ড়৽ঢ়ৢয়৾৽ঀ৾য়৽ঢ়ৢ৸৽ঀ৽য়৾য়৽য়৾৽য়ঀৢ৽৽৸৽ৢৼ৽ড়৽</u> मीका पहिमा पर भी प्रतीर पर कि सुर्वे ।। हे भी दाव प्रतीय सुर्वा नु सुर म लेश च च के महिंद च ता संग्रं पदे महंद के दें।। नालव द्रा में भ मि रे. भ. हे. च कुरे. तपु. तपु. च कुरे. यु. रे चे र चे र च र ।। हिंश श्री. क ची श. ता. ५८:मिंट हिं नि कुते खुयाय **५५५ केन्या ५८** मिंट हिं व ६८ व्याप के ५ के न श्रुंसरा प्रेय हैं। से वा श्वास वस हिंस नु न है व नर्हे। विद रन्ने र्टा रहे भर्थः दे दे मार्थेरः श्रें नाश्चर विश्व देशः तु यः दे : तुनाः पर्चे ।। र्वेरः ब से ता स्पूर्वा या प्रसार्विटाय स्पूर्वा साय देश समायाता स्पूर्वा पाय होता या देश सा रदःनी द्र मेश्वर्य हैवा यादे वलेंबर रे खेशक मी वहें व वा स्वांशाय लदः केंबर ब्री। द्द्वय:रुद्रे भट:र्ह्वर च:वे:द्द्वय:रु:से:वर्डर:यर:नु च दे:वा:क्वर:सुन्याःवर:वर मादा क्रीताचा दे हिंदा चा लेका कु वरा यहेंद्रा है है दरा दे पर पर वरे पर है वर क्री वर นา ฐั เรารา คิมาศัยยานารา เมษายามยานาร เมษายานาร์สานารศา เริ่มา चि.वर् . र्रे १ हैं। व्यवित्त क्रे हिशावा क्रे जा हु नी शास वर्ष हार मि.स. वॅर्न्यह्नाय न्द्रम्य न हेन् ग्रेशः सिव सः स्रीताय ने न्द्राय साने हैन सर्ह्या मद्रे खरमी अर्वे प्रहणाय हेर प्रवापादे हर वा व मुन्यायर मिलेशया ल.चर्ड्स.वंस विच.तर विदे.त.चंचाल.च.रेश्चेश.तर् । क्रिंस.चंबुवे.रे... लेश.व. च.ब. भर् प. कूने. लेब. स् । परी. बंद. त्रंद. त्रंत्र. त्रंत्र. वेश. वेश. वेश. वे न'दिनेस' महोस'दस'दकद'च'फेंद्र'वॅ ।। रद्देंदस'देस'च'फेंद्र'लेस'नु'मः

दर्भा वै दर्भ भाव कर् देश था १९ वर्ष हो। स्मिश व क्रिंग या सार्थ प्रेर गुै'ऍर्द'न्द'न्वद्र'स्ट वेस'गु'च दे'द्वाद'क्दर' चट्ट' ह्रॉस्स्य स' स्वास'वर्दे ॥ यहें प रूट क्रम् सः द्वयः व्राह्म स्वाधः माल् र रूना मी रहेश र प्रदेश र प्राह्म स्वाधः स्वाधः स्वाधः स्वाधः स द्राप्त्रभावाद्राः। र्क्किभाव्यवे व्यक्तिसायवे स्वाप्ते स्वाप्ते प्राप्ते प्राप्ते स्वाप्ते स्वापते स्वाप्ते स्वापते स्वापत ले'ना यन'नु'सेमस'ळॅस'ग्रेरें 'लेस'ने न झूँस'ने। सेमस रद ने दद मैस' ८६न'च'लेश' त नदे 'र्द्र र्हे ।। धेर'णे ॐश'त्रश'च'रे'हिर'चर र्'तु'नदे 'हैर। मॅं**स**शःया**दे : भेर 'गुःरुंस' मॅस्स** यानामाध्येकथा दे 'देलें । दरेर द ह्यर पुरायदे ' ध्येदःगुः क्रॅथं गुः हिदः चरः जॅससः यासः वुर्देश विश्वः वुर्धः वे वर्षः वर्षः वर्षः न्य दिस्त वा संस्थान निकान दे हिन न्य लेश नि न्य दे हैं। वर नि न्य दे नि नि ध्रुना वर्ष्ट्रभादना भारती अर्थेता स्त्री स्त्र स्त्र होता स्त्र स वदे चार्क क्रवां वाकेद वै विद्राप्ति व मेर् दा है। - हेतु र्दा ह व र द साम महित्र यर र देना वा पर विद्रा र् विस न न्या रहे । जे न सिरम व र्या वस वसी न तर वर्षीर व से ल म्वानं सर्भारत्वेद महीर व्याप्ते व्याप्ति वर्षी व्याप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्व न्यन्तर् या प्रोत्रा ४५ सा ग्रीतायसा वर्षसा वर्षा स्वीता वर्ष्ट्रा स्वीता स्वी वर्षायरी पर्ची वाषायर् यर वर्षेर्यालेश मुख्ये केंग नि इसायर वर्षेर याक्षेत्र दे दे विकास्य प्रत्रे दे दे दे हो। सा स्वादा स्वादा स्वादा स्वादा स्वादा स्वादा स्वादा स्वादा स्वादा यावे हेसासु द्वानायाध्ये राजादेश द्वापर द्वादा वाके देवाशायाध्येव है। हेसा खु-दवन् यस-द्युद्वद्वद्वद्वर् वर्षेद्रः कु कु दे हो अपर द्युद्वर् वर्षेद्रः वर्षे

'स्पेद'ने'न्युर'य'दे'नुसम्बुद्धाय बुद्धाय खदम्येद ले'दा देते क्षेर'रे लेगा खद . भट. त्. हे.ज.रेश्च बंश.वंश. ७ श.चे.ज.ज श्चोश.त श्रुंश.त.जा इस.चंहेर. ्यत्मः लेमः मुः वः हे त्यः मीः व इक् ः यत्रे । ववमः लेसः मुः वः । मिर्टः क्रा ने यूटः यद्मः लेशनु नदे ह्य दे ह्यूर पदे देव प्येश हो स्वर मी नहर परे हर सार हि हा सार ्षशः चुः न दस्य पर दर्धेर च भेद छी। लेश च न रे रे व रे व के रे रे पा प्रवर म हिन कु त्वा वी के पहना पर प्रमुर ही। दे दर वह मार दे मेर दे रे मात्रे हैर से नहेश प उन पहेंद्र पाये हो। तमा वें ना हे सूर म्मर्ग मार मलेब-र्-देश-म-रमा वनाय-लेन अर-मे हेश-श्र वर्गम्य वर्गन वर्गन प्रमेष र्वे लेखानक्षेत्र हो। तरेकातम्बान सम परायुषासं लेखाना वे क्षे प्रकासका किन वन वा। ने प्रयानुषा सुषा लेश सुना व के मुक्ति हैन ने प्रया प्रयान व के सुना वा सर्व केर राष्ट्र त्राय में केर किरा चार के मुंदिर मर्व केर राष्ट्र में प्राय . प्रत्रुषात्रु, के. क्रुंब हुर्गा वाराया की. प्रत्याया कराता हु सार्वाया हु सार्वाया कराता हु सार्वाया हु सार्वाय क्रेना इस पर हुर है। कु से हन प लेश मु नर दें दें हैं। हन यह है र गुट **५२८** कुरमे द्वीर द्वा लेखा ने प्रति स्थित प्रति स्थान स्थान **ंमाराज्ञेनारोसायमायायायोजायारो** कें कुं हिना यरायसुरायासायोजाहो। प्रयसारा ्रश्रुम् । त्रास्मित्र विद्। विद्या न न विद्या पर विद्या पर विद्या पर विद्या पर विद्या पर विद्या पर ्**न**प्रभेग्रायते ह्विरामान्द्रप्रमानुक्रित्राम् निर्मित्राम् । विर्मित्राम् । न.मोबेथ.रेचा मोश.मोट. खेश.चे.च.च्रा र्सेचा चर्चा प्रमाप च हेर मे. **इस्रायात्मसाम्बद्धायात्मामद्भागम्बद्धायायाः स्वा**स्य यद्भासार्याम्बसाग्रहाही कु **ल्यू** मालेका मुक्त के प्रमुख्य के का मा। देवे म्हामलेक लेक मुक्त के मिन यर र्रो। दे दे दे व देवा यह य पर्या भेर य भेरा वर्षा भेर य वार थेद्र'व:दे'अट'रट'में अ'दह्ना'च'ठद'अ'अेद'च'दे'च्या'द्र| दरे'दे'मुअ'द्रमुद्र' वासायित कुरोपा कुरोपार यत्वासेदाय उत्र केदायी कराद्या वै'कु'क़ेद'प्येव'य'मे द्वट'वर्रे'सुर्र्र्र विश्व'तु'म'य'र्स्वाश यस'र्प्यद्रशसु वद्रपाच' तर्ते। रेश्वेचेश व.बु.लीज.लुब.ज.हुजू.उहूब.वर्जु.बेश.चं.लुब.ब्री चरेचे. रद्भारम् मिर्द्र निश्चायद्भाष्ट्र निश्चा निश्चा मुक्ता निश्चा निश हैंग वर्ष त्रुर हु लू च हु रहा हुर व के हि वह हि वह हैं वस वन् ने व प केर के से हिर ही। हिन हो कि व के व के व के व के व के व के व दे.लट.सर्.लुर.स्. क्यांस.त.लुंस.चे.परं.क्यांतर.रचींत्र.च.र्.चेंत्र.च. लेख.चे.च.लुब.ब्र्या इंग्न-चर्छन:दे.चीर.चठु.चरेश.चेश.चेश.चे.च.४८४४.हा **शन्द्रायामेद्रायामेद्रायदेश्चे**रायद्याद्दराय्या । यद्यासेद्रायाकेद्राया दे.रवट,रे.वेश,तश्रमश,१४,मी,ट्र.व्स.र्सट,य.४८,त्रेर,वर्याम्,रट,येण,च. पार्चाः इर वर्ष्य हुर पार्वेद शि क्षेत्र लेख या व दे मो यु पर हो । । नाल ह 'ଲ':. ଔଝା **ପି.ପ.ଖ**.ଖୂଧ୍ୟ ଅ.ପ.ଖ.ଟଥିଶ. ଅଁଷ୍ଟ. ଔଖ. ହଧ୍ୟ ହଧ୍ୟ **ଅ**.ସ.ଟୁ. ଔଖ**.ପି.ଅ**. .. त. भर्त्र. च. पत्र. क्रिय. क्रिय. व. र्या. ते. रक्ष्य भारत है। व्या. प्रतर पत्र व है। व्या. चर्चल.टे.चैं र.तर्.परें स.चेश.चरच.रेट.चरचे.चु.रेट चल.च.ल.चर्चा.रेट.चरचे.

के द्रमायर महेंद्रायर विकायमायहना या विकायहेंद्रायदे खेरारे ॥ द्रमायामहा र्च बेशनु न प्रदेश में मुक् में प्रकर् चर में स्था च च इक् रहें। मूर्गिश मेर पर मानेद:स् ते.स्वेंम्सायमामी.ल्य् रेव.मी.विदानराहसानरासान विदासी हार्मासा नर श्रुर हों। दे दना हेस यु न है से सबुद पदे खें नस दर नहे दें वे हें सुन स रनाम् । सुना ५ द्या यह हैना साह्य न उर पर लेख न व है। रूर.चीर.त.चरु.चोचेचात्र.भ्रेचा ।४ च्.च.ज.त.व. तच्चेर.त. चचुर.ज. देवा. ४ क्या. **ुश्न.**चे.चर.श्रेर.ड्रा चेंट.चर.चे.च.देंट.चर.चे.च.खे.४.८०.भ.लूच.तर. র্ভুব্'বাম'অহ্ব'বা জুব্'বা গুব'থার বার 'রবর' রবর' নামর বার রাজ র'ব রা অ'পর বর। `दे'कृद्'णे'सुर हेदे'सुर ले'ब'लेब'दर्रे'चर देद्'र्दा। कु दे'खनस'र्नेसस'व थेकुमा दम्भानु के क्रिंगमर मह्दाय केरा भेका मिल राय रे वनमात्मसानुन्यर उन् नुः लेसानुः न ते सर्वे देशायः स्वान्य विवासर हेन् र दे व्यक्तात्मराम् विद्रायर करा दु वर्षे प्रमा में व वर्षे । वरे वरे । वर ना विवास वर्षे हु वरे मिश्चराम्, बे.चांश्चरा तर होरे.न.लु बे.चंरा चीट चांश वर्ड वर चीलु वोश्वरा हेर. ल **बिर.तर.क्स.त.**चेश्चस.चलेचे.त.कुस.खे.के। ह. रक्स.के.श्वेष्ट.श्चे पर्ट. लेस.चे. व'य' स्वेन्स'व' ह्वेंस'स्वा वर्षे अर'रु नावन अर'वहना वदे वर्षेन सेर् जी पर्टर के र्व नावक ना शक शहर पा के के विकास के के पर प्राप्त के ना प्रम्य पर्टिक के ना प्रम्य पर्टिक के ना प्रम्य महेन सेन केर लेश न न ने जा पर दि पर से पर से पेन पर में पेन पर है र्रो १२.केर.४.केंबो.पर्कता.बु.पर्जयाश.त.श.लुब.श्री डे.लूट्श.शे.सटश.वस.

मार्चेमाश्चरते सुर वश्माशायर मार्चेनाशाय प्रकृत्ती का नाम हेन्दे हेन् हेन्हर व्यक्षांक्षा प्रहेना हेदाव प्रदेश नु न व्यक्ष संग्राय स्वाया मा स्वाया वा स्वया वा स्वाया वा स्वया वा स्वाया वा स्वाया वा स्वया वा स् वालेशानु वाने वाने नु मुरानु राये दिशार्य रायदे दिशार्य है । यस वर्त्तिन य लेखानु परे के अधुद पर्देश वर्तानु स्थान कर का सुरक्ष परे के स्था परे वर्देरकग्राह्मान्यवा। देशेष्ट्रियाकेर्युत्राह्मानुसान्यवा भै'वर्देर्'य'केर गुरेश र्शे रे'स्र 'देस श'देंन अदे'-पु'व'दर' वर्देद्र हन है त्यःस्याकान्यःसः तर्द्र्नः प हेन् 'गुका ह्ना चा श्वतका खुः हेक्' गुक्ता का स्यादा अः स्वादा अः स्वादा अः स्वादा तराय वैदाय जा श्र्याश वद देश वर जिद्धा श्रायद्याश दश जे वर विद्री। हैना नेस है। स प्येद हे लिस नु न है नद्ना सेद था सर्वेद न मॅसस यर नुर तथ. थु. भ. त्रुव. ब्र्रा वन्तर. भ. हवा. तथ हेश. च. च. व. चरचा. भ्रदे. च. केर. भ ह्राट्ट. हैं। हैं वायहना वादा है सावायहना वादा विद्रवादा। से से दे हैं वा अद बबुद्धार पर विश्वर स्ति। ेरे बरेश वर्ष पर पर्वा केर गुर के से मान व के साम केर या अर्बेट विदेशन मुद्दाय अव विशेष देश में विदेश में में विदेश में में में वित्रां वित्रा यन्नाकृत्रवे संस्थान्दर नी द्रार मीसायहना याके दारी सामायह वित्रकृत् स्थित स्थित क्रिर हो। क्रममश्रम तमार्थन तमार्थन तमार्थन क्रिक्त उत्ता है है है र वै मदेव मा केद्र मुक्त लेश माना मा स्वाब महा दक्त पर देन दे। सर्वेदः वः स्पदः द्वाः भेक्षका । देः वसयः वरः वः वरेः देः वीससः वरः वाहरः वः

<u>ଛି 'ୱ୍ୟ' ଶ'ୟ ବର୍ଣ୍ଣ ଝିଁ ନ୍ୟୁ ଅନୁ 'ଶ୍ରିମ' ନ୍ୟୁ ଅନ୍ୟୁ ଅଣ୍ଟ ଅଣ୍ଟ 'ଶିକ' ପ୍ର' ବା ଶି' ସର୍ଜି' ସ' '</u> मार्वेर् सेर दे। मिं के दे खें ने स्ट्रिक खेर हो। विश्व मास्ट्र पते सेर हो। वित्र मिर्म थ हिन सेन परि सेन किन मेंन पर है। परिमास निर्मा करेंन परि - सुर-र्रे दे-हे-दे-वी-वार्टिन मेरे वालिशानु वालिश्न वालिशान विदाय करे म्रिट्ट मार्मेर या प्रेय ले वा प्राटिश स्त्र प्रेय महत्य में लेख में या स्त्र मार्मे म र्झूस स् ।। म्रीनास नम नम सार् में मेर म लेस मिन हो। दे हैं। वर्षर्मा महेंद्र विदायमें वाया स्वीता विद्या वाया वर्षे विदाय श्चेतर मुर परे दर्द अगस दर मुलामा श्वें म्लस परे द्रार मोस पर्से र श्रुंसम ता स्वीश तर मैं यह देश व अष्ट्रा विष्ट तमी य वेश व व व तर हो । द्रमहरू देनास वहेंद्र चाता स्नि सामदे गुरु दुः हुँद्र वा होस वा वा दि देने देने क्र नुर्देश सन्दर्भ में न्ने न न ने न न न न श्रम्भा गुर्दे ॥ अंतर्भ हेराया स्वामा पदे लेम न न दे स्वामा पदे स्रुमा है। ल्र मानेरादरावेश मानेर मार्सिशायामहराहा। दे अराहासहर सर्द्ध हैन देश । मान् १ केमा शन्ता ने स नसम तुस ता । दे ते सु लेना हुंचाब.तर.पंतीर. ७४ झेंट्रा। चल्य. रे पंतीर. ७४ ते य. ग्रे. भट. ही र. भू. ब्रिना साम अन्त्र समार मिला मालामी क रहेश मार्मा क्री माला सेर मेर है हैं।

वेर विवा नु नोद्दा य विद्या यहिंद हैं। दे हमा य केर दे वेर विवा कु नाद्या य केर ग्रिस-देन दा.हेर.हा। प्राचान दक्षेत्रस्य दा.लूस.च.च.इ.चर.दर.देना च. निमातमाय स्त्रीर हो। रेशायमाय प्रतिस्य निश्चमारा वा स्वास सदी मुंब.धू.वंश.व.रट.। पुंब.भुं.वंश.वंश.वं.रंट व हेर.ज.स्वंश.व.वंडट. ह् । वर्षारे के प्रकृति अंदार प्रवेश में लेख में का स्थान । हुर म्हार नियान के दिन में के किया में किया कं सेर्ध रत्तें पर्ता सेर्ड हायां सेर्वास पर्वे। मान्य केमारा मान्य याध्येव वे दे देश न न वे नाट वर्ष पर प्रवस्थ पर पर साथ वर्ष दे दे देश न पर साथ है. यस.च.वर.च.चार.लूर.चर् ॥ मु.वनाय च.लट.ट.लूर.ज.रट.चलुर.लट. केंद्र य दे म्बाइर सं वदे त्य केंद्र य लेश नु वर केंद्र दर हुर र ॥ दयर मुर पते मा भेर पदे केंस रमस लेस में न मार्स में से में न में होंर न महेस र में । म्राम्य न वर् नाट कर नाट कर ने दे हैं हैं हैं हैं हैं हैं से मार्थ ने वर्ष पर्वे ।। वर्षे क्रिय भेरी में कर लेंबा नाय है। विदेश में में बार में प्रेरा भवेष. स्थाप क्षाप्त क्ष में त्यायायदे रदायदेव म्याया प्रताय प्रताय कर प्रदाय हेत प्रवासी याया ने महुते मुक्किन मा अर बुक पर्ने दें रेन मुक्क पर्ने खेर हुँ र पर्नर में दें

वर्ति वास्त्रीय राहि देरो वे ते ब्रुवा यह ति व में दे व के व व व व व संस्था सद मुद्दुस्पत्रे दे वे दे देस मुन्दाय स्वाया हुँ सह। विवाय स्वाया है मैंश वेंश तपु हू तु हु नविश अवश मैं १ करे तह मैं र हैर वर्षेय तर ने व रदास्यामाहेर के हर्नामाहे स्वदास्य स्वतं के बादी वर ही राह्या वर् ता.श्रम्थाता.ह. ह. रश्नम्थातपु भक्षे हेर मुद्र मीर तामार लेश तार पीर रे मैं कर्पाकृर्णे क्षेरामादालकामञ्चरायर कुरायम याकृराधिक। मार्था हेर् मलिदारीमार्थामारीमार्जन हिर्पोर्यामा लेखा हैना द्वारामा सुरामें। कुरी रहा मलिदा रेते अर्ब के देशी रे के य दे के द के प्रकार में के यह या में तारे अद्रावेश विद्या दिये र वे स्तुर ता स्वाकार वे विद्य वे सामा वे विद्य वे सामा वे विद्य वे सामा व र्श्रेनासामित्रे वद् माले से मानदे हीं वसादे में माने वर्षे दे हैं मान सर में मिया में साम है सार यर पुरुष स भे पुरुष मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ स ব'র। বাদ প্রবাদাদ ভব বর প্রবশ্ধ দ্বাশ বাস প্রবাদ প্রবাদ স্বাদা यस नवर व न प्रमायो। दे हैर के लेख स म के मुक हैं के र र क हर मही हिस सुर्हेद पर्दे के विद्या विद्या नामस पर्दे हैं भी रहे लिस मान वा के विद्या है दिया य.चिश्वभः ही दे.ज.इ.उर्देश भट्टे तर जुश त.बे इ.उर्देश मी. क्.उर्देश मी मिलर मि. शुभम महर् नर में श्राया है गीर हैं र पर है जिस मार्थी वर्ग वर वर नर्भाष्ट्र पर नेश मार्च हिंश शु रूर्व पर्दे के र व्यु मार्च प्रा

ઌ૾ૡ૽ૹ૽૽૱૿૽ૡૡ૽૽૱ૹ૾ૢૼૡઌઌઌૡ૽૽**૽ૹ૽**૽૱ૹ૽૽ૡૹ૽૽૱ૢૺૺૺ૾ૺ૽૽૾૽ૹ૱ૡ૽૿૱ૢૢૼ૱ माया श्चिमाया हो मायहर्त हो देश सुरामाया मीया सम्म हत द्वास श्चिमाया मह्रे.च. बुंश.चे.च ह्यूंश.श्र्रा वि. के श.कि.भश. बुंश.चे.च.व. व. व. व. त. तर्राचर पर. वलेर य १९८८ । इर्षे य १९८७ वरे वर व वेनाय १९८८ । मोजेनाश्राच हेर ग्रेस श्चें र पा हेर वश्चे र पा भेर दें। वार मेश हेर पर्यो प ल.तथ.तथ.चंबुर.त.रुंजु.बुर.ववश.र्थश्वा.ल.बु.भट्य.बुर्.भहर.ट्री टे.वश. **৽ পূর্ব'ন' ৡৢৢৢৢ বৡৢ ম' ৸' তার্ব'**র্বা। ববম না্মম বাত্রবারবার মের বুল' ব'বই' नर मिनेनश्व च हैर नहें श्व च रे के ब्रा कि विषय महा है : च र ट्रे दे के महिन सकें स.त.लुर.सू॥ वहां वे.बे.भ.बे.भ.ट्याश.तपु.सू.वश.मी.बे.भ.यीव त.लट. **इना मर हिंद पर लेश उ.प. दे दश्य उ.में. अ.में. में. इ.में. में. है. या है. या लेश** है। कृ म म लेश न न र द्वारी। दे मुन प म न न म न हे व परा लेश न व व व क्रियास केर जिसासरे पर मानेनास था केर पर मानेनास था केर जी स वि'न'के क्रेन्निन पर हेश शु न्यना पर्या भी के नु की होन प न्याना या प्रथ्न या नारा प्येक मारे की देश पर मुराय हैर भेद की दरे हैर हेरा बहर यार मार्भेद ब्रिस च न न ने रे विक्रिया में स्वाप्त कर के मार्च महिन्द्र कर विक्रिया में स्वाप्त कर कर कर कर कर कर कर कर कर श्र भिन्ने पर्य भर्म हेर रक्ष मी करा भारते राय हैर या है दें या है है या है से मी क्रनाश गु.मोटश ज. श्रूचाश दा ल्र्ट्श श्री पुश तर अर्थ हुरे वर हुर भ लुरे हुरे यदेष.त.पढ़े.व. हर्षा मह्रे न्यह्रे न्यह्ने न्य

यदै सुर व व्या गुर व तुर में परे व पार के मार्ड र खेर व र स के मार्थ हैं वयशायदमास्त्रेदायाक्षेदायास्त्री। दे त्यायदेवाय दे दे त्या लेका व्यायाः **र्स्यन्य त्यात्र क्षेत्र न्दर १** विषय कर्ष के देश के देश विषय है । क्षेत्र क्षेत्र के देश के मुरायरे सेरासुगावस्थात्री। वर्गार्द्यायरे हेंद्र वर्द्या हर्गा हैर रदानी रद वले बन्दा न्या वये हिर वद्या को दार्वे ।। वहुका क्षा हे दे वार्वे हैंदर गुक्त व वुदाय केदादी। कुरी सामाकेद स्वेदाय रे स्वेदा कुरी। रहार्द्द हें हो सु रे.भुं.वर्।। बेट.त्.बुच तर्.होर प्यूच.वर्।। ल्र्ट्र श्रुच्चेट यावस्त्र १८. वि नरे कुर वे नरे ।। यह प हैर कुर कुर महिंद मर कर्रे प प्रेक्ट परे প্রীশ-লু বিশ্ব ।। স্থিত রূপ রাজ্য তের বেলের সামের প্রীশ নিমার শার্ম বিশ্ব নির্মাণ করি ।। विप्र.च.षश हमाचर प्रविद्यायत् विवश हेरे.लुबे.चडु.बुर लश स् 🕕 😹 व्यक्षा यान्दरम्बर्धरे सुर देवाबायर् । आरान्यायर बावायरे देवे सुकार ह्या यर्गे॥ वैशनुः अदः द्वायर वर्षः वरः वेदः यदे हैं रादेशं वरः वही शया हेदः र्भे । भूष्ट्रना वर्ष्ट्र भारत पुर मी वर्षे यात्न के सूर्व यर के विकेट के रच.रे.मैं बत केट क्रिस खेस चे.च हो। ही ग.चह्न हो हु हे. लून हि देन। हिंदे न.पीय. यस पकुट. चयु. मी बुध ये. च. प्र. श्रुचीश. चर्यू। ईंच चर्नि म. टर्सें र. **นะ.อ.ล.**ชู้ร.วิ ะอ.วิ.อลี๊อะเล.พูล.อั.เ ลี๊อ.ละ.อิ๋่ย.ล.รู้.ย.มี न पर्ना मुन्दे न स्वाप्त स्वाप नहाता. भी देश.त.रेट.। वीय. वर्चेट. ची देश.च च्रा. इथ.च खेय. रे. रे. वर्चेयथ.

त.लुर.धे 🐃 अच.रा.रट.पक्स.रा.पर्यंश वि.चीर.त.ईच. ठर्जल.रट.। 🏺र. मुरायागुनावनुदामो लेशमासुद्राय रे मुरारी। दे नहा न रे वे मु . मु:५ट्झ.स्.इ.६.मिर.तर.५८.। झेच.भ.ती३.५चैंट.मी.६स.तर.मीव.तर.५चींर.स्। लेस नु न के गुक व नु द हु द के विष् ेर्दे, कुं खर लट दे लेर पर दे हैं कुं कुं हो है। हुन वहाय ही परे हे मालेशन्यत्रेर्देश्देश देश दिन्ने मिन्याय देश हैं मान्याय दिन स्ट्रिय दिना विद्या ्रेषे द्रायते द्रिय भर्ते । इत्य अ'गुरु तितृद्रिय विद्रुय था वे कु दर की विद्रुप परि ्रनुः भ्रेपित दश्यायाध्येदाने। दे प्रमा दे श्रुमा यहाया परः गुदा स्वीर व पुर ्र नुष्टें निर्देश में 'भेक' मार्चे 'क्षेक' मार्चे प्रति । विष्ण मेर मार्चे र मिला मार्चे र मिला मार्चे र मिला मेर मार्चे र मिला मार्चे मार्चे र मिला मार्चे मार्चे मार्चे मार्चे मार्च म्र्ट्स.न प्रमूची.म.लूर्.म.रच.रे.चश्चैयस.चस प्रमूच.पठ.प्रमूच.त.४. रेस.चर. नम्रेयश्र म. भूष. थ्री। दे. स्ट्रें व. इ. म. म. म्रेने म. हे च. प श्र्मेश्र च. मीच. चर. भक्र.च खुंश.चे.च जा श्वीम.तश हीची.चक्रजा ४ च.चे.चु.चह , ववह , ववह , वक्ष , चक्षेर च.कुर रे । दे नहर पर इसपा हिनास मुचारी। विद्राप रे हिनामहासा र्टिकुर्ट्रिय रुवितार्ट श्रवस विस्तुत वि वि वि वि

क्र-स इस द्रोय में त्रोय प्रत्। यस य प्रति वह स द्रुवाय।

स्तर से के मडियेश ज स्याधान हो सामित के सामित के स्वाधान के स्वाधान से स्वाधान स्वाधान स्वाधान स्वाधान स्वाधान नर् नेश रहा। दर्भे देशा क्षा वर नेश वर विश्व वर्षा वरम वर्षा वरम वर्षा वर वर्ष हैंग, वर्ष म. म. मीथि त. यू। हैंग, वर्ष म मु. हैंग, वर्ष म. में हैं र. रेट. । उर्षेट. यत्रे.र्ह्मा,यर्ह्ममा,य्रह्ममा,य्रह्ममा,यर्ह्मम लबन्दा नेते मुन्देन मुन्देन मुन्देन स्त्रिन स् न व.र्ट्स.श.पचीर.नपु.र्मेच चर्निम.क्रेट.मी र्मिन.नर्मा रूप हे । ड्रेप्र.मी.र्पु. क्रि.व.चेर.तपु.झ् वश लुव.व्।। क्रूर.व.चर्.च.लट.श.लुव र्म्मा.वर्मन. न मामेन न ने नहें मा के पर्या की पर्या होने ने होने निष्या होने निष्या है । दे हैं मु दे मुन् पते के द्रा भार द्रा पत्र द्रा ग्रीट.लट.र्थम.रा.चीलेर ग्री.स्.रंथ.रच.रे.चस्रैंचस.रजं.स्रीट.लट.वीज.ट्री श्रमशं. द्यं हा भावाव १ तवाय विवायमा वेश ने वाय में व्याय माय पहिना हे १ कुटा यह यते. र्वेचश्रामा पश्चामा भेरा वे ॥ हे त्यान्यामा विश्वाना वे में स्थान साहशा राप्ते हेब दि हुं अपने निवस स्मित्र व अप हों। निवास मार्स सार्थे हैं म. दर् पर्देश हैं . स्थित मा. म. मि. म. में हैं र. म. हूँ र. में हूँ र. म. हूँ र. म. हुँ र. म. ब.चीबंब.ज.चसज.च.रच.रे.चर्षेचश.तश। श्रे.च.चंड्र.ज.चूंशशं.च.शह्ट. नरे हिरानुन्स मु तहेना हेव हा सर मिं इसारा हिंदा दु सिंदा सहत हेर से दूर र

त्युर्यन्दे द्वर व सुं व हारा युवाया भव व व दे दर व द वर व हेया है। **ล.พร.ปุฟฟ กลู้เวิญกา**จขาพลฐกวิฐมินิกษ์ชานิว ชู.ธู.ส์ร. **५२**'स'ह्यर है 'श्रूर'र् 'च १५ पर दे कें प्रें हैन स्मान मान्य सामान स्मान स्मान स्मान स्मान स्मान स्मान स्मान स्मान स्मान समान समान समान समान समान समान समान मार्थेक नु स्वर्दा ना कक नु मूच पार प्रेक कें। ने न विकर नु पर है ना है के स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स म र्ह्ने दे स्ट्रां मा सर्हे हैं हैं मुटारा। इटारा रे दिर हैं किन साम स्वाह न **ज.चीराज-तर-प्रियालुये.यो व्रियालया.योशयातर म.चीरा प्राप्त सेपरा ผิ. เรียน รู้ ง** ซี พร. ภูพพ.ก. ซึ่ง เรื่อย เล่ะ เล่า เล่ะ เห็นทาก.... चत्रम भीत है। दर ये वमरा चर् निर्देश से स नर निर्देश से स्वर्थ निर्देश से स्वर्थ निर्देश से स्वर्थ निर्देश से स वर्ष माम्बर्धायामहित्यते क्विन् स्थित व उन्दे दित्त व व मामाया प्रेम हे दे सामहित नदे हैं र दी दे अदे हैं के प्रतास निकास है के पर के के दे हैं के दे है के दे हैं के दे है के दे हैं के दे है के दे हैं के दे है हैं के दे है हैं के दे है विश्वानु न हुं न हा में दर्र रहा नविश्वान दा देश नुस्र वा भीश्वाभटा हो। दे नस **ढ़ॱढ़ॕॱॺॖॱॺॸॱज़ॕॺॺॱ**ॻॱॺॗॕढ़ॱॸॖॗॱऄ॔ॸॱॻॱ७३ॱऄॸॖॱॻॱॿॣॗॻॱॻॸॱॻॖॱॻॱॴॱॸॖड़॓ॱॻॿॣॗॻॺॱॱॱ नशः हुँदः नामः भेव वस हिसानु ना वे ना वर्ष द्ये वसा स्था । विना देव सा सर न्मस्य हार्द्रान्त्र व उद् केर सम्बु र वर्दे हेर र लेश स करे है। इन स सेर यं उदा हिने वसुव वर दु न हेन प्येत परे हुर रें लेश दु न परे हैं के दे के हैं म्भारामा ह्या ने अंदाना कर हेर ही नहीं नाम ने ना लेश है। नहीं नाम ने नाम न वसंक्रित्य में के ने में के निर्माण के ने में के निर्माण के निर्मा **५८ वंदे नश्चयान निम्नराम मर्वेदान क्रिंग्नु स्ट्रिंग्नु स्ट्रिंग्नु स्ट्रिंग्न्य स्ट्रिंग्न्य**

क्रिक्ष विनामा मेर्द्र च उद्गे केर मुन यर प्रमुद्द हैं। विश्व विद्यु के हिं। ୕ୡୖୣୖଽୖୖୖୡ୕ୖ୕୕୕ଢ଼୕୶ୢୠ୕୶ୠ୶୷୕୶୕ୣଌ୕ଽଢ଼୕ୡ୕ୢୠ୷ୠ୷୕ୠୖଽୖଢ଼୕୲୷ୖୣଽୡ୕ୢ୷ୢ୕ଌଽ୷ୄ୕ୠ୶ यर मुद्दाय के दे त्या का विद्वायाय कक केदा विकास दे द्वार विवास यर विद्वार में मं केर क्षेत्र या रे खुर त हिन यर हेर य त्याय न रखें त यो से यो है है र र र ये ले र देश मदै अंद ५३ मा मदेव रा भेद देश मु न दे पद गाद मु में महे दि प दे हैं । र्षेक् 'नृक्'म्नः'प्येक् सादे दे 'या यहेक या भेक लेखा मु यहे दें के हाँ। रेदे. खेल वि. च. च. अधिक पारे रहा पड़िक केर्रा हो है र सं की कि कर हेर ता हिवायर हेराय दे के रे सर्द्धरमा व प्रेर का हे में मर्द्धरमा या मेराव हेरी धिरमारे दरादन्याय वे से सहराय हेर धिराय है हर को विवाय र हिर न.पंचाजाय.रंभुवाबाताज्ञा वज य.रंट. वज य व्याचार्या चाल्या. ब्रुं . लेख. में . म. है . में . सर्वे त्या ता. १४ . लेख. मार . लेखे . मार . ते में र . है . बिस-व माना स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स **षष्ट्रायाक्रेरायान्यायायायाच्यास्ट्राय उराक्रेराय्राय हेराया वराक्रेराय्राया वराक्रेराय्रा** निष्डिरः ता. सूर्याका सा. व विद्यास व का की की अवदिस्था दा कूर्य प्राप्त के वे र ম বৃষ্ণীৰ মুখ হুই। না ব্ৰিনাধ মে প্ৰত্যাম মে বৃত্তী হ মুখ কু কুই কেই কি दर्दियामाणीदानम। दे है । इंस व वया यहरा ह्विया या या या हा हि है से सिन्सा मासुनिकाश्च नेराहे वा नेरहमानु केरायेवानामान्य मेराहेर मेर विकानाना ्रश्चेंशःश्ची नामाने वमानामान विद्यान सम्बन्धान स्थान मामार्ज्या महिन महिन महिन महिन महिन महिन

मः अनुस्य सदे विद्यार विश्व विद्याय थि । न्य हे व्याय स्याद विद्याय स्था พะ.สิ.น.ห.อ. น.ปริปมานามุปมานา เปลานา เปลานา เปลานา เพา. भर्ष्टश्राताञ्च्यायरापचीरायाट्राकेराय। हे इ.ष्ट्राधश्राचेदश्रातालश्राभेशश्रायरा वनुरार्द्रा देख्राके विवादायाया स्वाधायका यका यह विवादाय होता नाम. दे. दे. ज. बेश चे. च. व. र ट. ची. चीं व. तप्. भवत . जर्म व वर्षे स. तप्. ट्रं . जर्म. **५**६६ त.च.चरचे.त्र्राच्यं चीर तार्थं भाषा क्षेत्र तार्थं व्याचे व्याप्त क्षेत्र तार्थं व्यापत क्षेत्र तार्य तार्य तार्थं व्यापत क्षेत्र तार्थं व्यापत क्षेत्र तार्थं व्यापत क्षेत्र तार्थं व्यापत क्षेत्र तार्य तार्य व्यापत व्या मपु प्रयुद्धान महिनाया मार्ग ग्राम प्राप्त मार्ग मार्थ । मार्थ ग्राम प्राप्त मार्थ । मार्थ ग्राम मार्थ । मार्थ | म मैं या निष्य मिर्ग मिर **६८.त.धु. प.कुट.ट्च.जन्न.वा**डीयात्र.ज्याचात्र.च.स.च.स.ट्ट्र.त.हु.पर.पट्टू.त.स्ट्र. क्री वर्ष व.व.तर्. भरे र्. लेश.चे. व.लेश.च्री वर्चे १.वर्च ४ १.वर्च १.चे.वर. · শব্দ, ভ্রানি, বারু, বারু, বারু, বারু, বারু, বারু, ব্রু, रद्राची द्रा के दे मी अवीर मार्ट हिरायर प्रेव व्र ले वा मी अव्यव अर् यर हिरा वु न व सं न व से च से के से मुर ने मुर व सरा सरा हर कार्योद्राह्म विश्वाची नद्र विश्वाची वद्याश्वाचा अद्याश्वाचा अवस्त्र विश्वाची च. व हे. पचिंदा व देश त. के विंदा तर क्षेत्र च के व हे । रचिंदा व व दर वा. दे**ःदनः १९८**१ तथः नाह्यनायः यार्थनायः यार्थः हिरायरः ह्वीः वर्धः स्रीतः देः हरः है.विचैर.केश.तदु.मै.६१.केर.ल्र१.लट.७४.चे.च.च सूर्यश.त.व। **नट.ज.** केश चत्रे मुं भेंद्र या लेश केना इस यर हुर ही हैंद देवे मुर या नालन सर

พีรุสาพยายา ราผมาศุตราชน้ำต่นาสาสา รายาสารา र्श्वास पर्या। रे.पर्धेन रे.स्रीय प्यालय रे.य. ज. ज. ज. क. ह. ह. या श. यर प्रांट्र पर <u> चुल्। ह.कंर.भुंश.वे.दुष.जुस.रव.भधिश.तठ.१८८.क्वेत.कर.दे.पवीर.व.</u> दे स्ट र दे दे स्वर म्वर है। र द र विव दे दे में च है मार दे स्ट र में स्ट र विव दे ते मार स्व स्ट र में स्ट र क्य.मी.टी.ट.च.टटा। देज.ज.श्चीश.तर्र.ष्ट्र्स.मीट कुर्य.सी.र.श्चासब्र्ट बेश. यभेरे.त.बाट.लुबे.त.टु.चश्रम.चर.वचीर.ह्या टु.र्डर.व.लट.खेश.चे च.ज.श्रूर. भःके मुवःमरे अहर हा निवे : भेर हो। प्रवि : स्वा स्वा सि : हिया मुकारे हे : रूट : चलिक मी प्राप्त प्रति है । दे प्रति चार है। चार है । विश्व मा स्वाप्त नालर मुं क्षे क्षेत्र हो। दे द्र दे दे ले स मु म दे प्रेस म म मुं मु दर हिं व स स्मृत्र नपु.मैंज्री डे.३ इ.इन.जेश.रव.ज.श्चीश.वड.मैं.श्रेहश.वड्र.बेथश.सैवश दे :लूर्थ शि.वीर त. ट्रें कर। हि. चंट्रें मी. रेट दें ज.वी. मी. लट्टें त. कुरें **बेस** क्षुयाय भेताही वाद्य या बेस क्षाया भारती। वाद्याय बेस सामारी **নীব,দা**, দু দু, দু, ধু, ধুপরা, পুর, দু, কু, দুই, দিরা, শুর ধা, দুরু, দুরী। নুর্ধান **য়**৾য়ৢৢৢৢয়য়য়ঀঀৢৢয়ৢয়য়য়য়য়ৢয়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়ৢৢয়ৢয়য়য়য়ঢ়ৢঢ়য় तर.श्रेज.व.भ्रथेम.वष्टु.मैं.वर्ड्स.वर.वे.व.चिथे रिश भ धिरम्रतपु.सेर.रू । मान्द्र-क्रेन्स सम्मुच च भेद वें लेश मु च हो। वहें द कन्स स स्विध य र्दे लेश.च.च.परेट.ज्रा परेश हे.श्रेंश विश्वर प्राचर लेश. नि.चन्ने.चिवट.चर्ष्यंश्वाता.भूबे.स्. बुश.चे.च.बु.श्रुंब, बंशश.विट.चर लूटे.ब.लह **छित्यर स्रेत् छैर मुव हेत् स्रे लेश मज़त्या मार स्रेत्य दे मह्या मार स्रेत्र**

क्रैंनाश ग्रे ख्रिय प्येत है। दे भारत नद्दा मी देन पु हो प्येत ख्री रहीं । दे **प्रसःना**लक प्रतृ लेखा नु व के नार्दे पर नु न पर दे । मि न जन कर कि मि न जन पहुंचानार्ज्ञा दे. १ व. भा मी मी १ व. १ हे था दे १ हे था ना ल्या है था ना मार्थ **ल्यं प्रमान्त्र मा भीता का दे द**ादमाया पर प्रदाय मा देशाचा स्थेत य.टे.केर.था विव.तर.वेट.त.पंचात्र.व.टंशुचाश.तप्। वाञ्चवास.ट्ट. कंदासाध्येदायाकेदावीदादित्रकन्यायायदिद्रायाकेदाकुराकुराद्या माल्दापदिद्रा क्ष्यभागु मु १९८५ तस्व या लेस या या हो। प्रस्त का सम्मार का सम्मार सम्मार या सामार त्रा हिंच त्रस्य व हिंच व तर्द्र क्ष्मिर ही र त्र विषे हेर त्र वा वा विष नि.च.हु. ह्य.च.लस.चर्ड्यचे.च.ही वनाल.च.चर्ट्र.कनास.ग्री.स्ट.चलेब.चर् गार मी पर्ना है र उर रे त्यसं नार्स या लेखा न वरे रहे हैं। हे त्यस हिसा प यादे दि से ब्रम्य परे रूट प्रवेश केद मी विवास प्रवेश दे त्राय के विवास **८नायः नदेः रटः नदेशःमेः** नाग्रशः **ञ्चनशः श्रेषः सः देः छ**नः यरः नेुदः नः दनावः ... न'नुमेन्य पर्वे। हे.म'न्य स्वर्थ पर्वे 'बेश मु.च के 'यहर 'कन्य मुं रहा प्रवेद कनास-८८ ले. इस्ट. नी नर् गाइ ८८। अहिस नर रस्ट नलेइ नाट प्येद नारे न्द्रमः यायसः मार्केसः मार्के पर्देर् कन्यसः ले ह्या वहना माँ ।दे प्रसाद पर्देर् कन्मा गु रद निषेत् हैं द वार वे इंद त नुद न स कि द द हु सार द से सार हो ।

मिकेश मात्रहमा यर हिमाय परि अद यक्षयाय हे हा अप ये वि वि । हे हर **७.४। प**हेचा.त.भष्ट्रस्य.तर.सज.तस.७.स.चे.च.श्रूस.ट्री शहेश.प.र्. मुद्रे केश या नदा विश्वास्य न्या ह्मा स्वास्य य.दे.देवां.प्रेट.भर्षेटश तर.पंडिया.य.२४.रे.वज.चर.उचीर चश्री। याता.टे. **ह.केर.बुंब.ये.य.ज.ज्ञ्चोश.तश.भभ्दे**टश.तर.७९ के.तर.वज.पणु.जश.ही.ह्मोश. मानश्चानाध्येराने सिंह्यायदे स्टान्देरायसार् गुटाना ७३ छी. मार्था स्रोपसा मे खुवाकार्श्वन्या र्ह्या वनाव लियानी हैं वहना याद्या हूंनी चादे दा वहना वह रहायबुर्व मुक्काख पर्वे सामायह सामहा हिं । प्रमाय बुच पर्वे मा सार्थ हिंसा पदे रदः पत्ने व स्मेव हो। वेस र प स स्मार प प्रमास हर वे स स्मेव वें। दे है माध्येत हे लेखा चु च त्या स्वासायस प्रतिवा चर हो द्रो। रेनास स्वास स्वास प्रतिवा क्रमेश मिर्नातराया । हमा यह नास मुन्दिय पार र लेखा मुन्दे नास भरीये.त.चोट,लाये.त.टे.यु. रूचाश भरीये. त.ही.पंड्रचा.क्र्याश पा.के ठण्। कनारा गुः विद्यार दे हें र वह दे कवारा या स्नारा यह यह या या सार्व हो । रेना था मही राय दर यना कगरा मु हिर यर ले था में मा है स्था है या रमाःससायसायहमायाचे । ही यात्राय व्यन्यारायाचे क्रियाप्रा श्. श्रु पु. मु. त्रु प्. चे रका श्री व्यव वा श्रु प्रमान के का जान के <u>লকা.বল,বইনা.ব হুর,ৡ৾ঽ,পুর,ছা।</u> নামেরনাকারের,জেয়,লকাইমের, **८द्य-१४.**चर्च, स्ट. १५.५५. संस्था से च दे र ता हेर स्ट्राय नार भेद य दे हैं चना कनाश कुं हिन बर व्यन्न प्रश्न प्रवेद है। पद्मग्रम्. यते समा मी नुसाद हैं। संदर्भ या उदा मी स्मेन सदी खेरा ही दे.स.इ.

ह्नेना प्यत्ना प्रत्या मीर हिन्दा रेन्श अधुद पाय रना यश प्रह्म पाउदाः मैंतु.विदे.तर. खेब.वी.व.ज. श्योशातश्चाया क्याश में विदे वर जा <u> মনালের লকা বেইনা নাঞ্চানধ্য সূথা । ১ বিনার ধ্যানম বিধানা খুর্নারা ।</u> यम्बिक् न्दरम्बिक विश्वानु न वार्थिन स्टाया देन्न हेरानु न सक् देन्त क्रम्बारा स्र्यं सारा दर। इंग्डेंन्साय लेश मु नश है में नश मु मु नर दर। माल्क, न्दः माल्क, लेखा चु न त्या खें न्य च स दे : क्ष्म द है मा : अ हि न स्व ही। **ह. कर. थ. उट्टे. प्रचाम. ज. मूर्याम य. प्रेंट. ज. मूर्याम. यत्र. प्रम. क्रेंट. जूप. उट्टों ग य. .** ब.ववै: वपु क्र्स.हेर.लु र त.लर.वर्ग्न.तर.ववैर.खे र। हर.ज.स्नस. यदै छेषाय दम्य दे त्युटायदे रदाय विद्या हत छेत स्थेर यदे हिरारी विद्या वा ह्यस्तिन्ते। पर्नास्त्रस्यात्रस्यात्रस्य वित्रम्यात्रस्य स्त्रात्रस्य स्त्रस्य स्तरस्य स्त्रस्य स्त्रस्य स्त्रस्य स्त्रस्य स्त्रस्य स्त्रस्य स्त्रस ्च : हेर् चॅं हुरे रदा चलेर : और त्या हुद : है : रदा मी हु : हेर : शुक्र चल्र रही। विका वस.चेवर.कट.चट.केट.सुट.त.वंस.चे.च.वु। चाडियस.ल.स्चोस.च.लस.चेवर. **र्ष्यरमःभैद्रात्रे। बार्यरायराय्यम्भैनासासुःस्रेदायदेःस्रे**राय्ये। माल्राप्ययासा ·**୴୶୕୳୕୴୕୷ୖ୶୕୵୕୷ଞ୍କାରଂ୷ୖଈ୕**୶**୶୕୳**ୣ୵୷ୡ୕ୢ୕୷୷ୢୖ୶୕ୢ୶ୢୖ୶୕ୢ୵୕୶୷ୡୖ **बुैर'५८'माबे,३५'३मश**'राष्ट्रे, बुैर'र्ह्या चारामश हे हेर्ह्या र्सिन्स्य प्रमा कर्षेत्र कन्य वास्त्र निक्य प्रमान के विष्य कर्मे विष्य कर्मे विषय कर्मे ह्यानामा विश्व मिन्द्र दिन्द्र विद्व केरामा विश्व विश् यर वेसाय दे हमाद्वा हेस नुप्य है स्पेद गु इस पर देस य दवा है। सेद गुःर्झ १९८ गुःरेब प्रमाण वेदाय १९८ गुः खेर २ हा। ५ परा वे देसा पर वेदाय नै: २: १९८५ प्रदेर प्राप्ते वृत्ता विकास में काम ही राम है। यह साम की काम ही

माम्मामे बादा के सामा परि प्येत हो। दिनदारी महिमा मीस महदाम हिदास सेनास ଯମ୍ପ:ଞ୍ଜିବ:ଐ୍ଟ:ସମ୍ବ:ଞ୍ଜିକ:କ୍ରିଷ:ଯୁ:ସନ୍ଦି:ଔଷ:ସନ୍ଦ:ଞ୍ଜୁଷ:ସ୍ଟ:ସ୍ଟିସ୍:ଞ୍ଜି:ବ:ସ&**ଷ:**ଓଟ୍ भ्री.य.दर। मङ्गाप्तर्गेनायादादाशकाउदादव्नायायार्थेनायायावहरारी। मिस्र विद्याद्याद्यादि । विद्यादि । र्क्षे स्पेर प्रह्मा च सायोद धर्मा द प्राप्त पार से राज्य स्पर्म प्रह्मा स्पेर स्पेर स्पेर स्पेर स्पेर स्पेर स यादेकेन्द्रावहेदावदेक्य विराधिकायदे मार्थके मार्थके प्राधिकाय हे साम् त्युदःयदै हे**र***द्र'देश'यदे'रदःयविरःधेरु'वेद*गह्याशायःश्वासायदे वहेरु'यसः हें अयदे रहा विदेशों। माय हे हे सुर के वहुँद य देवे के दे द्वा नीय रहा पलिब दिशायां सेन वा लेश मु न परे हैं न गुरेश क्षा माने व परे दि च् मुर्त्रतश्रिक्तःचि.च.लूब्रब्र्। क्रिंर चेश्वरत्त्र विश्ववश्रिक्तं क्रिंट्य चर्षे मे द्राः तपु.सुर.रू बुश.चे.च.चुर.पच्च.चुर.टेश.यश व्यविधारा स्वीश.प चिष्यायानेते.सुर। विवायायार्थेन्यायाःकृत्मुरानुयायते.चाव्वन्य योदार्वे **७ स.च.**च.चे.चे.चे.चे.चे राचेश राष्ट्र.चा चेच स क्रेच.ची.हस.स.भु इत हू.॥ **टे.चस**. <u>क्षत्रवृदःयात्राः श्रॅम्सःयदे हेक्ष्य्या यहेक्ष्यदे द्वार्यं रादेशयदे स्टायवेक्ष्येक्षयरः</u> मञ्जापर मुर्ने। विश्व मुन्यर प्रांति हो। दे त्या पर दे व्हर हें ना द है विश्व ये.च.बु.जिंबादेटा। ८ ऱ्रं.कचोबाजास्योतातारेचो पर्वेदावादेता। वर्वेदावाजना मुर्याय विकाद विकाद विकाद विकाद विकास विकास विकास विकास विकास महेन मदे हिं वस् अरा गु मदन हैद र मु हेन अदि न लेख नु न दे स्न हैन सा केर स.लुब.तर विश्व.लुब तप हीर.स्रा अश्व.चरेब.तपु.स्.च्.लुब.ख्रा ट्रेंट्न. गुद देश मु म दे पद्र क्ष मा क्ष क्ष मा मा सा सा सा स्ट्री दे प्रते हैं के सामु

दावै माह्यम् अत्याद्याय विकेश्यो । वर्षाय अत्याद वहन वर वस्ति हे लेखानु ना दे द नो न दट से द मे न दटा सिट द सा न स्रायदे हो सका मु ना रखा श्रमकाश्रमकारुद्र'गुद दी। दी-दगानिक्ष यु याने शुक्ष प्रदार देद्र जन्म वा र्श्वस.त.रेवा.बुट्रा इ.र्हे.वर्ट्र.क्याश.ज.श्र्याश.त.श्रु.भे.उट्र.वाश्याःभेयश. शुः अधः दशः पानाव राष्ट्र त्या स्तर व र देन हो स्तर व स्तर के साम स **स्यांश.त.भुः भ्रे.चपंत्रा** वेश.त.भुर.तर.पंत्री. य.भ्रे.त. वेश.त वालेश. **नु त्युर न ने देवे हे**न की रहान हैन स्थार है। वर्द किनाश वर्द्ध कारा वर्द्द कारा वर्द कारा वर्द्द कारा वर्द कारा वर्द कारा वर्द्द कारा वर्द कारा वर्द कारा वर्द कारा वर्द कारा वर्द्द कारा वर्द कारा वर कारा वर्द कारा वर कारा मारे मात्रुदाना न्वा हे दानी स्टान ले दा भेरायशाय है वा यर ख्य वरे छे सार्री । ने कर क कर हैन स केन स केन स किया के सहार के स्वार के लेखा है के कि की कि पहिना'य'सेर्'त'दे'लेश'नु'य'दे' हे'सूर'यर्द्र'ऋनाश'य र्शेन्थ य'स'हुश'यर्''' **रुषः वं भरः विद्यानः द्वाः वृर्षः ८र्द्र-क्रम्थात्मः श्रवाश्चारां क्षुर्शः यत्रे पृष्यः वः** मः मः तर्द्र्राक्षम्यः यः **८२५ क्याबायार्स्याकारा साञ्चीका** प्रवृत्त्यार्था क्याबायार्था स्वर्णान्यार्थाः हेन माणेन पाने हर ही बायदे पानस इवसामाणट हिर्पर सेर परे हैर हैं। १२६५ पर दे प्रमुश्ता दुस रसस उर दु स से दे पर वर्द्द कर्म्बाय स्वाबाय वहनाय हेंद के बंदा देने हैं र दे हर आर म'भेर'हे विश्व च क्केंस'हे। हिंर स्ट्रिस च'न्यद विवा में हे हिस'च'भेर' ग्रेस। ्षमधारु वसमारु ग्रीकें का भेतावीं हेत दा पहें ने पा हेर हैं वा हिन भारे अप्राप्त निर्मा निर्मा वहा विचास क्षेत्र म। दे प्राप्त निरम्भ न क्षा

च.रर.तर.चिषक.त.लुब.च.र..केर.ब.विच.तर.वुर.त.पचल.च.रज्ञचाक.तत्। ्रिटं म्युरायायालेशा नुपा के सुर्पायर मुरायायर्ग। र्वे प्रायते लेशानुपा वेश.च.लट.कट. बेश.चे चर्या रहूश.पहचा पर्चीर.ची. बेश.च.च.ता. सूर्यांशाना. मान्द्राया दे तहेना पर त्युराहे। नाइवा ह्रेन प्रामानुवाय ध्वेता वे विशाना वा वे मार माल र मी भूर पदे वुरा पदे शर्द पर मुत पर ने दे पर कर मार साम र सार য়ৣ৾য়৾য়ৡ৾৾৻ঀ৾য়৾য়য়ড়য়ঀৣয়য়য়য়য়য়য়য়য়৸ঀঢ়য়ঢ়৻য়য়য়ৢয়ড়ৢঢ়ঢ়ৢ৾ঢ়ৢয়ৢৼৼৗ৾৻ मान्त क्रेंनाश्रासाम् वायाय दिर्पाय हित प्रेत हे लेश न वाते वहत मान्यन यह क्रिया म पर्म मिः श्रिश्सपे वेश म.व ८८.व श्री व.चर.वेट.नव.चेट र क्रीश स मीव . यर नावसाय हेर प्रवादी विभाग वरे रें। ही कर म करान मेर नर नार्यायते व्हार्य स्थाय ह्या यह त्याय मूच यह क्षेर हो। मान् ह्रेना स है : व: ५५ र न्यू क्षा भ । बे दे दे र ले स न व स्मार न भूष ह्या चार. में के शुर्भ यद रेस न व रर न स मीन न रहे भू र्स रस. मने हे हत्र महे हमने दिसार्थ मर्च मावर मुग्न है हि । अहस मुस्यावस मन्दर्भने निहास मुनाम हिन्दू नहार मने होरा नार विगानार मिंद भीर यादे हे लेखानु चाया स्वीस प हुँ सासी। हूट मान दूर न कर हे दूस सर. विश्वायान्यात्यात्याया है। इस्रायराष्ट्राया दे स्वादेश स्वत्रहेश वासे स्वादेश स्वत्रहेश वासे स्वादेश ह्रिन्यश्चर प्रेहरास्त्री । अस ५८ स्थेमश्चर्तन में लेशनु वाया स्थास्य स्थास्यस्य नाबर पहुर ता १४ मी १५ मा नार प्रेश ना बे शामि ना र प्राप्त श्रीया वार्य । দাৰুর নামনামার্ক্রবাধানে ইন্ধানে ইন্ধানিই পৌর দী রুষান্মান্ত্রি। 📳

लट.रेची.चर.रूची.चर.वेरे.त.ष. श्रुशश. वर.ची. देश तपु.चोवश श्रीचीर.त. द्वेरमानी मेना राष्ट्री विभागे रमानी मुद्दाया सुर्य द्वार सेवर हिन हेना द्वीनाय यते खेर केना केर प्येक के ले का इक केन द मेन साम प्याप्त के साम स्वास मः श्रेंबाराया हि अदाविषानु या वे मानवानी सुबार्या। दशम्याया या हिन्यदे 'सेंस्रश'ग्रे'वेंस'नु'न'र्दे'नावें सह्य नार्दा। रिमेन्स यर नेंदिर यहें हो साहितें र श्रेमसन्तर्भत्यः लेस.च.तर्म्यः हीर ही। लट.क्स.च.चलक.टे.क.ल्झ.चे.च.चु. म्**ष्ट्राचाम् १५८ ७३ में हे में खेर लेखान्ता वर्ष सर्हे से इस**ाया मालकानु प्रकरायर होता र्ने लेखानु नदे र्ने के प्राप्त कर में जिल्ला नु के में प्राप्त के ্র্রেমান্ত্রনা নী, ববং র্মান্ত্রা। র্মান্ত্র নির্মাণ আন নাল্ড দুন ট্রান্তর ল্যান্ত্র ব ्वै.लूर.मु रेवट.सूब.हा। चट.मु.ष्ट्र.चेस.चर.चेस.च क्र.स.चे वर.चेस. ्यः कुष्मसः दस्रेवासः यः दः रहारेवा य स्वरं पुः हेव गुः द्वहः व्यं वालव स्वरं हेदःयः। देन नियमिश्यामा स्थाप क्षा नियमिश्यामा स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्य दे. भेर दे बुर में। अपेर वी हे वा करे वी हिन में। अपेर वी हे वी हिन में। र्ट. श्रेट. मुंडे में डे मे डे में डे मे डे में डे म्बूट'मी' रेन'ने'सब गुःद्वट'र्यशमहट'य'३'तुर्द्र।। माथ'दे'अर्थेट' रुवा.तर.वाडेट.वर वे.व.वे.चंब व ज.श्र्वाहा. **שאים≅ב:**שג. €. ב', לב, ו ्याह्रस्यान्तिनाय्येत्रायमात्रेत्रायादेवे क्वी इत्याद्याद्यात्रायाद्यात्रायाद्यात्रायाद्यात्रायाद्यात्रायाद्या मर मु न भार माहेन हेन भेर भरे खेर दिर दे हा देश दा भीर के ले का **इस.र्घर.त्याचा.** चुब. **च.३५.ग्रे.** कु. स्था चार्य हुनाश का था चार्य हुनाश का चार्य हुनाश हुनाश का चार्य हुनाश का चार्य हुनाश का चार्य हुनाश हु यर सर्कें य भेद में विश्वाय वा वा वा दश य वर्त हैर में स स देश य स भेद हैं। माल्क भेद गु द्वर वें से दें दें या स भेक्षा दे वस के सस द्वर वेंस माह्यापर मुदास केरासाधिर की देश का स्थाय दिए से संस्था दिए स्वीस त्यः र्सेन्। संदेश र्सेन्। संक्षान् विष्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद्यः स्वाद यदे मान्द क्रिन्स सम्मूय य प्येत के ले ता माय ने प्यट न दट ये तुनाय से दर्द ब.लद्, बुब.चे.च.ज.शू.चाक्ष.त श्रुंश.शूं। टे.लट जुब च.मैंव तर चुंद.त.व. **१९'**भ' ठर हैर प्रेर' परे 'सेर' लेखा नु 'च हे 'दवह च दे 'हुदे 'मेख' परे 'हुव' पर " होदाय हे वर सर्हें प्राये दें दें दुर्ग वहेंदाय भे र हे विश्वान वरे दें हो। मर्भुव वर दुर्य के लेख पद ह्युव वर दुर्य थे। वर वर वर वर वर ग्रीर मुर य हैर सेर चले सुर से मरा बहुद व हेर स फे र बें ले न हेर है. चड्डा पर चे. प. म. ११ पर इ. में र ७ म. च व व व क. स्ची म. प. ह्रॉ म. स्वी <u> हैर गुें समय साहना बेर १</u> नसं सु हाँ यार्य हिंधाना सम्प्रेल साम के से सुना के सुना द्वे नर्ति अम्यासरे न्वेर है न्व्न है र गु सर्द्र हुस थे र या हिंदा मर सम्बर्भ के वर्ग दर मा बर्भ हो भेर हो हे र्ग जुर घरर राजे के बी हे ल वहेर्यदे नहन् स्निस वहेर रे लेस ये ये से से प्रायमेर नहन् नाइनास स् ग्राचलेर नेत्र वन्तर समान न र दिल में हेस में व व व व वर्र कर सहर मानद्राम् वार्क्षत्राचा नद्राम् द्राव्यास्त्रास्य प्रदेशक्ष्य प्रदेशक्ष्य प्रदेशक्ष्य प्रदेशक्ष्य द्या लेखा से द्या तदा द्या लेखा हो। १३ र लेबा से बाहिर लेखा छ या दे त हुटा वाद्या पर विश्वापते रूटा विश्वेषा व्येषाचा क्ष्मा चर विश्वाचर के चर येषाचर के चर येषाचा स्तान

दे सूर व सु दूर वह नि दहें से हैं व सस उद है द लेब.स.३८.मी.सेर.स् व्यन्त्रायाः स्रेत्रायरा स्रमः यरा यल्ना या ते हे । यरा से द्राय व बै'ब'**५**५'य'**५**६'। र्द्शार्च दशका गुः क्षे.च.३.७.चर. भेद च.रटा त्र्यः कुषाः नुषाः यः १९५ : प्ये ४ : हे। क्स स्प्रें मा सामि हुन या त्रस नु दा च नि मी में नि में नि में **विर्मार न्त्रम्य वर्ष्ट्राय था स्माय वर्षे म्याय वर्ये म्याय वर्षे म्याय वर्ये म्याय वर्** यदनास्रायादे द्वाराण्यः देवास्रासपुदायते कुरे छुदायर खाया स्राया केदास्र द्वारा नामाने वुसायावसया उदार्भेदाय वे स्थेदावा शस्त्री नादसा स्नेयसा दारे दे वे यात्रेमारायसायेवालेवा प्रेमानेवाह्माराच प्राव्यसायदेग्यसासर्द्धारस यात्रात्रविकार्त्राट्ट्रांसद्धराक्टेश वर्षात्रुरान्त्राचार्त्या इत्राहेना बुद्रायते क्षायर द्वे प्रत्रे के वे बुक्र पार्द्व कर लाम पार् मून्य पार में कर्ते। **६५. डेंब. १ अ. गुंर. य. र्ज. थ. जश. त्रेश. ग्रे.** श्रुच. पार्ट. क्र्य. त्र. क्र्य. य. श्रुच. यर. उचीर., र्दे । भेरे त्या झुन हेना हो दाय हे त्या त्या दा प्राप्त मेर वा हे ते हो हो र द्भायर वेषाय अर्ग के द्भायर वेषायते क्षे च हेषा सु हैर के नावनासः दना मी 'स्र' भेदा से ना नो 'हर्स' सु द्र्यंशतपुर्ट. व्यंभाकुर्ज्ञ मी.याडीयाश.मी.यीय.मी.हंश.श.ट्रेट.त. <u> ने</u>र'णे। भ.रंगुरी वोडियां ग्री.सेंद्र.कुर्या.भ.र्याकेश.त.लाट.चंडियां स.ग्री.हीं.यंद्र.हं स.शी. बुद्रायमायहनामी हॅन्मायदे हॅं वॅर हैर रहा सेना ने रदाविक हैर हैर है। माधीका दे दूर क नाम हे हैं नर तक पक्ष मुख्य में विदेश के देर के हैं दर।

રેના 'B''ભ સંનાશ વાયત હુંત સુર હૈના છે **દ**ા તમશ છે 'कुर છે' વાં દ્રાપ્ય વેદે 'નાદ मुश्र विश्व ता त्रिया विष्य के मिन्न के म.पाश मैंदे.चांबेथ.पा.क्षेश.पार पुंथाता श्री.पार्। १ ४ ५ १ हो र मिंबर पाल १ ८०. पर्युत्तान्यरास्री वर्षीय। हाराबुरारी सामास्त्रीसानारी वास्तास्तीया त्र श्रुम् मु स देव मु मु र मु हे स शु पहना यदे मु पहें र वह र वर हि । ेरे वर्श व **ৼৢঀ৾৶য়ঀ৾ঀ৴৸৻৴**৻ৼৢৼঀ৾য়৻**য়**ঀ৾৾৾৴৻৸য়৻৸ৢঀ৾৻য়ৼৢ৾৾৴য়৻৴৻৴য়য়৻য়ৼ৻য়৾ড়ঀ৾৻৻ म.बु.कु.चर.जुब.चस.चिसास.कुर.जुब ब्रा इ. इ. शर्वे १ च.कुर.जेट.इ.चस.भर्वे १ मानिन के स्था के सम्मानिक विकास के सम्मानिक के समितिक के मल्माध्यामु सेर्पाय ४४,२,५मुर स्। दे नश्य ४,५५ मुह म मले सश्य ५८, यदे से सका हेर जार रे नाका सबुक पर के नर के नर के नर के नर दे ने नर के नि द्धर त्रुद्धर या ने त्रा हेत् प्र त्राया सेतायर सहनाय धेरानु डेरामु व वर्द्धन येते। হলাৰ মন্ত্ৰ, নতু, উ. বহ, জেই, বহ, বিৰা, ব. জুৰ, পুৰা, বুৰা, मपु.टू. स्.स लुरे तर हे वर जुरे त. तथा श्रमस परी चर वरी वर वरी त्रवृत्यमः मुक्तार्य सुक्षार्ययुत्यात्रात्र त्रायमः ह्वाका वर्षे स्मायले समाय्ये स्व " हैंदर् वर्ण्यार्ग्स वायदानी हैं। वाय स्वास यायस प्राप्ताना स्वासाय पर्वेदः नर्रः क्षेत्र। हे. यरः जुष त चे क्षेत्र यः सर्वेदः य सः जुरः वशा दे. दरः रें वे म नशुर्यर वहेर्य प्येष जी रे हर बरे लेग है र्माय र नामें वायर मी.क्चै.च.के.चर.ज़र.च.भ.ज़र.मी। ट्र्य.क्चर.इंश.टंश.रंजू.चे.ची.मी.इंश.सं. रमाध्येषायर पर्दिर द्री मारका ७३ भारता गुराया यायर मो है। यदी प्येषी ५४ वास्क्रुमा **শ্রী'বর্**শ'ক্টর'তর'অহ্ম'র্মের দুর পাপ্তরম'শ্রী'বর্শ'স্ট্র'তর'শ্রী'র'র শান্তর্শানী'ই শান্ত্রী'বর শ

५५५ र्। वे.स्न.रे.स्न.प.स्चल.स्चल.स.र्च.च्.चे.स.पे.स.पे.स. प्रज्यहा नी क्षे व वेश नु पाया स्व शाय रे ह्र शाय है वा स्व राय है या के राय है । मानम्बर्गसः द्राः द्रिः दर्भः द्राः । देनाः तुः सः स्रांन सः सः च कुदः दर्भः सः स्रांन सः सः च **दे.ज.माञ्चनमानी.के.नर.ज़र्न.माज्ञनाश.मी.**खेर.ट्र.चबुब.ट्र.स्यार्ट्र.जी. माने मुरावा रेग्र स्वर माने ने हे हैं नर से व मा से व व में हैं हैं मते हे पर मेर पहेर भारत मुद्द पर मा भेरत हो। इया पर मेर पर सार् **ह्य न न्ना ल अट है। र्रल मै र्र म्नून य से द य है न मैं है र इंस यर के स**ार है न यामाणिवार्वे । याद्रांस्मिते द्वा यंद्रात्वेस याष्ट्राके प्राप्ता सेवायां साध्येव है। दे १९८८ तर वर्षे दे कुर वर्षे सम्बन्धियान र प्रयान वे हैं र में। र र रूर वर्षे वे **दर्भाग्नर्भ्यम्विष्य गः**मः **श्र्वाशःगः ५८: व्यत्रः** प्रश्नः प्रश्नः स्त्राः स्त्रः **८२.८१८.४.४.५**१५ व.५.८४ व.५.४८.४.५१५ व.५.४८.व कुरायसानुदावरेददार्द्धमान्ने हास रे के प्रदास के कि है। द्वेर कारा **क्र मी के वर्गा** अदमाया स्मान सामे स्ट्री माया में स्ट्री के स्ट च व.बु.प यंद्रा चे हु च हा हा। च खेर है सर अंग सह की है र स्था मा न रहा। के भुर तर हैं। व वर्गना ता बु. वर्ड्ड्स का का संबुर्ट का कर्ट्ड्स क्षेत्रज्ञा दे व्यायाया शे क्रिंग वा या व र केदा सामे व क्रिंग दे विदा ंद प्रचिद्यन्तः समस्य श्रद्भाः सन्ते देशनुभागाः स्वास्य वर्षाः । वर्षे वा ने देशनुभागाः स्वास्य वर्षाः । र्मियानानम्ति सारे द्वा ग्रामा व्याप्त व्यापा के दार्गाना वाकेदा ग्री । द्येर नशयान प्रत्या पर लेश न न र हेश है न न न है। इस ने सं लेब्स्य हुर। देवे व त्रमास त्र व दर्भ कवास त्र स्वारा पा महिना हर सु वर मुः पर्दर् प्रते द्वाक्ष पः पर्धः पः भवः वा। माप्तः कवः मुक्षः भेरः पः होः पः भेरः तपु.सुर.रेटः। वशका.कर.रे.इ.भ.मुश.ईमा.तरः तृंबाच मुँदाच.रंशूचाश.वर्: स्त्री वशका १८ . जा देशा तर . जेंश तर . वेंशा ता विका सेंदश तर . वें . है। पट्ट. केर मिटात् कुल स्वाधारा देवार सूचीय तर असाल्य सी मैरा राह्त ता वर ... भेदामहोम्बद्धी हेप्नामी दुसाम देव से मिनी हे से भार्रिन माना लट.ल्र्.च.भ लुब.ब्री अभ्यःभट्र.चर.चल्राच.स.लुब.च.वर.ची.पचैर. माद्रमधाता श्रूदा पति पत्ना केत् उत ती मात्रस स्नाम गी दि व दे ते से सस माद सेत यादे हैं द व्याप्त वर्ष लेश न न महित्र में। देन हैं १ द ह अर्स न में हे र्स्र त्या द्वार प्रदेश वर्षा हेर् रहत् की व्यवसाक्षित्र सा की व्यवसाक दे विषय है । लेब दें लेब हुर री। शेमस र मैन्स परे हुन यर ने र पाना में न या से र मन्ने त्रम् नु सेद य हैद है छैर र्सा दे स्र द माय हे मार्थ द से स्थर चल्रिन् स्थार्व धर से नास्याय रे नावस झारस व पर। सेसस मर्ग हेर वस्रक्षः कर्मा स्वर्द्धः या सेर् प्रस्ति । या विष्यु स्वर्धाः यो विष्यु । विष्यु से स्वर्धाः यो विषयः मेन्या मेन्या मेन्या मेन्या मेन्या मेन्या मेन्या मेन्या मान्या मा मुद्रमाधर मे पुर्दे। मुद्रम् मुद्रम् दे प्पर्रे दे दे दे स्माप्त के मूद्र ये के स्माप्त के स्माप्त

यदे वरे द्वा मा भारत या उदा मु लेश मु या दे वरे वा मा भारत প্রবাধ নত্ন यते दिं वें कर नी सूना नष्ट्र भेर ने दे के नदे कर द नी र ना सामित के नि **दे.३५.लुब.ब.बुब.**च.च.वुब.चर.भट्४.तर.बट्ट.त.माट.च्. कुटची.सट्च. वर नास्त्रा व दर से सस है द दर्शी माल इ र भे इ र व स खेस व व र व से से व र से र म.भ.क्ट.चर्]। विर.नम.पर्.मुब.बब.चाट.लुब.बुबा.चे.चत्रःचत्पराच.कु बच्चैट. मास्यान् नुदानायायदेव वसालेशानायायार्थे । यद्या न्तुक्रक्ताये क्रिंशास्त्र मारुषा लेखानु मारा भारा मुका कर्ष प्रदेश स्त्री सारि है में क्रिया है स्र **र्भेर-म-७४ व्या** पर्रेर-कन्याया स्वाधान दे हिराचर की प्रवेश वेश वेश वि नःमी नाटाताः वर्षे दे कतः ताः स्वाधाः वर्षः वर्षाः वर्षः यर श्वर री। दे ख़र दे प्रमुद सेंद गु लेश न न संस्निश वस है। ना वर गु नसमानदे द्वारा ना नहीं नदे रे अरे रे अरे रे अरे रे अरे रे विभाव के नियम हिना महा है। वर प्रमुद्द दे विश्व मु पर दे के स भेव की। वार मो खेर र र्दर कनाय या र्या र **য়৾ঀ৾৾৾য়ৣ৾৾৾৾৽৻ৼ৾ঀয়৾৽৸৽৻৸য়৾৸৽৻য়য়৸৽৻য়য়য়৽৻ঢ়৾৾৽ঢ়য়৸ড়ৢ৾৽৽৽৻য়৾**৾৽ঢ়য়ড় पर्यो नामर्ग हैर्म अंदरशामा आद प्रेश च दे की वराय हे कुराही मार्थ हे लेखा **व्यायार्श्यम् साम है देवें मन्द्रायाध्येक हो।** वरना हेर ५ र लेश व न वे हिं। देक्ष्रिक्षेष्ठिरादेकिक्षाम् इत्स्याम्द्रवास्मालेसान्वरामाध्ये हो **८९ँ२.क्यास.ज स्त्यांश च.इ.रचा**.मी.श्रद्धःश.च योर.लु.र.च.इ.ज्या उर्वेट.च.७४१. **ब. अर्थ: १**४ है। कि. अर्थटश. तपु. वर्वा. केर. तथा. वैट. व रे. इंस. १ वर्वा. केर. मर्बुट्स.म.जस.वैट.वर्त्। वीज.टे.वर्चा.क्रेट.सर्ब्ट्स.म.र्टट.क्र्स.चेव.टे. न'र्दः स्र न'वेश नु'न' वा र्श्वाह्मारा दे वारा हेर विषु र विषु र विष् र ।

भक्ष्रमायार्त्य्र वेशाचा वार्स्स्याया मुद्दार्शा वर्षा क्रिन्स कुर्या वा व.वी ह.ता.सर्वेटस.त जशान्ट्रे.क्येश.जाश्यांश्यांतरकर.तर.स.चे वर्षेट. बुटा। कुरा चुरारी न प्रश्न वससा वर्रा रेट्टे क्यारा स्यासा स्यास स्टिस मामाधीरार्वे लेखा देते क्षेत्राचाहेनाया माहे ना स्ट्रें च माध्ये दे लेखा ना ना मते'माबुद नीस'र्स्या प्यॅत्र'त्र'हे'मुदस'ठक्र'य'र्स्यास्य वर्धः मबुद'नीस'र्स्या। **दे.ल**द.बुंब.चे.च.च श्र्याश.त.ज.दे.लट.बुंब.चे.च.बुंट.च.बुंट.ट्रां हिर तर. यदसः परे नार्त्र हैं नास होस नु पर है नार हिना हें सं रहत है, रे नास समा पर्र **१५७४** मु र न्यासाना वा ले मा न है । जै के भारत हैस मरको र्ह्म रुद हैर माधिद वटा। हैं यहिर हैं से रह हैर खेद यहे हैर सी दे नमान्यादेशमान्त्रेरामाणीनार्जी। दे नायापार हे नमे हिरामर लेख नु नाया र्श्रेनासाय य। दे यार्चे व हैदादे त्युदा वासे ही सी की प्रीतादे हैं हो। दे हैदा ष्ट्र्य.कर.त्रुर स्। ंपट्ट.कर.ट्र.च.ट्र.जमा.पचिर.च पश.चैर.च.ही पचर. षर्यश्र.वे.पवर.वष्ट्र.चिश्चेबाका.कथ.र्थःवर.पष्टर.च कूर हे। क्री.भूर थ.वर्यका. मु से द 'यदे 'सु र 'र्रो। 💎 दे 'यस' द'दर-'यदे 'या ह्यास' रुद्यायाट 'प्येद य प्रद्र' । र्हें न ख़ॅन य श्रेन य अ अ कें कीं। हे ये खेर दमर मने कें अ कर नु मुर य थ भ. हुश. तर प्रचीर। चाज है . ४ वर व . इश. ३४ . लूब . लह . खें। हे . च डिचार.

रट. रु.चे.चे.लश.ध.टे. तपु. इस क्री.चरचा.३८.७३.लश.तपु. हुर रू. खे.या हचा. व.रटाचिवाम.पा.बुमाचे.पा.मा.स्वामाता.स्या.मा. ह.र्जर ट्राय.ड्रेट.कु.प्यर. ल्रें के क्ष्र क्षर के के किया है किया किया है किया किया है किया न्गर वितासीन्सामने नायद केंस् साधिश पार्टा परे नायासिन्सा मही सुस केंस स भेर हिरा र्गर में स से निसं म र र र । निरं म स स स स स प वै प'यट'न्ट'लुकाणुं'मुं'म'भेव'वे विश्व दम'यर'न्चे 'च'यहुर'वस हुर वर'' विश्। कुमा स्था देर दे व नवर अश मु किर दे त हे कर अहे कर म् त्रां त्रा स्वास वा त्रा विकास विकास विकास विकास विकास विकास के विकास मालदार्दाख्यामाद्रमादाधर्पर्वर्गम चेंत्यास्त्रव्याचार्दा। 💛 पर्देर्क्वव्या भः श्र्मायाय व्यव्दर्भाय स्थापनी स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्य हैंद फीब है। भे में दर वे मु अर वेश मु मदे दें हो। मवर हे दे दे क्रम लेब.तंजुरा लेब.यी.व थी रेगार. स्राया स्वास सामे व लाट ला स्रायास · मान्देदे के भेरा चर्ते के राहे। मान्द्र के माह के माह के स्थान भन्दा स्थानावसम्याव। हिस्यादग्र विभागिता वर्दा दर्द े क्योशांमा <u>श्र्यां स.त तक्ये. वट. कुरा ५०</u>४. ५ वहा. वे.च. चार्या ताचा व्यक्त. वर. ट्रॅंचक्द्रमामाण्येद्वां 'खुश.मे.न.मे पर्वेट.न.मभभ.१८ क्रूचेश.न.४.चोट्ट.भु.च वर.ल्ट्र.नप्रु.टट.

पर्टे. क्योश ता स्प्रांचा सामा चार्या प्रस्तु न प्रसाम स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स मात हैंने खेर लेश मुन नदेश सुकार प्रमहार नाम द्राप व मुन्या से हैं रोही। सेंब. हुबा. इ. पहेबा. तर् हीर खेश. ये. प हो चारका से वहा संवहा संवह हैं . पर् कवासासार्श्वासायासेद् यदे सुरार्शा नामाने दाँद कवास मार्श्वासायदे व्साम मना पुर स्र प्रते हुन हो। हेना नहना पार से हिं ले वा वुसाय है हैं वे कैपा'मादस यर देस यदी सर्द्ध केर कर मो म रूर या सेर वा सेद ही लेस य नर् मार प्रवेश में मुवासर वस्वारी। पर्देश वर्ष में विद्युर में विद्युर में अब में वरने **ৡ৴.**৽ঽ৾.ঀৣ৾৾৻৺ঀ৾৾৾৾৾৾৴ৣৢ৸ঀৼয়৾৾৻ৠঽয়৻য়য়য় ৽৴৻৸৻৴৴ৄ৴৽ঽ৲৻৸৻ড়৻৶৸৻৸৻য়য়য়৻ৢ৻ हर मु हिना हर दुस प प्पर् या दे प्रधान। पर्दर क्ष मास स्वाधाय हिना हर हु नरः त्रभः वन्ते मुनः वात्रास्त्रुवायाये कृति । वुकायते रदान है १४५ र लट पर्रे क्याबायदे रटा में हें वे पहना पाउर लेख माना में ग्राम में में बुखायाववृद्यायदै यद्वाकृराकुराकुराविकाणेकाकायदार् रदः नी दें दें े। रद महिदानाश्रयः महो वें वें वें वें वें वें वें निहिना महा सार्थेंद्र या देवी वर्देशकर वास्तर वर्देशमानी है वि रहनाय कर दे व्यापन पर द्यैर र्हो। नव्द र्लेर याद नव्ह र र्लेर या रेग्र साम प्रेंद वेस रे स्ट्र मण्याचे रायते क्षेरास्ता पर्दे कराया स्यासाय वेद्याया परा प्राप्त प्राप्त प्राप्त स्थापा स्थापा स्थापा स्थापा िट.तर.चिश्र धिरश्र.टे.चचट.वशा ट.बु.वेश त.टट.चश्रप्त वरू.विट.तर.३ेट. भै'नवर्'र्'लेभ'नव्याचरे'सेर'र्गा पत्रुट'नदी'रट'नतेत र्'छर्'यर भेर त. भूथ. थ. भट. खुंब. चे. प. हूँ श. हे। पचैट. प. ईश्वर बु. श्रेर. कुंग. स. भूथ. परे. हुंर।

रदःवर्षेदःग्रेःछर्-परःॲर्-पःसःऄ३ॱव। देवेःरदःवर्षेदः**लेसःग्र**ःवःवर्गुदः य'इसस'ग्रे'रद'यलेब'नु वदना १९ माडेबा'य'दद'। वर्ष भ'यदे हिर्'यः मैंडिट'वर्दे' छैर'हे। महिना' वाने ने ने के दें के दें पर के पर है बनावा यद्र. द्वेर. रा। चाय. दे. पचिंद. यपु. र द. पचिंद. र स. पारा र द्रेर. क्यारा . स्यारा नः भ्रे.नः म प्रवेशी वर्षे गण्टा गुराचये हिनाचर यस प्रवेशया दे प्यटा नुसम्बम्धान्द्र-व र्याद्र याम प्रव थाने स्ट्रामा मार्कराया सेना हे या ठदः भेदः यः १९८ मान्यः यः भेद दे वे व। मानः यदे मिन यर वहना सेद य व बिस.व.त.त.स्वास.त.झॅस.हो वीर वर्ष.विद.वर.प्रहेवा.शर व.इ.भट्र रे. ब्रेंचेश्व. त. श्रुर. तप्रुं। लूट्श. श्रु.चीर. तप्र, मिरे. वर. चार् ग्राप्त. चार्श्व. वा. **बिस-छ-पन्दी** नुस्र-हे-सूर-यार-पन्दे-पवेद्यायासेर-पन्ने-हे-सूर-नु-हेनासः भष्ट्राया हो रूपामाना हैना मानु ना ना ना ना स्था हो न तर ने न तर है। न तर रे किया **য়৾৴'য়৾ঀ৾৾৾য়৾য়য়য় ৼৼ৾৾৽ঀ৾**ঀড়ৼ৾৽ড়৾ঽ৾৽য়ৢৼ৽ঀৼৢয়৾৽য়ৼ৾য়৽ঽয়ৢৼৢয়৽৽৽৽ঢ়ৼ৾ৼয়৽৽ **दे त्युर सॅर्'ग्रे तर्र का**श व स्वास व स्वास प्रदेश हों रे रे व स्वार हे या सार हे रे रे स मलैकानु मुन मने प्राप्त कर मुंगुन्य राया व नन माणेका के लेखा दे में सुनि . **सर्-डेना-स-रे रेर-मुर-प अर-डेस-उ**-व-य-स्निश प:र्झ्स हे। मुर-पर-कु **सक्रीतिविद्याः श्रमः श्रदः अर्थाः स्टार्ट्यः लेशः वै.च. म श्र्येशः वश** दे की सेन्यारकाकृत्नु प्रक्रायमधेनार्य। युग्यवित्रम नीस हकाकृत्य में में मिडुनान लुक्तमद्रास्त्रेम्परा दे लिए हेना नु बुद्धारा हैर सेक्षम रे हुन। सुर माध्रमशास्त्र हेगा हर देवीर नर त्र विराधित है विश्वाची व है वह से सह हिंद है हैं । **३ श.म. भर. देश.च.च.ल. श्**चेश च.ज.चर्चा.रेट. वर्चा.ची.च. शर्ह्ये. वर-क्चेश च.

बैदे'य'बेद'यर्थे। कुॅर'य'ब्लॅब'यस'दे**'बे'ब्रह्मह्महाराज्य'य'ऋँग्रामम्हहाँह्य** दे नश्च ही नहे दुश्व विश्व न ने हैं हुँद केंद्र भं में हैं न द नद्व ने दिस में मर्देराचराड्रेरार्शी रमो.व.ज.स्वीसामर् जसाकु.वी.व.ल्प्रेश्वीरा रुष्टुः व्यवसा व परे परम्भूना प्रध्या के ब्राह्म मुंद्र साम्बेद मा हित न ने हेद हैं ना ने है नर्देश र्वे वे । सर्व १ हैन ने १ हैन ना वा केंद्र शर्दे को दे स्न है से सुर्वेश सुर्वेश निर्देत सर हेर्'याम प्रेक्स व लेखा च व के रे केर पुष्ट रायर चाव मा प्रेक्स व सामा हुस.वे.चश.स्। ८५ स.त्र प्यीर वर्ष हुस.वे.दुर.त.वर चर.ला व ह.व.हुस. नि.च.चंचेंत्र रेट्श.त्र्र.वचैर.चत्र.ह्श श्रीचेंर तष्ट्राटट.क्त्र.वर.वट.ज लूर.च... बिश्च'मु'पर'ळेंन'इस'पर'सूर'र्रो। प्रश्ने रेन्न'मु'र्पर्'क' सेन्न'ने इस'पर' नुषायात्रवृत्त्वरात्रात्रवृत्रात्रे। स्नामान्त्रसायरान्ध्रायद्रास्याया च दरास्य यदी र्क्षेत्राय है र व्यद् र दे से र दे । से न च कर्ता समामी दमा तर. पुरायात विद्यातर श्रेमशाया भी रही हे. स. भी राया प्राय प्राय स्वरं हैर उदानी क्रिंग याया लेखा न यादी माहिता हमा है। या मध्य प्रामित स्थाप है सामा है सामा है सामा है सामा है सामा सेर्'यर'हेर्न'य'वे 'वत्र'यरे सक्तर'हेर'ठर'ती हेर्च 'व'ये प्रेतरे। रेखे वर मुर्य रे क्रिं य हैर या मु मल र रु मुर य वे प्येव वि । रे हैर वे दे दिर वे लेश नु न ता स्निश परा हुँ हैं। से दूर ता देर प देर विदेश नदे होर या है। भु पर्य मन्सर्पर लेश पु प्राचाय स्वास समा प्रक्रासर हेर् ही। भु पर्य प्राचित র মনে মানার্মী বার্মী বার্**ম শ্রম র মার্মী বি হর জা মার্মী** বার হার্মী परः अमि व व व व प्राप्तः पुरः गुरु व अर्थः यदे । अस्य व व वे से व क्रायः व

यर्जेर.तर.वे.चतु केर.क्रेश.वेंश.वेंश.वे.च.ची हे.स.वेर.चीर.वर्ष अक्षर केर.वर. म्। मार्थियाता क्रिये हो 🕟 निर्मेद्र सराची निर्मेद्र स्टर्स स्टर्स स्टर्स मार्थिया है स्वराम हो सामित्र है। र्द्दर्श इर र्ल्ट्र्य लेश नु: व दे अटल नु न्व स र्ल्ट्स हा प्येर पालस ह्रमानि क्षा है के महानी के पर लेक पायार ना लक्षा पाक रे ने में हिना के के र प डर् हैर र् नस्तुवस व हैर ग्रे सेरा हर सर सर्राय हैर र मुव या सेर ही। दे त.बुस.चे.च.बु.बिट.कु.चर.ठ तूर्तात्रा ४इ.मस.हैच चहित.एचैट.चस. वागुवादबुदावद्।। श्रेनाय विद्या विद्य म ७३ दे। दे १ हे न हो हो र अद शे दाय व हु द व ७३ दे। ्रवॉशयः १९५१की सुरेर र्रो। ५वायः यः ५६ वर्रेर कवासः दे र्वायः वर्रेरः क्रमभारे। दे द्वाद्राय वस्य दे मुंद के कि हिर्यर है व द के स्यादमा परें स'य' फेंब 'में 'सर्द्ध पर 'स्व पर दें स' के ब' हो व परें द कन स' में हैं स' मर्द्धास वरास्त्राया सेरायदे सेरार्याः हे त्यात्वादाव हे त्यास्त्रायाः त्रान्त्रेयुक्ष, यह के अरक्ष, या उक् मी , द्वाद , यह । वह दि कवाक मिट है । से स **य २ दिंश ये तार् भेग्राय दे स**र्दे पर क्वारा व हेर् भेंद दें। नाम नी खेर दाकर प्रति सुर्थ , वर्ष दा स्वर् मी दाना र पर दा । अमेर पर कर मास्री,चार्ष्रं,क्षेत्रं,दं,क्षेत्रं,वैरासीरायतंत्रा राज्याविरायरायां राज्याविरायर्थे स्वीया भ वृद्धानी लहा पर्ट्य वराने हैं हैं क्षिय मेरी मही के हूं। हिंदा वर्षे हैं है देन म वेंद्रमाय दें राज्य है राज्य में दाले ही है दिए दे या महें राज्य देवा राज्य है

उर अञ्चरभर सेर् यर र्वे रुप्तिकेर वरे दमाय उद्यापित वर्षे वेश सम्बद्धा वर्षे ८९५ भन्न भन्न संस्कृत के स्वति स सेर्'यते म्रस्य र्दे र्'न्'मोहेर मा है सेन्'यर सेन्'यर ति। स्मापस्य प्राप्त स्वापस्य प्राप्त स्वापस्य प्राप्त स यर पर्रे, य के प्रह्मा मध्ये होर मध्या वर्षे मध्ये होर माप्त हमा मध्ये ही सक्ष मार लेक रा दे वे लेक मुन्द की तहना सते मु महंक नार लेक स के नदे नदे नदे र्भर यानरे नरे कुं हे**र रु** मिड्ट न स्थार श्री वासर पहना नरे सरना है ক্ৰল্ম ন' টুব অ' ক্ৰু'ট্ডৰ বি'ৰ্**ম'ন্ত'ন বি'ন্বি'নাট্ম'ল্ট**'নাট্ট'না'ন'ন্ত্ৰ'ন্ত্ৰ'ন্ত্ৰ'ন্ত্ৰ্ मा अ अँग्रथाच २ हुना मात्रे क्यां दे निले ४ नु निल ४ व । यहना मात्रे प्यम मान्तुः कतंश रामिकेरे. त्रांतपु. क्रेंस. हुंस. में स्वेश में स्वेश में स्वेश स्वेश सामित क्रिया विश्वा तीराजा विश्वाची नहीं नार किया निवास मानिया ने विश्वाची ना वे हैं। हे.स.मु^{ट्}र्। रेट्स.सम.चर्यै.पस.बुंस.ये.च.स। चार.यु.कू.संस. श्रुंबश्नासशक्तुंशासरासुराया विद्यानी निर्मान हैं हिनासर है सामदेशमें स मायहेक्रका पर्टेरक्षाक्षा हो पर्टेर हे हे हे कुरायर्शी मारानी हे है सिका त्या वर्षेत्र विष्या व व वर्षेत्र स्वासाया स्त्री व प्रेय देशे के प्रदेश प्रेय व व वर्षेत्र स्वास व त्वातः होता हो साम्यान के त्या ब्र- व दे.ज.रश्चेचेश.त.पवैद्यात.ल्र्र.त.रेटु.क्श.त.व्य हे**र**.पर्ट्रक्यसाय.स्र्र. य सर् प्रद्वांशायाः भेदाव्याः नादा **भ**दा श्रुषा **तायाः श्**वांशायाः भेदावा वर्षाः द्यात्र द्र्यक्षात्र स्वाधायाः श्चीत्र दे भ्यात्र भारादे ते भावत्र भ्रावसः श्चात्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र

हर्में सर पर्तेन्य पर हिर पर पर पर पर हो। हे न्य ही पर कुर निया है **डेर्'च'म'र्स्य म'लेक'र्य पर्दे' दर्दर्'कनास'म'र्स्य**न्स'र्य र् मुंदामुकायहनायाद्या मोनाकानुदायाकृत्वायाप्यात्रीवायमुद्रायाय्या हे दिर र्वाश भवेष वर्ष हे तर जुर तर हिंदा तर है तर हैं र तर है के अ क्षेत्र मते खेर देश भर खेर मानामा म क्षेत्र के। तनाम म कर्र भर केर ब् ७ म.च.च.व.वा विश्व विषय निर्देश मान्य मान्य निर्देश मान्य निर्देश मान्य मान भैक्ष स्वर्थ क्षेत्र स्वा व्यर्ष क्ष्म क्षा क्षेत्र स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वय स्वर्य स्वयं स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर ब्रिन्थ. में हैं हैं रे तर बेरे हा। अदश में श्रायश पर्टर कनाश भेर तर ही. यामामार्वितायमे केरा मी भी पायदेवी पर्ट्र क्षामा मु प्रवेश के केरा नु न मन्तर् यदे से मारा प्रेक्ष म दरे कें। रेम् रादरे खरा दर्र कारा गुं मुं हैर ं भैंड चर वर्डें न्यं ब खुंबा बेंद्र चर वर्डें द कनाबाब बर्वें चित्र विदेश के नाबा मु मु भोद पर री रेज्य य वरे हैं द मुंश नु व दी हुए न उद्गे हैं प्रेर यदे हैं र र्शे कुमें द्या उद्याप स्था में देश द्या द्या है। दर्दि क्ष्यं या स्वास नदे स्रमाणी प्रश्नित मुग्ने प्रमानित वर्षा यदी यस ही " वर में विषुर में लेख नु निर्देश में अधि खेंद्र है विष्य रित हीं वे द्यायाय स्वाध मन् ने के क्या मा मक्ष कर हैन कर ही मा हैना चर्ला है कि र ने न न न न न हैं हैं र्टः रट वर्षेत्र मुँ 'लेख' वु व के के के का व ता का का वाकी का विकास के कि **अर.रे.**च तर, तपु क्रि.रर. चलुक लेख.चे.च.कु खुर. तपु खुर. तर हे चैंपु.रर. चलुक व् । त्रामुवा कुर अदा लेखा छ वा ने के का मान पदी कुर अदारे। यद्वा व श्वांश्वायायावा वेवा ग्राः वेश मु न मा श्वांश्वाय प्रकार । ।।

ैं हर् स क्षा द मोया **गुँ प्र** मोया मन्। विस्त में पति वहार पर्दर्श

नामाने वामर नामा वाप विचारिका न के वर्गा न है। वर्गा हर विचा हर मिन्द्रात्वा दे वर्त्वा वर्त्वा वर्त्वा केर्त्वा वर्षे ता. स्वीसाचात्मा वहस्य साचा प्रवास देते हें साम्या वा प्रवास हो लेखा न वा के हिंद हें " क्वाल स्वीयातालामि व्रत्वर हूलानुर ट्रे लेखाना वाने नेते हेथा या वर्ने रावे क्षेर**ःह्या मक्षाने अरावन्**याः व्यद्भायां निष्या क्षेत्राचा के सामा क्षेत्राचा के दा वन्नान्दःवन्नान्नेरः क्रिविश्व सरायम्भाग्यरः हेशाय वा वेश या अया निरायान्दरः चक्कानामिरानेकावका भर्ते हुए हुका नहूर हु॥ क्षातर नेवातप्रमिर हुर णुःक्कॅर**्द्रन्थायायाम्बर्दर्य**देशकेता है के सम्मान्यना से दार्वे के गण्टा हें शाया दहा **นสพ.ศ.๔ะ.นฺฺมัพ.ศ.ต.**ชุปฺพ.ศษฺ รูพ.ฏิฆ.ชฺปัฑ.ชิ.ฆฺ๔.สะ.ชู ชฺป๊ะ.ฉ... दे.केर। दे.केर.के.क्श.म.लश.वैट.चर्य.खेश.वे.च.ल.स्च्रीश.घश.४कर.चर. ह्मॅर्न्य दे नाट लेना नाट या लेखा नु न या स्वीधाय प्रेश पर्ना नु 35:51 क्रम्बर्धाः प्रद्वम् प्रदे कुर्ने प्रदे प्रदे विकास । विकास विकास । वि दे'वाक्यासाम्बे सर्दे धर्माक्यासामाने नामावार्ष्यामा रे दे वारी ह्में पर्वास मयु.कनास सम वस तह पहिंच यारे दिए हार श्रद्राक्ष अर् बाट बुनामाट था कनाम रार्ट केरे तार हे है न महर् यह कनाया मर्दे॥ सम्बन्धान्ते वहनायन्तरम् स्वापायराधिक के लेखानु महीय स्वाप रे देशहें। मह्ये.तर.क्ष्येश.**प.द्याज्यात्राचा.जस.त हेर.ग्रीश.पड्या**.चर्यु.सेर.२८.८७२.मी.

नित्र हैन्स मा यदना-नुःवहिंदःयते वहिःयाधिंदायादे त्यादे अत् हें सामुर्वा देवे देवे देवे देवे देशनु न के पर्ना थायक पर्ने नामाय दे देव मु हो। व के के मेर माय सरमाय दे देश्यार्वन्%द्राद्रेन्त्वासुदार्वे स्वामास्येद्राधि साद्रेन्यस्य द्रियायर """ विश्वास्त्र विशायसम्बद्धाः विश्वास्त्र स्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त विश्वास्त्र विश्वास्त विश्वास्त विश्वास्त विश्वास्त विश्वास्त विश्वास्त विष्य विश्वास्त विश्वास्त याकारमा वसायसायहमा यदे द्वार्यो। यदमा वाके यर समि वासर्वे वा ं सर्वेदः च से द च दे दे हु द व कु से दसे नाया मार्थे। वालव त्यायव पर्दे नाया मार्थे असः ৾**ঽঌৢ৽য়৽৾৾৾৾ঌঀড়৽ঀঢ়৾৽ঀৢ৾ৼ৾৽য়৽**ড়৾৾ৡ<mark>৽ঀয়৽ঀৢ৽ঀৼ৽ৡৼ৽ঢ়৾৽য়</mark>৾ৼ৾ৡ৽য়ৼ৾ঌৢ৽য়৽য়ঢ়৾৽৽ ष्येत्र में मधुत्र य के दे प्येत य दे के दे दे ते वाद त्य दे दे में वाद त्य दे त्य दे त्य दे त्य दे त्य दे त्य दे अद्रे हे स नुवेश के ने अपकार वास दि से स के स में स स स दे ने कहत या लब-है। दे.चद्मा-मी-बदे-चदे-द्व-दु-धूर्व-च-लद-म-लब-बुद-। क्रम्स-दश गुद्द स से दे न व दे गुद्द न में दश से दश से दे न व दे न के द न से दश से दे न के दि नेद्रायामाध्येमानेदाने विद्यान्ताना केर्द्रायामाध्येमानेदाने विद्यान्ताना विद्यानेदाने **लट.वर.भ.ट्र.**मोवाय.वेर.त.१.केवा.भ.मु. वर्ष.क. वर्ष. तर्म.त. क्रा. चत्रे क्षेर हीं मेनाम हेर चेर वस च क्षेत्र में स्थर है म तसदस पर्वे हीर्य र्षेद्र'दर्भेम्बर्धात्द्रिष्पद्रम्। देख्याधेद्रंद्रदेशायमायसाद्र्यद्र्या यदी दुरा देश या उद की श्रीन या ता वर मंदिर मो हे हेन या सेंदि या केंद्र स सेंद्र में।

न्याया मार्केन्साय देश्वन्या किस्ता के विकास के विकास कर वास के वास के वास के त्रा व्यामिद्धाः वास्त्रम्थाः विश्वेषात्रः विश्वेषातः विश्वेषातः विश्वेषातः व्यक्तियोग्नेसामाद्रीत्ना'याद्रा' अत्राचित्रायास्त्रीत्रसाम्बद्धाः विद्यविद्याः हो। पर्वा के के त्या मान्य मान्य मान्य के विकास मान्य मान्य मान्य के कि मान्य मान् सेमक कर् नुक्ष्यं हिन् नु संदानाक क्षेत्र पश प्रिनं सामेक ला । । ने पट प्राप्तिः कलाच्युमसारुप्ते के वर्जिये शूर्य प्रवासिक साम्राज्य साम प्नाक्षत्र-दश्नेवश्चर्या ह्यू-प्राचाक्ष्मायात्रात्र-विकासः हेर्तात्माय व दश्केतः क्रेर्जिन्द्रमानुष्म वास्त्रायायायायायायायायायायायायायाया रेट मुक्ति त कुर्यातिमानियायकुर्यातिमान्याने हेता हिंदा हिंदा न हथे. मुश्चेट हुत्र अध्यम्बर्धित के हु देशत्ये वार्ष्य हुर हुर हु। के ्रहे देशः त्राचित्रशत्मे सेमयः क्षेत्रः ता.रेश्चेस्तर्तारेटः। क्ष्मांतारमेशास्त्र सहि। देनानकि केट कृष्णामानकिष्मानह्दन्तहरू.श्रे व्यक्ताव कृष्णान ं वाकानभून भाषीत्र हो ा अस्ति क्रमें आदि स्वायान दिना वा वे से ससा रहा या हु से त ्यवाक्षेदाहिष्यास्यात्रेक्षायक्षायक्षात्रक्षाः । विष्ठे श्रेष्ट्राहिष्यविष्यायायस्य यहेत्। मद्रे श्रिटाहे के सेसस उद मा मह महर्मित स्ट्रिंग मा वा के दे हैं पर मा मा वा म है दे हैं। ३ देखे श्रेमश्रक्ष व्यवस्थात या उद्यामि लेश ने य प्रस्त्रा न हूँ र स्री ीर्मिट मी हिर पर्रिक्षमा नह में के क्ष्मर ग्री हिंस या द्रीमाश परे हीट हिन्द्रिन्द्रायाचीत्राची अध्यक्षाळ्यामान्स्रीत्रसायामान्येनायति कुन्द्रिन्ची हिन . ह्यूर.च:मार्ड्स.च.ज.लट:मार्ट्स.क्र्यांस.चार्त्यच.ल्रुस्ट्री सूल घ.र्यसस.चट्ना.

5.क.च.क्र. ट.श्ट. च.क्र. में क्षेट हर्त श्रमशन्दर माने माने नाय हेर हाँ। न क्षेत्र है। नहे ने पर यद यहन य भने है। हुम रह्म विहास पर्दे न **बिसामानदे द्रां । वि.संदासामान्यामे बेसामान्यामे विसामा** हें इ. ब. बार्डर् ता त्रुव ता है . त्रुर त्रुर त्रुर ही र हिर हिर हिर हा ता हव . त्रुव हो । व स्वतः यः मेर् प्रते विमानहित्यापे वा नाम ने प्रता हुना नहाम निमानहा प्रति निमानहा । क्रनासालास्त्रम्थायायायायायायायायायायायायायायाया न.चंट.लुब.च.ट्रं बु.क्केट हु ट्र्स्.शि खे.र्घट.ट्ट.पंचाय.च.क्रेट.लुब.नपु द्वेर.र्ट्रा । ८5्र रेना दश देश नु प ता दश र्श्वेश च दे रे दे देन सूना धर रर्शे पर्ने न्या साम्यास मर्रे छैर री। सिं कुं लेश स्वान वे ले इस मी कुर्री। रे हैर वे रहमा रह पर्या.मु. लुक. चे. प्राया. श्र्याका या श्रींका है। प्राया प्राया वक्षेत्र है है हिंदा में स्त्रीया **२.जी**र.स्रा टे.भूर.तर मि.चडु.मी.बु.र्हाट.भ.लूर.मु.खुशा ट्य. मिट. न्त्रना नुः मुः नः हैन प्रदे व ले इंट व दुः हैं। लेश 5 नते ने हें। हे हैन व हेश व.नर्न.र्ट दर्म.नु.रंभ.तंर.खंश.चे.न.ह्या.श्री हे हर क. खंश.चे.रंज. स्निधासम्बन्धियाताता महीतातातास्त्रीय पार्ट्याये प्रदेश महिनास्त्रीराया हिन र्। 'दे अर मिर दु क्या मर के अर है। मार प्रु हैर वुक्ष वर केर रहा हुस.च.न.हु.सुर.स.हु.स.म.हु-.स.स। क्रूर्ड्स्म्स.स्ट.ह्म.च.चार. द्वाता सराकुःवृद्धाया बदाया सेदाया स्प्रेंदा देवे हें ते हैं शि दुष्टा ब्रि. क्रि. क्रि.

क्सरा दे प्रश्न में व्याप मा मा प्रश्न में प्र में प्रश्न में प्रश्न में प्रश्न में प्रश्न में प्रश्न में प्र यते'स'दर 'यस'दर्श परे दर्श पु कर हेर स' फेर परे खेर र्सी हेर सेर **उदालेश** मु मार्दे श्रेनाया से**र** मां उदार्ति। सेसस उदारी र्दे थेराया हिरामस य'म'भैंद'वेस मु वं दे पाकेस पर्दा 🔧 पादस प दे ही ए हिते पहुंचा या उस दिए **हेम सु** प्रदेश न कर हैन प्येद यदे रहा प्रदेश मी मान्य कें ना स्र . ୠ.୯୬.୯୬ **୯.୯**୬.୯.୯୬.୬୬୯.୮.୭<u>୯</u>୬.୯୬.୯୬୯.୬୯.୮ बुर्ने देर प्रचायान हेर त्युर प्रदेश विश्व प्रचार प्रच प्रचार प्र **४स.प्रिय.**तर.प्रेट.त.प्रयोज.य.के**ट.रश्चाश.तर्त्र** ीवश्च्य.तर्रु.लश.ट्ट.श्च.श्च्रिय. त्रम, दु. त्रम, दूर त्र्री चैंद. दें बैचीया ताला स्वीया ता खेसा ची वर्ष स्था मते सुराही वा कर हे मा खेर विराम प्राप्ता के के विराम विराम हिमा नहार की नदेश वा मर्वेट व केट की सर्दे द्वा मीस पहेगे क्वास सा भेर व सिट स या भेदार्दे। विगुतानु पद्मायाया दे 'यसूदा पर्देस स्रोमसाया स्रोतासाय दे स्रोतासाय स्रोतासाय स्रोतासाय स्रोतासाय स् स्र रहेन स्रेश्न या में स्नि मा से दाये प्रमा क्रमा स्था मुदा पर्वे । इट न ने ने नक्तिंग नि के निकारी निकारी हैं कि साम के निकारी के निकारी हैं कि निकारी है कि निकारी हैं कि निकारी है चन्नानु कन्म च म्बर व्येत च केन् केन केन किन नु क्ष मार्थ मार्थ मार्थ केन मुक्तायन में में का वा खें ना हे विंवा व्यून प्यापन के लेका वह ना विद्याप 모드레 े सुर-वाद-विवा-८ वे**स-सर्वेट-सेन-१-वेस-१-१-५ 3**34.

सुदे नाइन केनास र्से लेखा ने 'चाने 'अर होर धर केर संस्था हुर चाने जरना हु " क्यारा पत्र प्रवास व केर प्रवास पर हैर हैं। मार्क क्यार रे माक्रेस के सम्बाद प भेर हे लेस न न दे दार्टे पाय पार दे केट न भेर ही लेस न न न न है। पार पाय पार पार केट न पाय है। लेस न न न न न न प्रदेश्वर लेख मु: राष्य सेवास या र्ह्मेस है। यदना प्रायम या वर्ग ना वर्ग ना वर्ग ना वर्ग ना वर्ग ना वर्ग ना वर्ग *ने* :अन् :प्ते :कुर :दे :बः प्रस्थ :४ म :८|वॅर :प:५८:स्रः ८४:वश :५५४:प:५ना :५३८ः : 'च'द्र'शर'च'हेर्'द्र'वर्ग्याय'य'स'मुव'य अद हें लेख'नु'वर'द्र्वेट्स'र्से। लॅ'ब'ग्राबस क्रेंब संस्थाय द्रा इस यर मु : यह वि : यह ना यह : में हाअर प्रेंब ले वा देव गुराम रेग या प्रेंच ब लेश मु न पा सम्मा पा र्ह्स मार्सा। र.रे. ७ थ.व. वर्ष. में. व. ८रे. वेर. लूर. व. ४ भ.वर. वेश.व.र. वंश.वर. वेश.व लूर्य, भूट रेट. चंडिचेश हेश चे.च.ज. श्चाश च.कुश खूं। चोट चे. चरेचा ज रूप. न. सुर. तर. लट. स. रूचे. त. ज सूचे स. न. हू. त्. केर. ग्रे स. मैं. रट. उचे स. वैपु. रहें सं.... सूर पुरानपुरराय वृष्य विदेवातर प्रचीर जो े टे.पहेवात क्षां ला प्रमूप च. ले ब. व क्षेर् चर्चा म. श्र्राः प्रचाम चट्ट. मु १. के.च. प्रका ग्रेट की. पहुरा सटे. स. वंशा स.इ.च.त.ज्ची.च.द्रभ.ज.वर.च.बुंश.व.क्षे.च.वेश.च.लुंश.चे.च.वुंश.व.क्ष.च.च.वुंश.व.वेश.च.लुंश.च.वुंश.च.वुंश.च.वुंश.च.वुंश.च.वुंश.च.चें वर्ष्यातप्र र्वा हो। पर्दानामा में नारहिता ही नत् की हेर के बार मा हिन. न.लूब.हो इ.रट.पंचाल.च.क्रेट.ब्र.र्झची.चर्छल.क्षे च.रट.चल.च.क्रेट.लब.च. ने अर्ब मिन पर ने दे पाद ना या ना द मे ना स पर्ता। व नु र व के व दे व के बहु न यहायाः भ्रे न्यते म्यु न्यतमा केता केत्रा यह स्थेर मात्र केलाका का माना वा केत्र के ले जा

इंदे.बुर.पर्.कु.म.चैव.प.लुर.पर.पश्चम.तर.श.चे.ही। वृश.च.प.हूंश.श्री **ଌୖୖ୲୴୰ୖ୵୷୰୰୷୰ୢ୷୰ୢଌ୷୷ୠ୷ୠ୷୷ୠ୷ୣ୷୷୷୷**ୢୠ୵୷୰ୢ୷ୢୢ୷୷ଢ଼ୄ୶ୢଌ୵ क्र नीसास्। मारे मादे द्रमाया मायेत्र मादे लेसा माया वामा माया हिना साह रा **क्षे:क्षा:प:द्या:नु:पर्ह्द:पर:गु:पःस:प्रेद:प्रेद:गु:खें:**। यहः≓याःके द्रमःयः स्र्रायामाध्येत्राप्तीः प्रदेशायां के क्रमायाम् के नाम स्रियाय क्ष्राणे खेराली दे **७दाकेदनाः चाद्याके हमा यादमा केलियानु यास्य म्यार्क्स** हो। यकार्छका मिटबारा के सब क्या मिटबारा हो हो हिर मिला नर्जा हे सामान सामा सम्बन्धित ह्मार्यं दृदः में 'हमार्य 'मृद्र' दृषा 'अंद्र' या दे 'दृषा' व्यादे 'श्लर् हेश हुवा। देवे दृद्र स चॅंभेरपरे १५ रे ग्रे सेरा इनाय श्रुह्य है स हना यदी सहर १ है र निवस ं य दर। मे हना य सुरस है हैना धरे सर्व है हैन नु निवस व फेबर् वेस नु विदेश हैं। न्या हेर अमुर लेवा दिस ये ता लेख न न या समि ंदार्श्वेसंस्ति नाट ज्ञना था सन्ति । चित्र स्ति स्ति सार्थ । व्याप्ति । या बाहिना द्रमायमा यहन् यान्ता - व्याद्रमा शुःवाहिन या वारा के बाया ने प्रवाहित दिवसामाल्याचनामात्रमा क्षेत्रमायार्वे स्थापार्वे स्थास्य स्थापर विक्रांचाम्राध्यक्षाचारे सेर्वित्वस्थाय कुराया हैराधिकाय दे हिराया है सिर्वा क्रिंग्सं सं र्षेद्र ब्रन्ताय इमायर पर्दर प्रमार्थेद्र शासा महिंद् ये दानी है मायलेद ्रे में द्वा य प्रतिश मुक्त दो से द के त्यु द व के अं के वि श्रुद्धारा विद्यादर वर्ष्ट्र वर्ष्ट्र । प्रतिकासु नहिंद्र वा अपादना वा अपिकासु निहेद्र वा द्रारं देश मरे मार्ड प्रांकेद वाकी वर्षे प्रांकेद वाकी वर्षे प्रांकेद विकार मार्च प्रांकेद विकार मार्च प्रांकेद

े देशक व नाय हे नाद त्राचन था हैना स**हस्र सर प्रव**र्**क से हेना स प्रवास यह स्मित्रहर** न'देदे ख्रैर'मे द्वाय केत्र्र वहेंद्र वर पुष्क वर प्रवृद्धी के हे देवा म'र्प्यदश्रामुहिद्'य'देते'कें'अद'के 'हन्।या क्रायं र नहद्'यादेते हेर् य हैर प्रेक्ष वर्ष क हैनाय हैर प्रवर्हेर पर द्वारा भेका व हैर र प्रमुद्ध रही। दे सल्का नु नाम हे में ह्वा या है र इस यर वहराय रे यह वा वा वहराय है हैं। न्त्रीय केरन्य वहर्ष पर न्याय केर्य प्रमान विषय के हो हो हो हमा न र्थेद्रशासु नहिंद् या भी र या दे हिन अदा हैना या द साय र यह दाया भेदाया दे हिन्द न देश'यर'भे'ह्याय'३र'र्'वर्हेर्'यर'वु'व'भेद'य'३र'र्'वज्ञुर'र्स्। 💎 सीह्याय ि हे लेखानु न वदेवे वहे यान अस्ति हैन म है दुलियानु न कि ली। दि है और याकृदाध्येवावा लेवान्यावा वे अन्तर हेना वाकृदावा ध्येवाना वे दिवा ने त्रा चयानकेत्यीस सेत्यकेत्यकेत्यके यहे चेत्र हो। तहे से स्विकेत्स सके लेखान मजैत्रहैद्यामभेत्रम् स्वायविद्यायर्थे। न्यान्त्रम् मामिन्त्रम् स्वित्रम् यामण्येत्राचरे खुर। क्षेत्र मेर् रिले बाले य उपन के नाम हेर्त गाम हेर्त गाम हेर् वना नहेंद्र यर वु व प्रेक्ष यक्ष निक्ष ब्रह्म क्षां अत् हेना या हेन नु वहेंद्र यह विका माप्तेत्रायराङ्क्षायरात्युरायादेवे किंग्भेरायाकेरामाप्तेत्रायरात्युराहे। 👙 हिमा - **५८** हिम्'डर र्दे हिर्'य द्वाय प्रदे हिर र्से । वार वी हें क्याय हैर गुरु महेंद्र यर वु च स अह य दे हैं हैं। हिंद्र य दे से दे दे दे हैं स्वर् य स अह हैं विकास मार्थित के कि के हिन्दु स त्रमे द्वा सालेश त्राचाया स्वास यायाद्वा साद्दा से ह्वा याद्वा सेहासके र पर्विदेश्वेत्। मादाञ्चनामाराभार्थेत् पर्वेत्रभेत् छेष तुर्वेत तुर्वेत क्रिक्षेत्रमा । यर अट पहें र रे अंद पर अंद नार की र नार की पर पहें र पर की पर से अंद की

सिट, दें भारवर्षेत्र ता. लुबे थी हें के लूट्स सि. सि. ती. ती. हें स. त. रेट. वरमानः लेबानुः नः वार्वेन्याय ह्याँ माने वार्वे बै'सम्मानी रद वने द'हेद'स्यो। दे'मिं द'हेद'म्बर्ट वदे वद्वा हेद' उद'र्थेद' मिलेस नु न में दर्स में है इं न नले कर् नाम पर दे के चरे न न में है दर लेस म् नदे द्रात्रा हर्मा द्राप्त वाया वदे द्रमाय दे ही दे के व्यान ने दमाय रे । **दे.रट.इस.स.**प्रेच्याचाक्के.यर.पश्चराचाहे। हेस.य.या.र्पेश्यादेवे यद्या. **१९८४:२.५ प्राप्त १९८५:३** अस्तरा हे वर हे दे संदर्भ वर हे राया है वर है वर है १८४ में द्र ते प्रति क्रिक्स व स्वास व **୴.ଶୂ**ଧ୍ୟ.ପะ.ଞୂ.୍ପ୍ରଧ୍ୟ.ପମ୍ନ.୯୫.୯୫.୯୫.୯୯.୯୯.୯୯.୯୯.୯୬ ଖୂ.ସି.୧.ଲି.ଫ୍ରିଏ .. भेर है। दे द इद सदे ज्विस स भेर य है द ग्री है द हो। दे ता महिंद य ं **फॅर्-१** वे**स**-व-मार्क्का वर-नदे क्ष्मश्च देते कु उर्म में हे परे हेर संदर्भ या न्त्न मेर्परे वका ग्रेस वस्त्राय व्यक्त व्यक्त विकानु विके दि ही। रूट मेर्टर ं बहैरं म नार्का यहे लेखा ह व है वन्ना मेन यहे त्यम नेहे वन्ना हैन त्या नार्का ं लेखानु:माने प्रदेशामी है हि स्रामान्यामा प्रति प्रह्मा त्या स्ति प्रदेश मेर ् सदे सम दे से सम के के कार विदेश हैं दे स्थेद सदि खें के दें। यह गा है दे दे दे दे दे दे दे के दे दे से स्थाप ् मुर्राभामा भीता है ता है वा है। इसाभा निवाद ने पा है वा है भने कुते देश ५ भी कर् में द के स्ट्राम के प्रदेश पर के मुंक प्रदेश पर के सु क्या। दरे श हे लेश नु न त संवाहा च है द्वे व है स वर्ता। यह हम व

म्लद्र'रु'तह्रम्'यदे हेद्र'रु'गुर य'य। रे'द्रश्र'वर्ज्ञ्न य'द्रम्'य हेद्रै'वर्म्' ৾৾^ৡঽ'৲৽য়য়৾৽৽৾ৡ৾ঽ৾৾ৠ৾৾৾৾য়ড়ৢ৾৽৽য়৾৽ড়৾য়৸৸৾৾৾৾৾৾৾৾৾য়৾৾৽৽ৼ৾য়৾৾ঽ৽য়য়য়য়য়ড়ৼঢ়য়য়ড়ৼ रुप्तर स्था विचायर हेराया विचायर हेराया विचायर हेराया विचायर देशे विचायर स्थाप विचायर स्थाप विचायर स्थाप विचायर <u> हे दे वि के के दे अर्थेट या दे वे यदना के दार्थ अर्थ व्याप्येद या अर्थ्य दाय दे यथ का नाहका</u> क्रुचारा मा चार प्रचीर हैं । बे बा समीय दारा मा मेर हैं । बेस मेर प्रचार य क्रिंब स्था देव दम यर दम यर ने स य के देव पहेंब पर वर्दे पम लेश मुन्याया द्वारम सराहमाधरा मेहा याद्व वहिंदा हैदाव भवादी वाह्वर मार भेर य देश तरे द्वर तर्दे । सर तद्दे । सर जुदे देश वहर । यह है । से हिर दे । स्र सरे प्रमित्रासर होर सप्ते क्ष सर्थे। इन र्स्य लेश नि न के नर में नर्ना हैर उत्रामी सुद्रेत के स्वामी द्वामा महान प्राप्त का का का का महान प्राप्त का ૹ઼.લીં.તાંકા.તાંકા.જૂયા.પાલેશ.લે.લું હોશ.વી.વા.યું.ભૂરે.વા.**યા.**જુયા**વા.હુંશ.વી.વા**.જારા. र्भेंद्रायां सामेंद्रायते देसाया पहिंदायते हिर्देशी देशेंद्र हेर्दे हरादे हिर्देश सेन् स्र्रा इसायर देशाय है राय नु मुवाय ध्येद दर्श व वससाउद सम्मुन माय्येव दें। बेश मिता में हिते हिर पहेंद हे के वा वेश माया पर हैव है अर्म में देश त.ज.रेभुवेश.तर्. ब्रुट. र. बुंश वि.वर श्रुंश है। चाट वे क्र् क्षातर खेशता लेग. ર્નું નુરાયા ખદાનેશ વાનાવરાની ખુબાર્ કોરાયા રેલે દ્વારા ભારા ક્રેં વર્ગા સંવર્ષા द्यानाक्ष्रेत्यं स्वातिकातिकार्यात्रेत्रात्राहर्या नुस्रामात्रम्भावराज्यात्रात्रात्रा

न्यत्रे स्टायलेक उक्त नुम्यूय यस त्युर स्। किन्द्र के ने खे मन्द्र ख्रायलक सी न्द्रं त्र्वं त्रायर प्रविन प्रकृत ग्री ना इस अपस प्रवेश के विस न महिला है। खुन <u>न्दराध्यभारु र १९८२ में सामदे ना रहा भारता है वर्ता व लिना प्रेर लेखा साम प्रेर</u> दरास्त्र भारत है। दूर स्थायर प्रविष्य पर स्था के इस पर विश्व पर्दे र्द्धाः धा य तहेर् यः भेदान्या । वित्ति हेर्मा वा तहेर् वा भेदा लेखा वा वा हेरे न्त्रभावसाय राजी देशमा गारी स्वापा नहीं सा परिक्रिश की राजे विकासमा मर वलना स देवे हो नेस सदे नेस म भेर र अहा सन् म वह र सरे रहा नब्रेड-नुप्तमुराव-ने हर्ड-व-नाट यश वेशया मुवाय थेत रे अट वेश या वेश स - माल्य मुक्षा अस्य सुरस्टित्य प्येय वे लेखा मु नवे मालुट देर देना वर मुर्चे। रह रेलामा वार्षे हिंद परे व्यापा वार्षे हों। देने पर पति हैं पर पर पे वार्षे ्या**मःभ्रोदादालेखानुः या है। प्रियाधरानुदेश धार्यम्य सार्वो। रूटा प्रलेदारे** त्या द्यायामाल्द्रानु त्यु र तारुद्रादे त्रारा चलेदाने त्या स्थायामाल्द्रानु त्या या **ढदः वी मारामार्ज्ञा वुरायने के राज्याय अराय परितार है है हियाय वुरस्याय है।** र्षेर्वश्वापरादह्वरमालेशामुन्याकार्यवाषायाय। नादायाञ्चीत्रायरे **ড়ৢ৾ঀ৾ড়ৢয়৾য়য়৸৸ঽৢ৻ঀ৾ঀৢয়**৻৸ঽৢ৻ড়ৢ৸৻য়ৢয়৸ঢ়ৢ৻ৼয়৻৸ৼ৻ঀৢঀ৻৸য়৻৻ क्रामामालका नु तमुरामा व्यन्ति या दे के लेखा मा यर के नाथा क्रा यर ही र हो। स्नामायावे लेखान व स्नामाय मुल्या मारेला दे वे रहा नवे व स्मामालक ्रे.जेर्ने र तथे स्वा पर में अष्टे के लेख ने ने पर ने हरे ही रहा रहा रहा है ेनाम् स्युन् परि छे प्रायम् प्रेत्राचि लेखाना न दे नाली सयुन परि १ हुना परि ।

ୖଵ୕ୖଵ୕୕ୡ୕ୠ୕୷୵୰ୡ୕ୄ୵ୢୖୠ୕ୡ୕୳୳ୡ୲ୡ୕୵ୡୖ**ଽ୷ଽ**ୢଽ୲ ୩୷ୖ୵ୢୢୢୠ୶ୢ୕୵ୢଵୢ୶ୡ୕୳୷ र्सिन्स'य'क्षे सेर्'णे रे से ल'नार्रे क्षेत्र'त तित्व पंच दर तर दे ल'वर वस्त यर विशुर य मण्ये व वें लेख हों। वैव पु हों व ने प्र गरें र य वव हों व्यायदे क्षेट स्व क्र द्रायमाय केर ग्रेम मियाय स्व माय दे द्रायमाय लार मार्बेर् या उन हिन नुसा यते हिरायाँ उन हिन लोग या ने हर ना हिन यर त्रेदःसवै:प्रम्याय:प्रम्याय:सव्या सद्य:श्रुम:द्राःहेश:शु:द्रम्य:य:क्रुव:हे• खे.च.चढुरे.टे. हुस.चे.च.ड्री ट्रांट व.चैंश्वेश क्यातर पंचर तंत्र देश हाया क्रैशायन्यासेन्याकृत्रम्भायराय्ह्यायराद्वेत्त्रा रेव्यायस्सं म्योपेस मर्दिन्य उद्यक्ति सक्दर हिन् प्येत्र वि । मान मी क्रें तुब्ध च हिन् य क्षेत्र प्रयू द्रम्था गुरुष पर्मा सेर प्राया स्त्री धायते द्रम्था गुरुष पर्मा सेर पर्मा विष्णा वस्रा वस्रम त रटावस्थित व स्त्र्यकारा इस्राविश स्त्राव देते हैं। हस्र स् **६**यन्'य'अद'कुं'सळ्ने हेन ध्येदार्शे प्राचित्र विकास लेशानु न वे हे हेर वमार्ग्स्स रा हेश व है। न न । व वन्य न से बारे हर हेबायदे मद्वाणुदायमा है। याद्वा १० वया वाये द्वा . हेता न्या हे.चेबालाचराम्ब्रह्मातालाचे हें। इंग्लान हे वर्ष हेर करालालमा से करे क्र-,जमान्यसातालदा कुए हिंदा केशा ता भी पात्रा कुरा प्रशास पार्टी।

झन मर्वेद भेर वा बेस वा न के नद्ना मेद वा वा न के नहि वा दे में न का दे वा न **२२५ हें व. लट. हेश. त. अर्थेट. य. इ. सं. ५श. बुंद. य. १** व्यू र. लेश वु. च. वे. वा य. हे माद्र लेग वर्जे ग्रायदा वर्षे स्क्री यन द्राप्त वेत वर्षे सर्वेदः वःदेवे के ववदःह्वि चुेद्रयाधिरहे। वेद्यायाद्दाख्य वःवेद्रदेन पर देखा **८.लु**४.चटु.चूर.स्रा केश.व.४४४४.४.कु.जू.जू.लू४.चटु.खुर.७४८.च. ଂ**ଘଽ'୕୕ୣଌୄ୕ୢ୷ଽ୕୕ଽୖଽ**'ୡ୕ୢୢ୕୶**୕୴ଽ**'ଊ୕ୢଽ୕୵୶୕ୣଽ୕ଽ<mark>ୄଢ଼</mark>ଽ୕୕ଅ୕ୄଽ୕୕ଌ୕**ୡ**୕ଊ୴ଊ୶୕ୢୢ୷ଽ୕୳ୖଽୣଌ୕ୢୠ୕ **थट स्त्र १५५ १८ मुन च १९ १ १** विषय स्त्र मुन या स्त्र हो ले हा वह व १८ मन लट.बुंब.चे.च.झूंब.लूं। क्षेत्र.च.च.च.च.च.च.च्यां क्ष्येश.ख.च.च.च. **ॻॱय़Ҁऀॱऄॖऀ॔॔ॱॵॖॱॻ**ॳॸॱय़ॱॿऀॱॾॆॱॿॖॸॱऒख़ॖॱ॔ॸॎॱय़ॕ॔ॸॱॴ॒ॿॖॸॱऋड़॔ॸॱय़ॱढ़ऺॴॱॿॴॱय़ॸॱऄॗॱय़ॱॸ॓ॱॱॱ स्र देन्स पर पुरे लेस पु परे दें दें हो। परे दें क्र क्र क्र क्र केर है। परे केर केर केर केर केर केर केर केर केर **ढ्रां रमाय 'य'प्रेर'नु:बेर'गुट' लेश मु:य'रे।** इर्र हैमा से मार्थ यह सुर दि **৽ প্রত্যান ক্রিল্ল ক্রিল ক্রিল্ল ক্রিল্ল ক্রিল্ল ক্রিল্ল ক্রিল্ল ক্রিল ক্রিল ক্রিল্ল ক্রিল্ল ক্রিল ক্রিল্ল ক্রিল ক্রিল্ল ক্রিল ক্রিল ক্রিল্ল ক্রিল ক্রিল্ল ক্রিল ক্র बेस-छ-नदे-कु-५-व्यद-बा** ५५५-४म्ब सम-बे-इन-प्रचुट-चर-५मुर-मने दिराता मुंदेस दे हीर याता नार्वे से अपन वना है वस तमुराव विश्व **दे.केर.य.त.व.व.व.द.मी** तर.पचीर.हाँ। टे.केर.पश.बुश.वे.प.बु. ८**इन**ॱक्रुं<mark>नश्रःश्चःदः</mark>लेशःचःपदेःकुःदेःहेन्यशःश्रा माल्दःदमःग्रुःःलेशःचः **ळनास-१८: ले. इंद: १**मा कुं मारेमा स रहत है र स्पेत क रहे रे सुर रहे मा रहर १ हमा

यर से विशुर ले वा डेना उर से वहनाय भर लेश नु न स संग्र म हुं श सी नुदामी विदायर महिमा असा य वृदाय हरा में में द्वार राष्ट्र वर्ष वर्र ले सामा वर्षे . नामनी **कॅ.सं**दे स्नर् डेना ध्रास र्दा रूस सक्तार् प्रमुद्दा वदे दि नो स्नर् डेना सः । त्रमा के माने निया में तिया के मी विदे तर बेटुवे प्रमास वैदः वः दर हैर लेश ली। विदे तर विद्राप से विदे । यर नुेर्यते र्द्धा सं त्य कुं च रूर् य केर कुं कि य लेर त्य र रे र्ट त्य य . म'Mट.मी.बाकुबा.त.कर.७८.लूब.त.ट्र.केंट.वे वि.य.चर.मीट.त.चबात्राच.रश्चेवात्रा. यर्गा यदना नुः स् न दरः नद् ना नुः कन् सः च रुशः मुः नः नुसः दृष्टे नर्दे । यहेनाः क्ष्यां साम्याक्ष्याचा द्वा लेखा सुन्य है ले वा यक्षा साम्या है । 💎 📑 स्थर पहिना य लेख नु पत्रे र्दे हें।। र्हेन्य य वे के नर वे के पत्रे सुर वे प्रत्रा माही में द्वापि हित्यां हित्यां क्वामायां के माने देशी की मुन म्स्रिक्षः सप्तुः स्वरः मुक्षः स्वरं द्धेत् नार्रेदः यः नुदः यः नारः स्वरं सः देः द्वाः यक्षः नुः दरः । पर्यक्ष.येपु.र्ट्झ.च्.घ.प्रश्नातश.यिय.त.जुर.जा इ.रट ४ अपा.य.कः यी. **२८.वर्चश.वेतु.टे**ट्श.व्.लूब.व.ट्र.के.बी ट्यूट.व.चेश्रेश.च.लट.विव.वट. वित.तायचात्राचारभ्यामात्राचाक्षेत्राक्षेत्राच्या विश्वस्याचार्यः भ्रान्यद्वाय स्र्रेतः याने लेखान नाया से नार्य नाय ने निर्देश में निर्देश में निर्देश में निर्देश में निर्देश में निर्देश में निर्देश चर-श्विद,पत्रीद,पत्र, देश,त वर्ष भी, जुंश,रव.चूं। श्रूष, व.श्वेंश,वश.वु.रवेंवंश. ดอูกรูสาดรูสาผาณาลัสาสานาว สูการัก ดัฐา**ท**ูกาลิาลัสามามามุสา पद्रे स्रेश्नर म्स्रिश प्राचीर्था पर्र विश्व ये प्राचे विश्व प्राचा का स्वाधा प्राचीर स्वाधा स्वाधा स्वाधा स्व सबुद'यदे'सेमस'दे'द्वाकृद'र्ते। पर्'ग्व'ठद'त्वी'दर'णे'तु दे'यर'ग्व'प्रेर

व्यन्ते त्यान विन्ता से त्यान से न्यान मु : भर : दे : भेद : मा तहेना ह्या शासा भारता भारता भारता निर्देश स्तर होत भासाधित व विश्वानु पर केंग इस पर श्वर हो। दें द नाय हे नुस्राय व्यःस्वासायावर्द्र्रक्षायाव्यःस्वासायदेःमान्तेवार्यासायवेदावा द्रावाहेत्सः **बर्**यस द्वे क्षं द्वा प्रति क्षं क्षे क्षं क्षेत्र क्षं क्षेत्र क्षं क्षेत्र क्षं क्षेत्र क् नविष्-ु तर्न् कन्याणे से नार्दर न न्दर है स्र सिमान दे सर हार केर हो यादे पति विकारी मादि स्वापित है के किए तसे या पति हैं विकार से विकार से किए से र्दे वेश माश्चरमा ने ने ने हैं हैं महिरास है स या दर वेश माना से निहा यःश्चिषाः न्निर्मादम प्रभार प्राप्त के लिया गुरापर ख्रुर हो। श्रेनाम प्रमे ख्रुरा है दश्चेन्थायासेद्रायुम्भ यात्रास्त्रीधायाय वहराही। दे द्वार वद्वासेद्र भन्ने इस भन्न पहुना भन्ने अप दे र् विश्वास क्षेत्र त्री देन देव दुःन वह दना या भरा वेश मुःच या श्रेन प्राया या नाराने हें स्व **८. होत्र म्यास्य वार्य १८८ . प्रेस ५६५ .** क्यास स्यास्य वार्य वार्य के स्या के स्या के स्या के स्या के स्या के स वर्ह्निय भेन वी। देश भटानुस दे होन्द्र नवित्य भेन्य में विस्यान हिन् ଝିଁ ସିଁ ଓଣ୍ଡି , 'ଭିଣ୍' ପ୍ର' ନ୍ୟା ପ୍ରଟ' ଦ୍ୱର୍ଷ ପ୍ର' ବିଷ ଅଧିକ 'ନ୍ତି , ମାର୍ଶ୍ୟ ଅ' କ୍ରିଟ' भाकुरानी देशमाने अना देशमान स्तर्भा मान्य देशमान देशमान

क्रमा मह्ये ता प्रमास मान्तर पा प्रमास मान्य मान्य क्रमा मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य व थि । हुँ वै सुक्ष वह र य र हुँ र सूर्य य वै कुँ रे विर वह र वह र पर में प्रमुद्द दें। दे 'अद दे लेग के स मु न के न स न स मु र के के में न र हैं न स यदे दि व के देवा या के विकार विकार विकार विकार विकार के व म्बिन्सामार्स्स्यसामार्म्स्य स्वर्धान्यस्य स्वर्धान्यस्य स्वर्धान्यस्य स्वर्धान्यस्य **म्बद्भ-३८'र्भक्ष** पश्च क्रास्त्री स्थान **૾ૢ૾ૺઽ૽ઌ૽૾ૺ૽ૹૣઌૹઌ૿૱ઌઽ૽૾**ૡૢૻૺ૱ૼૼૡ૽ૺૹઌૢઌ૽૽૱૽૽૱૱૽૽ઌ૽ૹઌૢઌઌ૽૱૱૽ૼૡ૽૽૱૽ૼ महंद हैर मुँदा। र हर दर्म समय निष्ठ हैस मु न व संह रेना पते नाके व व वे खेंना सके र र ना व व च र र नि र र वे प्र के प्र मी र र ं सर्-गी-विश्व-व-त्र-श्रिन्ध-व-दे-निव्य-भी-लें। अट-न्न-वि-र्द्र-सर्वेट-वस्र-लेखानु नाया खन्याया व वे व्यव प्योव की के दे वर्दे अदे में प्री प्यान नाय हिनास य सेर् य र्डम दे र्वे र व स प्ये र दें। व व दे र हे प्ये र ल रा सक्र केर दार वहूर पर वहूर पह है विस्मान विकास क्रिके हैं विकार केर **ऄढ़ॱय़ॺॱढ़ॊॺॱॸॖॱॸॱॺ**ॱॺॕॸऻॺॱय़ॱॾॣॕॕॺॱॸॖॆ। ॎॾॸॳॎढ़ॱय़ॱढ़ॆॱॺॱख़ड़ॱय़ॸॱॸॖॿॸ मशासी। द्राण्ट दे वे दे वि व केदासहित्य लेश मुख्दे पह संमुद्धार प्राय पर पहेंद्र प प्रेवा रे प्रदास रेन् प्रदेश संस्कृति है पर्देश केन्द्र व लेन् प्रेरे हे रा दे दे से साम मेर पा १ दे हो है है है है से सहक है द गु व लंघ ने साम से नहा रेना पर नाहर पर पु चंदे द्वार के वर्ग केर य दे रूमा নার্মুমার্মা नम्रायात्रात्रा देवसः क्षेत्रके के स्वायात्रा दे देवसः

क्षःयर श्वरः द्वी माद नेश हें न्या थ दि त्वा य वे न्याद द हें न्या य वन्यान्त्री। न्यानेते रूटा वन्यानेत अर्थन यहे स्व ने स चरे.चर्.दरे.जुंब.चे.च.ज.<u>श्रृ</u>.च.ज.कृत्वचाच्चे.दर्ने.जुंब.र्ट.दच्येत्र.च.हेर. ट्ट. च्ट.लुब.च.के.वेट्टा हेब.रट.रेश्चचाब.च.रट.रेश.रटा इस.सब्हटब.च. <u>र्ना न्राम्यक्रियाम् स्वराम्य प्रमास्य विष्य म्राम्य स्वराम्य स्वराम स्वराम स्वराम्य स्वराम स्वराम्य स्वराम्य स्वराम स्वराम्य स्वराम स्वराम</u> विदानम्बद्धास्य स्वर्धास्य स्वर्धास्य प्रविदार्गा दे त्यानाय दे सारेनाय देनाय मामेर्पते हो में केर्पारे के के प्रमान के किया मान्य के कि र्भे १८ ता हे द रदार में माला या सहदार या है में मा वा स्वाहा यह देस मर नेशामान्या हेनान्य में में नामा महत्या महत्या मर नेशामा . अर्थुट**स.त.रे**.शुअस.२८.अर्थेटश.त.के**ट.**ग्रे.खेर.४।। यस.अर्थेटश.त.यु. नुसःस्रुमःनुःत्वुदःवःढदःकृदःधेदःधेदःद्शिः हो। हे हिरःस्रुदःहेनाःसःनिहेनाः **ૡ੶ૹ૽ਜ਼ਜ਼੶ਫ਼ੑਲ਼੶ਜ਼ੑਫ਼ੵਗ਼੶ਲ਼ੑਖ਼੶ਜ਼ੵਖ਼ੑ੶ਫ਼ੵ੶੶ਲ਼ੑਸ਼ਜ਼੶ਜ਼ਜ਼੶ਜ਼ੑਜ਼ੑਜ਼੶ਜ਼੶ਜ਼**ਫ਼ਲ਼੶ਜ਼ੑਖ਼ੑਜ਼ੑਜ਼ੑਜ਼ 'कु**द्र'क्द' भेद'न'दे' क्रे.'द! इस**'सर्क्षट्रस च'कुद्र' स्वेद'र्देश 🔻 दे'नश'द' सेसस'यस' चुदान केर प्रेक पर खेर। अने नाय के देनाय प्रेक प्रेक पर है दें केर स के हुनास पर्य हूं स् त्रीय ने ज्ञेष ग्रीट लिस ने प्राया स्वाधार हूं सार्थी। पर्दर

नर्ते। तर् छेर दे रना मौश लेश छ न दे न से र देश र न न मौश र्थे। प्रदेश शि. तम्नुस्य तप्, मुभय. ग्री. श. च्ये. ज. देव. वस्र। वेश. पद्र. वेश. प. ग्री. पद्र. वेश. प. ग्री. पद्र. विर. र्दो 'स्यार्चेद'रे' स्परा अना पार्टर प्रवस्य प्यापीदारी दे स्यार्थी मार्थित ৡ৾ঀ৾য়ৣ৾৻য়৾৻য়য়য়৻৴৴ঀ৾য়৸৻৸৴৻ঀ৾য়৾৽৻৸য়ৢ৴৻ৣ৾য়৴ৼৣ৾৾৻ য়ৢ৾ঀ৻য়৻ড়৻ৠয়৻ मञ्जूनामा हत्र दे तर्मा मुल्य मञ्जूर मञ्जूर हो नर ले र मा न्दा न र मा में व'र्दाक्' वे'र्दास्यवे'तर्' वेर्'णे'कृष्ये'के व'र्दाक्' वेर्वे र्दाववेर्'र्थेर्' मर्ते। दे अर्दे वर तमुव है । दे प्रतृत व दे हे हे वर वेद परे वह मायसानुदानाप्येताने दे त्यासानुदानाप्येताय दे स्त्री निराने त्या प्राची ना वै क्ष्यायर्गे। विविध्यद्भ हे हर दे यद्गार् हे से ताम रेन या हे र खेदायर वह्य न भेर हैं न पर हैं हैं र म भ र म र म र म र म र म न हे स न म स म म नमार्थः श्रिमानातात्रे हुनायालेश.व.न.व.म ह्नान्त्रे भरायना समाना प्रवेदः तरु मुनि भर्ता वर्म रे के या महेब साली के हो। वेश मि न दे हैं है क्षेर हो। पर्रेर प्यट लेख न न त सेन्य पर्य मान्त्र में हेन्य स न न न न ·स्पेत्र-विशि ् पर्देर-प्यट-लेखान्न-विश्व-वर-नेत्र-विश्व-वर-नेत्र-वर्दे-'बर्दर'अट्ट्री अन्त्रेना'स'**रट**'अर्द्धट्य सर ख्रांस'ये के लेखानु नाया सारमाय प्राकृष संस्थाय व्यवसादन सहित्सायर व्यवस्थ है र सी। हि एस े के रहा मी हिं के प्राप्त पर साथ के की कि के जार है के की कि ्राम्बर्टा सर् स्वर पर देश पर देश देश देश देश स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग

म नेनापामधुन्यापीकार्के लेश हेनायर में पुर्वे। नाय हे है दे छिर ले न श.रची.पष्ट, द्राची.ट्र. स्याचेर्टर तर.चे.च.खेश.चे.च.ष.श्र्चोश.स्र्री ा ने अन् नु यहेंद्र यात्राले अप्ताय विश्व यह स्त्रीं द्रशाय देश सामिन या यह दाय प्रदेश दहेनार्केन्शासु व ने ने मारेना यामा भेज के लेखारे अन् नु पहेंद्राया Ðï वारिकाया क्षेत्राया केत्राय दे क्षेत्रा दे रेत्राची वार्षा केत्राय दे क्षेत्राय केत्राय केत्राय केत्राय केत्राय मायाने प्रहेना र्क्षेना सासु सु परे रदा पत्रिक हैन वा परे रास रेना पा हैन पह्र गाया य भेद दें लेश मु म दिश य देश य द मुद्द म के लेग र्थेद हे दा है अद द मन्द मंद्री द्वार्ट्न सामा अस्ति सामा विद्यान या स्वार्थ । या स्वर्थ । या स्वर् न'म'र्सेन्स'मस'रे'लेन'प्रनींन'प'सूर्द'पर'नेुर्'। अईदस'पर'स्र'परे र्दे प्रदर्भ मान्य प्रेर के लेखानु न के मालक दूर । मालक स्वर पर प्रेर मान दे मद्रनाः कृदः वद्रना द्रदः लेखः मुः वः स्थान धः भ्राह्म स्था। भ्राह्म स्था भ्राह्म स्था **३८.भ.त्रेथ.मे.७.७.५.५.भूभभभ.चे.०चे जा.मुभभःजश.चे.०.च.चे.३४.भर्थे०** यर-स्र-पःदेश-वर्ते। स्निश-५८:स्निश-७३:मी:५८४:में देश-व:पः परे द्रिंश में लेश मने देर्ति हो। दे ते खेर विन पर पहना य र स हैर ध्येत प्रशेष्ट्रेन अदिकाम प्रमुख उत् की प्रमुख के कि स्व की सारे मा दा के के हारा **८९८.स्**चंब्र.चंड्चं दुनंद्रचा द्र्यां श्राके.च.ल.स्चंब्र.चर्णः हंब्र. क्'र्ना'में'र्द्र्र्र् प्रदेना'र्क्रनास'सु क्षे'म'र्दर'म्सुद्रियःयर'ख्र्र्य्यते म'रेन्'य'द्रदेना''' केंग्रासु सु न लेश्न न स्वापा स्वाप्त मारे मा या ने स्वाप्त मारा मारा स्वाप्त स्वर प्रसार

নামীর বার বিষয়ে প্রতিষ্ঠান বিষয়ে বার বিষয়ে বার বিষয়ে বিষয় বিষয়ে বিষয়ে বিষয় বিষয়ে বিষয়ে বিষয় বিষ शुः में न दे मुंबास न हेना या प्ये में हें लेस मु न पदि प्ये हो। न न मान प्या पट दे के.वेर.मीर.नपु.भव्दास.तर.केंश.वहं.द्रेशसह्त.ह. खेश.वहंद.तरु.हीर। रेतर. **ब.त.ज.च.ज.ज्ञ.च.र.ह**ब.तज्ञ.चच्च.ख्य.चे.च.झॅस.ट्रेत स.ज.च.ज.च. इक् य के स स्मेक या स स्मेक का कि के सिव्या पर में सिव्या में सिव्या पर में सिव्या में सिव्या पर में लेक के लेका देवे कुर दे ता पदेर ख़ब पा हिन ता महिद्या पर ख़ब पा लेका पामित्रहे। वित्रणाद हे पर हुन पाने मुर्वाय पर हे त्या भेरा वे लेखा उ यर.रेजूट्श श्रा : स्रेचिश.बहुबी.बहु ट्र. च्र. खेश.वे.च.बु.भ.रूबी.वहु.सुंचाश. ं **बूँब पर** चुँ न हे की विष्युर ने लुर पहल पति लेख मु पाया बँपाया प ्रिंशःश्रा देते.रट.पत्रेशंक्शंचे त.ज.पर्टर.टेचं. में स.त. पर्टा. देतं. से स.त. पर्टा. ब्रुर्-र्शा रूट विवेश के टिं के हेर्र्स कु के की रेहेर् के खेर वर्षा हु ॱॱॿॖॱनदेॱॸढ़ॱॿॿॖऀॳॱॻॖऀॱॼॎॖड़ॱय़ड़ॱॿॹऺॱऄॱॿॖॱॻॱॻ॔ॱॸढ़ॱॿॱॻॱज़ॕॸढ़ॱॻड़ॴॱऄॸॱॸॗॱॿ षेशनी वद्राद्याचे वद्यानु के वद्या के दा व हिंद की दा वर्षे क्ष्यां त. श्रुसंश्वरात हु हे त्यश वैदाय रेची लांच हु। लाह व व्याचित राज्य श्रुचीश. ्यातु र्श्वेर पानिकेश या प्येताहे। हा साला ते पर्वा सेरा या सेरा या हेरा केंस ७१.७१.७.५.७१.७५.५१.७५१.७.७.५.५ बे.बिर.तर .लुब.ब्रा इर.चन्तर.तर्.सेर.च**ड्र.रर.चड्रेब.**मु.**ष्ट्रस.**३८.ड्रस. च.च.बु.च.क्र.ज.स्वोम.चपु.म्वो.चरु.धिर.चर.स्र.ज्रूर.**बुम.चेर**.न.ज.स्वोम.च... **८**हेन्'र्क्षेन्स सु'द्र'पदे'रद'वदेर्'हेर्'रु'सम्युव'प'रे'प्र'द्र'न्द्र'हेर्'सम्युव''' म.लट.भ.लुब.ट्रे.बुब.चे.च.ज.सूचश.च.श्चॅश.स्र्रा वार्श.श्चेचश.ट्रेट्र.चर.च. क्रमामा भेदामा हैन जैसा हिना ना भेदाया दे निरादनी माना भरा देवे क्रिंश स्पेदः वादे खेर दे विवासर मेरिया प्रायमाया व रशेनाया पर्यो। क्रिन्दरेश्यर्भयादे के क्रिन्दरे यदी 💎 देवे नहें का वे के क्रेन्दरे वार्य अ हे र **दे.र्ट्स.त्**र्प्.मुक्.मु.सहस्रम्मु.रट.वंशस.येत्र.वंशस.वह्र्य.त.लुक्.ट्रा दे. स्यामान्द्रानुस्यान्द्रा। वस्यानान्त्रात्रन्ते यानास्यानान्त्रानास्यानास्यानास्यानास्यानास्यानास्यानास्यानास्य सर्वे खेरासी मुन्दा र स्वाया सुर्वे दिसाय र सालेश सुन पर्वे दिन है। नस द मुद्देश कट नदे छैर देश यु न दे नद्या से द प है द सर्वेद न ल्या स न्त्नानुः द्वायते सर्वत् क्षेत्रस्य द्वार प्रदेश क्षेत्र हो। दे वारम सर्थाय वर्षा सी भुः त.बुक्र.व.बु.हु.श्रद.ये.व.वे.व.वु.कुंब.क.रच.लश.त.वर.चु.भुः वर्त्ता उट्ट. **न.लट. बुझ.चे.च. ज. श्**चीश.च.४ र्टे. क्चीश.ज. श्चीश.च. बु. श्चि. क्चीश. कु. शूस. र्षे दें लेस.व.च.च.दरे.वर्गा रह.च.वेंद.वम.लेस.व.च.च.वें.वह.च्या गुःसः रामवेदान्य वर्षा देशसः मुद्रान्य स्वानाने निर्माने हैं। क्रमाणु सु त्रव्या व वहूर पा क्या रा वले क की तर्र वास्या म केर जीसा लेस यानावे श्रुन्। क्रम्बाका के रहा प्रविक १९५५ महा पर्दर् प्रवास पर्द्रम् ननु श्रे अस.ग्री.रट नर्धुर.हेर्.रे.लट.िंश.यट.चर.व. न.यी अस.रेट.रेवट.

र्ये वा स्वां वा वा वे दे दे ते विदेश के ता विदेश के विदे र्सिन्स मामा भेता है। रदायले ता निर्देश ना समा या कुर दाय है ता है हैं। है दे रदःचलेत्रकृतायारेकात्मत्।त्वुदःचामाध्येतायाकृताग्रीकाष्ट्रवायाध्येतायाने न्दः प्यायायायायारे स्थापयाप्याप्याया । विवासरा नेता **च.७.च.म.च.रेश्रमाश.वर्गा ्र** हश.तर.मोर्थ.भु.च.चर.भह्य.रे.चीर.त.माट. **त्रार्भेद्रायादे के हिसायर सर्दे नु मुद्दायादे हिंसा उद**ार्की सर्दे नु त्यु राय मेर्या विश्वाता विश्वेष्य १ विश्वेषय १ विश मालेस.मा.संबंधातपुर्खेर.मा.सा. चोट.कुचाचारचा.स्ट.चकुर.कुर.स. **देवे द्वे क्षेश्वायनाया हा दे दरा इन् रहेना यनाया यरा यना राहे । लेशा सामा अर्था श** पश्चापार ह्रा च निर्देश स्वार । स्वार स्वार । य**ॱनन्। नन्न, न्, न्, नते : रहः नब्रेक् हेर**ेन्, नब्दिः वर्षे अरवः नुः वङ्क्षेत्रसः रहे : सुरः ः र्रें विकास प्रसामस मेर या भारत नी सुन मी हैं। सर्वेद न हिंद न हिंद न हिंद न हिंद नदे सुर्दि स हो न स हिनाम केराया है तरे य हो स हो स हो हिनामर हेर यासी न्सी मार्था स्ति प्रमान हेर् नुष्स सर्वेदाय है पुत्र देर कनारा मसाचेरायसादारेम २र्देर करसासी। ८५ग हेर से २२५ पते धुर देस नु न दें नद्ना सेद व हेद सर्वेद व दे कर्दे हु स हेद दु से पद दूर दि है र दें । दे सेदायर अदावद्वापु कव्यायदे खुवाया क्षेत्र सर्वेदाया हेदारी हैरारी । शुर्द्रमश्रार्भद्राचालेशानुन्द्राते निष्ठ रदा। वाचायास्यासा व्यव निवास न यद्या

में दे र्ल्यास्त्र मुद्दे या दे स्ट्रिया हिंद हमसा सेवायर चेदायर वर्षीयाय मः धेव विं। यद्वा वी क्विंव के यर अवेंद्र या या यद्वा वी यदे या या सेंद्र साह्य होर यार्ट व्यव या होर यहा विवाय क्षेत्र या होर्ट वनायाय अटायर्ना मी नरे.य.ज.लूट्याश्चा होर.व.केर.लूब.च.रे.केर.वा विव.तर होर.व.पचात्र. **ব.২সু**নার.বর্টা শ্লীরন্ধ.বर.चे.ব.নাৡশ.ব.জ.বর্জ.থগা में निन्न, के निका प्रीक के लिक मु न के प्रिक्त के निका में निर्मा प्रीक्त के निका में निर्मा प्रीक्त के मिला में शुर्शेर्यान्याम् क्रियान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्या नु सर्वेद नस ने नद्ना नु कन्स या वा स्वास न दे खेद पस लेश नु न ने नद्ना नु कनास पत्र द्वर मोस पद्वा केर त्य प्वा नीर पुस पर दे स्र वर्वा नु कनास प **त्रःश्र्मिश्रः मश्रः वदे : वदे : क्र्रें**रः वः दे : त्रः होदः वः दे : वद्नाः नुः क्रम् श्रः यः श्रम् श्रम् । यदे : नद्ना-नु-कन्म-धम-श्चेद्-धन्दे-बिस-नु-वने-देन-नि। दे-भ्रदः ब्रेन्यःहै। मस. हुन दशका राजा नर हो र हका नितर वा क्षेत्र हो। इन रे हेर हिला नर है महनाः भूर संस्थित हो। नालकं रना वे वर्तान् क्रमाश्चराता रूना सार्मा सा होन्या**देशप्र**क्रप्यरामेन् न्या स्वाधायते ह्यूसाने परे परे के के राम स्वाधा म'नाहर हैं।। यद्मा'नीर 'ऑदश' शु' २ हैंन 'च' त' संनेश प हें स' स स संनेश' मदे महर केर केर केर किर मिर म लेखा छान वा नर न ने केर दे महर नहें होर महर उन्ति। तहन्त्राचा ने प्राप्ति । स्ति। स्ति। स्ति। स्ति। स्ति। स्ति। विकास ने सिम्बे। यह विक्षाया ने सिम्बे। यह श्चिशायदे स्थान महिन्यम मुचाया विश्वास विश्वास स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

म्बद्धार्ट्या देप्हरासे ५६ वामाया स्वापाद्या प्रवास्त्रे साम् **५६५ पर्या १८ देन दल के लेख मुन्य ऑरबः शुः ५६५ मान्य इंटा व दना ता** क्षेत्र है लेख हा नह क्षा यर है नह नह नह नह है दें। प्रत्य है है न **७९** ग्णु कुरारे र्ना व्यवस्थ करा व्यं प्यास क्षेत्र या ले स्य ना वे पर्ना पु क्राय या **ऄज़ॱय़ॱॸॣढ़ॱऻॱऻढ़ॱऄॖज़ॱय़ॱॸॣढ़ॱऻॱऒ॔**ज़ज़ढ़ज़ज़ॖॱऄॗॱय़ॱॺॱऄ॔ॴॗॺॱय़ॱॸॣ॓ॱॺॱ **श्वापु १८५८ मार भेर पार ११८८ म्हर ४५ भेर १**५० मार भेर पहें। यह वा हु **क्रमुखःबःदःख्रुःधःयत्नानीःदःद्रश्चेशःवःदशःग्रुकःयुक्षःयदेः**क्रन्थःयःर्थिद्ःयः लुब.बु. खुब.चे.च.बु.चरचा.चु.कवाश्व.ताचार.लुब.च टु.चरचा.चे.कवाश.च.र्टा.... मंब्रास्ट्रायम्भायावसम्बर्धानाम्बरम्बर्धानाम्बर्धानाम्बरम्बर्धानाम्बरम्बर्धानाम्बर्धानाम्बर्धानाम्बर्धानाम्बर्धानाम्बर्धानाम्बरम् भेदार्दे।। दश्चेयाम दे भटानुकाशम्बराउदानुदायर सेदायाभेदार्दे वेद्या नु वर दर्गेदस से । दे के दे हैं र वर ही वस वह प्रश्ने हो वर्षे क्ष्मार्यात्रयात्र वे मुत्रणु र्स्नुनार्यात्र स्ति वहार्या। विवादा सेद्रायावे यन क्रिंस अ' गुँ क्रिं व्राधिशन। पर माहेश गुँ हिर्धर वे रे ध्येव वे ॥ रे **৾৸৾ঀৼ৾৾৾ৼ৾৾৾ৼড়ঀয়৾৾৾ৼৼ৾ঀয়৾৾ঀৼৼৼৼ৾ৼৼ৾**৾ঀ৾৾৾ড়ড়ড়ৼ৾ৼৼ৾য়ৼড়ৼৼ कृदःस स्वासानातर्द्रायाद्राञ्चयानाकृदाग्रीसाहिनायाक्षराया हे द्राय्याया माने ने तामा दहें वासे दार के दाया के दाया के तामा वासे के तामा त्मायाम् म्हेमारायर् ॥ देःस्र्रायास्त्रानुः ३ वर्षे १८८ ह्या स्वर्केन स्रेरायर् · **ऄ**र रॅ 'लेस'मु'च'वै'यदना पुं कन्याय वे'यदना प्पेद 'य'हेद दु 'स्'य उस यस · **ଞ୍ଜିୟ:ସ:୪୶:୬୯%:ସ**ଦି:ଞ୍ଜି:କ୍ରିୟ:ପ୍ର:ସଦି:କ୍ରିମ: ଔଦ ଶ୍ରିୟ ଔ୍ୟ: उद्गानश्चरायाध्येत्राते प्रमं 'तत्र'त्र 'सुर्व 'से सी क्षाप्त्वा नीय प्रमं ति व दि सिंह 'तु 'से प्रमा यन्तरायाध्येदावा वर्दरक्षाता स्वामा याचा वर्षा है दिसा सु वर्षेया है दे.जारमाखिशानप्राप्ताक्ष्याकरादे.जादे.श्रद्धः विद्यात्या हे ३५ वे. वर्ष्ट्रं पा दे.लीय.ज.ज.ज.लूर्.२१.भर्यट्. २८.५४.श.४१.४ट्रोज.चश.भ्री.च.लूर.७८.७४.<u>म</u> नमात्रहर्नार नेर्ति। वर्षाक्रियां विष्यान विवर्ति क्रियां वर्षा स्वा द्वाप्तःश्चामः पः विश्वः वः पः प्रदेशः यः से प्रदेशः पः प्राप्तः द्वा पर्देशः वे स्वापितः र्नामी । गानु नमा कपाय परे हेर्न मी निर्मा में क्रिंग या ने से में के परे ने यर पर्दे य हिन क्षेत्र वर लेख नु प के नु य प्रति का नु के नर प्रति न के वि र्ने भ्रम्य दे प्रत्मार प्रमुक्ति व पर के हो ही के पर लेक मुन्य प्रार्थ नि याञ्चिक्षायात्व दे द्वा हेक्षानु व के लेंक द्रार्ट ऑर ५४ द्वा में । म मर्वेद का स बैचनसारम् मानासाम्पर है। सेराया वैक् साधिव यदे छैराया। देश गुरा **ॲर्न न्द्रमाम** सर्वेद ना नदा मुर्देन सामर्वेद नहा त्र्रेन कास नदा ले श्रदा से भे न दे **याः मीं देशावलेका पुष्पं पृत्रासर्वेट वासायिकाया पृता।** र्रमुद्रासर्वेट वासायिका याकेरामाध्येव यर र्माना यश सर्वेदाय मेन पर हिसाय येन पर विकास नाता त्यात्र प्रत्र महिंदा ना सेन् प्रसा लेश मुन्य सेन् यते हेना साने प्रसा नहींना य'सर्वेद'म'र्केद'र्फेक् पर प्रश्नुपर नुर्देश दे 'व'लेस'नु न'के' हु रूव'हु रूव'हु दे अर्वेद प्राप्ति द अदे पात्र दे अर्वेद प्राप्त के अर्थे प्राप्ति व याध्येष्रावादे द्रात्वावायाध्येष्रावाद द्रात्वावायाध्येष्ठ वार्ष्ट्रे सर्वेदायाध्येष्ठ वार्ष्ट्रे वार्प्ट्रे वार्ष्ट्रे वार्ये वार्ष्ट्रे वार्ष्ट्रे वार्ट्रे वार्ष्ट्रे वार्ये र्भेद यादे खुरादा विवायर विदायर विदाय वनाया वाद्या वाद्या

क्रमां भारत वार्ष क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रिक्त क्रमां क मी कें यन्ना नु कमा आया विन नु नु नु न विन भ ने दे रे कें विन या प्रेन विन के नसः नद्नाः नुः क्रम्सः यात्राः व्यक्तं न्त्रनु द्वाः नदे । क्षां व्रशः नद्नाः नुः क्रम्सः याः क्षेः न दे । ः **ॱइ.स.च**न्नान्त्रःक्रेन्**सःस**म्युवःयाःभेदःद्वे विद्या देते द्वेरःचात्रःहे पर्मानुःकनासः च'ल'र्षेद्र'न्द्र'न्द्र'च'त्रसं लेस नु'च'त्र'स र्सेन्स'च'र्ड्सेस स्ति ्रिन्द लेपा प्रान नी मु उर फेर पर दे दे लेश न पर मार्से द्राया मा रहें शर्म विनानह मी मु उद भेद म दे दे मु उद भेद म दिस मु न दे द्वार म दे दिस् दे सा दि ता से दे ता व.पंचंत्र.वे.क्रंट.त.ज.दंदु.क्रि.क्षं श.लुब.च.क्रेट.क्रिश.वित.त.लुब.ला रटाप्नायायावाद्वादेत्राक्ताव्याय्ये यादे स्वराद्वात्य वरावेदायावायायाद्वीताव्याया तर् । माट तथा शंभा है खेर लेश ये पार । सभा यी हैं वे हैं दें प्राप्त दे दे हैं। मार प्रमालसा वा प्राप्त प्रमान के ने नामा पार है। पर हिर पर्दे । हैं दूर लेख नु न के न्ये मिर्दे नर ने न मिर्देश रहें में हैं महिंद हो र लेख न मह्र्नियः भेक्ष्वा वर्षेत् कनाक्षः न्दः त्राः नियः याः भेदःय। देः द्रायम्यायः भारत्वेशः भिर्मः शुरमः श्रुद्धः याः भेद्रयः देः स्ट्ररः ब्राप्तियःसरः विद्रासः वनायः वः नभीनासः वर्षे ।। हे स्ट्रिरः वैःवनुरः से रः ग्रीः हेर्सः र्स्स-दरः ह्या संस्थेत स्त्र ह्या हिरा। देखा ही च व्यय है दे स्प्रेन सामित **৾ৰ্ব) শেই নম'ৰ শেৰ শাম'ন'ৰী ফুলা'নছম'লী'লু**'কু'কু'ম'থী য'ৰ্ব) 'হী 'ছম' কণাম'

म.ज. श्र्वाश.न.लर.चर.च.र्बंच.चर्चजा.ची.मी भ.लूर.बू. खुश.कुव लूटश्.श्रु.... मञ्चर वहा सुर पर पुरे ।। पावव वे पर्मा सेन पर कर पास किया स मह्रे तर तरे वेट त. क्रिंटिय कर मी में क्रिया क्रिया के बाद क्रिया में मंर वुषामा मा भेव पर १८९५ दें। वुषाम हैंद भीव व पर म र्देन यर्द्रमेर्थायाप्रेर्द्रा नात्रकेषायाप्रदेशाचाप्रदेशाचाप्रदेशाचा नर्नार्टा मंत्रायते. हिर क्वायायाया स्राम्य स्वाय वर्षेया ही के हेर स्वाय वर्षा ता शुर्व द्राप्तव भारते हिंद है। विकास में से के से से प्रति हिंद हैं। विकास में मद्भीमान्त्र क्रियास मद्भारे सार्थिय सार्थिय है। हिमानशास्त्रहरुपान हिन्तुसार्थ।। ्रिकेशिय देशिय देशिय स्वाविस सुध्य है। मारमीस भिर्वासहित्यायारे व्यासेन यह रहतीया कर हो। दे उस मी मुक्ति है उन् लिम नु न के मार्ने ना ता सिन् मार्ने स्मार्टिक स्मार्टिक मार्ने स्मार्टिक मार्ने प्रति है मार्ने प्रति है व्यापानिताला व्यापाने वारे अत्र हेश मुद्री। दे से दे पदे पट हिंथ हे दे पट विवास स्मेरिया दे दिराय म्यामाना स्मार हे साथ सर्वेटश या है रास्त्रे साहे स्वर अ विव.तर.वुर.त प्रवातात्र भूष. वर्त् ।। र्वतायक्ष मुक्तातार विकायक सुर ଯ×.ପ୍ରିଥ.ଘ.ଖୁଖ.ସି.ପ.ଖୁ.ଖୁଗ.ଘୁଖ.ଏଞ୍ଜ.ଘଟ୍ଟ.ଲଖ.ଗ୍ୟା.ଟ୍.ଖ.ଖିଲା.ସହ୍ୟ ଅଧିକ.ଯହୁଖ.... स्वामान्त्र अट. यर्वा.रट. भ्रिंग भ्रवेटश.त. लुक् वे. बुक् वे. के के वर्द्र कवाका जा श्चांस. चर्ड.लट.चरचे.रट.भक्ष्ट्य.च.लुब.ब्र. बुब्य.वे.चर्ड.क्रूबंश.र हु.स.

म्याच करे है। परे खर पर्व के कार्य संग्रं र या श्रृ मा वह भ नर्गा अ है स फेर मदे खेर हैं। वर्ष ସମ୍ମିଲ ସ' ନ୍ଧିବ ଶ୍ରା र्शेर्प्यदे हेन में हो लिया ने विद्या हों प्यर न न यह मार्थित मार्शित रे पर्ट ।। देन देन देन पर पर कु कुर दे दे ना ब्रिंग कु विश्व कर दे दे हैं। किन्द्र ने स्वर्भ के लिस मुन्द के निद लिना निद त्या सूना न स्वर्भ से साथ नद स्वर्भ पारे के देशकन्म य न्द्रम् म भ भ भ ने ने लेस न न न दे हैं। न न न न में में प्रदेश सुन्दे ने से दे ने दे हैं ने वहाय है से मा अद् द अद दे न से द पदे हैं न दे । **र्वर धैं ते श्रेम्स वर्ष सुर्** यदे। ।देश हैर रु वे पहर नाम। ।रूटा हैं है निम्मिन विश्व महिल क्षेत्र स्था । लिका कु नदि हैनाका कु नवद यदे व्यक्षा द्वार में विकास कि का र्श्वेर पदी हिन हैर दे व वह चाया । मादायस प्रेश विश नुः चं प्या । विक्तारि द्वार्थर दिल्ला न प्ये हेर्ने। इना माने के के देश मध्य परिक्षित्य द्वा पहिन्त विदेश विद्या न मन्द्रिके विद्यार्श्वित पर हेर सूर्य पर हेर पर हैर नु लेख से मा कर की। किर्देश श्चेर पर दे के हिर ही अ व श्वर पड़र प भेर की है है के दे रे के कर पर माने वर्षेत्रभाववे कुरार्थे। व्यवस्थित भूवायर कुरावस्य रवार विवास र्षेत्रहो देन अत्य नहेंत्र वर्षे हेर्न वर्षेत्रयर के प्राप्त के प् सिरंगी मार वार किने हैं लेश स वर वया र यह संकी र वर है ने लेश विभवी वर्ति क्वासन्द्रम्य विवेश प्राचानिक वर्षित है। दे मिट यस वर्दे केन्स नट ज्ञाम में प्रकृतिस मु चर देव हैं। देव दे व विक मु य. हु. प्रेश्व. प्रश्न. श्रे. प्रश्नां श्व. त्र. त्र हो। हे. ट्रे. प्रश्ने दश्य व मायालेशानु नवे देन हो। दे हेन ग्री द्वार लेगाय लेशानु नाया सम्बाधाः ष्ठे स**'ष्ठे'स**'वयद'व'भेद'र्वे। वद्यामी'हेद'दु'गुद्रवस'वहुद'व'र्थेद्'द'हेस' ข้าริสาติราราสาสสนาสารารารนาคาณาสาลาณันสาลัฐานข้าริสาติราราฐสสฐานฐาน हर के मु त्वायान नमनामान दे। दे समानावक साम्पर् के सामानावक साम्पर् वनुरावासाधिकायालेसानु वाते नाराध्येदाकावनु नातिसावत् माने केरासामा भेद:दे लेख:य:दे वर्गा वर्गा वर्गा वर्गायाम्य प्रते लेख: य:दे त्रे स्थायाः मानसः पार्वे रही। दे प्रिं पार्वे सुराष्ट्र पर सेन् या सामा हे राष्ट्र वा सामा वान्त्रम् प्रते क्षात्र स्ति वार्ये न्या प्रते प्रता प्रते न्या प्रते । वार्षे प्रता प्रते । वार्षे प्रता क्षे **२व.ज.ल**ट. जुन्न. चे. ट्रेंट्रें स्त्रात्य संत्र्य त. स्त्राची सा. त. प्रश्नी सी. मी. मीट. व्यवनार्वेश्व वस्त्रेत्यावे से स्वापित विद्यान विश्व सामान विद्यान विश्व सामान वालिक्सुमा वर्ति। वहीर्याने वारायकाले वा देवे वर्षा स्त्रिक्ष **बर.ग्रे.चेश.च.के.चेग्रा डंश.च.च.श्रॅश.ट्रा श.ट्रब्रट्र** प्रचंश.च.श्रु. मिलिट.हू.। श्र्मकायाञ्चरायकात्रकात्राचालाच्याचात्रकाचात्राचात्रका वर्षेत् वतु वाका स्त्र विदेश वाका स्त्र विदेश वाका विदेश वाका विदेश विदे **ଽୖୄ୴ଽ୕୶୵ଽ୕୳ଵୖ୶୳**ଽୄୖୢୠ୕୶ୠ୕୳୕୴୷୴ୡ୕୴ୢୄ୕୳ୖଡ଼୕୶ୢ୳ୖୡୄ୕ୢୢୠ୕ୖ୵୴ୖ୵୶ୢ୲ मुक्षाण्याम् मुल्याम् अवस्य अवस्य अवस्य अवस्य स्तर् सेर् सर्व सेर्

क्र-स-इस-विम्यामी वर्मे या वर्ग वर्ष वर्ष वर्ष वर्मिन वर्ग

देशक मान्द्र हैं है अम्मूय या भेद के विशे ने विशे में हैं में है विशे मिर में से हर मी हिन्दु मात्र पर देवे कगमा च दर व्याप मा भिन्दे हैं लिस है च वार समाभा य में हर् प्रमान पर मान के हैं है से सामुव पर प्रमान कर में हैं वा से पर है यदै क्रूर पर के केर लेश पर प्रति या लिश या लिश या लिश या लिश केर **८इर्.ब**पु.क्र्र्यतपु.क्र्र्यतपु.क्र्यतपुर्वात्तर्थात्तर्थात्यत्यत्तर्थात्वात्तर्थात्तर्थात्तर्थात्तर्थात्तर्थात् माठ्या.रे.रे.रे.र्मेन.पर्मत.भूथ.बुश.पे.प.प्रम्थाश.श.प्रमीय.तर **५२५ म**दे र्क्षेर मदे कुं हेर पेदाय आर नाया हे से ५६५ मार्टे मार्टे कुं भेदार्दे " **बेसप्टेस**'यर'वडर'व'वर्देर'य'देवे'ळें'ना५४'ळें'र मानुवाय'सेक वें' बेसप्यस्क यर प्रमुर र्गा है है प्रमूप लिया मी हैं से पर्दे पर्दे हैं र पर्दे हूं र पर्दे हूं र बेस'मु'न'देवे'ळें। स'देस'म'ऄ६'दे'वन् 'वेन'मी'ळें से 'वर्देद'में देंदर नदे मु खेददा अट देश माह्य ग्रेस र दी हो नदे नदे मु १५ दे सर्वेद नदे हैर र्रे १२ १९ दे नार वर्ना नु क्रमा य वर्त्र य लेख स य व राज्य स्ट्रें परी हीं र ट्रे.हेंच.वर्ष्टा में केंट्रेट्रेस्यर पुराय अपट बुरा में व नशःनध्रः हो । बु.नट्रे.चर्.मैं.र्भ.चेटस.ग्रेस.र्बेच.चर्चल.मी मैं.ट्रे.क्रेट.ल्र्य.तर.च्रंश.र्श.लट... हा। वर्षेत्रके वर वेरायदे ह्या हर्या प्रविश्व हा वर्षे वरे वा ह्या हिल्ला हा वर्षे वरे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे यते क्रिंडन प्रत्युर यत्। दे स्थान भारते । अस्मित्र प्रति हिंचा था मार्जेद

माञ्चानुरामदे लेखानु न दे नुनार्दा महस्रामाय सन्मामाय स्थाना नुन रुनार्दा महस्रामा मा भेदा पर्वे। देवे हिर सुना ता स्नासान पर पर वरे वरे वर्ष स्रा ह्येर. चुर. रे. विर. चर. १६४ . च च. च. ह्यं न स. त. तथा विर. चर. १६४ . चे. चरे. क्रनासायम। मुन्देवे खेर लेखा अव वाक कर पर त्र मुराम होना **७. सूर्यम. राप्ट्र. सैंस. हु. हूं यश. र्टा. वि. ट्र्या. ज. सूर्यम. या वश्वर. ट्रा** सूर्या ज. स्निमायाप्तरावरे वरे वर्षा मुर्ने विक्र मुन्ति वर्षा विक्र दे विक् **৲ঀ৾৾৾৴৸য়৾য়৾৾৾ঀ৾৾৾৸৴৸৸ঀৣ৾৸৾ঀ৾৾৾৸ৼ৸৽ড়য়৸ঀৣ৾৸৾ঀ**৾য়৾য়ৢ৾য়৸৻ঢ়ঢ়৾য়ৼয়ৣ৻ঢ়ঀৣ৾য়৸ঀ৾৽ **७४.मु.मर्.मु.मर.मुर.म.म.म्**नामा दे.पश्चाविष्यात्रे पर्.स् - वेद.त.पवेंट.पवं.टट.१४ल.१४४.५.मिटे.तर.यटु.ज.सुट.प.लूश. (इस.चे.प इ.तम. ૹૢઽ<mark>.શ્રેના તક્તા</mark> સેં<mark>ય વર.છે૮.ત ૮</mark>.ખજ જુ૧.ટે.ના ૭૧.ત૪.ટુ.લે.વેર.ચૈર.ત.જાદ. दे भेष भा वदे व सूव भर वेद पा भर दे भेष पार्य करे सह ना ना निव पर दे निव भी कि ् नःस्तुनःमरः नेदःमर्देशः 💎 देः सक्षावनुदः मर्दे । दृष्यः मुद्रः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स् **अट. कुरा. वर्षा. हे बरा. विट. तर. तट्ट. तप्ट. में . टट. जरा. वहून. ता. वे. हो।** . ज. श्चेर्यान्सार्सा रेपसानावर्यये पर्दे या हेरासेर्यरे खेरा लेस उपाने। नुमान्द्रः वरुषा पदे : ब्रथायशाय कें पदे चुः माल्दा सेन् पदे : खेर रा लेखानु । पदे ... न्ता मुरार्था वर्षेशायर सुना वस्य मुंश लेशामु व के न्ये पार्टिशाय र्थे। **૱.કૃ.૧.૯૧.ઌૹ.ઌ૮ઌ.તઌૢ.ૡૺૡૹ.ૹ૽**૽ઌૹ.ૡ૽.ૡૢ૽.ઌૻ૾૾૽૱૱૽૽ઌ૽૽ૹ૽ઌ૽૱૽ઌ मते खेरमा लर्मामा कर्षा ने हैं है सर र्वेष नुमालेर मेरे छेर देश पर्दे महेरे

विर विदश हिंद ता सन् शराव दे दे दे वसस उद लेस नु न ता सन् स । बेर्'यर नेर्'यर बेर्'यदे खेर ल्या नु'य के 'यर् 'इर म्य है। यर् 'य 'र्' য়ुना नष्ट्रत्य त्य स्वन्ध न न्ना नी र्षे र ५ त नी है त न न नी नि र द नी दि व दे त तथा १ अस्य स दे नस्य द द व सेदाय हैदादा दिन्दा है। रहा में दि व निष्य में प्रेद मत् क्षेर दर। हें व्यावन क्षेर प्रमेर पत् क्षेर ही। हें व्यावन क्षेर वै न्यत्व केद से द्वा प केद दु त्या र दें लेख नु पर द्वींद्ध सी। हिना साम थेशके हे हे हे प्रति का साम हो दे पर हो है दे ने कि हो है दे के कि से कि हो है के कि से कि हो है के कि से क वाद्राक्षक्षद्राद्रा व्यव ५५ ५५ ५० ते वाद्रा विकास वित नर केना इस नर श्वर में। 🚡 रे हेर है हम अस सु हिंद न नर सम उर ही हैर हिंना मारुदार्मा के सामा के मार्थ के मार्थ के प्रतास के प द्रर्रदाविक सेन्यायसारे दे वेंदानी कुषार्श्वासाय विसाना विदे विकर्ति रदःविते भी नाइन केंद्र लेखान न ने नद्या सेद न हैन ने हस का शु केंद्र न न शहूद **८८.लूब.२४.४४४१८८.मू.३५.कू**ल. त.कब्.मू.च्रेच.३४.१८८.हूब.सी.पर्जा याचन केर प्रीताय वे शेर में। ्री ख़र न र्रेन होरा यर नुषा यह सक्त हर चन वै प्पर पा हैर प्पेन है। दे लिया पर दे हैं। असम सु हिंदा पा होर पर होर यते द्व मी न न तरे के शक्ष भव क्या दे लाका मुद्द दे ह्व न म प्येश करें है हर क रदायबैन सेन पर से प्रमुद बैदा 💎 १ १ समा शुः होंद य न्दर मा शुन्द प्रमा

न्तरवस्तरं उद् की हेन स्मिन या उन पु निर्देश या समस्र उद सेद यह प्रदेश यहा विवासक्ति। दे.ला. भेरास दे.केर.व विवासर हेरास भू ने भू ने शास स्ट्री ब्राट.**(ब्रु.च).बाट.ल्य्र.च.लट.क्ष.पचीर.व.**७४१.चे.च.च.क्र.क्र्य.च.च्य.ब्रीट्र.च.ल.बाट.ल्र्ट्र. ୕୶**ୖଈଂ୳**ୄୣ୷ୢ<mark>ୄ୶ଽ୕୷ୖଵୄଈୖ୳ୠ୳୰୵ୖଽ</mark>୕୴ୖ୕୶୶୶ୖୠୣୄ୵୷ଽ୕ୢ୶ୡ୕୳ୖୢଌଽ୕ୖଌୡ୳ୠ୕୷ୠ୕୷ୡୄୖ୷ मझ नर नुर्देश दे दुः स भेद व हर व नवका महे स र्वेद भरे व सु नु प्र नु नमःभेदार्वे। देख्रादादेवे मुस्तित्वात्रात्रात्वात्रायाः विषुरार्वे। **लटान विन्यम नु नुसाय अर्चनस या छटा बन्य गुटा र्ल्यन या साले**न है। दिन **ॱइ. १८८४ मारसाम्ये सामेर् मी कु सर्दर उर ५ मा**या सामुराम हे र प्येर है। दे**.इ.सर**.इच.भ.चाबर.ज.रच.जिस.तत्रे.भ्री.च.दर.केर.जूर.जूर.चत्र.क्रीर.<u>द्री</u>। क्रीते. द्धराकाञ्चिकार्व्यात्मायायाकार्वे ॥ देवे क्षुःसक्षका हेदायादे व्यद्गायादे प्यदा विवायायोगाया दे रात्रवायायर अटा कोराय हेरायोगाया हे हरायाविवायर हेरा य के प्यत्वा कु का सार्वे ॥ दे 'यस झ्वा सरे 'यह स हते हिर सर न्युयः यः भेर्यः १९८१ में १९६८ र वेश्वाचार्यः स्याचार्यः स्था सर्वे १९६८ मु पृष्टियो.च.८.प्रश्र.क्षेयो.चठ.एचंश.ये.३.वि२.चर.यीव.च.श्रुर.चट्र.क्षेर.स्री सर्वि शुम मुै तहन यः १ नर्झे सब यः यः र्शन्धः यदे तर्शसः मुः धेवः 🛴 । वेदाः चित्रते र्रे हिं। रेप्पर न अर लेश चित्र मार्थ मार्थ मार्थ से हि ही में दे ः मोब**मःश्लेनशःबन्धाः स्वाःनस्यःश**ह्दःश्लेशः नुः नुश्च सः स्द्रिः वः स्टः दर्दः करः ्रदः त्रयानः से प्रतृद्धः म मे प्रा देश्यर प्या मे लेका मुन में पर्दे क्रिया सार्वा यः स्राप्ते द्राचित्रः स्रवसः द्री। दे ता पर्दे हे स्वारा द्रा वयः वयः वयः क्षयाया प्रका दे क्ष्याय मान्यायाय प्रमासाय । मान्या क्ष्यसा मःदेशासत्मःविद्यानान्तान्त्रान्त्रम् पुरक्रायान्द्राः स्वतायातार्व्यत् । स्वतायान्यत् । स्वतायान्यत् चक्र.श्चेंब्र.चश्चवा.चर चे.चर्च.त्रेर.श्चेंब्र.श.श्चेंद्र.च.लूर्च.च.च.च.चे.च.च.च.चा.चे. यते ले र नु य मिर् यर र्दा वरुश यदे यार्द के श्रीय व यहे व य प्रे र यहे वरु । दासामुन वाकेराधिकार्वे लेखार्ह्स्याने। वरावदे नादकाञ्चनकार्वे रावराह्य **पत्रे नर्देश ये ता भुँद नु मा**सर्वे न्य भुँद स्मानु न पत्रे सुर र ।। धुया नाल्द या त्वुद'य'खब'मी'यर्द्'क्यास'मी'झ्या'स'बे'लेस'म य'बे'चुर'सेर'म्दाय'पर्द्र्यकर् **रट.भ.रच**न र जार विट.म.रब.मी ज्रा विट.मर्ट.म लट.ख्या.रे.मांबु. माद्राक्षां वा विवास में वर्षेत्र क्षाक्षां प्रदेश वर्षेत्र वर्पेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्ते वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र **श्रम्भःयः**वर्युदःवरे द्दः र्द्ध्यः रुष्ठः रेते रे. र्ह्युषः र्य्यन्यः वेशः युः यः वे वर्षाः पुः रुरुः यः ता. श्रुचीश .ता.ता. पंचीट. संतु. १९६१ म. १९६१ त. १९६४ हो. १९८१ हो. इम्नाम्बर्धान्त्रीमु केरालकार्ये। कन्यमायारे वे वर्षा पर्रावरणार्ये।। मन्ना ने क्वार सर्थे के नर्भ के ख़िला लेखा में में के में के में के में के में में में में में में में में में दे'नस'क्'के'नर'ले'न'ल'दे दे'कु'ल'मब्दि' रूर'डेद्र'सस'प्रिन' च फ़ेक्'ल। दे पदे ता से दे पारे हिर व विच पर हो दे या से देशे नहा पर्या य लट.रुम्बारा.च.लुब.ब्र्। ब्रिश:वु:व,व,व,व,व, मूर:**ढव**श:य,ते.कु

मीर खनास र े ् वि मार्से पर विराध केर क्षेत्र सबद म प्रेत स्वाध मार्स नाम पर्या म भेर दें लेस म प्रेन्द्र हैं। प्रमानी हैर फेर्न द्रदर। दर्श स्विधाय ढ़ऀ*ढ़ॖॏॹॱॸॖॖॱॸॱढ़ऀॱॸऻढ़ॱॸॏॱक़ॕॱॺॗॸॱॸड़ॸ*ॻॏ*ॱ*३ॸॖॱॲ॔ड़ॱढ़ॱॴढ़ॱढ़ड़ॺॱय़ॱॺॱऄ॔ज़ऻॿॱय़ड़ॱॱॱ त्नुर है। है 'य सेन्' य' है 'यन्न हु 'क्नाबाच 'न् प्राच हैन 'है 'है र लेख च नदे द्वार्ता दे के मार मी के नद्वा मोदी अह लेख च या व के न्या प्र तकर्थर वेर्न्सा रे 'स' व्यव निर्मा सर्वेद 'चर्चा वर्षा य केर स' विर्मा प्रमा **टे. इप.मिट. श्रेप. भंट. तर अ**हुट. यश विच. त. लुप. ता. ट्र. ट्र. प्यायाचा लटा श्रेप..... **अर्वेट.प.३८ लुप प.ट्.केर.थे** हर्षेट्राचाचाड्रेश.चब्रालट.वि.य.प.वेट.प.रचील. न'नुसेन्स'म'भेर'न। ने'स्र है'२ सुर सें र वितास स्वास वस निव ही वसमाय रे देनमाया वस वासे रे दें।। पार्व कर **अ'नुव'भ'**भेद बॅ'ले'द'लेख'दु'च'के'द्रवट'चें'स'र्स्यन्स'च'खु य त्राक्षांचरे'तु" मदनानो ह्याँ या धुनः वसूय ह्यायानार्वे न या ने दे वा प्ये राज रे खुर वा स्तर ळॅनसङ्घाय १९१८ हे स्वायुराय प्रेश है। इस मावस्थाय हो साव प्राय हो साव प्राय हो साव प्राय हो साव प्राय हो साव स **त्रान**्ति । या त्रान्ते शृह्य विश्वास्त्राम् वन् स्त्रीत् व्यक्तास्य विश्वास्त्रा . स्पटार्टी हेरा देश दु न ता स्मृत्राच दा द्वा मीरा स्मृत स्मृत्रा स्मृत मुं कर् अ केर पर दे होर लेश मुं पर ने मार या केर ५ र सर्वे द पर मुं कर व लेश ... वि.च.वे.पर्व.श्रट.स्.चर्या । बट.बुच.च्.चट.च् क्वे.ल.चार्र्य.तर विट.तर श्रेय. यन्ते दे त्यसन्ते हे तर ले तर सप्ते हो। इयेर द तर मह की दर् में निले तर मार्रेर. त. चुरेर. च. भ. त. भटर . बुट. च झुत्र. च. कुंश च. च. शूचेश. च. चरे. . वरे. . वरे. . वरे. . बर्-रच-रु-बि-च-स-सेब-ध-सुन्। धुना-वर्ध्य-चर्स्स-ध-स-द-द-वि-च-वि-स्चिश्राचर् छित्रात्राक्ष चर् क्षु वदना मी हैं या नहें चा ने दि सामा कर हे लिहा सम्बुत्रायाः भद्रासाध्येत् द्वाले सानु ना दे तदी सुरा नद्वा नी ह्वा भ्रेत्र हत मह्त नदे मुं दर स भेर ही। दे गिर नदे गुर कार पदे मुं दर भेर वा दे त ह्ना नह्य हैं सपान्दर्य पड़िर्यास भेदाय दे हाद सम्मुवाय भारत सामेद हैं। พรัฐ "ภูะาริ "พิฐาณาๆดุฐาพะาพิฐายาดิญาฐา อาสิ เตรา อาริ เตรา यर दु त्यवास यदे खुर भेर यरे खुर अर्डन भेर व्या के वा विश्व है द भेर यदे । ब्रीरम्बर् प्रेक्टी इन स्थाप्तर प्राप्त समार प्राप्त मार्थे कुर लेख मु नदे रे ने नद में हिर लेख मु न त से न्या प्रयाप कर मान्तर प्रामान्तर लेखा मुः मान्तर हो स्टर हो राया रे प्रामान कर हो। यर वेर र्रा। मायाने दर्भ पर्ना द्वारा सर्वास पर नी र कुर्या हुस। पर्ना वाल र र्ष र नाके र मायदार्भे या भेदा दें लेखा मादानी के यदा प्रदेश द्वार नुर हुना हुश.चे.च.च. श्र्याश.च.श्र्र्य श्र्या रेतर ४.डेश.चुरे हे और रेतर तपर तपर . ৼৢয়৾৻ঀ৾৻ড়ৢয়৾৻য়ৢ৻য়ৼঀ৾৻৸য়৻য়৻৸ঢ়৻৸৻য়৾ঀয়৻য়৻য়৻য়৻ঢ়৻য়ঢ়ৢ৻ঢ়৾৻য়ৢ৾য়ৼ৾ঀ৻৻৻ ৽ কিন্তু কিন্ত

क्षेत्र में मरे न दम मु क्षेत् युद्द न दे हे हे मर द ले हि क्षेत्र के पर तमुर ले द ले हि है इटा<u>च्रमें वर्ते स्केर</u> के वर्ते व के रावरे खेरा हो। कर के वरे वर्ष का का क्षे: बर विश्वर य के प्रांक शिर्दर य व व व व के शक्षे वर वश्चे व विष् । प्रदेश शु र्श्वेद यरे द्वा या उद अद ले इद जिद हो। सिट या अद द्वा दि सर्वेद हो लेश **नम्द्राप**रे क्षेत्र। द्ये**र द्येत्र व्याक्ष या न्द्राय ३ द्येत्र वे**ष व्याय क्षेत्रियः नःश्चेंशः हे रहे के राजे छेर। छैर से वेंट न र्ना न हमा न हमा न वेंग न न न न **क्रे** '२र्रे 'र्रे | दे'दमा मो खुद मो 'खुद पर माद था अद द्र्मा पर के क्राया दमा गुदा खे रद्भः हे 'बेश 'वर्दे 'च' हे 'या 'पट' प्राप्त 'प्राप्त 'या सासुना' नहाय 'या द्रीना प्राप्त '''' रोमस'ग्रे पहुन्'य'पे रूट'य'में १ प्ये दुः में पर् से यहे या में १ प्ये दुः में यहे या में से **बेस.इ.२च.मोश.प्तश.यटब.त.त.**क्षेत्र.या. श्री.च.४ट. श्री.च.स.इ.च.ट. मद्भन हैन उन् हन प्रेन परि सुर र लेख मु न ने तर्दे कग्य न्ट म्या न याले **इट.रट.हुंग.श.कतमा.च.म्रंट.नट्र.पट्र.सट.पढ्रेर.क्रे.**हेर.हुंर.र.ढ्रेश.चु... पति देव हैं।। पाता है कि वह देश वह है स्टान्स सह स्वर्ध से स्वर्ध से स्वर्ध से स्वर्ध से स्वर्ध से स्वर्ध से से म्मेन्द्रियान्त्रित्यान् स्त्रित्यान् स्त्रित्यान्त्राच्याः Ð'न'१९'नं स्कृ'नर मु:च'स'प्येक्'ब्रा वर्डम'स्कृ २८म'ग्रीक'ग्राट द्वेहिट न्नाः भेदः ग्रुटः नत्रे :श्रुरः विश्वः ग्रुः नः त्यः र्क्षात्यः नश्वदः नः देः हैः वृदः वश्वदः भेदः विश्वः । वर्डमास्त्र पर्याणीयायी से वरे वारे पर्या ने विधानु वाया से स्थाय ही सामा **न्ने** न्वे क्र हीन वर होन पर हिन पर केन पर खेर लेक न वरी दे वका पर द्भारतमारेशायर देते. पानेषात्र पर्से पान के पान होता है। देने पान हे साम होता है। मोट.ची.क्र्.लट.टे.पहेची.तप्रे.ची.चीट.पेचील.चप्रे.मीप्र.खेश.चे.च.च.क्र्यांश्राचा

्राच प्रमान्त्रे तहना प्रते कुं नार प्रमान दे दर दन वन्न मान वदे वहे कुं है है नमा लेश व वरे दें हैं। द वर्ग ने दूर्य वें लेश वार के वर्ग में बदें हैं। <u>৾</u>ঀঢ়৻ঀ৾৾ঽ৾৽ঀয়৾ঀৢ৽য়৻য়৻ঀঽ৽ঀ৾ঀ৾৽য়ৢ৾৽য়৻য়ৢঢ়য়৽য়৾ঀৢ৽য়ৼ৽ড়৾ঀ৽ঢ়৽ৢ৾ঀ৽ क्षे क्षेत्र दश्हर में द्वार ना दर यह वाले साम्राज्य में स्वा र के हिन है है । .ભાસુંચાનુ નાહેવા એમલા૧૧ વારુ ૧૭ લેએ નુ નાભા**એટ વસાવસાન ક**ાનું૧૬ 📶 क्रम्बादासाधिकार्वे संबंधान ने देश्वर हो। हे खर हिसान ने दार्य संबंधान **श्वाळन्यान्द्रा**विद्रास्त्रितासेन्याने स्वराह्य वात्रान्ता केतु नेन्यम् स्वराह्य MC. ट्र. बुंब. ये. प्यू. ट्रंब. २००० चाम. हे. क्रेंचा प्रक्रिम. पश्चिम. तथा बुंब. ये. प्रा. स्निक्षायां तरे हरावालुदात्रेका के प्रविद्याता स्कार हिना पर नहूर्कुट लटल्प्रेन्त्र सम्बद्धात्वर हुट्या वहूर्य दे वहात्। रहे हे हूना वर्षास्त्रभावशादर्दायार्श्वरायद्वरायदायदार्थर द् देरासद्धाः नर विष्युत्र के सथ न्दा से सथ तस दुवा धर्म हिन्दा रहे या वास सथ बु.र्बे.ब.चर्ता.बु.३मश.श्र.शूट.यदु.उचीर.यदु.ली.व.जू। हुंग.चर.ए.बीर.ट्र े लेखानु न सद्भाक्ष मार्च हो नद्भा दिये लेखानु न के महाना कार्य स्था महाना न्नामा सेन्यम हें नायके । वरे के न्न्यामी लमा साम के ना हु : शहर या कृत क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र कु । व्यक्त क्षेत्र क्षेत् नालेब्रेब्र्। ट्रेडिट मुस्ने त्रित्रे में वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र

र्रालेश निःच लातमुर वर ने तर्दे से दि में निष्य निर्मानर मिरा मिरा पर मिरा पर स र्द्ध सम्बद्ध स्वरं सुर्वे स्वरं स्वरं स्वरं सिव्या सम्बद्ध स्वरं सिव्या सिव्य कु पद्यासि स्वाप्त के दे स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स सन्ने मु तहेन क्रें हु स न नदा नद्दंश सु दन्य मानदान मुद्देश स्वाय पर विद्यार के दन्य मानदा अद माध्येव वी नु दूर विद्या श्रुर पद्म में महन केर कर में वे लेख नु प ने नु प इन व्यट्स हुन के हे ब प्येश प्रसार है ज व निर्मार ही के कि हिन के कि व व व निर्मा **9.न.र्ट.ल्ट्स.श्रॅर्न्.क्रे.नर्न.क्रेर.करे.क्रे.**नर्ना.चे.रट.चे.ट्र.च्. ट्र.रट.प्नाल.च. ME.चे.च.रट.ज्रह्म.श्रुर्. रट.चेल.च.केर. लुब.च.ट..केर.ब. र.चेलेश.पचाता.च. र्श्वेम्बर्गर्स् ॥ अट.ब.बेश.च.च बे.ब्रेंर.च.चक्रिंग.च.ही पहर.ए.स. विश्वास्त्र त्रव्या सु विद्यास से हिंद् या लेखा यहेंद् गु। र मीस सुरास है लेखा चि.च.श.क्षुव.त.ट्र.केर.व.विट.तर.वु.ट्र.लूट ट्र्रा ट्र.लट चेश्व.तर.चक्रेर.चुव. र्रे विश्व न व वे लेख न स्ट्रास्टर हर सामा प्येत यर है। या न हर हरे हैंस. लेब मी लेब ने न ता से न दे सार्ट हिंदे हिंब मी हें ब्रिंग में हो। सार्ट हिंद हिंब मी हो। सार्ट हिंद हिंब मी हो। वर्षः सर्वन १९५ क्षेत्र या रे वे १ हें। अस्ति मी से वा ता प्राप्त मूर्य स षेक्की। देकेदकेखंभार्यन्त्राची वद्न केद्राराचिक्किकि वि.च.ज.सूच्यात.श्रुंश.सूरी भूच.ज. सूच्या व.जि.चट.जूट.वु. झे.मकुट्टे. รีสเล้า ไชอ็ะเปะเชล็ะ น.พพ.มีะ.จ.ปะเชลพ.พพ.ฉีะ.จ ปลเมู่ง. क्षिः देवासादे 'द्राक्ष्य केवा' व्युद्धां वर्षे । विवासार केसाद्धा देश व्यव वि क्रिना वेशन्दर वे दे अश वृत्। । अदेन दर हो। दे दना दे द अर्ड दश सर.

इन्दर्भम्य निर्मा निर्म मेवे में दृष्ट लेख मुन्य त्या स्वाया प्रकार कर पर मेर्ड हैं। हे अह वस्तर में क - इ. लेश.च.च.च.च. इंचा चहना हैं १. हे. स्वा हैं १८ । हिंद संग्रुव वस ८ केट. चर्र. मी विट्या ही. च. बेश. चे.च ल. श्वीश. चश्चा हो. हेटे हेर. दे.पक्रमञ्जूरा विस्रियमञ्जूरा विस्रियमञ्जूष्टा वना पते सेमस दे नार्दे प्रसान। दे पर दे राय सेमस पते सक्त है द रह ู่ พล.ลี.ซ.ลี.ซ.ซ.ซ.ซ. นะ.ชไผ.อิพ.ก.หชายู่พ.อิ.บ.ชู.ผิว.กะ.อง.อิ... ्रुस मन्द्र स्व स्व अद् रेन स से मासे मासे न सम्बेर स समा लेश सु स्व दें हैं।। े दे ' १९ दे ' १९ म' लेस ' मु ' नस ' २ कद ' पर ' में दे हैं।। व सदे ' लेस ' मु ' न दे ' मस स ं **७५'ग्रे'से** मार्चे । वुद्ध याबै'मो स्था हो न्या से राया छवा है। नाय **५'स** वना नुः क्षेत्रायदे ॥ वित्रम्यायम् हेन प्येत् नुः लेखा मुना वी वित्रयानैः **ৢ৾ঀয়৽য়ৡ৾৽৳য়৽ড়য়৽ড়ৼ**৽য়য়য়৽য়৻ড়৸ৠ৾য়৾য়৽য়৽য়ৢয়৸য়৽য়৾য়৽য়ৡ৾৽য়ৡ৽য়য়৽য়ড়৽ঢ় **प्रेश्नी। हेर्नाश्च.प.रट.श्चर्य.तर्र्य गड्य.व्यय.श्च.श्चेय पार्श्चिय पार्थ पार्य पार्चिय पार्थ पार्य पार्च पार्थ पार्य पार्य पार्य पार्च पार्य ଵୖୄୣୄୣୣ୴.ସ.୰ୢଌୖ୵ୢୖୄ୵୷୶.୳.୵୵୷**ୡୄ୷୳ଽ୵ୡୖୄ୵୵୳ୡୄ୵୷୶୶ୢଌୢ୷ୢୖଌୢ୶୰୵ୣ୷୷ୗ୶ୄୣୣଌୣ୷୷୷ यर बेर पर लेख अपने र्व रें। रने पर र में के प्रे लेख व व के दमो माद्र की दमो माद्र के देश माद्र के के देश माद्र के मुक्त माद्र के माद्र माद्र के माद्र मा **८६୩' ସଶ' ସଞ୍ଜିଟ ସ**ରି ' କରୁ ' ନ୍ତି ଶ' କ୍ର' କ' ଶି' । । ह्रेन्थ सम्बुदायापेदार्दे लेखाद्वादादी हुसाद्वादवदाददा**स्ट्रामा**व्याप्यदा**र्द्ध**ार्यादे कुः कदानार्भेन्याभेन विषानु नायदे विषा नादा वहास नु प्रात्ते निष्याय प्रा

य. खुश. कूर्या श. दश. तर हीर हूँ। अक्ष. ये. वर र र पट असेर प्राप्ते श. ये. या. वे असे र प च दवर वश्चर व कुश के वर्गा श्रीय बलर प्रश्न सर्दर वर वर्दर पर विश नु नामा स्रेन्न प्रसाथ स्पन् पदे प्रसाधर नुदे दे ।। पदना नी प्रेन् १५४ व्यास्त्र स्पर्व निद यर'ल'लेख'नु'व'के'वर्ग'नी'ओर'५४'स'सर्वेट'यरेवी। स्रेंग्यरे'झु'के'वन्नस'नु' र्टा मेर्रायदे केंग्रस प्रदे स्टाय**ें**श्रम्मार केंग्रयदे मिर्पर त्या है। रवट वर्सुर मीस **म.८्स.त.लुर.ब्र्. ब्रेस.व.ब्रेश.वे.त**.ब्रे.सुमश.त.ची३स.८८.मव्दारा मन् मवे.तप्रु.. **ह्यं र्व्यद्राक्षराष्ट्राम्यद्राच्यात्राक्ष्याच्यात्राक्ष्यान्त्रात्राम्यद्रान्यात्रात्रान्यस्य स्थियान्त्रान् गणाः** ষ্ট্রীর'মম'য়'বলুম'মবর স্থীম। ট্রীর'ম'আ র্মান্সামার মানার্র'মান **बेदःयदेः युः : लेखः युः यः व्याक्षायः याः व्याकः व्याकः न्याः ने व्याकः विवाकः व्याकः विवाकः बेन्'य'३न्'ब'**यर्व्हेंब'द्द्य'र्द्वे स्थानुन्'याय र्वेन् ष'य'र्यदे**द'य**र नुन्'य'र् देने के " द्वद वश्चर वरे हॉ न्वद धेन पर दे हिंद की नावुद ने श वेद या इस व की रदा वले र त्यान्वर्देन्यासेन्यते हिराह्या ने त्यस श्रेस्य ग्रे न्वर नीस होन्य वास्त्रासाय त्येद्रायात्मार्ख्यायायम् हेरत्युद्राहे लेश नुः न वस्याय्वेह्द्राध्येदावा। ह्ये वे Bर्यर'र्टाहे दर'वहनाय'यवेश'रु छेर'यरे कु रप्पर क'लेक'छ'यह के ते छर सर वर्षेत्र संदर्शस्य द्रा है । है । इस वहना स वले १ दु छेद सर्वे कुन स्पर् मालेश्वानाव विश्वान्त्री चेत्रा डिनामानसेश्चर मालेश्वानावे हिना नः त्येद मः WE. दे. लूद अ. मिं. ME. लूदे हुं . हुं स चे. च. चे हिर नर . में . ट्रह्में नर्हे ॥ र्रे.भ.४भभ.ग्रेश ध्र.भक्षभभ.ध्रेर.नर नेर. १८.१५८ नमेर.नेर.१४५.ने नर.सिर.स्।

र्वटावश्चरावाद्वीमाहमरायालेखातु वायास्वाहाय हे म्वहरानी प्रेहरी ह्वटा पश्चर व दे म देमार व नार् पा वेदाय मा भेदा वेस व व नार वार वार भेदा मन्दरमात्नात विवानो के वेश नुष्या स्मास्य से नुष्य प्रते संवित्र है विदे हैं माने व द ते सुन्याय त्येया व त्येया व दि तारा दि नारा व से या व दे स्वार । विश्व चु न ता स्वा श्वा सा दे दे न वदा स्व दे । वदा वदा स्व दे । वदा स्व दे । न न लेश मु न न दे दे दे हो। दे न स्थाप दे प्रमास मार्थित है में दे में से मार्थित है। **देश में में स्ट्रिंग किया मे** ने केन भेग मार्से भर भेग समा लेग न न के मिन न में पर्में न में। **प्रेर्जा** देशस. व वेरायदे पुरायदे पु नु मद्मा केन महित्साय प्रेन के लिस नु मदी दें के जी। के किन के नि ने नि नि मित्र मर्द्रियर पर्देर चर्दर देश न वा अंतिक का अंति वा अर्द्र वार पर्दर् म'द्रामद्रियम'वर्देद'वाम'भेदावादेवी' मैससावदेवाद्राप्त से से र में नेत्रपदे त्यादेना भीवा वेशा दे नियं वा ने दे नियं वा ने स्टिव नियं वर्**र यव र्व भेस** वन्न न नेर पर देश केर वा से में में राय लेश न न देवे प्रमुख्य सु: अर वे से से प्रमुख्य से के देश के से से प्रमुख्य से के से से से प्रमुख्य से के से से से से स म्वन परिकास मार्थ देव देव हो। से से प्रति से प्रति प्रामित प्रिकास देव मार्थ

BN. चुनै'वर्द्र,ताकेर'लश.खंश.चे.च.चू.कुंश.चेन्ने.शुर्यम.श्र्या रहान वेर. म्हा भेदायादे तामा द केम्बा मानुवाय दस्या मुवाय या साम् लिय. लूट्स, श्रुर. त. थु. श्रुष्ट्र स. च. १५१। ४८. वर्षे १. ४ च. ४. ४ च. ४ च. ४. ४ च. ४. ४ च. ४. ४ च. ४. ४ च. ४ च. ४ च. ४. ४ च. ४ र्हें 'दि'श्रामाधीन'न'कु'न्दा'व्यस्य सुर्वे 'द्रिस'र्धर'में 'विषुर'र्हे। मालन मु अस्य से श्रिट् न नाल र में दिर न पत्र लेश न न के से र है न सर हैं न र न है यद्वासीवर्द्र्यसादे व्वित्याणेद्राद्रे अदारे वहायासाय सामा केत्र हे व्यासे सामा क्षेरार्द्रा रेश्वायम् न्यादराद्वर्षाया से दासुरार्दे विश्वाया विद्वर्षाया से रहा · न्यः उदा में व्याप्त व्यापत व अभग्र.श्र.श्रू.च.प.प.श्रूचंश.पश.ट्र.पक्ट.तर.वुट.२॥ अभग्र.श्र.श्रूट.जगः <u> २४.च.</u>परीट. बुझ.चे.च.पर्डा. कुर. कुर. कुर. कुर. कुर. चे.च. कुर. चे.च. क. कुर... नरः से अयः प्राः हे नरः से वा चा उत्रा मी प्रारं वा वा प्रारं वा दे । सा प्रत्या मी पर पा के त्युर मु मूर्य वर्ष भारते स भीत कें। विश्व पश्चर मा भीत कें। नाय हे हो राया में मा <u>द्यटा ढवा व्यद्राया साम्राजी विवार का त्या महीं साव व्याद्र पा हे दे हे साव प्रति दिसः</u> पट्टेर ट्रब्स सं दे मोन प्रमान क्षा न न मा स्मान स्था में स्था च.चन्य . बुन् . ज.चन्य . च. बुक्त.च . चुन् . च . ग्रेमश . शे. श्रेट्र . च हे. र ट्रू में ते क्रा नर होन प्रमान पान पर पर पर पर पर पान पर के पर माने के

नु में निर्वासाय द्र खुया है वासाय दे दि वे हैर थे वदे सुर ही वर्षा साम हिर ल्युन्यन्देन्वस्य द्वार्य देन्त्रम्य देन्त्रम्य देन्त्रम्य देन्त्रम्य देन्त्रम् नु'न'के' खेक के लेना नो क्षा पा कर नी लें भरी। हर स न्र न्य न्य ना ना खेर हर **लेस प्रायाके क्वार्य प्रायम प्रायम प्रायम क्वार्य के क्वार्य के के के ने नास प्रमा** मर्दि शुस्र दूर हेश शुर्पाय यादर प्रयाम यते छैर ही। दे सूर व दर्श यान् हैन् त्याप्य प्रदेश स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्य क्रु सर्हेट य प्रवर्ते। देव द्वार में शर्दे में विका दु स केर स प्रवर्ते यदना सेर्प हैर र्वा वर्ष सुर र्या। र अर नावन दना पुरव्यद हैन य कुर लुके माने के कर के दिन का हैं से हो। चे के माने के में पे खें चे का केर लो के माने के केर लो केर लो केर लो नु'न दे'न्न ना'मेर्'य' केर्'गु 'यम नाकेद'र्य दे' खेंन्स केर् येद पर र्रे सर दे स्ना महाया मी मुद्र माहेद में दे खें नामा हैर एक या लेखा माने महामा **बेद्'यदे'त्रभः१देद्री। दे'**यदःसःदेवायःवशःद्वुद यःदश तर् विराधर क्रियम् प्रति विश्व विषय के जाद के जाद को के दिला के कि का के जाद का का के जाद के कि का कि जाद का क **७९ : प्रेंब : य: देवे : क्रॅं: स** : देवा : या : या : या : यो : क्रें : व्यं ना या दे : ये सा : या स भेदायादेवे के मारेनाय हे हिरायर प्येद की द्रमायान है मा हरा प्या नर्ना मेन्यकृत्मर्वेद वादे होन्यन्दर्भमायाधिकृते लेखानुवराह्यस्त्री। वन्ना मे द'य हैद'मर्घर व'दे प्रदाय हैना है द। सारे माया दा त्राय प्रे ने नु न क्रिंश क्री। त्रन्य न ने प्या ले स नु न ने क के म ने न पर नि न ने ने माकृदासर्वेदावात्वातावर्ते। पश्चित्रायते दशाया हुदा है व्यान पते क्षीं दश थेद'द्रें लेख'तु'म'देख'मेना'मदी'द्रक्षेनास मदी'द्रक्ष'म'दिद्रे भदी'द्रक'मदेश दे

त्रमः क्षेत्र के त्येना पत्रे क्षि त्र त्येत्र क्षी प्रमा विनामित पा केता सर्वे त्येते त्ये निमान मते दस्य या ही १ के लिया या केदा यह १ यद १ यद १ सेदा। 🔻 हे वियास १ देया या कृ**र गु.स्याम के.या देवा यादेय ग्र**म (क्याम पाया संवास या क्रियाम जेर हो। हीं वी.चर्निता.जा. बुंहा दी.चा.हे. हीं वी.चर्निता की.चंदे हे. चा.जा देवी.चा. बुंहा दी.चंदु हैं ही वार्य हैं वी.चर्निता हैं यर तिहें वर हिर पर्ते। परेश के के के का पाय अश लिया पर ही पर्मा कर क यंपर याधिक के लिकानु याके हमाया के के हमाया अका महिना या केरा भेदा यह छिर হ্নি প্রত্যান নের নত্রিবা ধরা ব্লানা প্রত্যান গ্রীবালার মার্থা নত্রের **पर दिंश भ अप्रेश के हैं ? हैं र पहें श म हैं श म हैं श म हैं श यस हना म लेस महिंद सर नु न ला से न**्राय र्ह्से रा हे र दे र हुन पर ने दे रही त.ज.श्रुच्म.तर्.चेश्वरतं.टट.व्य वर्.चेश.चेखर.चे.च वश्वर वर्.चेट.जूव... न ने वस्त्र र देन देन देन पर पर्दे पर प्रेम हो। इर हिन पुरम्ब पर हैन दें स भेद दें लेश ने पहुत पर प्रमूर में। सर् सर् सह प्र पर देन पर र्ट्न भाषान्द्र याञ्चेत्रायसामह्दायाध्येत हो। हे सुराक हे सुराक्त्राया मुहेसामा A'WE'नहत्र'च'लेख'नहिंद्'य'दे'हन्।यायायायायेद वि । दे नश्चर् भ्रद्र हेना য়য়৽ড়৾য়৽য়ৼ৽য়ৣ৽য়৽ঀঢ়৽ড়য়৽য়৽য়৾ৼয়৽ঢ়ৢঢ়৽ঢ়য়৽য়ৼ৽য়ৣ৾৽য়য়৾ঀয়৽ঀয়৽ঀয়৽ कुर अब ब्रा 🐪 💍 हे रदा लेखा च ना ब र ब र नव का या का लेब र नव का लेखा चे.च.ज.सूर्यास,च.ज.र्जेंचे.वर्जिज.मु.१भ .व.जश कुरे.व.जूर्या वस.चटं.वपु.१भ ... न्त्।। , भन्नात्मर्त्वक्षात्भेन्भीः र्मेंग्यन्त्रम्लुब्रेन्। के.यर.लुब्र्नेप् सिरार्च कि. है. है. व. यहारा भेरा हैं . लेखान यादा की . पालरा में . पालरा में पालरा

୧୯୮.ସକ୍ଷୟ.ହ୧.ହିଁଏ.ପର୍ଜା.କୃଷ୍ଟ୍ରୁ ଓଣ.चश्चିମ୍ୟ.ସ.ଏ:.ଜୃଧି.ପଞ୍ଜା यश्चान्द्रे त्यस्ते न मुत्रे प्रस्ता मार्थः प्रस्ता स्त्रे प्रस्ति मुत्रे प्रस्त ନ୍ତି, ୧୦=. ଜମ୍ମ ନ୍ତି ଓ ପୂର୍ଯ୍ୟ ସଂଗ୍ରଂ ଦେ ଅନ୍ୟ ପାରମ୍ପ ହୁଁ ।। ଅଧିକାର ଅଧିକାର यस'ते'वेस'मु'न'ने'न'नेत'यनवे'व्य'नहेन'च'न्हा ने न न्दाद्दादि विषास्वाषालेश मु च पदेश स्वा दे चलेश मु द वलेश मु म-द्ना-भ-भटः देश-तुःवः यः स्न्। सः यः तः त्र्न्नः यः सः ये द यः ५८ः। माध्येद्राय दृद्दा वि वेद्रमायात्राध्येद्रायाद्रमा हेम्रायमात्रवृद्दामामाध्येद **यामाणेदायाद्रमा स्त्रुचायामाणेदायाद्रमा मेमायमाद्रीद यामाणेद**ः मते दमानर क्रिंप देनास यह । दे अस वुर व दर दे रे र र प्रति कर की दश दे लिट श श हो र हेश हु न र र केवा नी श र विन तर हों न दे न श र हों र न हों र न नते द्रम प र द नी खुवा र द नी हुँद में दर्श य द द है न दे हुँद स द व वस स र द वितास मेन पा केरा भी कारी हिमा वादी में मान मे **શ્રેન'ન'ખદ'ર્દેલ'મી'તનામ'ન'ફેન'**ઍફાર્લે લેશામુ વાલે જ્ઞેર નવે મુ**ાવન**ાનું સાના यम:न्र्यासु:दम्भःतम्। वर्षःसु:म्यूर:स्रेनः मान्दाला द्वाना पर विषय पर विषय है कि ही सदे हर्व है। नहाता मु मुद्रे रट नविद सम देव हे से ना ना से द न रे मुर विद्या मु न रे मारेना

यान्द्रा होने या है सुना प्रध्या ही कु हिन स्पेत है । खेता है स्पेना स्पेत मदा प्रवित स्वतः श्रुट्श.व.स्ट्रा.सट्र.स्रु.१४४। अ.स्ट्रस्याम्युत्तस्यान्तरः त्रा.सट्र.पर्.वेर.वर् मुं कर् सम्मानु र म हेर प्येत वें किया र दे में केर है हे कर वा म महेत में दे र्युवास है : बेर : के : बेर : वेर : के : बेर : वेर : वेर : वेर : वेर लेशनुः वं विंदः वसः नुबुद्धः वरः कुः वः धोषः वसः वः लेशनुः वः क्षेत्रं स्व ।। भूत'तु'यध्र पर'वजुर'हे। जाकेर'य के खेत्य के मेत् खेर रहें लेश'नुःयदी **ॱसर्-१९४४:**दॅ१:पर-भे-जुस-प-१९५ कु.सु.र-२- लेस-तु-न-५न। विन् ४४ ५ तुन्-१८२ विवें। देश १ दवा मी देंब है नदमा दुः स्वान दें केंद्र न स्वी हैं केंद्र से दिया न चरं.चर्.वर्थ.च्रं वेश ाथा.देर.पिश.चरं.च.व्थ.लश्.च्रेंग.दरःश्चित्रक. मानेदास दे स्वाचार्त्मका सम्बद्धार हो। क्षेत्र स्वाच केत्र हो स्वाच केत्र हो स्व बेसानु याबर प्येत हैं।। देनसान हें त्या है दे सेर सेर सर प्याप मा भेतर ही माहेत च दे ख्रिस् दे स भेद दे। नि देन हैंना च हिंदी हैंना च हिंदी हैं ने स हैंदे हैं ने स्वर्ध केद अदि अदि है है ्रदः चर्षेत्रः से प्रेस पाउत्राधित पादे वे लेस प्रादि । अद्यो अद्यो से सामिका सामिका सामिका मा अदः न १ व दे १ दे न दे १ है। मार्थ हे हैं मार्च हैं हैं है न दे व दे हैं हैं । ्रेष्ट्रान्देने रहा महेन से विश्वाम उत्र नु स्पराम्य क्रिका स्वाम न्यर मु पदे रद पहेन में भेरा यह ने देहे दे रद पहेन में के देन के देन दे द्रम्भर व्यापामा प्रति दे विश्व द्वापा विषय विश्व विष्य विश्व व बर्द्रअन्यास वे दूस अपक्षित्र के अपने मिन्य प्राप्त के अपने

र्ये कर् नम्बर् पाणिक वी। रे स्र क मा वार्कि से दिन मा मेरे **डिट र्द्रश्याचे क्रिंशचाच प्पर्दायाचे त्या ह्र्या दर्ग दर्ग दर्ग या श्रृहा** क्षिन्ते। देख्युक्तमुद्रायायात्वनायराहेत्यावे हेनायाद्रायात्राक्षत्यात्राक्षत्रः ंधासाधीतार्वे क्रियाच प्राचीतार्वे । इंग्रियाचार्वे तार्वे केंद्राचा उत्ते हैं आत् ५ प्रमुद्राच्द्रे खुभाया २६ मा चा देने स्टाम बिदा भेवा प्रच उदा हैदा गुवा या े**रे** 'र्ट' द्रम्य में 'अर्ट'रेदे 'रट' मिल्य में 'वेश य' ठब श्लीब 'य' रे 'ब्रेर' व 'व्रिव' यर 'वेर ्यः प्रनायः पः इत्रेन्यः पञ्जा 🔠 अशः ठकः विशः रच स्त्रः पः विशः चः परः सुरः र्हा। ्रम्र विना गुर विश मु च है। व म स्मामरे ग्रंभ ठर र वेस हेर ल स्ग्रं म्रास्त्री ्रथमः विषाया देरकायमः गुमाया विषाया । विषया विष्या क्षा क्षेत्री वा सर्वेदः विषे विर विश्व नि.च.का श्वाश व देवे स्थानर वर्नेका न वर्ष प्रशासकी है पा र स्थ े विनामी दशास्त्रामिते मि शं उदायायद चयद चामार प्येदाय है। है। वह चौरि हॅंस्रायाबां देश नु प्राचा व्यास्त्रीय विकास के स्त्राया व्यास है। दुस्रा नु प्राचा के स्त्राय व्यास है। दूस्र नु प्र नु प्राचा के स्त्राय व्यास व्या ्यायार्श्वाम प्रते सक्ष्राकृत्वम् स्रोतिर्ति प्रक्रास्यास्य स्रोतिर व नाराकित्य हे हैं। ह्र्रे,विश्वतपु,पशं,ग्रु,पव्यंशवी,श्रु,तादी,वश्री । वादापश्रीपु,पवस्यावी ् ल्राह्म श्रुर्द 'च'लेश मुन्दानी दुर चल च से हित्य में कि देरे 'च के स्वार के स्वार स्वा ं हैर्डिर्नी प्रमान दे विदेश हिंद्य मार्थ समा हिर्यम्बस अत्याप्त कर्ता मह्म ने मुन्तर ने मार्टिय है मार्टिय स्थाप वास

मीस'यहनाम भेदायरे क्षेत्रस्ट लेस ग्राय ह्या भारते। 📑 यहेंद्रस्ते द्वर वीस यहना मानाराधिकायादे वे त्यहरा की दस्रायरा ह्येका सामाराधिकार हो। नियं व दसे राज्ये प्राये पश्चामु नुर्देश के दे दूर करे दूर दे दि दे दे दारा अप के लेश नु न व स्वाहर मात्र्वीवायर होदाद्री। है है है सा सा होता है दा से हिंदा है ना होदाया पर्वे वाया स लेब लेब नु म के स् त नम न म संग्राय परे नु न य म न स् व पर्या सकेन खर् मी के खर मी के मान न के मान मान कर मान मान मान कर है। दे प्रसाद मान्द केना साय दे सारे सार सामिद के कि विकास वा के प्रदे प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के तहनायाध्येत यते क्षेत्र रं लेखा कुः नदे नदि १ केन्स तदे साहे साथ भेदार् लेखाः चु:पर्द:र्न्न्राः दे:के:प्रवश्यः व्यवस्थाः व्यवस्थाः व्यवस्थाः विकास्याः विकास्याः विकास्याः विकास्याः विकास्य त्र के विश्व से परदाय विद्या में दे के ते दे ते विश्व में प्राथ में से प्राय में प्राय में प्राय में प्राय में धर नुेद्र'च'त्र'व्यंद्रशः ब्रॅंद्र'केत् यो केद्र'द्रम्'केद्र'च'द्रम्'। ५ ५५ त्यन दर कुरालना वार्स्सन्य पार्वदाया है। यस दिने व नहे गानी वस्य सुः सूर्वे में परि ॥ ब**र**'न्ट'न्युभ' ब'न्ट' अकृत्म ग्'न्ट'हेट' भग्नाम सँग्राच' स'र्द्धट' व'दे' स्था सै''''' द्वो च नाडेवा नो अदा ह्वा र्हेवाश च रे त्रश्य गु : अर् क्र 💎 ् गुर त्य क्र क्र संस्थ मते 'यम्बानु ह्वा हें नव 'या वह नी 'लेबानु या वे दर्श व व्यापाय रे महं (हिर् गुर वंश हेर् स्ट्रा चर् ने ने ने संस्था ने हैं भी संस्था में ने स्था ने से ने दशायार्श्वनाषायदे सार्चद सुराद्वे हेराये हेराये हा। वत्रशासुदी वानहेना वर्डेन नर विश्वान ता प्रतिशास श्री हैं क्रूचिश्वान कर हैं देश हो वा शासिन ता हो दे **दन्यायायायायाया** द्वारा वुः द्वार्था वुः द्वारा कदा कुना व्ये द्वारा वार्य विव्यायायायायायायायायायायायायायायायाय तर्रा। प्रवश्चिरार्ट स्त्रामिष्ठमाय हैन यर में स्वरायस वेसाय बराया व्यवस्था व

च माहेगः रचैरायरे वेशायः हेर के किंगाना कराया हे दियाय गाया अटा दासानु र्श. क्षेत्र. त. पडेरे. त. इ. त. त. हेरे. त्येर. त. रे. लेर. थे। ्रश्चेर. प्राचाडेश. त. त्या हिता तर.पुर.त.प्नाम.त.रभूनाम.ज.लूब.बू.। सं.पचकाच.ज.श्र्र.तष्ट्र संचानका. - १ १ १ शु. शूट्र. य. म**म**। ट्रेट्र. यंदेश. ये. ११ <mark>८. ग्रे.</mark> मश. भारत्र्र, य. चरे. य. १ स्था द्मी य दर्द्रय रे दाइक सु उक् मार प्येशय रे अद के हर प्येक है। दिने य के त.लूब, ब,ट्रे.ज.झ, उर्व त.च.ल. श्वीश.पड्ड मैंची.पर्केल वुट तंब की मांकी.... मार्द्र्यामा निया प्रमादिकाचा रहे हिरा अद्भाव प्रमादिका की पर्यंत्र, यो अंधीर प्रचीर ता इत्यंत्र, ता के श्रेष्ट्र श्रेष्ट्र विश्वेष्ट विश्वेष्ट विश्वेष्ट विश्वेष्ट विश्वेष ं वु नदे ख्रैर म्याने अव केना वेदाय रे विदायर प्येदाया रायेदाया दवा व्यक्षा लेखाः चित्रात्मार्खेग्य मार्झेंबार्खे॥ हेर्सुर् हेबाचुन मार्थेग्य मार्थे झुर् हेवा हुर् या मुखासर प्रेदायका भ्रेदाय है। वर्षा क्रिया वर्षा क्रिया वर्षा क्रिया वर्षा कर लेख या वर्षा े **वै.३.चर.प्रदेशतर.ची.र.च.इस.शे.स**धैश्वरीर.च.इ.जस.जस.ची.च.कथ.खी. हा.स. दे केर **गुरान बुद** नद्भन्य पाय भेत्र दे लेख मुन हे गुत दस के त्र संदस माने दें से ं माठेना'मक'मक'क्रक वर्'य'क'भेक्'वें लेक'नु'य'रे हैर'गुँवें। ः है'हेर''लेक' चु:वाक्यार्स्य वाक्याय वाक्याय देश वाक्या है जा वर चुद्र वर्ते। क्रिया व ं पड़ेस.च.६४.३५.४.परंश्वाच.ची.ची७१.ज हुश.चडु.जश.ग्रीट.उच्च यी.ची७५.८८.क्षर. ः च १८ मुन स् ॥ अन्य मु दुनाय स् र्हेन्स परे १९८ हेरा न वाके देशसः े वैंशान, बट, तंत्रे, सुर्याश, हुंब, नान्त्रुव, स्र्रा। हैंचा नार्जिंग, केंटा नायह जा लूट माड़े

पार्ने : श्रेन : वेड्रा श्रेन : व्याप्य विश्व : विश्व मिर्टित्, केमस् शि.श्रित्, य. क्या लाटा लाया थे. जे साथा थे हुये. या हुए। डेक्ष'नुर्दे। यक्ष'न्विष्ठ दर्देर् 'डेक्ष'नु न दे न्या य हे 'द्यो पर्दे 'रहः विश्व द म् । देन प्राचीता स्वाचीता स्व ने यस नवस व भी र लेस व व व के गुर नस हैं द से देस व यस गी नवस व हैं ने हैं **ঀৢৢ৾ৼৢ৾ৼ৻ৼৢ৾ৼ৻ৼৢ৾ড়ৢৼৼ৻ঀ৾ঀৢয়৽য়ৼ৾ৠ৻ৼৢ৾৸৴৻ঀৢঀৢঢ়ৼ৻৸য়ঢ়ৢ৾৻ঽয়য়৻ঀৢৼৼ৾ৼ৽৽৽** ॱढ़॓ॻॗ**ॸॱॸऀ॔ॎॸ॓ॱॺॺ**ॱढ़ॖॺॱॺॱॸ॒ड़ॆॺॱॺॱॸॺॱॿॸॱॺॱॸॺॱऄॹॸ॓ॿ॓ॹॱॿॖॱॺॸॱॿॗॗॸ॑ॸॕऻॗ **୕ୣ୵ୖ୕୕ଽୣ୶୕ୣୣୣ୷ଽୖ୶୕୲୷୶ୄୖ୕**ୠ୵ୣୠ୶୕ୢୠ୕ୄ୕ୡୣ୰ୢୠ୕୵ୠ୕୷ୡ୕ୢ୵ୠ୕୲ विषाणुँ दिवसाव नादा बुद नु दिन्दुर वासायी हाय। ने विषाणुँ देवसा त्रेश सार्था वर्तासर प्रश्नुरायाका प्रश्नेत वर्षा वर्षा वरा चुन्य न्दा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वस्त्रान्ती,पांचाकी,पर्वेश,वेश, वेश वेश वंश तर्रान्ते, पांची राज्य हिंदा व्यक्ति विश्व न्गरमुन केर न्दा नुबाय करेब यान्दा बर सते कु केर वा व ब के कु किराय लेइ'च हेर्'केश विव बालेइ'या रेप्टा राम्याच सरायेश के प्रवास विकेत **भेक्षास दे** इंद के विवास र वेदाया दन्न या सम्मेन सामर्थे। ग्रीप्रवस्त्र व व स्वरं मा बदायर विदास रे बुक्ष सर्वे सक्दर हैन कर हैन और स्पर्व खुर है बुर के स्वरं के ले इयायर हो र पातु साय देश य देश विष्य विष्य । देश विष्य विषय विष्य य वे कैंस अप साम भेर में। हैं पर तर्र परे हिंद होस हिंद परे संस

मानुषायर प्रचुर मी लेख मान के ही ना दार प्रचाय मने हे वा ही राम ही ही राम हो र्घर विश्वादार्वाता वृष्याक्षेव वृष् लेश वि व वृत् द्वा त्रम मेंद्र व सम स्टर विश्वा माकुर्गु खुर्र्स्। सम्बन्ध प्राची का बुधाने विश्व ने प्राची सम्बन्ध मु मु खेर्ता या सर्वाया या या नावर्ता या अव व लेखा नु मदी ना नव केना या यहें रि मश्याद्यायरी कुं होत्यानाया भेगायाते त्यायसानार्वे नायर केत्यासाम्ये नाते । दे क्वे नरे दुस क दे से दे पर है दे हैं । वर्षे स्व पर स केंद्र स है द द है केंद्र स है द है केंद्र स है द है है न ब्रिन्स तम् नहेन निमानक विमानक निमानक निमा नर 5'नदे'रे |विंक' केर घनस'र्द नडस'या लेस चु म के हुना नहा भर्द प्रेना" यते. परे प्राणु क प्रमुद्द द्वा प्रमाण का प्रमाण के साम प्रमाण के प्रम के प्रमाण के प्रम के प्रमाण के प्र ସ୍ଟ୍ରମ୍ବ୍ୟୁ ପ୍ରମୟ ଜ୍ୟା 3'ସଂଶ୍ୟୁ ସ୍ୟାସ୍ଟ୍ର ଅଧ୍ୟର ଅଧିର ହାଣ୍ଡା ଦ୍ केर्प्यक्ष्यप्रदर्भ मास्याह्य सरामहिश्य झुव हेथानु व केरे मिं करेर **१८। वर्षः मः १८। मः अभः यदे प्र्यः १४: २**: २न म्राञ्च मः निर्देशः विर्देशः **7.3ेर.नश.बिर.नर.भ**ष्टिशनाङ्गेरे स्त्रि.नर.नरशनान्यास्त्रात्त्रास्त्रात्त्रास्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात् मरः अनुहारते पदे परः मा नेनासाय हेन हेस नु नि ने नि ने नि ने मूल कर है दे मिंद केर दरा यह व यह साम माने यह माने प्राप्त माने यह माने प्राप्त माने यह माने प्राप्त माने ञ्चैत.तष्.ञ्चेषे.ह्..च्.ञ्चैव.तर.वेरे.त.भूब.वष्ट.द्ये. ह्या ह.क्रे**र.ग्रे.**क्वेट.सीव. त. भ्रीय.त. त्राय. बु. (बुश. चे. च. श्रींश. श्रा किर बु. (बुश. चे. च. प्रायमा त्राय श्रींग. त नवर्ताताच्या वर में दिश ने न झूंश नम न झूर कूं में न मर न र पर विवास शु.क्र.त.रेट.क्रं.त.ब्रं.त.वे.च.रेट.रे.वर्झ.च.ह्रं.ट्रा टे.च्रं.व.ह्रं.च.ह्रं.ट्रा टे.च्रं.व.ह्रं.च.ह्रं.ट्रा

है नध्नास न रे र्वे हैं रहें। न मध्र नरे केंन ने स सुर हेंन य से र पर र **୶ୢଊ୶୳ୖୖ୶୕୶ୖ୶ଽଽ୕୴ୢୣୠୖୄଽ୕୴ୢଌ୕୕୳ୡ୲୕୰ୡ**୕ୠୗ୕୲୕୷ୢ୕ୣୖ୕ୣ୕୷ୢୖ୶ୢୖ୶୷ୄୣୠୄ୕ मः व्यास्त्र न्या वर्षेत्र व्याप्त द्वार प्रत्य प्रत्य प्रत्य के स्ट्र रहेन् सः यर प्रतः वि ले वा सिं क केन सिंह केन सि बै'र्कर्'सम्भाने'वह्यु'व'यम'हेम'सु'र्चन्।'य'प्येम'र्वे 'लेम'दकर्'यर वनुर'व'र्ड्' चीट.ची.ब्रीर.पर्श्रम.क्रंथ.उर्थ ग्री.चमंत्र.क्रं.स.म्.चर्सी.चर्र्य.त. इंदे क्षेर देवे अष्टित य सुद्र है अ लिंग यर है श क्ष र विंग य प्येद हैं। दिसा-चात्रसा हेशानु न दारेस माही हो हैं हैं सामे दार हूँ दाया सहा नहूर मरे सिंद्रिया हें शास्त्र में प्राया क्षेत्र है। वेश मिला प्रायह सार्थ के शासा क्षेत्र यास क्षेत्र चानाट क्षेत्र च दे दे देस्य चानायत्य चते क्षेत्र वस खूत चर तुर्य च प्रेत्र नगाद हा ही दिना या ना हो दा पा लेख नी नय हमा पर निया है नि केंद्र या हो दा निया है **ब्रिस:**मु:प:रेश्रद्भा विकास: देश: विकास: विकास: पर्वे देश: परवे देश: परव पर्व पर्व सिवि प्राहिस सुर्वि प्राप्त स्था सिव के लिस पुर ने प्राप्त सिव के लिस प्राप्त सिव सिव सिव सिव सिव सिव हे त्या या या से दारा प्यार है व्यू राष्ट्रे द्वा विष्यु राष्ट्रे व्यू दाय व्यू द्वा व्यू व्यू व्यू व्यू व्यू व इट लेखानु न क्षेत्र की क्षेत्र पर्वे प्रमुद्ध के प्रमुद्ध की की कि के कि सर् दे हो दिया विद्या की सामक्षेत्र मही हो दिया । स्थान स्थ मही हो दिया क्रेंग्रास क्षु प्रवर्त पाय स्वामा परि हिन पर मौस अव यम नमु अव वी। उस त.लट.चेट.लुबे.चेट.चुं.भु-चुंस.च.सटस.चरा भाषिस.च.भिष्टेब.च.भुबे.खे. ं खिश्राय देविदेदालेमानुप्ताय स्वाशायाञ्चल है। वर्डमास्त्राप्तर्भाव दे सद्राचा माध्येष है। वनसाक्षार्क्षेत्रायसायदेवायायवे क्षेत्रायसावदेवायायवे क्षेत्राया

देवे सुरामा सुषाया मिन्निराया हेवा शु प्रचेना या प्येता वे लिका मानवा सुरारी। देवे हैस सु र्सेन पार्ण द दें विश नु न दे न दें स स्व र व न स के हैस सु र सेन स्व र हैं र री। झुन हेना झुन पते तहेना र्केंट सु स न लेखा मु न के महिन पर पद्मा मा मुन को । **दश। ५:वे.नरे.**नर.ने केर.न.पंतर अ.वेर.मीर.न.केर.मी.जू.म.स.नहासक्र. मिन्नियानेत्र मिन विषानायाया स्थान ही स्था मिन्न विषा स्थान ही स्थान पर् ्यमग्नार प्रेक् य दे प्राव्क मी र्दे प्रेक् मी रूप में दिवाम प्रेक के स्ट्रा के सा ৾*ব*ম'Aৢয়ৢৢৢৢঢ়ৢৢৢৢ৾৽৻ঀৢয়'য়ৢয়'য়ৢয়'য়ৢয়য়ৢয়' ৾৾৾ৢ৾[৽]৽য়ঢ়য়ৢ**য়য়ড়য়৸ড়য়৸ড়ঢ়৸ড়য়৸ড়ড়ড়৸ড়ড়ড়৸ড়ড়৸ড়ড়৸ড়ড়৸ড়ড়৸ড়ড়৸** र्श्वेरपद दे, जासद्य पाला रे अं खेश बे पर हे हुं रे हो। हे क्या हुई वर विश्वेर र्द्र 'बेश च व विम्युव खेर क्रम्य स्यास्य स्वर खेर र्द्र 'बेश च नस रे स स्वर प्र न हर ्रवर त्युर व हिर भेर वादे छैर हो। मार दे वह हिसस हा व उना सावर **र्केश रा.म.क्**र्याया मुचे स्मिर सालेश मि.च.च.च.च.च.च.च.च.च साम्याया मह्त्र राम ह्र्याया राम **श्रदशः मुश्रः मदे, दे.श.र ग.रे.**शैव श.इश. वच. नदे, ख्रीर क्ष्र्शः पट्रे. हेव्।श्र.चा.चालशः **৴ঀ৾ঀ৾য়৻ঀৼ৾৾৾ৼৢ৾ঀয়৻ঀৼ৻ঀ৾৻৸ৼৼ৸**৻ঀ৾য়৻ঀয়৻ঀ৾৻ঢ়ৣ৻ঢ়ৼ৻৸৻য়৾৻ঀয়৻ঀঽৼ৻ৠ৾য়য়৻ श्चानबुन्यानायान्येन्यायानात्वीरार्यः बेशानु नायाः श्निशासके द्वाविद्वाराये ब्रेम्प्रा अंसमारकार्ल्यासार्श्वराम्यान्त्राम्यात्रा वयायर हुँ त्यर सहर्पयम । सह दे यर पर्टे पर के के हिन बाह्ने राह्ने र्झे वस सेमम उव वसम प्रेंट्श शुः होव चर महंद पर्दे छेर हो। हे वे देने

वर्षा व ने व म वर्ते प्र म प्रवे ने लेश के प्र व के श्रुवा के कि प्र व के प्र नविद् नर विश्वर व संभित्र व विश्व व नविद् ते व नि य हैंदे य दे हे नश्च य प्यर व होर य हेवाश य कर्त ही स विव य प्यर य । इट देनाय न अट होने न हैने सार उन स अने म हैन अन मारे हेर हिन सर त्र के के त्र हे निर्माण निहान के साथ के के त्र विद्या प्रमाण निहान के साथ के त् .दे.लट.म् रूमःचन्द्र देश्चे च.ज.सर्वे.तर.चन्द्रे.तर.मे वेतमः डर्न मि केर प केर मार भेर भ ने कर म केर है के वर क्विर प म भेर केर केर क्षेर द्वारा शायकर पर श्रीं र भे ता देते हिर भे साम दे पर श्री पर है र पर श निर्वेश्वसः पर्दे क्रूना में सः नहेश सः भूश । श्रीयः परः वेदः सः दरः प्रवशः समः वै त्यम म्माम या ह्यु न यन होन या हैन प्ये प्ये प्ये हुन ही माय है वे व हिन दाकृदानु केना हे सुर कित् सर प्रसुव व भी कित है निश्चर पर के लेख व.च.ज.ध्यशता श्रुंश.श्री भट्यं तर हिर तर ही में बिरात स्ट्रें के में त्रज्ञांच लासवासर सहरात हेरारा पर सर् सर मिलेसका सहर क्रेंना राम क्रिंचाय लुन, खुन्न, पन्ने बुन्। वीयाने, पन्ने, पन्ने, पानेट, खुन्नाने, पन्ने, पन्ने, पन्ने, पन्ने, पन्ने, पन्ने, पन्ने त.श्रुम.श्र्रा है स्नर्-र्-वन्तर पदे र्यं रहत स्व सदेशम्ब से स्व स्वर् स'द्रायदेव''यत इद्रायद्राद्रादे देवास'य'द्रादेश सु वह विभाव हिंदाय दे

प्राप्त तम्मेल, जम्म ता हुन मा न्याप्त तम् मा न्याप्त तम् मा न्याप्त ना न्याप्त न्याप्त ना न्याप्त न्याप्त न्याप्त न्याप्त न्याप्त न्याप्त न्याप्त न्याप्त न्यापत न्याप्त न्याप्त न्याप्त न्याप्त न्याप्त न्याप्त न्याप्त न्य

🐐 दशःग्रींस है.चर्.मै.सक्ट्र्स.स्.चड्डब.री ।बर्ख्स.चर्.सबट.लस. क्र्याक्ष्यान्य त्रवयस्य प्राट्टा । ह्रिया मी.माञ्जास सार्यस ग्राट्टानामाध्यसःमी॥ र्ट.भ.त्र्रदश प्रविदे.जुनाश.चन्तर.वर्टेर.कु.तेरी ारतर.टे.चर्झेब.तपु.¥श.रेर्यर. सिटार्स पुरुष्टिया । यह द्वा क्रिया के सिटार्स में सिटार्स में निष्टार हैं। कुर खरे वर्षे ताम बियाम । इस सेन्या हरें ने वर्षे सहूर कर्र ने वर्षे सहूर कर् र्ज्व विश्वापात्रे अदारेट नुषा भेरासूच ग्रीश कुरावक्षण्या में दे ह्रीयाः श्रुर् भ्र पत्र राम्यामादमाः हिंदमाः क्ष्याः स्व मी.हिंद न मीवान में प्रमान में प्रमान र्च . के हेब. म् प्र हें स्टाया केर प्रयम यारे हैं श्रीटा मी किया भार कारे हैं अंगा यर नुरुष् छॅर दर छॅर वर्ष मु स है अ हैं वर के बार नारु न सर केंद्र दरें गु गुरे हुँर न के हिर रे न कर दुर न सँग्रा ही गुर रहा ह नई के सुर क्रुंबाश अर्थे केर उर्ह जाया उर्ह रचा झेचा खेर हैं है है हो विदा विदा हों ग्रंस हों हो मान दरनु वर्षरावदे से र्स्सूर अधार्षर विषेष नास्स् हे कु नार दयन्य वर्ष वर्षे ८८५ 'अट.वेय.च८.८७८ रेज्ट्ब.इ.स श्रेर.त **८४.**येब.शे.४सुज.च **८**८.। पह्म म्रीट क्रटश नटु.हिर्च ज. पड्ड. भुर ७. चर्ड. जम. हर्ष। देश. पडे्ब. पेंग. श्रुमेरे. इट अवाश स् वीय वश मिश. व स्वा व द्वा एवं व विवास क्षेत्र व प्रा व व केन नु न्याना साम निष्य मुन सम्बद्ध स्थान है सा होन मुन सहर निष्य र्टा वश्चुर व गुर नाट यद ट श्वर कें ना पदे रूपो वर्षे दे श्चें के कें ना पुर पूर्ण दे रूपो ह्यूट.क्र्स.झ.च टचा.रेवट.ह्यू.च वटा.चर्त्र १.८हूर.चे भक्त्र.ह्यू. वर्त्र॥ ॥